जेम्स हैडली चेस

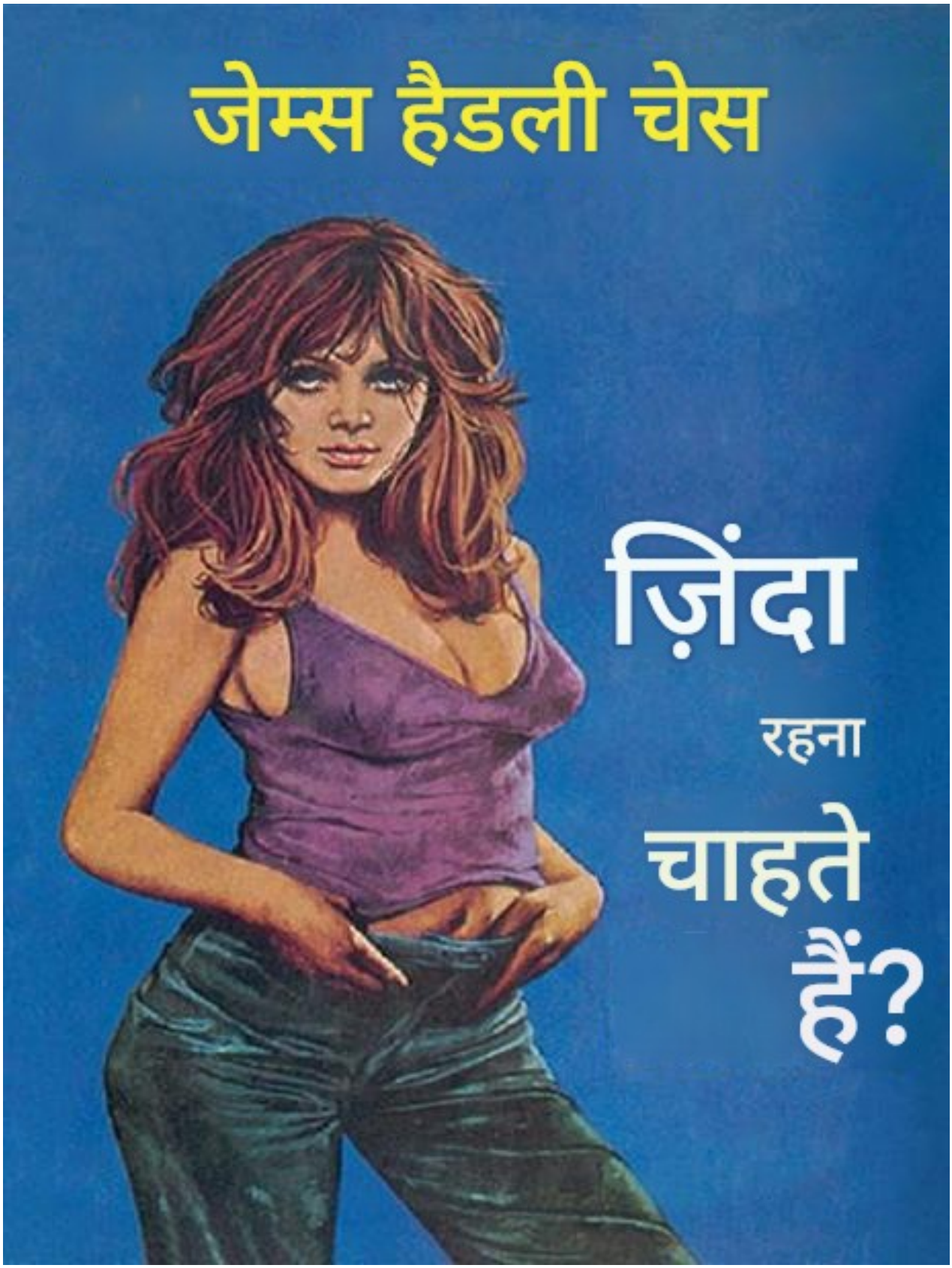

ज़िंदा रहना चाहते हैं?

JAMES HADLEY CHASE

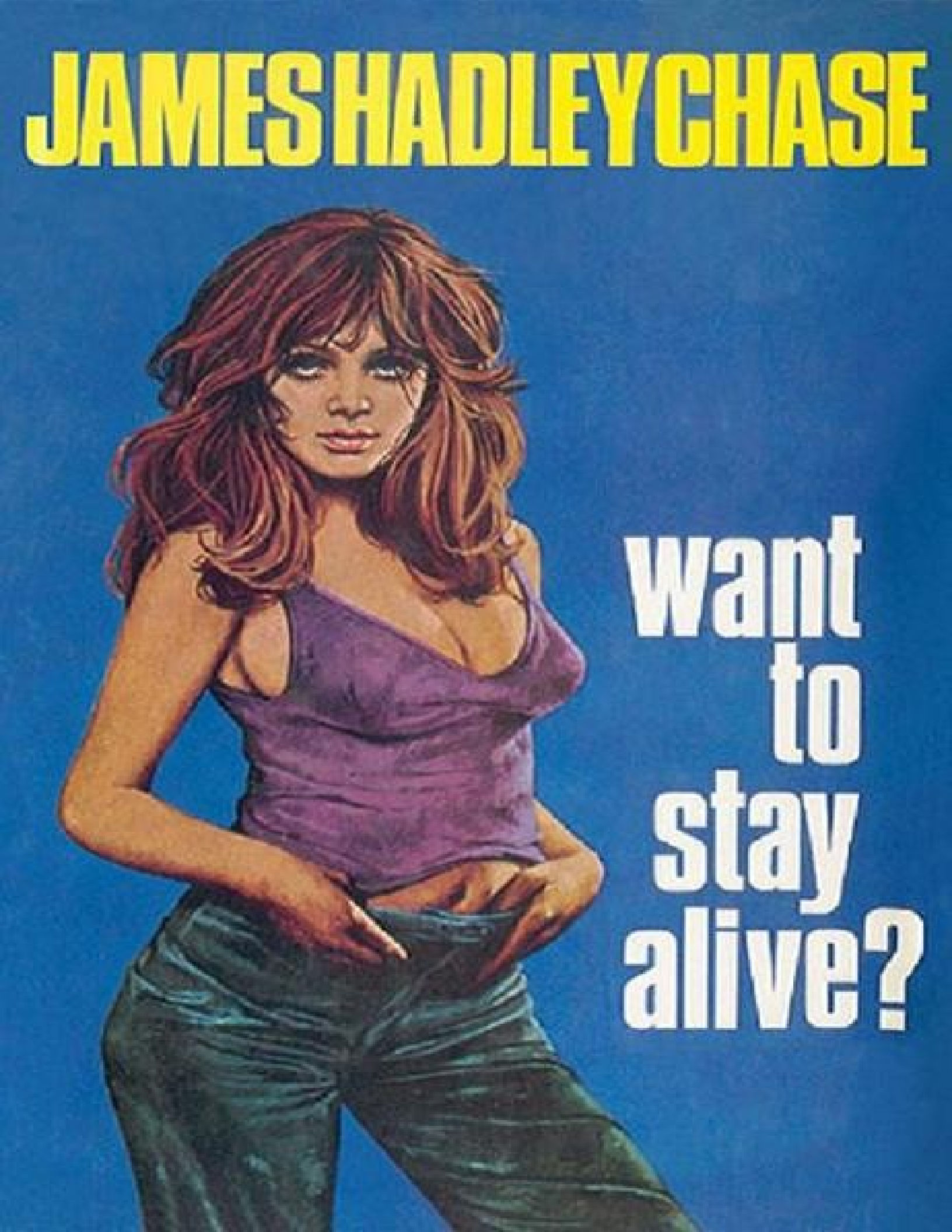

want to stay alive?

Table of Contents

□□

दो

तीन

चार

पाँच

छह

सात

आठ

□□□□□□□□□

□□

□□

□□□

□□□

□□□□

□□

□□□

□□

□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□?

[redacted] © 1971

एक

उन्हें सोए हुए एक घंटे से ज़्यादा समय नहीं हुआ था कि मेग अचानक जाग उठी। उसने तकिए का काम कर रहे अपने बैग से सिर उठाया और चाँदनी से जगमगाते खाली कमरे में बेचैनी से चारों ओर देखा। चारों ओर मकड़ी के जाले घने गुच्छों की तरह लटके हुए थे और एक विशाल मकड़ी छत पर रेंग रही थी।
जब वे अंदर घुसे थे, तब उसने चक से कहा था, "यह एक डरावनी जगह है। भूतों की जगह है।"
लेकिन चक में कल्पनाशीलता नाम की कोई चीज नहीं थी। उसने उसका उपहास किया था।
“ठीक है... तो हम उनका साथ देते हैं। इन मच्छरों से तो कुछ भी बेहतर है।”
हाईवे 4 से उतरकर सोने की जगह ढूंढते हुए वे इस वीरान मकान के पास आ पहुँचे थे। नींबू और आलू की खेती वाले कस्बे गोल्ड्स को छोड़ने के कुछ ही समय बाद उनका पैसा खत्म हो गया था। चक ने एक पैकिंग कारखाने में नौकरी पाने की कोशिश की, लेकिन उसे मना कर दिया गया। उसके कंधे तक लंबे बाल, दाढ़ी और जैक्सनविले से आने के बाद से उसके शरीर से आ रही बदबू, जहाँ उसने आखिरी बार नहाया था, उसे नौकरी के लिए अयोग्य साबित कर दिया।
यह सुनसान मकान बौने ताड़ के पेड़ों, पामेटो और फूलों वाली झाड़ियों के घने जंगल में स्थित था। यह दक्षिणी औपनिवेशिक शैली की दो मंजिला इमारत थी, जिसमें छत तक पहुँचने वाले छह चौकोर बरामदे के खंभे थे: किसी अमीर आदमी का घर, जो अपने समय में निश्चित रूप से बहुत प्रभावशाली रहा होगा।

मेग ने उत्सुकता से इमारत को देखा था और सोचा था कि इसका मालिक कौन था और इसे कोई क्यों नहीं खरीदना चाहता था।
"किसे परवाह है?" चक ने तब कहा था जब उसने अपने विचार व्यक्त किए थे और प्रवेश द्वार की ओर जाते हुए उसने भारी लोहे के ताले पर एक लात मारी थी।
दरवाजे ढीले पड़कर खुल गए। उनमें से एक अपने कब्जों से उखड़ गया और धड़ाम से गिर पड़ा, जिससे दम घोंटने वाली धूल उड़ उठी।
मेग पीछे हट गई थी।
मैं वहां सोना नहीं चाहता... वह जगह डरावनी है।
“अरे, चुप रहो!” चक उसकी बातें सुनने के मूड में नहीं था। वह भूखा, थका हुआ और उदास था। उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे धूल भरे अंधेरे में खींच लिया।
उन्होंने ऊपर की मंजिल पर सोने का फैसला किया क्योंकि नीचे की खिड़कियाँ बंद थीं। ऊपर की गंदी खिड़कियों से छनकर आती चाँदनी इतनी तेज़ थी कि उन्हें सामान खोलने के लिए पर्याप्त रोशनी मिल गई। चौड़ी सीढ़ियाँ देखने में बहुत ही शानदार थीं। मेग ने कल्पना की कि स्कारलेट ओ'हारा जैसी कोई महिला अपने पूरे वैभव में सीढ़ियों से नीचे उतर रही है, और बड़े हॉल में उसके चाहने वालों का एक समूह उसका इंतज़ार कर रहा है। उसने यह विचार चक को नहीं बताया। वह जानती थी कि वह केवल उसका मज़ाक उड़ाएगा। चक मूल रूप से वर्तमान में जीता था। उसके लिए भविष्य भी एक खाली दीवार जैसा था।
अब, अचानक जागते हुए, उसका दिल अनियमित रूप से धड़कने लगा, और उसने सुनना शुरू किया।
घर में मानो कोई जीवंतता थी। बिस्केन खाड़ी से आती हवा छज्जे में धीमी सी सरसराहट कर रही थी। फटते हुए वॉलपेपर से हल्की

कोई चारा नहीं था, और अपने माता-पिता के साथ टीवी देखने का ख्याल उसे निराश कर रहा था।
क्या आप किसी साथी की तलाश में हैं?
चक परछाई से बाहर निकलकर उसके सामने खड़ा हो गया। उसने उसे गौर से देखा। मेग ने किशोरों के साथ वो सब कुछ किया था जो वो करते हैं, सिवाय अपनी कौमार्यता खोने के। उसे कार में होने वाली वो जद्दोजहदें पसंद थीं जब वो अपने पैरों को कसकर क्रॉस करके रखती थी और उस एक बात को छोड़कर बाकी सब कुछ सह लेती थी।
उसकी मां ने उसे अजनबियों से कोई वास्ता न रखने की इतनी बार चेतावनी दी थी कि अब यह चेतावनी उसके लिए उबाऊ और एक चुनौती बन गई थी।
चक में एक खास आकर्षण था। वह कद में छोटा, गठीला और ताकतवर शरीर वाला था। उसके लंबे लाल बाल और दाढ़ी उसे बहुत भाते थे। उसका चेहरा अपनी बेफिक्री भरी कुरूपता में भी आकर्षक था। उसमें एक ऐसी पौरुषता थी जो उसे झकझोर देती थी।
उसे याद आया कि वे समुद्र तट पर गए थे और नग्न अवस्था में तैराकी की थी।
चक अपने नग्न शरीर को लेकर इतना सहज था कि उसने मेग की कपड़े उतारने की सारी झिझक को दूर कर दिया।
जब वे समुद्र के पास पहुँचे, तो उसने कहा, "चलो तैरते हैं।" मेग को कुछ पता चलने से पहले ही उसने अपने कपड़े उतार दिए और नग्न अवस्था में ही समुद्र में दौड़ पड़ा। एक पल की झिझक के बाद, उसने भी उसका अनुसरण किया और बाद में उसकी जल्दबाजी के आगे झुक गई। उसका पहला यौन अनुभव बेहद विस्फोटक था। हालांकि चक में कई कमियां थीं, लेकिन वह जानता था कि एक महिला को कैसे संभालना है।

“मुझे तुम पसंद हो, मेग,” उसने कहा था जब वे थके-हारे और आराम से एक दूसरे के बगल में लेटे हुए थे। “क्या तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं?”
उसे यह पता चलने वाला था कि चक को सिर्फ पैसे और सेक्स में ही दिलचस्पी थी। उसने अमीर रिश्तेदारों से मिले उपहारों से सालों में तीन सौ डॉलर बचाए थे, जिन्हें उसने अपनी माँ के कहे अनुसार 'मुश्किल समय' के लिए बचाकर रखा था। यह कोई मुश्किल समय नहीं था, लेकिन उसे इसकी परवाह क्यों करनी चाहिए?
चक ने उसे बताया कि वह फ्लोरिडा जाने की योजना बना रहा है। उसे धूप चाहिए थी। नहीं, वह कुछ नहीं करता था। जब उसके पास पैसे खत्म हो जाते, तो वह कोई भी नौकरी कर लेता—कोई भी नौकरी—और जब उसके पास पर्याप्त पैसे जमा हो जाते, तो वह नौकरी छोड़ देता। जीने का यह एक अच्छा तरीका था और मेग भी यही सोचती थी। चक ने कहा था कि तीन सौ डॉलर में वे हमेशा के लिए रह सकते हैं। उसके साथ क्यों न चलें?
मेग को इसी पल का बेसब्री से इंतजार था। उसे एक ऐसा आकर्षक पुरुष मिल गया था जिसकी सोच बिल्कुल उसकी जैसी थी।
चक उससे चार साल बड़ा था। वह अकेले फिल्म देखने गई थी: ऐसा वह बहुत कम करती थी क्योंकि उसके हमेशा बहुत सारे दोस्त होते थे। उस खास रात वह अकेले रहना चाहती थी। उसने अपने माता-पिता को बताया था कि वह शर्ली से मिल रही है और वे शहर के बीचोंबीच फिल्म देखने जा रहे हैं। उसे हमेशा अपने माता-पिता को बताना पड़ता था कि वह किससे मिल रही है और वह हमेशा झूठ बोलती थी, क्योंकि उसे पता था कि वे इतने नासमझ हैं कि जाँच नहीं करेंगे। शर्ली के साथ जाते समय भी वह झूठ बोलती थी, उन्हें बताती थी कि वह एडना के साथ जा रही है। उसे अपने माता-पिता से झूठ बोलने में मज़ा आता था।

वह सोचती थी कि क्या उन्होंने उसकी बात सुनी भी थी। अक्सर वह सोचती थी कि अगर वह कहती कि वह फ्रैंक सिनात्रा के साथ बाहर जा रही है, तो क्या वे टीवी स्क्रीन पर देखते हुए हमेशा की तरह 'मज़े करो, हनी, और देर मत करना' कहने के अलावा कुछ और कहेंगे।
वह बलवान, साहसी, बेपरवाह था और उसका प्रेम-प्रसंग अद्भुत था। उसने जरा भी संकोच नहीं किया।
उन्होंने अगले दिन ग्रेहाउंड बस स्टेशन पर मिलने का इंतजाम किया और वे साथ में फ्लोरिडा जाएंगे।
अगली सुबह, जब उसकी माँ खरीदारी करने बाहर गई हुई थी, तब उसने अपने कैंपिंग के कपड़े पैक कर लिए थे, एक नोट लिखकर बताया था कि वह वापस नहीं आएगी, अपने पिता द्वारा घर में बुरे समय के लिए रखे गए पचास डॉलर ले लिए और हमेशा के लिए घर छोड़ दिया।
चक की भविष्यवाणी के मुताबिक, उसके तीन सौ डॉलर और उसके पिता के पचास डॉलर हमेशा के लिए नहीं टिके। उसकी कई कमजोरियों में से एक जुआ खेलने की लत भी थी। मेग धड़कते दिल के साथ बैठी थी, जबकि चक जैक्सनविले जाते समय रास्ते में मिले दो युवकों के साथ खुशी- खुशी पासे फेंक रहा था। जब चक के पास सिर्फ पचास डॉलर बचे, तो मेग ने कांपती हुई आवाज में कहा कि अब रुकने का समय आ गया है। दोनों युवकों ने चक की ओर देखा। बड़े युवक ने कहा, "क्या तुम अपनी पत्नी से इस तरह की बकवास बर्दाश्त करते हो?"
चक ने अपने चौड़े, छोटी उंगलियों वाले हाथ से मेग का चेहरा ढक दिया और उसे इतना ज़ोर से धक्का दिया कि वह धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ी और ज़ोर का झटका लगने से उसकी सांसें थम गईं। जब तक वह संभली, चक उनके सारे पैसे हार चुका था और दोनों युवक अंधेरे में गायब हो गए।

“तो पैसे किसलिए?” जब वह उस पर चिल्लाई तो चक ने गुस्से से कहा। “चुप रहो! हमें और मिल जाएंगे... पैसा तो हमेशा होता ही है!” उन्हें संतरे तोड़ने वाले मजदूरों के रूप में काम मिल गया था और उन्होंने एक सप्ताह तक भीषण गर्मी में कड़ी मेहनत की जब तक कि उन्होंने तीस डॉलर जमा नहीं कर लिए, फिर उन्होंने काम छोड़ दिया और एक बार फिर मियामी की ओर चल पड़े।
किराया और खाना खरीदने के बाद पैसे ज़्यादा देर तक नहीं चले। अब उनके पास कुछ नहीं बचा था और मेग भूखी थी। उन्होंने बारह घंटे से कुछ नहीं खाया था: आखिरी बार उन्होंने एक चिकना बर्गर खाया था, फिर भी उसे कोई पछतावा नहीं था।
इस तरह का जीवन: गंदा, भूखा और बेघर होना, उसके माता-पिता द्वारा शासित उस नीरस जेल में रहने से कहीं बेहतर था।
कल कुछ न कुछ तो पता चल ही जाएगा, उसने सोचा। उसे चक पर भरोसा था। वह दोबारा सोने के लिए लेट गई, फिर अचानक उठ खड़ी हुई।
नीचे वाले हॉल में कोई इधर-उधर घूम रहा था!
उसे जूतों की रगड़ की आवाज़ साफ़ सुनाई दी और उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। वह चुपचाप चक के पास गई और उसका हाथ पकड़कर धीरे से हिलाया।
“चक!”
वह कराह उठा, उसका हाथ झटक दिया और करवट बदलने लगा, लेकिन उसने फिर से उसका हाथ झटक दिया।
“चक!”
“हे भगवान!” वह जाग उठा और आधा उठ बैठा। इस समय भी उसके शरीर से आ रही मिट्टी की गंध ने उसे नाक सिकोड़ने पर मजबूर कर दिया। “क्या बात है?”
"नीचे कोई इधर-उधर घूम रहा है।"

जैसे ही उसने उसकी बांह पकड़ी, उसे उसकी मजबूत मांसपेशियां कसती हुई महसूस हुईं और उसे तसल्ली मिली। उसकी शारीरिक शक्ति ने उस पर गहरा प्रभाव डाला।
“सुनो!” उसने फुसफुसाते हुए कहा।
उसने उसका हाथ झटक दिया और खड़ा हो गया। चुपचाप चलते हुए वह दरवाजे तक गया और धीरे से उसे खोला। उसने उसकी चौड़ी पीठ को देखा। उसकी झुकी हुई मुद्रा और स्थिरता ने उसके डर को कुछ हद तक कम कर दिया। उसने कुछ देर तक सुना, फिर दरवाजा बंद किया और उसके पास आया।
“हाँ... तुम सही कह रहे हो। वहाँ नीचे कोई है... शायद पुलिसवाला हो।”
वह उसे घूरती रही।
"क्या आपको मिला?"
“हम अतिक्रमण कर रहे हैं। अगर कोई पुलिसवाला...” वह अपने निचले हिस्से को चबाने लगा। “हमें आवारागर्दी के आरोप में गिरफ्तार किया जा सकता है।”
“हम कोई नुकसान नहीं कर रहे हैं... क्या यह आवारागर्दी है?”
चक सुन नहीं रहा था। उसने अपनी कमर की जेब से एक वस्तु निकाली और उसे मेग के हाथ में थमा दिया।
“इसे अपनी पैंट में रख लो। अगर कोई पुलिसवाला है तो उसे यह मेरे पास नहीं मिलना चाहिए।”
"यह क्या है?"
“चाकू, बेवकूफ़!” वह दरवाज़े तक गया और उसे धीरे से खोला। मेग ने उसे बाहर जाते हुए देखा और सीढ़ियों के ऊपर रुकते हुए देखा। उसने चाकू के हड्डी के हैंडल और उसके क्रोम बटन को घूरकर देखा

और उसकी उंगली बटन को छू गई। जैसे ही तीन इंच का चमकता हुआ स्टील उसकी नज़र में आया, वह चौंक उठी।
उसे समझ नहीं आ रहा था कि ब्लेड को हैंडल में कैसे वापस लगाया जाए। उठकर वह कमरे के उस पार गई और फफूंद लगे वॉलपेपर के टुकड़ों के ढेर के नीचे चाकू छिपा दिया। फिर वह चक के पास गई। चक ने उसे चुप रहने का इशारा किया। दोनों बिना हिले-डुले खड़े होकर सुनने लगे। मेग को सिर्फ अपने दिल की तेज़ धड़कन सुनाई दे रही थी।
“मैं नीचे जा रहा हूँ,” चक ने फुसफुसाते हुए कहा।
उसने उसका हाथ पकड़ लिया।
"नहीं!"
उसे और समझाने की ज़रूरत नहीं लग रही थी। उसे लगा कि वह भी उतना ही डरा हुआ है जितना वह खुद थी और उसे उस पर थोड़ी निराशा हुई। वे कुछ और पल वहीं खड़े होकर सुनते रहे, फिर उन्हें हॉल के बाईं ओर वाले कमरे में किसी के चलने की आवाज़ सुनाई दी। फिर एक धुंधली सी आकृति हॉल में आई। उन्हें सिगरेट की लाल रोशनी दिखाई दी और चक को राहत मिली। उसे यकीन था कि घुसपैठिया चाहे जो भी हो, वह पुलिसवाला नहीं था। पुलिसवाले ड्यूटी पर सिगरेट नहीं पीते। "वह कौन है?" उसने पूछा, और मेग को उसकी आवाज कठोर और सख्त लगी। एक पल का सन्नाटा छा गया। उन्हें एक धुंधली आकृति स्थिर खड़ी दिखाई दी, तभी एक शक्तिशाली टॉर्च की रोशनी उन पर पड़ी, जिससे वे चौंककर पीछे हट गए। रोशनी एक पल के लिए उन पर टिकी रही, फिर बुझ गई और वे अंधे हो गए।
"मुझे चाकू लाओ," चक ने फुसफुसाते हुए कहा।
मेग लड़खड़ाते हुए कमरे में दाखिल हुई, वॉलपेपर के ढेर की ओर दौड़ी और उसे चाकू मिल गया।

जब वह चक के पास पहुंची तो नीचे से एक आदमी कह रहा था, "मैंने देखा कि दरवाजा खुला था, इसलिए मैं अंदर चली गई।"
चक की गर्म, पसीने से तर उंगलियां चाकू के हैंडल पर कस गईं।
“तो फिर बाहर निकल जाओ,” उसने गुस्से से कहा। “हमारा इस पर पहला अधिकार है। दफा हो जाओ!”
“यह हम सबके लिए काफी बड़ा है, है ना? मेरे पास खाना है। मुझे अकेले खाना पसंद नहीं है।”
मेग को अपने पेट में गुड़गुड़ाहट सुनाई दी। खाने के ख्याल से ही उसके मुंह में पानी आ गया। उसने चक का हाथ पकड़ लिया। चक समझ गया। उसे भी बहुत भूख लगी थी।
“मुझे लगा तुम पुलिसवाले हो,” उसने कहा। “ऊपर आ जाओ।”
उन्होंने नीचे खड़े व्यक्ति को हॉल से सटे कमरे में जाते और एक बैग लेकर वापस आते देखा। वह अपनी टॉर्च की रोशनी का इस्तेमाल करते हुए सीढ़ियों पर चढ़ने लगा।
हाथ में चाकू लिए चक उसका इंतज़ार करता रहा और मेग को उस कमरे की ओर धकेलता रहा जहाँ से वे अभी-अभी निकले थे। मेग दरवाज़े पर ही रुक गई, सीढ़ियों के शीर्ष पर पहुँचते ही उसका दिल बेचैनी से धड़कने लगा।
चक ने उसे गौर से देखा। उसे बस एक लंबा सा आकार दिखाई दिया: एक आदमी जो उससे एक सिर लंबा था, लेकिन दुबला-पतला और कंधे फैलाए हुए नहीं था। चक ने सोचा, उसमें ज़्यादा ताकत नहीं होगी, और थोड़ा आराम महसूस किया।
“चलो तुम्हें देखते हैं,” चक ने अपने दबंग लहजे में कहा। “मुझे अपना फ्लैश दिखाओ।”
उस आदमी ने टॉर्च आगे बढ़ाई। चक ने उसे लेकर टॉर्च की रोशनी उस आदमी के चेहरे पर डाली।

देखते ही मेग सज गई। यह आदमी एक सेमिनोल इंडियन था। जैक्सनविले से आते समय उसने ऐसे कई इंडियंस देखे थे, और वह उनके घने नीले- काले बाल, सांवली त्वचा, उभरी हुई गाल की हड्डियाँ और पतली काली आँखों को पहचानती थी। यह आदमी लगभग तेईस या चौवालीस साल का था और देखने में सुंदर था, लेकिन उसका भावहीन चेहरा और उसकी खामोशी मेग को बेचैन कर रही थी। उसने पीले रंग की पैटर्न वाली कमीज़ पहनी थी, जिस पर सफेद फूल बने थे, गहरे नीले रंग के हिपस्टर्स पहने थे और उसके भूरे पैर रस्सी के तले वाली चप्पलों में थे। वह स्थिर खड़ा रहा, और उन दोनों को उसे ध्यान से देखने दिया। टॉर्च की रोशनी में, मेग को उसकी आँखें आग की तरह जलती हुई प्रतीत हुईं।
"तुम कौन हो?" चक ने बीम को फर्श पर रखते हुए पूछा।
“मेरा नाम पोके तोहोलो है,” उस आदमी ने कहा। “और आपका?”
“मैं चक रोजर्स हूँ... ये मेरी लड़की है, मेग।”
"चलो खाते हैं।"
रास्ता रोशन करते हुए चक कमरे में आगे-आगे चल पड़ा। मेग पहले ही आगे जा चुकी थी और अपने बैग के पास बैठी थी, उसका पेट खालीपन से सिकुड़ रहा था।
पोक ने अपना बैग ज़मीन पर पटक दिया, घुटनों के बल बैठा, उसे खोला और उसमें से दो मोमबत्तियाँ निकालीं, जिन्हें उसने जलाकर ज़मीन पर चिपका दिया। उसने ऊपर हाथ बढ़ाकर चक से टॉर्च ली और उसे बैग में रख दिया, फिर उसने एक प्लास्टिक की थैली से भुना हुआ चिकन और हैम के कई टुकड़े निकाले।
“अरे! ये तुम्हें कहाँ से मिला?” चक ने कहा, उसकी आँखें गोल-गोल हो गईं।
उसे याद नहीं था कि उसने आखिरी बार चिकन कब खाया था।

पोक ने उसकी ओर देखा।
"क्या तुम्हें परवाह करनी चाहिए?" उसने हड्डी के हैंडल वाले चाकू का इस्तेमाल करते हुए कुशलतापूर्वक मुर्गे को बराबर भागों में काट दिया।
वे चुपचाप, बड़े चाव से और संतुष्टिपूर्वक खाना खा रहे थे। मेग ने देखा कि वह भारतीय बार-बार चक को देख रहा था, फिर नज़रें हटा रहा था। उसने एक बार भी उसकी तरफ नहीं देखा।
जब उनका काम खत्म हो गया, तो चक अपनी कोहनियों के बल पीछे झुक गया।
वाह! क्या बात है! आप कहाँ जा रहे हैं?
पोक ने सिगरेट का एक पैकेट निकाला।
“पैराडाइज सिटी। और आप?”
"मियामी, शायद।"
उन्होंने मोमबत्ती की लौ से अपनी सिगरेट जलाई।
“क्या तुम्हारे पास कोई नौकरी है?” पोक ने पूछा। वह पालथी मारकर बैठा था, उसके हाथ घुटनों पर थे।
मैं एक ढूंढ लूंगा।
“ऐसा सोचते हो?” पोक ने चक को घूरते हुए कहा। “पुलिस वाले आवारा लोगों की तलाश में खुदाई नहीं करते।”
चक अकड़ गया।
"क्या तुम मुझे आवारा कह रहे हो?"
“तुम और क्या हो? तुम गंदे हो और तुमसे बदबू आती है।”
मेग सहम गई। उसे पूरा यकीन था कि चक उस भारतीय पर चाकू से हमला करेगा और जब चक वहीं रुका रहा तो वह चौंक गई।
“मैं आवारा बनना पसंद करूंगा बजाय जंगली बनने के,” उसने कहा। “तुम्हें लगता है कि तुम्हें नौकरी मिल जाएगी?”

मुझे नौकरी की जरूरत नहीं है।
चक एकदम सतर्क मुद्रा में खड़ा हो गया।
"तो तुम्हारे पास पैसे हैं?"
पोक ने सिर हिलाया।
“कितने? दस डॉलर? मुझे यकीन है कि तुम्हारे पास इतने पैसे नहीं होंगे!”
मैं कल कार खरीद रहा हूँ।
चक के दांतों के बीच से सांस की सरसराहट की आवाज निकली।
“एक कार? किस तरह की कार?”
पोक ने कंधे उचका दिए।
“कुछ सस्ता सा...सेकंड हैंड। मुझे कार चाहिए।”
“अरे बाप रे!” चक ने कुछ देर तक उस भारतीय को घूर कर देखा। “अरे! क्यों न हम तीनों मिलकर एक गिरोह बना लें? मान लो हम तुम्हारे साथ पैराडाइज़ सिटी तक चलें... क्या कहते हो?”
यह सब सुनते हुए मेग चक के साहस पर चकित रह गई। वह बिल्कुल सही कह रहा था। अगर आप मांगेंगे नहीं, तो आपको मिलेगा भी नहीं। "हमें क्यों शामिल होना चाहिए?" पोक ने कुछ देर रुककर पूछा। “इसमें आपका क्या नुकसान है? अकेले यात्रा करने में कोई मज़ा नहीं है। हम आपका साथ देंगे।”
पोक उठ खड़ा हुआ और अपना बैग लेकर कमरे के दूसरे छोर पर, बाकी दोनों से दूर जाकर बैठ गया।
“क्या तुम बहरे हो?” चक ने कहा। “तुम्हारा क्या नुकसान होगा?” “मैं इस बारे में सोचूंगा। मैं सोने जा रहा हूँ। मोमबत्तियाँ बुझा दो... इनमें पैसे लगते हैं।” और पोक फर्श पर लेट गया।

चक और मेग ने एक-दूसरे की ओर देखा जब उन्होंने देखा कि वह भारतीय करवट बदलकर एक तरफ लेट गया, उसकी पीठ उनकी ओर थी और उसका सिर उसके बैग पर था।
मेग आगे झुकी और मोमबत्तियाँ बुझा दीं। अंधेरा छाने लगा।
चाँदनी में उनकी आँखें अभ्यस्त होने में कुछ मिनट लग गए। तब तक पोक सो रहा था। उसकी साँसें धीमी और स्थिर थीं।
चक और मेग बस गए।
भूख शांत होने और शरीर थक जाने के कारण मेग नींद में डूब गई, लेकिन चक नहीं सो पाया।
वह स्थिर लेटा रहा, उसका दिमाग सक्रिय था।
क्या यह भारतीय का झांसा था? उसने खुद से पूछा। क्या वह सचमुच कार खरीदने की योजना बना रहा था? अगर उसका कहना सच था, तो उसके पास या तो पैसे थे या उसके बैग में।
चक को पसीना आने लगा। उसके पास कम से कम दो सौ डॉलर तो होंगे ही! एक कमीने रेडस्किन के पास दो सौ डॉलर!
उसकी मोटी, छोटी उंगलियाँ चाकू के हैंडल पर कस गईं। यह आसान होगा। उसे बस कमरे के उस पार रेंगना था और चाकू का एक ही वार काफी होता।
चक के लिए हत्या कोई नई बात नहीं थी। उसके लिए पहली हत्या ही मायने रखती थी और वह पहले ही दो हत्याएं कर चुका था। एक और हत्या से क्या फर्क पड़ता?
फिर उसे मेग की याद आई और उसका चेहरा बिगड़ गया। उसे उसे साथ नहीं लेना चाहिए था। उसे यकीन था कि वह उसे उस भारतीय को मारते हुए बर्दाश्त नहीं करेगी। उसकी उंगलियों ने चाकू पर अपनी पकड़ और कस ली। दो सौ डॉलर! खैर, अगर वह साथ नहीं गई, तो उसे भी उसी

रास्ते जाना होगा। लाशें मिलने से पहले वह यहाँ से मीलों दूर जा चुका होगा—अगर वे कभी मिलीं तो।
उसने अपने पसीने से तर चेहरे को हाथ के पिछले हिस्से से पोंछा।
हाँ, वह ऐसा करेगा! लेकिन अभी नहीं। भारतीय गहरी नींद में सो रहा था। बाद में, उसकी हल्की नींद गहरी हो जाएगी... वही समय होगा। “चक?”
भारतीय की आवाज सुनकर चक एकदम सहम गया।
“मैं हल्की नींद सोता हूँ और मेरे पास बंदूक है।” थोड़ी देर रुकने के बाद पोक ने आगे कहा, “हम कल बात करेंगे।”
एक बंदूक!
चक की उंगलियां चाकू के हैंडल पर ढीली पड़ गईं। मानो उस कमीने ने उसके मन की बात पढ़ ली हो।
“अरे, चुप रहो,” वह गुर्राया। “मैं सोने की कोशिश कर रहा हूँ।” हम कल बात करेंगे।
अंततः, चक सो गया।

***

नाश्ते के लिए पोक ने और अधिक हैम, कुछ बासी ब्रेड और कोक की एक बोतल दी।
वे चुपचाप खाना खा रहे थे, लेकिन मेग को फिर से एहसास हुआ कि पोक लगातार चक को देख रहा था, उसकी काली आंखें चमक रही थीं मानो वह उसके बारे में अपना मन बनाने की कोशिश कर रहा हो।
जब उनका काम खत्म हो गया, तो चक ने अचानक कहा, "जब तुम वो कार खरीदोगे, तो क्या तुम हमें लिफ्ट दोगे?"

पोक अपने बैग के पास गया और उसमें से एक तार रहित इलेक्ट्रिक रेजर और एक छोटा सा दर्पण निकाला। दर्पण को खिड़की के फ्रेम से टिकाकर उसने शेव करना शुरू कर दिया।
चक ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं और उसके चेहरे पर खून दौड़ गया। “क्या तुमने सुना मैंने क्या कहा?” उसने गुस्से से कहा।
पोक ने उसकी तरफ एक नज़र डाली, फिर शेव करने लगा। शेव पूरी होने पर उसने कहा, “मैं अभी सोच रहा हूँ।” उसने रेज़र साफ़ किया और उसे एक तरफ रख दिया, फिर एक तौलिया और साबुन निकाला। “नहर बस सामने ही है। तुम आ रहे हो?”
चक का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। ये था उसका मौका! मेग से दूर! वो इस भारतीय को मार सकता था, वापस आकर उसे बता सकता था कि वो डूब गया। शायद वो यकीन न करे, लेकिन कम से कम वो गवाह तो नहीं बनेगी। "ज़रूर।"
वह पोक के पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकला। सीढ़ियों के नीचे पहुँचकर उसने कहा, "अरे! मैं अपना तौलिया भूल गया।"
उसका भूरा चेहरा भावहीन था, पोक उसे घूर रहा था।
“उसे कह दो कि परेशान न हो। मेरे पास पैसे हैं,” और वह हॉल पार करके धूप में बाहर चला गया।
चक गुस्से से लाल चेहरा लिए कमरे में लौटा। उसने अपने बैग में एक गंदा तौलिया पाया, तभी मेग ने कहा, "क्या तुम्हें लगता है कि वह हमें अपने साथ जाने देगा?"
"मुझे कैसे पता चलेगा?" चक गुस्से से बोला और कमरे से बाहर चला गया।
वह पोक के पास पहुंचा, जो झाड़ियों के बीच से होते हुए नहर तक जाने का रास्ता दिखा रहा था।

चक ने सोचा: मैं उसे तब पकड़ूंगा जब हम कपड़े उतार देंगे। मैं अपने ऊपर खून नहीं लगने देना चाहता: पहले जांघ पर घुटना, फिर चाकू।
वे नहर तक पहुँच गए। सूर्य की रोशनी में पानी चमक रहा था। नहर के दूसरी ओर चक को मियामी की ओर जाने वाला राजमार्ग 27 दिखाई दे रहा था। सुबह के इस समय वहाँ कोई वाहन नहीं चल रहा था।
उसने अपनी मैली कमीज उतार दी और अपनी मांसपेशियों को दिखाया। पोक उससे दूर चला गया। उसने अपने कपड़े उतार दिए और नहर के किनारे चला गया।
उसे देखते हुए चक ने गौर किया कि उसने अपनी पतली कमर पर प्लास्टिक की गद्दी बांध रखी थी। गद्दी भारी-भरकम लग रही थी और चक की आंखें सिकुड़ गईं, फिर पोक के शरीर पर नज़र पड़ते ही उसे अचानक डर लगने लगा। उसने ऐसा शरीर पहले कभी नहीं देखा था। सपाट मांसपेशियां हर हरकत के साथ फड़क रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो यह शरीर लचीले स्टील का बना हो और चक को अचानक अपनी ताकत पर से भरोसा उठ गया। शायद इस भारतीय को हराना इतना आसान नहीं होगा। उसका हाथ उसकी कमर की जेब में गया और उसकी उंगलियां चाकू के हैंडल पर टिक गईं।
उसने देखा कि पोक नहर में कूद गया और ज़ोरदार स्ट्रोक लगाते हुए दूसरी तरफ तैरने लगा। चक ने अपनी पीठ घुमाकर अपनी जेब से एक मोटा इलास्टिक बैंड निकाला और उसे अपनी कलाई पर बांध लिया। उसने चाकू को बैंड के नीचे खिसकाकर अपनी कलाई से बांध लिया। फिर अपनी पतलून और जूते उतारकर वह पानी में कूद गया। वह एक अनाड़ी तैराक था और पानी में सहज महसूस नहीं करता था। उसने देखा कि पोक पीठ के बल पलट गया था और तैर रहा था।

वह पानी में से होते हुए उसकी ओर बढ़ा। ऊपर की ओर एक ज़ोरदार वार से काम तमाम हो जाता, लेकिन शरीर को डूबने देने से पहले उसे वह बेल्ट उतारनी ही थी।
अब वह पोक से कुछ ही गज की दूरी पर था। वह पानी में तैरता रहा।
"काफी अच्छा है, है ना?" उसने भारी आवाज में कहा।
पोक ने सिर हिलाया।
चक ने खुद को करीब लाने के लिए एक छुरा घूंसा मारा। दोनों आदमियों के बीच की दूरी कम हो गई, फिर अचानक पोक आँखों से ओझल हो गया। जहाँ वह अभी था, वहाँ अब पानी की एक लहर थी।
खुद को कोसते हुए चक इंतज़ार करता रहा, उसकी आँखें नहर की सतह पर पानी ढूँढ़ रही थीं। उसने महसूस किया कि लोहे जैसी उंगलियों ने उसके टखनों को जकड़ लिया है और उसे नीचे खींच लिया गया है, पानी उसके मुँह और नाक में भर गया है। उसने बेतहाशा लात मारी, छटपटाया, महसूस किया कि पकड़ ढीली हो गई है और उंगलियाँ उसके टखनों से छूट गई हैं। वह पानी से बाहर आया, हाँफता और छटपटाता हुआ। जब उसने अपनी आँखों से पानी झाड़ा, तो उसने देखा कि पोक उससे दूर तैर रहा है। उसकी कलाई पर बंधा चाकू गायब था!
चक गुस्से और व्याकुलता के बीच किनारे की ओर बढ़ा, लेकिन पोक उससे पहले ही किनारे पर पहुँच गया। चक के पानी से बाहर निकलते ही पोक किनारे पर पहुँच चुका था।
क्रोध से दहाड़ते हुए चक एक बलिष्ठ बैल की तरह भारतीय पर झपटा, सिर झुकाए, मोटी उंगलियाँ गड़ी हुई और टटोलती हुई। पोक एक तरफ हट गया और जैसे ही चक लड़खड़ाते हुए उसके पास से गुजरा, उसने चक के पैरों पर लात मारी, जिससे वह धड़ाम से नीचे गिर पड़ा।

फिर पोक उस पर टूट पड़ा। उसका घुटना चक की छाती पर ज़ोर से लगा और चक ने देखा कि भारतीय के हाथ में उसका अपना चाकू है। तेज धार वाला, चमकता हुआ ब्लेड चक के गले को छू गया।
चक सिहर उठा। उसने उन काली, धुंधली आँखों में देखा और दहशत से उसे लगा कि उसकी जिंदगी अब मिटने वाली है।
पोक ने उसे घूरकर देखा, चाकू की नोक चक की त्वचा में चुभ रही थी। “क्या तुम मुझे मारने वाले थे?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा। “झूठ मत बोलो! सच बताओ!”
“मुझे पैसे चाहिए थे,” चक हांफते हुए बोला।
"क्या तुम पैसे के लिए इतने बेताब हो कि हत्या करने को तैयार हो?"
दोनों ने एक-दूसरे को देखा, फिर पोक खड़ा हुआ और पीछे हट गया। चक लड़खड़ाते हुए अपने पैरों पर खड़ा हुआ। वह कांप रहा था और उसके चेहरे से पसीना बह रहा था।
“तुम्हें मेरे पैसे चाहिए?” पोक ने कहा। “अगर तुम ला सकते हो तो ले लो।”
उसने प्लास्टिक की बेल्ट पर थपथपाया। "दो सौ बीस डॉलर।" उसने चाकू की ओर देखा, फिर उसे ब्लेड से पकड़कर उसका हैंडल चक को दिया।
"इसे लें।"
अचंभित होकर चक ने चाकू छीनने की कोशिश की। पोक उसे देखता रहा। "अगर हो सके तो मेरा पैसा ले लो।"
चक ने उस भारतीय की ओर देखा। उसकी चमकती आँखें और एक घात लगाए बैठे साँप की तरह उसकी खामोशी ने उसे भयभीत कर दिया। उसका हौसला पस्त हो गया। चाकू उसकी उंगलियों से फिसलकर घास पर गिर गया।

“तो तुम बेवकूफ नहीं हो,” पोक ने कहा। “जाओ और नहा लो। तुमसे बदबू आ रही है।”
डरा हुआ चक, पोक द्वारा दिए गए साबुन के टुकड़े को लेकर किनारे से नीचे पानी में चला गया। जब उसने नहा-धोकर खुद को सुखा लिया, तब तक पोक कपड़े पहनकर किनारे पर बैठ गया था और सिगरेट पी रहा था। उसने चक को अपने गंदे कपड़े पहनते हुए देखा, फिर उसे इशारा किया।
जैसे सम्मोहित खरगोश, चक आकर उसके बगल में बैठ गया। "मैं तुम्हारे जैसे आदमी की तलाश में था," पोक ने कहा। "एक ऐसा आदमी जिसका कोई ज़मीर न हो। तुम मुझे दो सौ बीस डॉलर के लिए मार डालते... दो हज़ार डॉलर के लिए तुम कितने लोगों को मार डालते?" चक ने अपने होंठ चाटे। यह भारतीय पागल हो गया था। उसे वह पल याद आया जब चाकू उसका गला काट सकता था और वह कांप उठा।
“तुम एक उपेक्षित सुअर की तरह रहते हो,” पोक बोलता रहा। “तुम गंदे हो, भूखे हो, बदबू मारते हो। मुझे देखो! जब मुझे कुछ चाहिए होता है, मैं उसे ले लेता हूँ। मैं दाढ़ी बनाता हूँ क्योंकि मैंने एक रेज़र चुराया था। मैंने सेल्फ सर्विस स्टोर से चिकन और हैम चुराया। मैंने ये पैसे चुराए।” उसने अपनी कमर पर हाथ रखा। “दो सौ बीस डॉलर! क्या तुम्हें पता है मैंने ये सारे पैसे कैसे चुराए? ये आसान था। एक आदमी ने मुझे लिफ्ट दी और मैंने उसे धमकाया। मेरे पास बंदूक है। जब लोग डरते हैं, तो वे पैसे दे देते हैं। मुझे बस उसे बंदूक दिखानी थी और उसने मुझे पैसे दे दिए। ये बहुत आसान है। डर ही वो चाबी है जो अमीरों के बटुए और थैले खुलवाती है।” वह चक की तरफ घूरने लगा। “मेरे पास डर पैदा करने का तरीका है।”

चक को कुछ समझ नहीं आया। उसे बस इतना पता था कि वह इस भारतीय से दूर भागना चाहता है। उसे यकीन था कि वह पागल हो गया है।
पोक ने अपनी कमीज की जेब से सिगरेट का एक पैकेट निकाला और चक को दिया। कुछ हिचकिचाहट के बाद, चक ने एक सिगरेट ली और उसे जला लिया।
“अपने बारे में बताओ,” पोक ने कहा। “मुझे झूठ नहीं चाहिए। मुझे लगता है मैं तुम्हारा इस्तेमाल कर सकता हूँ। अपने बारे में बताओ।”
“मेरा इस्तेमाल करोगे? तुम्हारा क्या मतलब है?”
चक को एक अजीब सी आशंका हुई कि यह भारतीय झूठ नहीं बोल रहा था। दो हजार डॉलर!
"मैं ऐसा कैसे करूं?"
"मुझे अपने बारे में बताओ।"
उसे पूरा भरोसा था कि उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए चक ने बात करना शुरू कर दिया।
उसने स्वीकार किया कि वह अर्ध-साक्षर था। वह पढ़ सकता था, लेकिन लिखने में उसे कठिनाई होती थी। उसकी माँ वेश्या थी। उसने अपने पिता को कभी नहीं देखा। आठ साल की उम्र में, वह दुकानों से चोरी करने वाले बच्चों के एक गिरोह का सरगना था। बाद में, वह अपनी माँ का दलाल बन गया। पुलिस लगातार उसका पीछा करती रहती थी और अठारह साल की उम्र में उसने एक पुलिसवाले की हत्या कर दी थी। वह पुलिसवाला मोहल्ले का सबसे नफरत किया जाने वाला आदमी था और आखिरकार चक ने उस पर घात लगाकर हमला किया और लोहे की छड़ से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। बीस साल की उम्र में, उसका सामना एक ऐसे युवक से हुआ जो चक के गिरोह पर कब्ज़ा करने का सपना देखता था। चाकूबाजी हुई और चक जीत गया। उसके प्रतिद्वंदी के शरीर को

सीमेंट मिक्सर में डाल दिया गया और उसकी हड्डियाँ और मांस एक नई झुग्गी बस्ती की नींव में इस्तेमाल हो गए। उसकी माँ की भी हिंसक मौत हुई थी। चक ने उसे गला कटा हुआ पाया था। उसकी माँ ने उसे सौ डॉलर दिए थे और वह उस इलाके से निकलकर सड़क पर आ गया था। वह पिछले एक साल से सड़कों पर भटक रहा था, इधर-उधर से गुजारा कर रहा था, तंगहाली में जी रहा था और किसी चीज की परवाह नहीं कर रहा था। उसने सिगरेट का टुकड़ा नहर में फेंक दिया।
“ये रही तस्वीर। आपने दो हजार डॉलर के बारे में क्या कहा था?” “तो तुमने दो आदमियों को मार डाला है।” पोक ने उसे घूरकर देखा। “अगर तुम मेरे साथ मिल जाओगे तो और भी हत्याएं होंगी। क्या इससे तुम्हें कोई परेशानी है?”
कुछ देर बाद चक ने कहा, "मैं जोखिम नहीं लेना चाहता। मुझे पैसों के बारे में बताओ।"
"यही तुम्हारा हिस्सा होगा।"
चक ने गहरी सांस ली।
तो फिर ये सब हंगामा किस बात का है?
“मैं महीनों से एक योजना बना रहा हूँ: एक ऐसा विचार जो कारगर होगा, लेकिन मैं इसे अकेले नहीं संभाल सकता। मुझे उस लड़की के बारे में बताओ जो तुम्हारे साथ है। मुझे उसकी भी ज़रूरत पड़ सकती है।”
“मेग?” चक ने कंधे उचकाते हुए कहा। “वह घर से भाग गई थी। वह एक अच्छी सेक्स पार्टनर है। मुझे उसके बारे में और कुछ नहीं पता।” मुझे उसकी जरूरत पड़ सकती है।
सोचते हुए चक की छोटी-छोटी आंखें सिकुड़ गईं। फिर अनिच्छा से उसने अपना सिर हिलाया।
वह हत्या करने की साजिश नहीं रचेगी।

“मुझे एक लड़की चाहिए। यह योजना का हिस्सा है। क्या आप उसे यह विचार समझा सकते हैं?”
मुझे कैसे पता चलेगा? मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या कह रहे हो! ये सब क्या शोर-शराबा है?
पोक उसे घूरता रहा। उसकी चमकती काली आँखें चक को लगातार चिंतित कर रही थीं।
"क्या आप वाकई जानना चाहते हैं?"
“तुम्हारा क्या मतलब है? बेशक मैं जानना चाहता हूँ!”
"आपने अभी-अभी कहा था कि आप जोखिम नहीं लेना चाहते।"
“दो हजार डॉलर के लिए मैं जोखिम उठाने को तैयार हूँ। बात क्या है?”
पोक उसे लगातार घूरता रहा।
“अगर मैं तुम्हें बताऊं और तुम अपना मन बदल लो और साथ न जाना चाहो, तो तुम यहां से जिंदा नहीं जाओगे। मैं काफी समय से इसकी योजना बना रहा हूं।”
एक बार मैंने तुम्हें बता दिया, तो यह मेरा राज़ नहीं रहेगा, है ना? या तो तुम इसमें शामिल हो या फिर तुम्हारी मौत पक्की है। चक ने देखा कि भारतीय के हाथ में कुंद नोक वाली बंदूक थी। यह किसी जादू के करतब की तरह लग रहा था। वह सहम गया। बंदूकों से उसे डर लगता था।
“अपना मन बना लो।” पोक ने बंदूक की ओर देखते हुए कहा। “अगर तुम बाहर निकलना चाहते हो, तो उठो और चले जाओ, मैं किसी और को ढूंढ लूंगा। अगर तुम अंदर रहना चाहते हो, तो अपना मन मत बदलो।”
समय पाने के लिए चक ने कहा, "इससे मुझे क्या फायदा होगा?"
मैंने तुमसे कहा था... दो हजार डॉलर।
और इन हत्याओं के बाद... वे कितने सुरक्षित रहेंगे?

“तीन लोग होंगे... वे सुरक्षित रहेंगे। मैंने योजना बना ली है। मैं जोखिम नहीं उठाऊंगा, भले ही मेरा नुकसान तुम्हारे नुकसान से ज्यादा हो।”
दो हजार डॉलर! चक सोचने लगा कि इतने सारे पैसों से वह क्या-क्या कर सकता है।
“मैं तैयार हूँ... बता दो,” उन्होंने कहा।
पोक ने बंदूक को वापस अपनी कमर की जेब में रख लिया।
और वो लड़की?
"उसे मेरे भरोसे छोड़ दो। मैं उसे मना लूंगा।"
“डर ही वो चाबी है जो बटुए और पर्स खोलती है,” पोक ने कहा। “मैंने डर का एक फार्मूला खोज लिया है।”
भावहीन भूरे चेहरे, चमकती काली आँखों और भारतीय की अस्वाभाविक शांति को देखकर, चक को अचानक उसे और कुछ बताने से रोकने की तीव्र इच्छा हुई। फिर उसे पैसों का ख्याल आया।
उसके माथे से पसीने की एक बूंद बहकर नाक की हड्डी से नीचे आई और ठुड्डी पर टपक गई।
उसने भारतीय की बातें सुनीं और सुनते-सुनते उसे एहसास हुआ कि भारतीय को उसकी कोमल भावनाओं का पता चल गया है।
“हमें एक निशानेबाज़ी वाली राइफल चाहिए,” पोक ने निष्कर्ष निकाला। “पैराडाइज़ सिटी में एक बंदूक बनाने वाला है। यह आसान होगा। जब हमारे पास राइफल आ जाएगी, तो हमारा काम बन जाएगा।” “क्या तुम उस शहर को जानते हो?” चक ने पूछा।
पोक के होठों पर एक अजीब, कड़वी मुस्कान उभर आई।
“हां। एक बार यह उस जगह पर हुआ था जहां मैं रहता था। हां, मुझे पता है।”

चक उत्सुक था। उसने इस भारतीय को अपने बारे में बताया था। उसे लगा कि बदले में उसे भी बताया जाना चाहिए।
क्या आपने वहां काम किया था?

पोक अपने पैरों पर खड़ा हो गया
“मैं अब कार खरीदने जा रहा हूँ।” उसने चक को घूरते हुए कहा, “तुम भी साथ चलोगे?”
चक ने सिर हिलाया।
"मैं भी शामिल।"
“उस लड़की से बात करो। अगर तुम्हें उस पर भरोसा नहीं है, तो हम उसे छोड़ देते हैं। हम कोई दूसरी लड़की ढूंढ लेंगे।”
"ठीक है।"
चक ने पोक को राजमार्ग की ओर जाते हुए देखा, फिर अपना तौलिया उठाकर वह बेचैनी से उस सुनसान घर की ओर वापस चला गया।

***

मेग के नहर में नहाने और अपने बाल सुखाने के बाद चक उसके साथ किनारे पर आकर बैठ गया।
आधे घंटे पहले, वह बेसब्री से उसका इंतजार कर रही थी और उसने तुरंत पूछा था कि क्या पोके उन्हें अपने साथ कार में ले जाएगा। “नहा लो,” चक ने कहा था। “हम बाद में बात करेंगे।”
अब जब वह उसके बगल में बैठ गया, तो उसने वही सवाल दोहराया।
क्या हम उसके साथ जा रहे हैं?
“मैं हूँ,” चक ने उसकी ओर देखे बिना कहा।
मेग ने तौलिया गिरा दिया। उसे डर की एक लहर सी महसूस हुई जिससे वह एकदम ठंडी पड़ गई।
“आप हैं? मेरा क्या?”
चक ने मुट्ठी भर घास तोड़ी और उसे हवा में उछाल दिया।
"हो सकता है कि अब से तुम अकेले ही बेहतर रहोगे।"

“तुम्हारा क्या मतलब है?” मेग घुटनों के बल खड़ी हो गई। “तुम मुझे छोड़कर नहीं जा रहे हो?”
उसकी आँखों में घबराहट देखकर उसने अपनी मुस्कान छुपा ली। वह लेट गया और अपने हाथों पर सिर रखकर नीले आकाश की ओर देखने लगा। “देखो, जान, मैं इस तरह जीने से तंग आ गया हूँ। मुझे पैसे चाहिए।” उसने अपनी कमीज़ की जेब से सिगरेट का एक मुड़ा हुआ पैकेट निकाला। “एक चाहिए?”
“चक! क्या तुम मुझे छोड़कर जाने का इरादा रखते हो?”
उसने आराम से सिगरेट जलाई।
“बस सुनो, क्या तुम सुनोगी? असली पैसा कमाने के लिए जोखिम उठाना पड़ता है,” उसने आखिरकार कहा, जब वह उसके बगल में घुटनों के बल बैठी उसे भयभीत होकर देख रही थी। “मैं नहीं चाहता कि तुम इसमें शामिल हो, इसलिए शायद बेहतर होगा कि हम दोनों अलग हो जाएं।” मेग ने अपनी आंखें बंद कर लीं।
“क्या मतलब, तुम मुझे अब और नहीं चाहते... मुझसे तंग आ चुके हो?” “मैंने ऐसा नहीं कहा, है ना?” चक ने धुंआ अंदर खींचा और उसे अपनी नाक से नीचे जाने दिया। “क्या तुम सुन नहीं सकती? मैं तुम्हारे बारे में सोच रहा हूँ। मैं तुम्हें पसंद करता हूँ, तो तुम्हें किसी खतरनाक चीज़ में क्यों फंसाऊँ? मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि तुममें यह करने की हिम्मत नहीं होगी, इसलिए बेहतर होगा कि हम अलग हो जाएँ।”
“यह? तुम्हारा मतलब क्या है... यह?” मेग की आवाज तीखी हो गई। “पोक एक चालाक चाल चल रहा है। उसे मेरी भी ज़रूरत है और एक लड़की की भी।” चक को पोक के इस मामले को संभालने का तरीका पसंद आया। “हालात बिगड़ सकते हैं। इसके चलते तुम्हें बीस साल की जेल भी हो सकती है।”

मेग एकदम ठंडी पड़ गई। तो वे किसी आपराधिक योजना बना रहे थे! वह दो महीने से चक के साथ थी और हालाँकि वह अक्सर चोरी की बातें करता था, उसने कभी ऐसा किया नहीं था। उसे लगता था कि अगर वह उसे उकसाती तो वह कर ही देता, लेकिन वह हमेशा उससे ऐसा न करने की विनती करती थी, भले ही कभी-कभी दोनों भूखे रहते थे। उसे एहसास हुआ कि इस भारतीय ने चक को प्रभावित किया था। अपनी बातों से वह चक को हद से ज़्यादा उकसा रहा था।
“चक!” उसने उसका हाथ पकड़ लिया। “चलो चलें! उसके वापस आने से पहले यहाँ से निकल चलते हैं! वो दिमागी रूप से बीमार है। मुझे पता है वो है। हम साथ में कहीं नौकरी ढूंढ लेंगे। अभी तक तो हमने ठीक-ठाक गुजारा किया है। मैं तुम्हारे लिए काम करूँगी... मैं...” “अरे, चुप रहो!” चक गुस्से से बोला। “मैं उसके साथ जा रहा हूँ, इसलिए रोना-धोना बंद करो! तुम जाकर नौकरी ढूंढो... अगर तुम्हें यही पसंद है। क्या तुम पूरी ज़िंदगी धूप में बैठकर संतरे तोड़ना चाहते हो? अगर हाँ... तो ठीक है!”
मेग को समझ आ गया कि उसे मनाना नामुमकिन है। उसने निराशा में कांपती हुई सांस ली। संतरा तोड़ने वाली मज़दूर? घर लौटने के अलावा और क्या कर सकती है? उसे अपने माता-पिता याद आए, दिन में तीन बार खाना, दिनचर्या, सुबह उठना, पिता के दफ्तर जाना, टाइपिंग करना, फिर सो जाना, फिर उठना, फिर दफ्तर जाना।
“क्या तुम्हें भी बीस साल की सजा मिलेगी?” उसने पूछा।
चक ने अपनी सिगरेट बुझा दी।
“ओह, ज़रूर, अगर बात बिगड़ गई, जो कि नहीं बिगड़ेगी, लेकिन मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। मुझे जल्दी पैसा चाहिए और यही जल्दी पैसा होगा! पोक कहता है कि वह तुम्हें यह काम करने के लिए पाँच सौ देगा। उसे लगता है कि तुम कर लोगे, लेकिन मैंने कहा था कि तुम

नहीं करोगे। मैंने कहा था कि यह तुम्हारे बस की बात नहीं है।” उसने अपनी दाढ़ी खुजलाई। “मैंने कहा था कि तुममें हिम्मत नहीं है।”
मेग के लिए पैसों का कोई महत्व नहीं था, लेकिन अकेले रह जाना उसके लिए बहुत मायने रखता था। चक के साथ दो महीने बिताने के बाद, वह उसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकती थी।
मुझे क्या करना होगा?
चक ने अपना सिर घुमा लिया ताकि वह उसकी जीत की मुस्कान न देख सके।
“जो तुम्हें बताया गया है, वही सही है। देखो, जान, तुम इसके बारे में जितना कम जानोगी, उतना ही तुम्हारे और मेरे लिए सुरक्षित रहेगा। तुम हमारे साथ तभी आ सकती हो जब तुम पोक की बात बिना सवाल पूछे और बिना बहस किए मानोगी। तुम्हें पाँच सौ मिलेंगे। काम खत्म होने पर हम दोनों लॉस एंजिल्स जा सकते हैं।”
“लेकिन, चक, ये तो नाइंसाफी है! क्या तुम्हें ये दिख नहीं रहा? मुझे नहीं पता कि मैं किस मुसीबत में फंसने वाली हूँ!” मेग ने अपनी मुट्ठियाँ कसकर अपने घुटनों पर पटकीं। “तुम कहते हो कि मुझे बीस साल की जेल हो सकती है और तुम मुझे बताते नहीं… ये नाइंसाफी है!”
“हाँ, ज़रूर, लेकिन यही प्रस्ताव है।” चक खड़ा हो गया। “मानो या न मानो, जान। सोच लो। मैं और पोक लगभग आधे घंटे में निकलेंगे। अगर तुम हमारे साथ आना चाहती हो, तो ये तुम्हारी मर्ज़ी है।” अब उसे पूरा यकीन था कि उसने उसे फंसा लिया है।
जैसे ही वह दूर जाने लगा, उसने कहा, "चक..."
"यह क्या है?"
क्या आपको उस पर भरोसा है?

“मुझे किसी पर भरोसा नहीं है, तुम पर भी नहीं,” चक ने कहा। “मैंने कभी नहीं किया, लेकिन मुझे पता है कि वो मेरी कमज़ोरी को भांप लेता है। मुझे ये भी पता है कि हम दोनों जल्दी से कुछ पैसे कमा लेंगे और मुझे बस इसी बात की फ़िक्र है। तुम्हारे पास आधा घंटा है।” उसने उसे घूरते हुए कहा, “और याद रखना, बेबी, एक बार तुम इसमें फँस गई तो फिर इसमें ही रहना... बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं... समझी?” और वो चला गया।
मेग काफी देर तक नहर के चमचमाते पानी को निहारती रही। पोक से उसे डर लगता था। वह जानती थी कि वह दुष्ट और थोड़ा पागल है। वह जानती थी कि अगर उसने मना किया तो वह चक को खो देगी। आखिरकार, उसने खुद से कहा, अगर हालात बहुत बिगड़ गए तो वह अपनी जान ले सकती है। उसकी जिंदगी ही एकमात्र ऐसी चीज थी जिस पर उसका पूरा अधिकार था।
बस यही एक चीज़ थी जो सचमुच उसकी थी। कुछ गोलियां, उसकी कलाई पर एक रेज़र ब्लेड और बस काम तमाम... चक के बिना, बिना पैसे के और अकेले यहाँ रहने से तो कुछ भी बेहतर था।
वह उठी और उस वीरान घर की ओर वापस चलने लगी। चक ने अपना बैग पैक कर लिया था और सबसे ऊपर वाली सीढ़ी पर बैठा था, उसके होठों के बीच एक सिगरेट लटक रही थी। उसने उसकी ओर देखा, धुएं के कारण उसकी छोटी-छोटी आँखें सिकुड़ गईं।
“मैं सामान पैक कर लूंगी,” उसने कहा। “मैं तुम्हारे साथ आ रही हूं।”
“तुम्हें वही करना है जो तुम्हें कहा जाए... कोई सवाल नहीं?” उसने सिर हिलाया।
चक की मुस्कान अचानक गर्मजोशी और दोस्ताना हो गई। "ठीक है। तुम्हें कुछ पता है?"

"क्या?"
मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता था।
मेग की आँखों में आँसू आ गए। किसी ने उससे इतनी प्यारी बात कभी नहीं कही थी। उसके पतले, गोरे चेहरे पर आई खुशी देखकर चक समझ गया कि उसने बिल्कुल सही बात कही है। वह उठा और मेग दौड़कर उसकी बाहों में चली गई। उसने उसके छोटे नितंबों को थाम लिया और उसे कसकर अपनी ओर खींच लिया।
“ओह, चक… क्या सब ठीक हो जाएगा?” वह उसकी कंपकंपी महसूस कर सकता था। “मैं डरी हुई हूँ। वह भारतीय… पागल है… मुझे पूरा यकीन है।”
“उसे मेरे भरोसे छोड़ दो, जान। जाओ और अपना सामान पैक कर लो।” बीस मिनट बाद, पोके तोहोलो एक पुरानी ब्यूक कन्वर्टिबल कार में उनके सामने आकर रुका। थोड़ी खस्ता हालत में होने के बावजूद, उसका क्रोम का काम चमक रहा था। यह एक साधारण सी कार थी: गहरे नीले रंग की, गहरे नीले रंग की छत वाली और फीकी लाल चमड़े की सीटें: एक ऐसी कार जिसे आप हाईवे 4 पर चलने वाली हजारों कारों के बीच शायद ही नोटिस करते।
चक और मेग को सीढ़ियों पर बैठे और उनके बैग पैक किए हुए देखकर उसे समझ आ गया कि चक ने सही चाल चली है। वह कार से उतरा और उनके साथ बैठ गया।
"ठीक है?" उसने मेग की ओर देखते हुए कहा।
उसने सिर हिलाया, काली, चमकती आँखों से नज़रें मिलते ही वह अंदर से सिकुड़ गई। वह चक की ओर मुड़ा।
“हमारा पहला पड़ाव फुलफोर्ड होगा। अपनी दाढ़ी हटवा लो और बाल कटवा लो। जब हम पैराडाइज़ सिटी पहुँचेंगे, तो हम सब छुट्टी पर गए तीन सभ्य लोगों की तरह दिखेंगे। अपने कपड़े धुलवा लो।”

[illegible]

दो

पैराडाइज़ सिटी के पुलिस मुख्यालय में प्रथम श्रेणी के जासूस टॉम लेप्सकी ने जासूसों के कमरे में दस फुट लंबे आदमी की तरह दहाड़ते हुए प्रवेश किया। पिछले दिन ही द्वितीय श्रेणी से प्रथम श्रेणी में उनका प्रमोशन हो गया था: वह प्रमोशन जिसके लिए वह पिछले अठारह महीनों से जी-जान से इंतज़ार कर रहे थे। यह खबर उन्हें जश्न मनाने के लिए सही समय पर मिली थी। उन्होंने अपनी पत्नी कैरोल के लिए एक ऑर्किड का फूल खरीदा, उन्हें एक महंगे रेस्तरां में ले गए, थोड़ी शराब पी और शाम को अपनी संतुष्टि के अनुसार बिताया: कैरोल ने हनीमून की रात के बाद से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।
लेप्सकी, लंबा, दुबला-पतला और नीली आंखों वाला एक महत्वाकांक्षी, चतुर पुलिस अधिकारी था, जिसकी अपने बारे में राय उसकी वास्तविक उपलब्धियों से थोड़ी अधिक थी।
जांच विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सार्जेंट जो बीगलर सुबह की ड्यूटी पर थे। लेप्सकी को देखते ही वे कुर्सी पर पीछे झुक गए और व्यंग्य भरे लहजे में बोले, "अब शहर सुरक्षित है। टॉम, कुर्सी पर बैठ जाओ। मैं जाकर कुछ खा लेता हूँ।"
व्यंग्य को हमेशा नजरअंदाज करते हुए, लेप्सकी ने अपनी हथकड़ी उतारी और बेगलर की मेज की ओर बढ़ गया।
“चिंता मत करो, सार्जेंट। जो भी मामला सामने आएगा, मैं उसे संभाल लूंगा। फ्रेड के बारे में कोई खबर है क्या?”
हत्या विभाग के सार्जेंट फ्रेड हेस का पैर टूट गया था और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अगर वह डिवीज़न का मुख्य आधार न होता, तो उसका पैर टूटना मुख्यालय में खूब हँसी-मज़ाक का विषय होता। हेस का एक छह साल का बेटा था, फ्रेड हेस जूनियर, जिसे जिले में 'मुलबेरी एवेन्यू का राक्षस' कहा जाता था, जहाँ हेस रहता था। उस बच्चे ने एक गुस्सैल बुढ़िया की बिल्ली के बच्चे को मज़ाक में पेड़ पर उछाल दिया था। हेस, बुढ़िया का सामना करने के बजाय और खुद को ज़िम्मेदार महसूस करते हुए, बिल्ली के बच्चे को बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ गया, जिसे पड़ोसी बड़ी उत्सुकता से देख रहे थे। पेड़ की एक डाल टूट गई और हेस ज़ोर से नीचे गिरा, जिससे उसका पैर टूट गया। बिल्ली का बच्चा ज़ाहिर है, खुद ही नीचे आ गया और फ्रेड हेस जूनियर अपने कराहते पिता के ऊपर खड़ा होकर, अपनी भयानक मुस्कान के साथ पूछ रहा था कि आखिर ये सब क्या हो रहा है। अपने तेज़ कदमों से ही वह अपने गुस्से में भरे पिता के कान पर पड़ने वाले थप्पड़ से बच गया।
“फ्रेड?” बीगलर मुस्कुराया। “वह खुद को शर्मिंदा कर रहा है। नर्सें उसकी भाषा को लेकर शिकायत कर रही हैं, लेकिन वह सुधर रहा है। वह कुछ हफ्तों में ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी पा लेगा।” “मैं उसे फोन करूंगा,” लेप्सकी ने कहा। “मैं नहीं चाहता कि वह परेशान हो। अगर उसे पता होगा कि मैं उसका काम संभाल रहा हूं, तो वह निश्चिंत हो जाएगा।”
बेगलर घबराया हुआ लग रहा था।
“ऐसा मत करो। हम चाहते हैं कि वह जल्दी वापस आ जाए। इस तरह की कॉल से उसकी धमनियां सख्त हो सकती हैं।”
जैसे ही बीगलर जाने लगा, लेप्सकी ने द्वितीय श्रेणी के जासूस मैक्स जैकोबी की ओर देखा, जो अपनी मुस्कान छुपा रहा था।

“क्या तुमने सुना?” उसने पूछा। “क्या तुम्हें लगता है कि जो मुझसे जलता है?”
“कौन नहीं है, टॉम? मुझे भी तुमसे ईर्ष्या होती है।”
“क्या सच में?” लेप्सकी प्रसन्न हुए।
“हाँ…” उसने कंधे उचकाते हुए कहा। “खैर, ऐसा ही होता है। मुझे लगता है कि मुझे इसके साथ जीना सीखना होगा। कुछ पक रहा है क्या?” “कुछ भी नहीं। ब्लॉटर बिल्कुल साफ है।”
लेप्सकी अपनी कुर्सी पर और अधिक आराम से बैठ गया।
“अब मुझे बस एक बढ़िया, सनसनीखेज हत्या चाहिए... एक यौन हत्या। फ्रेड के रास्ते से हट जाने के बाद, यह मेरा बड़ा मौका हो सकता है।” उसने सिगरेट जलाई और आसमान की ओर देखने लगा। “मुझे पता है फ्रेड बेवकूफ नहीं है, लेकिन यह बात मुझ पर भी लागू होती है। अब जब मेरा प्रमोशन हो गया है, कैरोल मुझे सार्जेंट बनने के लिए उकसा रही है। औरतें कभी संतुष्ट नहीं होतीं।” उसने सिर हिलाते हुए आह भरी। “तुम खुशकिस्मत हो कि तुम्हारी शादी नहीं हुई है।” “मुझे यह अच्छी तरह पता है,” जैकोबी ने भावुक होकर कहा। “मैं तो स्वतंत्रता के लिए हूँ!”
लेप्सकी ने उसे घूरकर देखा।
“ऐसा मत सोचो कि मैं शादी की निंदा कर रहा हूँ। इसके कई फायदे हैं। तुम्हारे जैसे नौजवान को शादी कर लेनी चाहिए। तुम...” टेलीफोन की घंटी बजने से उसकी बात में खलल पड़ा।
“देखा?” लेप्सकी मुस्कुराया। “मेरे आते ही हलचल मच जाती है।” उसने रिसीवर उठाया। “पुलिस मुख्यालय। प्रथम श्रेणी का जासूस लेप्सकी बोल रहा है।”
जैकोबी ने अपनी मुस्कान छुपा ली।
“मुझे सार्जेंट बेगलर से मिलवाओ,” एक पुरुष की आवाज गरज उठी।

“सार्जेंट बीगलर ड्यूटी पर नहीं हैं,” लेप्सकी ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। ये कौन बेवकूफ था जो बीगलर को खुद से बेहतर संपर्क सूत्र समझता था? “क्या बात है?”
“मैं हार्टली डैनवाज़ हूँ। क्या कैप्टन टेरेल वहाँ हैं?” लेप्सकी सीधे बैठ गए।
हार्टले डैनवाज़ न केवल डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के बैलिस्टिक विशेषज्ञ थे, बल्कि वे एक शानदार गनस्मिथ स्टोर के मालिक भी थे जो अमीरों को हर तरह के शिकार हथियार मुहैया कराता था: एक ऐसा व्यक्ति जिसका शहर में काफी दबदबा था और साथ ही वह लेप्सकी के चीफ का निजी दोस्त भी था।
“नहीं, श्रीमान डैनवाज़, चीफ अभी नहीं आए हैं,” लेप्सकी ने कहा, और अब उन्हें पछतावा हो रहा था कि उन्होंने कॉल क्यों उठाई। “क्या मैं कुछ कर सकता हूँ?”
“जल्दी से किसी काबिल आदमी को यहाँ भेजो! मेरे घर में चोरी हो गई है!” डैनवाज़ गुस्से से बोला। “कैप्टन टेरेल को बता देना कि जब वो आएँ तो मैं उनसे मिलना चाहता हूँ।”
“ज़रूर, श्रीमान डैनवाज़। मैं खुद आ जाऊँगा, श्रीमान डैनवाज़,” लेप्सकी ने कहा। “अभी आता हूँ, श्रीमान डैनवाज़,” और उसने फोन काट दिया।
"और वो थे मिस्टर डैनवाज़," जैकोबी ने अपना चेहरा सीधा रखते हुए कहा।
“हाँ... मुसीबत है। चीफ को बुलाओ। डैनवाज़ में चोरी हो गई है।” उठते हुए लेप्सकी ने अपनी कुर्सी को इतनी ज़ोर से पीछे धकेला कि वह धड़ाम से गिर गई।
"उसे बता देना कि डैनवाज़ उसे बुला रहा है और मैं मामला संभाल रहा हूँ," और वह चला गया।

हार्टले डैनवाज़, लंबा, लगभग पचपन वर्ष का, दुबला-पतला और थोड़ा झुका हुआ, एक करोड़पति के समान आत्मविश्वास और अहंकार रखता था। जब लेप्सकी को उनके आलीशान दफ्तर में ले जाया गया तो उन्होंने पूछा, "तुम कौन हो? बीगलर कहाँ है?"
लेप्सकी किसी के दबाव में आने के मूड में नहीं था। हो सकता है यह बदमाश कोई माहिर निशानेबाज हो, लेकिन लेप्सकी तो अभी पहली कक्षा में ही था।
“मैं लेप्सकी हूँ,” उसने अपने पुलिस वाले लहजे में कहा। “यह चोरी का मामला क्या है?”
डैनवाज़ ने उसे तिरछी नज़रों से देखा।
“अरे हाँ, मैंने तुम्हारे बारे में सुना है। क्या टेरेल आ रहा है?”
“उन्हें सूचित कर दिया गया है। अगर सिर्फ सेंधमारी हुई है, तो मैं इसे संभाल लूंगा। चीफ व्यस्त हैं।”
दानवाज़ अचानक मुस्कुराया।
“जी हाँ… बिल्कुल।” वह उठ खड़ा हुआ। “मेरे साथ आइए।”
वह बड़े स्टोर से होते हुए आगे-आगे चल रहा था, कुछ सीढ़ियाँ उतरकर वह भंडार कक्ष की ओर गया।
वे यहाँ जबरदस्ती घुस आए।
लेप्सकी ने उस छोटी खिड़की की ओर देखा जिसे स्टील की जाली से ढक दिया गया था।
ग्रिल उखड़ गई थी और अपने सीमेंट के आधार से लटक रही थी।
“एक स्टील का तार, एक हुक और एक कार,” लेप्सकी ने कहा। उसने खिड़की से एक संकरी गली में झाँका, जो पार्किंग स्थल की ओर जाती थी। “आसान काम। वे क्या ले गए?”

"क्या यह इसी तरह किया गया था?" डैनवाज़ ने लेप्सकी को और अधिक सम्मान से देखा।
“वे मेरी सबसे बेहतरीन निशानेबाजी राइफलों में से एक ले गए: एक हाथ से बनी हुई राइफल, जिसमें टेलीस्कोपिक साइट और साइलेंसर लगा हुआ था, जिसकी कीमत पांच सौ साठ डॉलर थी।”
"और कुछ गायब है क्या?"
"बंदूक के लिए सौ कारतूसों का एक डिब्बा।"
“बंदूक कहाँ रखी थी?”
"मैं आपको दिखाता हूँ।"
डैनवाज़ दुकान की ओर वापस जाने में आगे-आगे चल रहा था।
“बंदूक इस शोकेस में थी,” उसने काउंटर पर रखे एक पतले कांच के बक्से के पास रुकते हुए कहा। “इसे निकालना आसान था। बस कांच का ढक्कन उठाना था। मैंने इसे छुआ नहीं है। इस पर उंगलियों के निशान हो सकते हैं।”
“जी हाँ। मैं लड़कों को यहाँ बुलाता हूँ, श्रीमान डैनवाज़, और हम पूरे इलाके में फिंगरप्रिंट्स की जाँच करेंगे,” लेप्सकी ने कहा, लेकिन चमकदार कांच के केस को देखकर वह समझ गया कि यह महज़ एक सामान्य प्रक्रिया होगी। बंदूक किसी ऐसे व्यक्ति ने चुराई थी जिसने दस्ताने पहने हुए थे।
कुछ घंटों बाद, पुलिस प्रमुख टेरेल, बीगलर और लेप्सकी टेरेल की डेस्क के चारों ओर बैठे कॉफी की चुस्कियां ले रहे थे।
“कोई सुराग नहीं, कोई उंगलियों के निशान नहीं... बहुत ही पेशेवर तरीके से किया गया काम,” बेगलर ने लेप्सकी की रिपोर्ट पढ़ने के बाद कहा। “लगता है उस आदमी को पता था कि उसे क्या चाहिए। वह इससे कहीं ज़्यादा महंगी बंदूकें चुरा सकता था।”

टेरेल, जो लोहे जैसे भूरे बालों वाला एक मजबूत कद-काठी का आदमी था, ने अपने चौकोर जबड़े पर हाथ फेरा।
“डैनवाज़ के स्टॉक का अधिकांश हिस्सा खेल बंदूकों का है: यह एक लक्ष्य राइफल है। इसे क्यों चुना गया?”
लेप्सकी अधीरता से आगे बढ़ा।
“एक ऐसी बंदूक जिसमें कुछ खास विशेषताएं हैं: दूरबीननुमा निशाना और साइलेंसर। शायद किसी नौजवान बदमाश ने इसे दुकान की खिड़की में देखा और उसे खरीदने का मन बना लिया। डैनवाज़ ने कहा कि बंदूक एक महीने पहले दुकान की खिड़की में प्रदर्शित की गई थी।”
टेरेल ने सिर हिलाया।
"हो सकता है, लेकिन यह एक हत्यारे की बंदूक है।"
मुझे अब भी लगता है कि यह कोई बच्चा है।
"अगर ऐसा है, तो वह पेशेवर तरीकों का इस्तेमाल करता है," बेगलर ने कहा।
"तो क्या हुआ? टीवी देखने वाला हर बच्चा दस्ताने पहनना जानता है, खिड़की से ग्रिल निकालना जानता है," लेप्सकी ने चिढ़कर कहा। “प्रेस को सूचित करें। मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फायदा होगा, लेकिन उन्हें सूचित जरूर करें। उन्हें बंदूक की तस्वीर दिलवाएं... डैनवाज़ के पास निश्चित रूप से एक तस्वीर होगी,” टेरेल ने कहा।
जैसे ही लेप्सकी अपनी डेस्क पर गया और अपना टेलीफोन इस्तेमाल करने लगा, बेगलर ने कहा, "टॉम सही हो सकता है... हो सकता है कोई बच्चा हो जो इस तरह की बंदूक चुराने से खुद को रोक न पाया हो।" टेरेल इस बारे में सोचने लगा। उसे याद आया जब वह किशोर था और हर शनिवार दोपहर को डैनवाज़ की दुकान पर जाता था—उस समय हार्टली

डैनवाज़ के पिता मालिक थे—और एक निशानेबाज़ी वाली राइफल को देखता रहता था जिसे वह पाने की तमन्ना रखता था। तीन हफ़्तों तक उसकी यही तमन्ना रही, फिर अचानक वह राइफल उसके लिए बेमानी हो गई। शायद कोई ऐसा बच्चा भी हो जिसके मन में ऐसी ही तमन्ना रही हो और उसने इंतज़ार न किया हो।
"मुझे उम्मीद है कि वह सही हो, लेकिन मुझे यह पसंद नहीं है। यह एक हत्यारे का हथियार है।"

***

डीन के. मैकक्यूएन फ्लोरिडा कैनिंग एंड ग्लास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष थे, जो फ्लोरिडा के फल उत्पादकों को पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति करने वाली एक करोड़ डॉलर की कंपनी थी। छह फुट लंबे, भूरे बालों और सांवले रंग वाले मैकक्यूएन एक ऐसे व्यक्ति थे जो खुद और अपने कर्मचारियों को प्रेरित करते थे और सफलता हासिल करते थे। उन्होंने तीन बार शादी की थी: उनकी तीनों पत्नियां उनका गुस्सा, जीवनशैली और मांगें सहन न कर पाने के कारण उन्हें छोड़कर चली गईं थीं।
मैकक्यूएन समय के पाबंद थे। वे सुबह 7 बजे उठते थे: दो एकड़ में फैले फूलों के बगीचों वाले अपने आलीशान घर के तहखाने में बने व्यायामशाला में आधा घंटा बिताते थे, 7:31 बजे स्नान करते थे, 8 बजे नाश्ता करते थे, 9 बजे तक लिखते थे और फिर 9:30 बजे अपनी रोल्स-रॉयस कार से अपने कार्यालय के लिए निकल जाते थे। यह उनकी एक निश्चित दिनचर्या थी और इसमें कभी कोई बदलाव नहीं होता था। तीन साल तक मार्था डेलवाइन ने उनकी सचिव के रूप में काम किया था और इस दौरान उन्होंने उन्हें कभी एक सेकंड भी देर से आते नहीं

देखा था। और इस सुहावनी गर्मी की सुबह जब वह नाश्ते के कमरे में आने वाली विशाल सीढ़ियों से नीचे उतरे, तो उन्होंने अपनी घड़ी देखे बिना ही जान लिया कि 8 बजने में सिर्फ एक सेकंड बाकी है। छत्तीस वर्षीय मार्था डेलवाइन, लंबी, सांवली और आकर्षणहीन, सुबह की डाक हाथ में लिए नाश्ते की मेज पर इंतजार कर रही थी। "सुप्रभात, श्री मैकक्यूएन," उसने कहा और मेल को मेज पर रख दिया। मैकक्यूएन ने सिर हिलाया। वह एक ऐसा व्यक्ति था जो अनावश्यक शब्दों में विश्वास नहीं करता था।
वह बैठ गया और अपना नैपकिन बिछा लिया, तभी उसका जापानी सहायक टोको कॉफी डालने लगा और उसे तले हुए अंडे और भेड़ के गुर्दे परोसने लगा।
गुर्दा चबाने के बाद मैकक्यूएन ने पूछा, "डाक में कुछ आया है क्या?"
“कुछ खास नहीं,” मार्था ने कहा। “वही रोज़ाना के निमंत्रण।” वह थोड़ी देर रुकी, हिचकिचाई, फिर बोली, “एक अजीब बात है…” मैकक्यूएन ने एक और गुर्दे पर भाला मारा, फिर भौंहें चढ़ा लीं। “अजीब? बात? आपका क्या मतलब है?”
उसने उसके सामने सस्ते नोटपैड का आधा पन्ना रख दिया।
"यह डाक के बीच में था।"
मैकक्यूएन ने अपने बाइफोकल चश्मे निकाले, उन्हें पहना और कागज के पन्ने को ध्यान से देखा। बड़े अक्षरों में यह संदेश लिखा था: फाड़ना।
09.03

करने वाला
"यह सब क्या बकवास है?" मैकक्यूएन ने कर्कश स्वर में पूछा। मैकक्यूएन की कुर्सी के पीछे खड़े टोको ने मुंह बनाया। आवाज के लहजे से उसे समझ आ गया कि सुबह की शुरुआत खराब होने वाली है। “मुझे नहीं पता,” मार्था ने कहा। “मुझे लगा कि आपको इसे देखना चाहिए।”
“क्यों?” मैकक्यूएन ने उसे घूरते हुए कहा। “क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि ये किसी पागल ने लिखा है? क्या तुम्हें ये नहीं पता कि इस तरह की बातों से मुझे परेशान करना ठीक नहीं है? ये जानबूझकर मेरा नाश्ता खराब करने की कोशिश है!” उसने कागज का टुकड़ा मेज से उठाकर फर्श पर फेंक दिया।
मुझे खेद है, श्री मैकक्यूएन।
मैकक्यूएन अपनी कुर्सी पर घूमकर टोको को घूरने लगा।
“ये टोस्ट तो ठंडा है! आज सुबह तुम सबको क्या हो गया है? और लाओ!” 9:03 बजे, उसका डिक्टेशन खत्म हो गया, उसका गुस्सा अभी भी सुलग रहा था, मैकक्यूएन धूप में बाहर निकल गया जहाँ उसकी रोल्स रॉयस कार उसका इंतजार कर रही थी।
ब्रैंट, उनका अधेड़ उम्र का, लंबे समय से सेवारत ड्राइवर, टोपी बगल में दबाए कार के दरवाजे के पास इंतजार कर रहा था। मार्था डेलवाइन भव्य सीढ़ियों के शीर्ष पर मैकक्यूएन को विदा करने आई थीं।
“मैं छह बजे वापस आ जाऊँगा। हॉलिडे भी आ रहा होगा। उसने लगभग साढ़े छह बजे आने को कहा था, लेकिन आप जानते ही हैं कि वह कैसा है। वह कभी समय का पाबंद नहीं होता…”
ये डीन के. मैकक्यूएन के आखिरी शब्द थे। अगले ही पल की भयानक याद मार्था अपने साथ कब्र में ले गई। वह मैकक्यूएन के पास खड़ी थी,

ऊपर उसकी ओर देख रही थी और उसने देखा कि उसका ऊंचा माथा खून और दिमाग के एक स्पंजी ढेर में बदल गया। उसके दिमाग का एक छोटा सा टुकड़ा उसके चेहरे पर छिटक गया और उसके गाल से नीचे बहने लगा। उसका खून उसकी सफेद स्कर्ट पर भी फैल गया।
वह बुरी तरह गिर पड़ा, संगमरमर की सीढ़ियों से टकराते ही उसका ब्रीफकेस खुल गया और सारा सामान बिखर गया।
भय से स्तब्ध होकर, उसने मैकक्यूएन के भारी-भरकम शरीर को सीढ़ियों से नीचे लुढ़कते हुए देखा, अपने चेहरे पर उस भयानक, चिपचिपी चीज को महसूस किया, फिर वह चीखने लगी।

***

पुलिस चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोविस सीढ़ियों से उतरकर हॉल में आए, जहाँ टेरेल, बीगलर और लेप्सकी उनका इंतजार कर रहे थे। लोविस कद में छोटे, मोटे और सिर पर बाल कम होने, चेहरे पर झाइयों वाले एक कुशल व्यक्ति थे, जिन पर टेरेल पूरा भरोसा करता था।
लेप्सकी ने चोरी हुई बंदूक के बारे में प्रेस को सूचित करने का काम पूरा ही किया था कि तभी एक कॉल आया। यह कॉल स्टीव रॉबर्ट्स ने किया था, जो गश्ती दल में तैनात एक पुलिस अधिकारी थे। उन्होंने मैकक्यूएन के घर से चीखने की आवाज़ें सुनी थीं और जाँच के लिए गए थे। उनकी सूचना मिलते ही टेरेल, बीगलर और लेप्सकी तुरंत सीढ़ियों से नीचे उतरकर पुलिस की गाड़ी में बैठ गए, जबकि जैकोबी हत्या विभाग को सूचित करने के लिए वहीं रुक गए। रिपोर्ट मिलने के बाद टेरेल को इसमें कोई संदेह नहीं रहा कि यह एक हत्या थी: पैराडाइज़ सिटी में लंबे समय से ऐसी कोई घटना नहीं

हुई थी, और यह शहर के सबसे प्रभावशाली नागरिकों में से एक की हत्या थी।
वे एम्बुलेंस के साथ ही पहुंचे थे और डॉ. लोविस पांच मिनट बाद पहुंचे थे।
तब तक मैकक्यूएन का शव मुर्दाघर ले जाया जा रहा था।
“वह कैसी है?” टेरेल ने पूछा।
"बेहोशी की दवा के असर में है," लोविस ने उससे कहा और सीढ़ियों के नीचे आकर रुक गया।
“कम से कम चौबीस घंटे तक उससे बात मत करो। वह आधी पागल हो जाती है।”
सारी बातें सुनने और मैकक्यूएन का शव देखने के बाद टेरेल यह बात समझ सकता था।
"क्या आपके पास कोई सुझाव है, डॉक्टर?"
“एक शक्तिशाली राइफल। मैं अभी वापस जाकर गोली का टुकड़ा निकालूंगा। मेरा अनुमान है कि यह टेलीस्कोपिक साइट वाली एक परिष्कृत निशानेबाजी राइफल थी।”
टेरेल और बीगलर ने एक-दूसरे की ओर देखा।
"गोलीबारी का कोण कैसा रहेगा?"
"उपर से।"
टेरेल, लोविस के साथ बाहर छत पर गया। उन्होंने सामने के दृश्य का जायजा लिया।
“कहीं से,” लोविस ने अपना छोटा मोटा हाथ हिलाते हुए कहा। “मैं उतर जाता हूँ। यह तुम्हारा कबूतर है,” और वह चला गया।
बीगलर टेरेल के साथ जुड़ गए।
दोनों ने नज़ारे की ओर देखा। मैकक्यूएन की जागीर के किनारे पर बड़े-बड़े शाहबलूत के पेड़ लगे थे, पेड़ों के पार एक राजमार्ग

था, फिर खाली जगह थी, और फिर दूर एक सपाट छत वाली अपार्टमेंट की इमारत दिखाई दे रही थी।
"अगर गोली वहां से आई है, तो यह वाकई शानदार गोली होगी," बीगलर ने कहा।
“इसके अलावा और कोई जगह नहीं हो सकती जहाँ से यह आया हो... चारों ओर देखो,” टेरेल ने कहा। “तुमने लोविस की बात सुनी: एक टेलीस्कोपिक साइट वाली अत्याधुनिक निशानेबाज़ी राइफल... डैनवाज़ की बंदूक हो सकती है।”
“हां। जैसे ही लोविस गोली निकाल लेगा, हमें पता चल जाएगा।” “टॉम?” टेरेल ने लेप्सकी की ओर मुड़कर कहा, “जितने आदमियों को चाहो ले जाओ और उस अपार्टमेंट ब्लॉक की छानबीन करो। छत और किसी भी खाली अपार्टमेंट की जाँच करो। अगर कोई खाली अपार्टमेंट नहीं मिलता, तो हर अपार्टमेंट की जाँच करो; मुझे तुम्हें कुछ बताने की ज़रूरत नहीं है।”
"ठीक है, चीफ।"
लेप्सकी ने हत्या जांच दल के चार सदस्यों को इकट्ठा किया और वे एक कार में बैठकर दूर स्थित अपार्टमेंट ब्लॉक की ओर चल दिए। "चलो ड्राइवर और जापानी से बात करते हैं," टेरेल ने कहा।
"देखो कौन आया है," बीगलर ने कहा और आह भरी।
एक लंबा, सफ़ेद बालों वाला आदमी गाड़ी चलाकर आया और अपनी कार से बाहर निकल रहा था।
किसी ने एक बार उनसे कहा था कि वे फिल्म अभिनेता जेम्स स्टीवर्ट जैसे दिखते हैं, और तब से वे अभिनेता के हाव-भाव की नकल करने लगे थे। वे पीट हैमिल्टन थे, पैराडाइज सिटी सन और शहर के स्थानीय टीवी स्टेशन के अपराध संवाददाता।

“तुम उसे संभालो, जो,” टेरेल ने मुंह के कोने से कहा। “उसे राइफल के बारे में मत बताना। अनजान बनने का नाटक करना,” और वह घर के अंदर चला गया।
मैकक्यूएन के ड्राइवर हर्बर्ट ब्रांट के पास बताने के लिए कुछ नहीं था। वह सदमे से कांप रहा था और टेरेल को जल्दी ही समझ आ गया कि सवाल पूछना समय की बर्बादी होगी, लेकिन जापानी नौकर टोको, जिसने हत्या नहीं देखी थी, पूरी तरह से शांत था। उसने टेरेल को वह नोट दिया जिसे मैकक्यूएन ने नाश्ते की मेज से तिरस्कारपूर्वक फेंक दिया था। उसने टेरेल को मैकक्यूएन की आदतों और चरित्र की एक झलक दिखाई। उसने जो जानकारी दी वह व्यावहारिक और मददगार थी।
बीगलर का हैमिल्टन के साथ रिश्ता कुछ खास अच्छा नहीं चल रहा था। “ठीक है... मुझे पता है कि यह अभी-अभी हुआ है,” हैमिल्टन ने अधीरता से कहा, “लेकिन आपके पास कोई न कोई मकसद तो होगा ही। मैकक्यूएन एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। उनकी हत्या कर दी गई है... कैनेडी की तरह! क्या आपको नहीं दिख रहा कि यह इस घटिया शहर की पिछले कई सालों की सबसे बड़ी खबर है?”
बेगलर ने अपने मुंह में च्युइंग गम का एक टुकड़ा डालते हुए कहा, "मुझे पता है कि यह खबर है, लेकिन इसमें कैनेडी का एंगल कहां से आया? मैकक्यूएन अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं हैं।"
"मुझे जानकारी मिलेगी या नहीं?" हैमिल्टन ने पूछा।
"अगर मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ होता, पीट, तो वह तुम्हें मिल जाता," बेगलर ने बेपरवाही से कहा।
"फिलहाल तो कुछ भी नहीं है।"
“दानवाज़ से चोरी हुई यह टारगेट राइफल... क्या यह हत्या का हथियार हो सकती है?”

बीगलर ने अपने कंधे उचका दिए।
“आपका अनुमान मेरे अनुमान जितना ही सही है। हम इस संभावना की जांच कर रहे हैं।”
"आप मेरे लिए कब कुछ लाएंगे?"
“लगभग दो घंटे। हम दोपहर में मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।”
हैमिल्टन ने बेगलर को देखा, उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। “ठीक है… क्या आप इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकते?”
"यकीन है।"
हैमिल्टन दौड़कर सीढ़ियों से नीचे अपनी कार की ओर गया। बीगलर उसे जाते हुए देखता रहा, फिर टेरेल की हालत जानने के लिए घर के अंदर चला गया। वह वहीं खड़ा होकर टोको की बातें सुनता रहा। जब टोको की बोलने की शक्ति खत्म हो गई, तो टेरेल ने उसे वहाँ से जाने के लिए कहा। जब बीगलर और वह अकेले थे, तो टेरेल ने उसे वह नोट दिखाया जो टोको ने उसे दिया था।
बीगलर ने उसकी जांच की, फिर मन ही मन कुछ अपशब्द कहे।
"एक अखरोट।"
"यह एक बहाना भी हो सकता है।"
दोनों व्यक्ति जानते थे कि बंदूकधारी सनकी व्यक्ति को पकड़ना सभी हत्यारों में सबसे मुश्किल काम होता है।
बीगलर ने उस नोट को एक प्लास्टिक के लिफाफे में डाल दिया। "मैं इसे प्रयोगशाला के लड़कों तक पहुंचा दूंगा।"
अपनी कार की ओर बढ़ते हुए वह रुक गया। “हैमिल्टन पहले की तरह ही आक्रामक है। उसे चोरी की राइफल का पता चल गया है। हमें खूब प्रचार मिलने वाला है।”
"हाँ।"

टेरेल अपनी कार की ओर बढ़ा।
उनके जाने के पाँच मिनट भी नहीं बीते थे कि पीट हैमिल्टन फिर से घर के बाहर आकर रुक गए। उन्होंने टोको से बात की, अपने फोटोग्राफर से तस्वीरें खिंचवाईं और जैसे ही वे वहाँ से जाने लगे, तभी दो अन्य प्रतिद्वंद्वी पत्रकार गुस्से में ड्राइववे पर आ गए।
हैमिल्टन ने 11:00 बजे का टीवी समाचार कार्यक्रम देखा। उसमें चोरी हुई बंदूक की तस्वीरें दिखाई गई थीं।
मैकक्यूएन का घर और दूर स्थित अपार्टमेंट ब्लॉक स्क्रीन पर दिखाई दिए।
हैमिल्टन ने अपने दर्शकों को जल्लाद के पत्र के बारे में बताया।
“यह आदमी कौन है?” उसने पूछा। “क्या वह फिर से हमला करने वाला है?”

***

पैराडाइज़ सिटी से तीन मील दूर, हाईवे 4 से कुछ दूरी पर एक कच्ची सड़क पर वेलकम मोटल स्थित था। इसके पंद्रह जर्जर केबिन, जिनमें से प्रत्येक में अपना गैरेज था, श्रीमती बर्था हैरिस द्वारा संचालित थे, जिनके पति की कोरियाई युद्ध के दौरान मृत्यु हो गई थी।
बर्था, जो भारी-भरकम और ढीले-ढाले शरीर की थी, अब पचास वर्ष से अधिक उम्र की थी। मोटल से उसे जीविका मिलती थी: जैसा कि वह इसे कहती थी, "खाने-पीने का पैसा", और चूंकि बर्था खाने के अलावा शायद ही कुछ और करती थी, इसलिए मोटल को सफल माना जा सकता था।

मेग को सोने के लिए कहा और वह और पोक ब्यूक कार में बैठकर पैराडाइज सिटी की ओर चल दिए।
शहर पहुँचने पर पोके के आत्मविश्वास भरे अंदाज़ में गाड़ी चलाने से चक समझ गया कि वह उस जगह को अच्छी तरह जानता है। कुछ शॉपिंग ब्लॉक के चक्कर लगाने के बाद ही पोके ने बताया कि वे क्या करने वाले हैं।
उसने सब कुछ व्यवस्थित कर रखा था। कार की पिछली सीट के नीचे एक स्टील का हुक और एक स्टील का तार रखा था। बंदूक बनाने वाले की दुकान के गोदाम की खिड़की की सुरक्षा करने वाली ग्रिल को तोड़ना उसके लिए बच्चों का खेल था।
जब चक, थोड़ा पसीना बहाते हुए और घबराया हुआ, अंधेरी गली में पहरा दे रहा था, तभी पोक खिड़की से अंदर घुस आया। एक मिनट बाद, उसने एक निशानेबाज़ी वाली राइफल, एक दूरबीन जैसी दिखने वाली साइट और एक साइलेंसर वाला डिब्बा सौंप दिया।
चक ने उससे ये चीजें ले लीं और उन्हें कार की सीट के नीचे रख दिया।
वे वापस मोटल लौट आए थे।
“जाओ सो जाओ,” पोक ने चक के केबिन के बाहर गाड़ी रोकते हुए कहा।
“उसे कुछ मत बताना... समझे?”
चक कार से बाहर निकल गया।
"आप क्या करने जा रहे हैं?"
"तुम्हें पता चल जाएगा," पोक ने धीमी आवाज़ में कहा और अंधेरे में गाड़ी चलाकर चला गया।
चक ने मेग को बिस्तर पर जागते हुए और बेसब्री से उसका इंतजार करते हुए पाया।
"तुम कहाँ थे?" उसने उसे कपड़े उतारते हुए देखकर पूछा।

वह उसके बगल में बड़े बिस्तर पर लेट गया और उसकी ओर हाथ बढ़ाया। “तुम कहाँ थे?” उसने उससे जूझते हुए दोहराया। “मुझे परेशान मत करो। तुमने नहाया नहीं है, गंदे! तुमने अपने दाँत भी साफ़ नहीं किए!”
"किसे परवाह है?" चक ने कहा और उसे पीठ के बल लिटा दिया।
वे 9:50 बजे तक सोए रहे। जब मेग कॉफी गर्म कर रही थी, तभी उसने खिड़की से देखा कि पोक गाड़ी लेकर आया और उसे गैरेज में पार्क कर दिया।
"क्या वह पूरी रात बाहर था?" उसने कपों में कॉफी डालते हुए पूछा।
“तुम उससे क्यों नहीं पूछते?” चक ने कहा।
इससे वह चुप हो गई।
बाद में, चक ने दाढ़ी बनाई और नहाया जबकि मेग टीवी पर विज्ञापन देखती रही।
जब चक अपने शरीर पर साबुन लगा रहा था, तो उसे पोक की याद आ रही थी। उसे बंदूक का ख्याल आया। पोक पूरी रात बाहर था। उसने कहा था कि तीन हत्याएं करनी हैं। चक बेचैनी से सोचने लगा कि क्या पोक ने बंदूक का इस्तेमाल कर लिया है।
जब वह अपने बाल संवार रहा था, तभी पीट हैमिल्टन स्क्रीन पर आया और उसने मैकक्यूएन की हत्या के बारे में बताया। वह उस नोट के बारे में बात कर रहा था जो मैकक्यूएन को तब मिला था जब चक शॉवर रूम से बाहर आया था।
"इसे सुनो," मेग ने उत्साह से कहा।
“तो हमारे बीच एक कातिल है... शायद एक पागल कातिल,” हैमिल्टन कह रहा था। “एक आदमी जो खुद को जल्लाद कहता है। उसका मकसद क्या है? क्या वह फिर से हत्या करेगा? कल रात, मशहूर बंदूक बनाने वाले की

दुकान... डैनवाज़ गन्स से एक शक्तिशाली निशानेबाज़ राइफल चोरी हो गई। क्या चोरी हुई राइफल ही वह हथियार था जिससे मैकक्यूएन की हत्या हुई? ये रही उस बंदूक की तस्वीर जिसमें टेलीस्कोपिक साइट और साइलेंसर लगा है।” तस्वीर बदली और राइफल दिखाई दी, और चक चौंक गया।
हैमिल्टन ने आगे कहा, “इस तस्वीर को ध्यान से देखिए। अगर आपने पहले कभी ऐसी बंदूक देखी हो, या किसी को ऐसी बंदूक के साथ देखा हो, तो तुरंत पुलिस मुख्यालय को फोन कीजिए। डीन के. मैकक्यूएन हमारे सबसे जाने-माने नागरिकों में से एक थे। वे...”
चक ने टीवी बंद कर दिया।
“किसे परवाह है?” उसने अपनी आवाज़ को सहज दिखाने की कोशिश करते हुए कहा। “चलो शहर घूम लेते हैं।”
मेग उसे घूर रही थी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, माथे पर पसीने की बूँदें थीं और आँखें इधर-उधर भटक रही थीं। मेग को रोंगटे खड़े हो गए।
"क्या बात क्या बात?"
चक ने अपनी कमीज पहन ली।
“कोई बात? कोई बात नहीं! क्या आप शहर देखना नहीं चाहेंगे?”
“यह हत्या... यह आदमी... जल्लाद... इसका हमसे कोई लेना-देना नहीं है, है ना, चक?”
चक ने अपनी पतलून खींची।
"क्या तुम पागल हो? क्या इसका हमसे कोई लेना-देना है?"
उसने उसकी आंखों में नहीं देखा।
“तो फिर तुम ऐसे क्यों देख रहे हो? ज़रूर कुछ तो गड़बड़ है!” मेग उससे दूर हट गई। “वह पूरी रात बाहर क्यों था? ये सारा पैसा कहाँ से आ रहा है जो वो देने का वादा कर रहा है?”

चक जानता था कि यह एक संकट का क्षण है। यह करो या मरो वाली स्थिति थी।
“ठीक है!” उसने गुस्से भरी आवाज़ में कहा। “अपना सामान पैक करो! तुम्हें चेतावनी दी गई थी! तुम्हें सवाल न पूछने के लिए कहा गया था... अब, तुम जा रहे हो! जाओ! अपना सामान पैक करो! तुम जा रहे हो!” मेग सहम गई और असहाय होकर उसके सामने हाथ हिलाने लगी।
“नहीं! मेरे साथ आओ, चक: वह बुरा आदमी है! मुझे पता है! मेरे साथ आओ!”
“तुमने मेरी बात सुनी! अपना सामान पैक करो! तुम यहाँ से जाओ!” वह बिना बिछे हुए पलंग पर बैठी थी, अपना सिर हाथों में थामे हुए। “मैं अकेला नहीं रह सकता, चक... ठीक है... भूल जाओ। मैं सवाल नहीं पूछूंगा। मैं जाना नहीं चाहता।”
पोके तोहोलो ने अपने केबिन की कमजोर लकड़ी की दीवार से कान सटाकर सुना।
चक जानता था कि वह जीत चुका है, लेकिन अब उसे यह बात पूरी तरह से साबित करने का समय था।
“मैं तुमसे तंग आ गया हूँ,” उसने कहा। “मुझे बहुत सारी लड़कियाँ मिल जाएँगी। बेहतर होगा कि तुम यहाँ से चली जाओ। जाओ... अपना सामान पैक करो!”
अब वह लगभग गिड़गिड़ा रही थी।
"प्लीज़, चक... मुझे परवाह नहीं है। मैं और कोई सवाल नहीं पूछूंगी। मुझे बस तुम्हारे साथ रहना है!"
वह कमरे में इधर-उधर घूमने लगा, मानो उसे संदेह हो रहा हो।
मैं पोक से बात करूंगा। उसे इसके बारे में पता चलना ही होगा।
मुझे लगता है कि तुम्हें यहां से तुरंत निकल जाना चाहिए।
मेग उछल पड़ी और उसने उसका हाथ पकड़ लिया।

नहीं, उसे मत बताना। मैं वादा करता हूँ! मैं कसम खाता हूँ कि मैं और कोई सवाल नहीं पूछूंगा! मैं वही करूंगा जो तुम कहोगे! मैं वादा करता हूँ!
चक ने पहले तो हिचकिचाहट का नाटक किया, फिर सिर हिलाकर सहमति दी।
ठीक है, तो मैं इसे भूल जाता हूँ। चलो शहर घूमने चलते हैं, ठीक है?
“जी हां।” उसने कृतज्ञतापूर्वक उसकी ओर देखा। “जी हां, कृपया।” मैं पोक से पूछूंगा कि क्या हम कार ले जा सकते हैं।
वह तुरंत फिर से घबरा गई।
“तुम उसे नहीं बताओगे... तुम उससे कुछ नहीं कहोगे?”
उसकी मुस्कान में गर्व झलक रहा था। यह उसके अहंकार को संतुष्ट करने का एक तरीका था कि वह उसके सामने गिड़गिड़ाए।
“मैं उसे नहीं बताऊँगा।” उसने अपनी छोटी, पसीने से भीगी उंगलियों से उसकी ठोड़ी पकड़ी और उसे चुटकी से दबाया, जिससे वह दर्द से कराह उठी। “लेकिन याद रखना, जान, यह तुम्हारा आखिरी मौका है।”
वह केबिन से बाहर निकला और पोके के दरवाजे पर दस्तक दी। पोके ने उसे अंदर आने दिया। पोके के दरवाजा बंद करते ही दोनों आदमियों ने एक-दूसरे को देखा।
“मैंने सब सुन लिया,” उसने धीरे से कहा। “तुमने सही किया। उसे कार में बिठाकर बीच पर ले चलो। उसे व्यस्त रखो। मैं सोने जा रहा हूँ।” उसने अपनी कमर की जेब से बीस डॉलर का नोट निकाला। “ये लो... उसे शांत करो।” वह थोड़ी देर रुका।
उसकी काली चमकती आँखें चक के चेहरे को निहार रही थीं। "मुझे आज रात तुम्हारी ज़रूरत पड़ेगी। हम यहाँ से रात 11 बजे निकलेंगे।"

चक अकड़ गया और उसका मुंह सूख गया।
"दूसरा एक?"
पोक ने सिर हिलाया।
चक ने नज़रें फेरते हुए कहा, "पहला मामला तो तुमने अकेले ही सुलझा लिया था। अब तुम्हें मेरी क्या ज़रूरत है?"
“इस बार मुझे तुम्हारी ज़रूरत है,” पोक ने कहा। “उसे बीच पर ले जाओ और उसे खूब मज़े कराओ।”
चक ने सिर हिलाया, थोड़ी देर हिचकिचाया, फिर केबिन से बाहर निकल गया।
पोक ने अपने पीछे दरवाजा बंद किया और कुंडी लगा दी। उसने चक और मेग के ब्यूक में चले जाने का इंतजार किया, फिर वह अपने बिस्तर पर गया, गद्दा उठाया और उसमें छिपी हुई जगह से निशाना लगाने वाली राइफल निकाल ली।
वह बिस्तर के किनारे पर बैठा और उसे साफ करने लगा।

***

दोपहर 2 बजे के कुछ देर बाद ही टेरेल ने सुबह से अपने डेस्क पर आ रही सभी रिपोर्टों को पढ़ा था। आने वाली कॉलों का जवाब देने का काम उसने बीगलर पर छोड़ दिया था। हैमिल्टन की टीवी पर दिखाई गई खबर ने शहर में ऐसा हंगामा मचा दिया था कि मुख्यालय के फोन लगातार बजते रहे। शहर के अमीर लोग बिगड़े हुए थे और बेहद घबराए हुए थे। वे पुलिस को अपना सेवक मानते थे: एक ऐसी ताकत जो पूरी तरह से उनकी सुरक्षा के लिए बनाई गई थी। पुलिस इस पागल के बारे में क्या कर रही है? उन्होंने गुस्से से, तीखी आवाज़ में और

यहाँ तक कि रोते हुए पूछा। क्या पुलिस को यह एहसास नहीं था कि यह आदमी फिर से हत्या कर सकता है? क्या किया जा रहा है?
बीगलर ने इन कॉलों का जवाब अपने शांत और आश्वस्त करने वाले अंदाज में दिया: उनके मुंह से सिगरेट कभी नहीं हटती थी और उनके बगल में कॉफी का एक कार्टन हमेशा मौजूद रहता था।
अपने कान के पर्दे पर बज रही तरह-तरह की आवाज़ों को सुनकर उसे लगा कि हैमिल्टन ने वाकई कुछ शुरू कर दिया है और उसका पैर हैमिल्टन के पिछले हिस्से से टकराने के लिए बेचैन हो रहा था। शहर के मेयर लॉसन हेडली एक समझदार व्यक्ति थे। उन्होंने टेरेल से पहले ही बात कर ली थी।
“हो सकता है कोई पागल हो,” टेरेल ने कहा था। “हो सकता है अंधा हो। जब तक मुझे और जानकारी नहीं मिल जाती, मैं आपको कुछ नहीं बता सकता। मेरी रिपोर्ट लगभग 3 बजे तक तैयार हो जाएंगी। अगर आप भी इसमें शामिल होना चाहते हैं, लॉसन, तो मुझे खुशी होगी।”
“मैं वहाँ रहूँगा, फ्रैंक। यह बहुत बुरा हुआ कि इस कमीने हैमिल्टन ने हमें पता चलने से पहले ही यह सब हंगामा खड़ा कर दिया। मैं आसपास ही रहूँगा।”
दोपहर 3 बजे टेरेल, हेडली और बीगलर टेरेल की मेज के चारों ओर बैठ गए।
“हत्यारे की बंदूक कल रात डैनवाज़ की दुकान से चोरी हुई थी,” टेरेल ने कहा। “बैलिस्टिक रिपोर्ट इसकी पुष्टि करती है। हत्यारे ने कॉनॉट अपार्टमेंट ब्लॉक के पेंटहाउस की छत से गोली चलाई। जैसा कि आप जानते हैं, पेंटहाउस टॉम डेविस का है और जैसा कि आप जानते हैं, वह यूरोप में कहीं छुट्टी पर हैं। वह तीन महीने से बाहर हैं और ऐसा लगता है कि हत्यारे को यह पता था। लिफ्ट बेसमेंट गैरेज से सीधे अपार्टमेंट तक जाती है। सही औजार से

लिफ्ट को ऊपर ले जाना मुश्किल नहीं है। यह एक आसान काम था। हत्यारा गैरेज में गाड़ी लेकर गया, डेविस के अपार्टमेंट में घुसा, छत पर गया और मैकक्यूएन के आने का इंतजार करने लगा। कॉनॉट का चौकीदार सुबह 6 बजे उठता है। मेरा अनुमान है कि हत्यारा रात में किसी समय आया और इंतजार किया। चौकीदार ने 9:30 बजे नाश्ता किया। 9:30 से 10:15 तक जगह पर कोई पहरा नहीं होता। उसी समय हत्यारा वहां से निकला।”
हेडली ने अपने झड़ते बालों पर हाथ फेरा।
मुझे तो ऐसा लगता है कि इस आदमी ने यह सब बहुत सोच-समझकर और काफी समय पहले से योजना बनाकर किया था।
"शायद या फिर वह इस प्रक्रिया से परिचित था। मुझे लगता है कि उसे पता था कि कब गोली चलानी है और कब निकलना है, और उसे यह भी पता होगा कि डेविस वहां से दूर है।"
तो क्या वह यहीं का रहने वाला है?
"इसके जैसा लगता है।"
हेडली बेचैनी से इधर-उधर हिल रहा था।
आपके पास और क्या है?
एक नोट है... अजीब बात है। यह एक चेतावनी है। इसे कल रात लगाया गया था। मुझे समझ नहीं आ रहा। वह मैकक्यूएन को चेतावनी दे रहा है कि उसे मार दिया जाएगा। क्यों?
“प्रचार,” बेगलर ने कहा। “उसके पास यह निश्चित रूप से है।” “शायद। खैर, जैसा कि आपने कहा, उसे मिल गया है। लैब के लड़कों ने नोट की अच्छी तरह से जांच कर ली है। उंगलियों के निशान नहीं हैं, बॉल पेन से लिखा गया है, कागज किसी भी सस्ती दुकान में मिल जाता है। इससे हमें संदेश के अलावा और कुछ नहीं मिलता।” टेरेल ने नोट निकाला और हेडली को सौंप दिया। “लिखावट जैसी आप देख रहे हैं

“यह बात हम दोनों के बीच ही रहेगी, काश मुझे पता होता। अभी कोई तत्काल कदम नहीं उठाया जा सकता। बेशक हम यह कहेंगे कि हम मामले की जांच कर रहे हैं, पूछताछ कर रहे हैं वगैरह-वगैरह, लेकिन हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। हम राइफल की तस्वीर जनता के सामने रखेंगे, हम मैकक्यूएन के जीवन की छानबीन करेंगे और उसके दोस्तों से बात करेंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे कोई खास फायदा होगा। इस तरह की बिना मकसद वाली हत्या को सुलझाना बहुत मुश्किल है। हमें इंतजार करना होगा और उम्मीद करनी होगी कि यह सिर्फ एक अलग-थलग हत्या हो।”
हेडली अकड़ गया।
"क्या आप यह सुझाव दे रहे हैं कि यह आदमी इसे दोबारा कर सकता है?"
“खुद से पूछो। मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा। हम सिर्फ औपचारिकता निभाएंगे। हम उन सभी लोगों से पूछताछ करेंगे जिनका मैकक्यूएन से झगड़ा हुआ है, और ऐसे लोग बहुत सारे हैं। हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि क्या किसी को उससे सच में कोई शिकायत थी... शायद उसके कर्मचारियों में से किसी को। अगर तुम्हारे पास कोई विचार हैं, लॉसन, तो उन्हें बताने का यही सही समय है।” हेडली ने ऐशट्रे में अपनी सिगार बुझाई और खड़ा हो गया।
“नहीं... मैं स्थिति समझता हूँ। ठीक है, कोशिश करते रहो, फ्रैंक। मैं अपने दफ्तर वापस जाकर तेल डालना शुरू कर देता हूँ... मैं कम से कम इतना तो कर ही सकता हूँ।”
उसके जाने के बाद, टेरेल ने अपनी कॉफी खत्म की, अपना पाइप जलाया और बीगलर की ओर देखा।
“चलो, जो, काम शुरू करते हैं... सबको लगा दो। मुझे नहीं लगता कि वे कुछ सोच पाएंगे, लेकिन हमें कुछ तो करना ही होगा।”

“हाँ।” बीगलर उठ खड़ा हुआ। “क्या आपको लगता है कि एक और आएगा, चीफ?”
"मुझे आशा नहीं है।"
“मुझे लगता है ऐसा होगा। हमारे हाथ में एक सनकी आदमी है।” बीगलर ने सिर हिलाया।
"फ्रेड कितना भाग्यशाली है। इस समय अगर मेरा पैर टूटा होता तो मुझे अस्पताल में भर्ती होने में कोई आपत्ति नहीं होती।"
"वह गलती करेगा... वे हमेशा गलती करते हैं," टेरेल ने अपनी आवाज में ज्यादा विश्वास दिखाए बिना कहा।
"लेकिन जब?"
“बिल्कुल सही… जब।”
उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा, बीगलर अपने आदमियों को काम पर लगाने के लिए जासूसों के कमरे में चला गया।

***

यह जानते हुए कि शाम के इस समय उनके पड़ोसी अपने बगीचों में डी.डी.टी. गन से एफिड्स पर हमला कर रहे होंगे या अपने लॉन की कटाई कर रहे होंगे, लेप्सकी ने एक ऐसी चाल चलने का फैसला किया जिससे वे चौंक जाएं।
वह अपनी कार में पचास मील प्रति घंटे की रफ्तार से सड़क पर दौड़ा, फिर अपने बगीचे के गेट पर पहुँचते ही उसने ब्रेक पैडल पर पैर रख दिया, जिससे कार ज़ोर से रुक गई और वह लगभग विंडशील्ड से बाहर गिरते-गिरते बचा। लेप्सकी दिखावा करने में माहिर था, लेकिन शायद, कार से बाहर कूदते हुए उसने सोचा, वह अचानक ब्रेक लगाना सुरक्षा के लिहाज़ से कुछ ज़्यादा ही नाटकीय था।

कार का दरवाजा जोर से बंद करते हुए, यह जानते हुए कि उसके पड़ोसी सब कुछ रोककर उसे घूर रहे हैं, वह बगीचे के रास्ते से होते हुए अपने घर के दरवाजे की ओर बढ़ा। ताले में चाबी घुमाते ही उसने सोचा कि सब कुछ ठीक चल रहा है। गली में रहने वाले सभी लोगों को लेप्सकी की पत्नी ने उसकी पदोन्नति के बारे में बता दिया था। अब समय आ गया था कि इन सभी सीधे-सादे लोगों को एक कुशल जासूस का कारनामा दिखाया जाए।
दुर्भाग्यवश, वह अपनी कार की चाबी से अपने घर का सामने वाला दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा था। अगर वह घर में घुसकर दरवाजा पटक देता, तो उसके द्वारा बनाया गया प्रभाव चर्चा का विषय बन जाता, लेकिन चाबी गलत होने का एहसास होने तक ताले से जूझने की उसकी इस हताश कोशिश ने सारा माहौल बिगाड़ दिया।
जब वह गालियां देते हुए सही चाबी की तलाश में हाथ-पैर मार रहा था, तभी सामने का दरवाजा झटके से खुल गया।
“क्या तुम्हें ऐसे ही गाड़ी चलानी है?” कैरोल लेप्सकी ने गुस्से से पूछा। “क्या तुम्हें एहसास नहीं है कि तुम एक बुरा उदाहरण पेश कर रहे हो?”
लेप्सकी उसे धक्का देकर आगे बढ़ी, दरवाजा लात मारकर बंद किया और बाथरूम की ओर चल पड़ी।
"मुझे पेशाब करने के लिए अपनी गर्दन तोड़नी पड़ेगी," उसने घोषणा की, और फिर दरवाजा जोर से बंद कर दिया।
कैरोल ने आह भरी। सत्ताईस साल की उम्र में, लंबी, सांवली और खूबसूरत कैरोल की अपनी अलग ही मर्यादा थी। लेप्सकी से शादी करने से पहले, वह मियामी में अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी में क्लर्क के रूप में काम करती थी, जहाँ वह अमीरों से बातचीत करती थी, उनके मामलों को संभालती थी और उन्हें सलाह देती थी। इस काम

ने उसे बहुत आत्मविश्वास दिया था और उसे थोड़ा दबंग भी बना दिया था।
वह अपने पति को मुख्यालय का सबसे बेहतरीन और होशियार जासूस मानती थी। उसने छह या सात साल बाद उन्हें पुलिस प्रमुख बनते देखने की योजना बनाई थी। यह बात उसने उन्हें नहीं बताई, लेकिन पदोन्नति के लिए उन्हें लगातार टोकती रही। अब वह प्रथम श्रेणी के अधिकारी थे: अगला पद सार्जेंट का था।
लेप्सकी बाथरूम से बाहर आया और नाटकीय ढंग से अपने चेहरे से न के बराबर पसीना पोंछने लगा।
“चलो एक ड्रिंक लेते हैं,” उसने कुर्सी पर बैठते हुए कहा। “मेरे पास सिर्फ पांच मिनट हैं... बस शर्ट बदलने का समय है।”
"अगर तुम दोबारा ड्यूटी पर आए, लेप्सकी, तो शराब मत पीना! मैं तुम्हारे लिए एक कोक लाता हूँ।"
“मुझे एक ड्रिंक चाहिए, एक बड़ी सी व्हिस्की, ढेर सारी बर्फ के साथ!” वह रसोई में गई और उसके लिए ढेर सारी बर्फ के साथ एक बड़ा कोक ले आई।
"तुम इतनी परेशान क्यों हो?" उसने कुर्सी के आर्मरेस्ट पर बैठते हुए पूछा।
“मैं? मैं परेशान नहीं हूँ! आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं परेशान हूँ?” उसने आधी कोक पी ली और मुँह बनाया। “इसमें थोड़ी सी स्कॉच क्यों नहीं मिला देते?”
“नहीं! तुम तो बहुत परेशान लग रहे हो। मैं भी बहुत परेशान हूँ। मैं टीवी से चिपकी हुई हूँ। ये कातिल... जल्लाद... आखिर हो क्या रहा है?”
“एक पागल। मुझे आपको बताने की ज़रूरत नहीं है: एक पागल सबसे बुरा सिरदर्द होता है। अब सुनो, कैरोल, किसी को एक शब्द भी मत

बताना! मुझे पता है कि तुम्हारी सभी चुड़ैल सहेलियाँ सोचती हैं कि उन्हें तुमसे ही सबसे पहले खबर मिलेगी, लेकिन उन्हें कुछ मत बताना!”
“बताने के लिए कुछ है क्या? एक मूर्ख बच्चा भी समझ जाएगा कि यह आदमी पागल है। क्या चल रहा है? क्या तुमने उसे ढूंढ लिया है?” लेप्सकी ने खोखली हंसी हंसी।
“अभी नहीं। मैं पूरी रात पूछताछ करने में लगा रहूंगा। रोज़मर्रा के काम। शहर डरा हुआ है। हमें व्यस्त दिखना होगा, लेकिन यह सब समय की बर्बादी है, पर किसी को बताना मत।”
“मुझे एक सुराग मिला है, लेप्सकी।” अब कैरोल ने यह स्वीकार कर लिया था कि उसके पति के सामने कोई रास्ता नहीं बचा है और वह उसे आगे बढ़ने में मदद करने के लिए तैयार थी। “आज सुबह जैसे ही मैंने टीवी पर हैमिल्टन के बारे में सुना, मैं मेहितबेल बेसिंगर के पास गई। मुझे पूरा यकीन था कि अगर कोई इस मामले को सुलझा सकता है तो वह वही होंगी।”
लेप्सकी अकड़ गया, फिर उसने अपना कॉलर ढीला कर लिया।
“वो पुराना नकली सामान? तुम पागल हो! अब, सुनो, मुझे एक साफ कमीज़ ला दो। मैं पूरी रात बाहर रहूंगा। मेरे लिए दो सैंडविच बना दो? फ्रिज में क्या है? क्या उसमें से कुछ गोमांस बचा है?” “मेरी बात सुनो, लेपस्की,” कैरोल ने दृढ़ता से कहा। “मेहिताबेल बूढ़ी हो सकती है, लेकिन वह नकली नहीं है। उसके पास शक्तियां हैं। मैंने उसे बताया कि यह तुम्हारे लिए कितना महत्वपूर्ण है और…”
“एक मिनट रुको!” लेप्सकी आगे झुक गया, उसके चेहरे पर संदेह था। “क्या तुमने उसे मेरी व्हिस्की दी?” वह उछलकर खड़ा हुआ और शराब की अलमारी की ओर भागा। उसकी कटी सार्क की बोतल गायब थी। उसने

मुड़कर अपनी पत्नी को इल्ज़ाम भरी निगाहों से देखा। “तुमने उस शराबी बुढ़िया को मेरी व्हिस्की दे दी!”
“मेहिताबेल कोई शराबी बुढ़िया नहीं है! स्वाभाविक रूप से उसे कभी-कभार शराब पीना पसंद है। हाँ, मैंने ही उसे व्हिस्की दी थी... वैसे, लेप्सकी, मुझे लगता है तुम बहुत ज्यादा पीते हो।” लेप्सकी ने अपनी टाई ढीली कर ली।
“मैं कितना पीता हूँ, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता! तुम्हारा मतलब है...”
“चुप रहो! मैं चाहता हूँ कि तुम सुनो!” कैरोल की आवाज़ तेज़ हो गई।
“ओह, ज़रूर, ज़रूर।” लेप्सकी ने अपने बालों में उंगलियाँ फिराईं। “आपको मुझे बताने की ज़रूरत नहीं है।” उसने अपनी टाई उतारी और उसे हाथों में मसलने लगा। “आप उसके पास गए और उसने अपना जादुई क्रिस्टल बॉल निकाला और मेरी सबसे अच्छी व्हिस्की की एक बोतल के बदले में आपको बताया कि मैकक्यूएन को किसने बहलाया था... है ना?”
कैरोल ने अपने कंधे सीधे किए।
“उसने बिल्कुल यही किया। यह एक त्वरित सफलता साबित हो सकती है। मेहितबेल ने अपनी दिव्य दृष्टि से हत्यारे को देख लिया।” लेप्सकी ने अपनी टाई को फर्श पर फेंक दिया और उस पर पैर पटकते हुए एक न्यूमेटिक ड्रिल जैसी आवाज निकाली।
“दिखावा करने की कोई ज़रूरत नहीं है,” कैरोल ने ठंडे लहजे में कहा। कई बार मुझे लगता है कि तुम एक बिगड़े हुए बच्चे जैसी मानसिकता रखते हो।”
लेप्सकी ने अपनी आंखें बंद कर लीं, लेकिन अंततः उसने खुद पर काबू पा लिया।

“हाँ... तुम सही हो सकते हो। ठीक है... अब मेहितबेल के बारे में भूल जाते हैं। मान लो तुम मेरे लिए कुछ सैंडविच काट दो? मुझे उस गोमांस में से थोड़ा सा चाहिए... अगर बचा हो तो।”
“तुम खाने के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हो,” कैरोल ने कहा। “क्या तुम ध्यान दोगे? मेहितबेल ने इस आदमी को देखा! वह एक भारतीय है। उसने फूलों वाली कमीज पहनी हुई थी और उसके साथ दो और लोग थे: एक पुरुष और एक महिला, लेकिन वह उन्हें साफ-साफ नहीं देख पाई।”
“क्या सच में?” लेप्सकी ने ताना मारा। “मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं है। एक बार उस बुढ़िया के हाथ में बोतल लग जाए तो उसे कुछ भी ठीक से दिखाई नहीं देता।” वह खड़ा हो गया। “मैं दाढ़ी बना रहा हूँ और कमीज़ बदल रहा हूँ। क्या तुम सैंडविच तैयार रखोगे?” कैरोल ने मुट्ठियों से अपने घुटनों पर प्रहार किया। ऐसे भी क्षण होते थे - और यह उनमें से एक था - जब वह लेप्सकी की तरह नाटकीय हो सकती थी।
“लेकिन क्या तुम्हें दिखाई नहीं दे रहा, बेवकूफ, यह एक सुराग है... एक अहम सुराग?” उसने गुस्से से कहा। “तुम्हें इतना संकीर्ण सोच वाला क्यों होना चाहिए? मुझे पता है मेहितबेल बूढ़ी है, लेकिन उसके पास शक्तियां हैं... वह एक माध्यम है।”
"क्या तुमने मुझे बेवकूफ कहा?" लेप्सकी ने खुद को सीधा करते हुए कहा।
“क्या तुमने सुना मैंने क्या कहा?” कैरोल गुस्से से भड़क उठी, उसकी आँखें चमक रही थीं।
“मैंने सुना तुमने मुझे बेवकूफ कहा,” लेप्सकी ने कहा। “मैं अपनी कमीज बदल लेता हूँ। अगर थोड़ा सा भी मांस बचा हो तो मुझे कुछ सैंडविच चाहिए,” और वह गुस्से में अपने बेडरूम की ओर चला गया।

कैरोल सैंडविच का एक पैकेट लेकर इंतजार कर रही थी, तभी लेप्सकी, दाढ़ी बनवाकर, नहाकर और नई कमीज पहनकर, बेडरूम से बाहर आया। कैरोल ने सैंडविच का पैकेट उसकी ओर बढ़ाया तो उसने उस पर नजर डाली।
"गाय का मांस?"
“हे भगवान! हाँ!”
"सरसों?"
"हाँ।"
वे मुस्करा उठे।
“कभी मिलते हैं, जान। बस उस पुरानी बकवास को भूल जाओ।” उसने उसके गाल पर एक चुंबन दिया और फिर तेज़ी से बगीचे के रास्ते से होते हुए अपनी कार की ओर चल पड़ा।
उसे सड़कों पर भटकते हुए सवाल पूछते हुए, मैकक्यूएन के पसंदीदा नाइट क्लबों का दौरा करते हुए एक व्यर्थ रात बितानी थी, लेकिन उसे, जैसा कि अन्य पूछताछ करने वाले जासूसों को भी पता चला, यह अंदाजा हो गया था कि शहर में डर का माहौल छाया हुआ था: एक परमाणु विस्फोट जैसा डर।

तीन

द्वितीय श्रेणी के जासूस मैक्स जैकोबी आधी रात की ड्यूटी पर थे। टेलीफोन की निगरानी करते हुए, वे मैकक्यूएन हत्याकांड से संबंधित लगातार आ रही रिपोर्टों को वर्गीकृत करने में व्यस्त थे, ताकि अगली सुबह टेरेल के सामने प्रस्तुत करने के लिए उनमें से उपयोगी और अनुपयोगी रिपोर्टों को छाँट सकें।
दो युवा पुलिस अधिकारी उनके साथ थे: होशियार लेकिन अनुभवहीन। लाल बालों वाला डस्टी लुकास था, और छोटा कद वाला रॉकी हैम्बलिन। वे और रिपोर्टों को पढ़ते हुए जम्हाई ले रहे थे।
“ये लोग तो जूते घिस-घिसकर खराब कर देते हैं,” डस्टी ने एक और रिपोर्ट उठाते हुए कहा। “सोचो: ये मेरी तैंतालीसवीं रिपोर्ट है और इसमें क्या लिखा है: कुछ भी नहीं!”
अपने वरिष्ठ होने के नाते, उन्हें एक उदाहरण पेश करना था, इस बात से अवगत जैकोबी ने ऊपर देखा और तेवर चढ़ाए। "यह पुलिस का काम है। चौवालीसवीं रिपोर्ट से हमें वह जानकारी मिल सकती है जिसकी हम तलाश कर रहे हैं।"
“अरे हाँ?” दोनों नौसिखिए एक साथ बोले। “मैक्स, तुम किसे बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हो?”
फिर टेलीफोन की घंटी बजी।
जैसे ही जैकोबी ने रिसीवर उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, उसकी नजर मक्खियों से भरी दीवार घड़ी पर पड़ी।
समय 22.47 था।
“पुलिस मुख्यालय: जैकोबी,” उसने फुर्ती से कहा।
“मुझे यहाँ मदद चाहिए,” एक आदमी ने कहा। उसकी आवाज़ लड़खड़ा रही थी लेकिन दृढ़ थी।

"द सीगल, बीच ड्राइव। जल्दी से किसी को भेजो।"
“यह कौन बोल रहा है?” जैकोबी ने पैड पर पता लिखते हुए पूछा। “मैल्कम रिडल। मेरे पास यहाँ एक मृत महिला है... जल्दी से किसी को भेजो।”
जैकोबी शहर के कुछ महत्वपूर्ण नागरिकों के नामों से परिचित थे। मैल्कम रिडल यॉट क्लब के अध्यक्ष, ओपेरा हाउस के चेयरमैन थे और उनकी पत्नी फ्लोरिडा की सातवीं सबसे धनी महिला मानी जाती थीं। इसी वजह से वे महत्वपूर्ण थे।
“जी हां, श्रीमान रिडल।” जैकोबी अपनी कुर्सी पर आगे झुक गए। “एक अधिकारी तुरंत आपके पास आएगा।” वे पहले से ही इलेक्ट्रॉनिक चार्ट देख रहे थे जिसमें गश्ती वाहनों की स्थिति बताई गई थी। “क्या आप मुझे और अधिक जानकारी दे सकते हैं?”
"यह हत्या है," रिडल ने सपाट स्वर में कहा और संपर्क तोड़ दिया। कुछ ही सेकंड के भीतर जैकोबी ने पेट्रोलिंग अधिकारी स्टीव रॉबर्ट्स से संपर्क कर लिया, जो बीच ड्राइव के पास के क्षेत्र की निगरानी कर रहे थे।
“स्टीव, जल्दी से बीच ड्राइव पर स्थित द सीगल पहुंचो,” उसने कहा। “मैल्कम रिडल ने हत्या की सूचना दी है। मैं हत्या विभाग को सूचित कर दूंगा। उनके आने तक सब कुछ रोक कर रखो।”
“ज़रूर,” रॉबर्ट्स ने हैरानी भरे स्वर में कहा। “मैं आ रहा हूँ।”
अगले कुछ मिनटों तक जैकोबी फोन पर व्यस्त रहा, जिसे दो अचंभित रंगरूट देख रहे थे। उसने सबसे पहले बीगलर को फोन किया जो सोने जा रहा था।
बीगलर ने सुना और जब उसे पता चला कि मैल्कम रिडल इसमें शामिल है, तो उसने जैकोबी को टेरेल को सतर्क करने के लिए कहा।

"लेप्सकी कहाँ है?" बीगलर ने जम्हाई लेते हुए पूछा।
“उसे अब तक घर आ जाना चाहिए था। उसने बीस मिनट पहले काम खत्म किया था।”
"उसे नीचे ले आओ," बीगलर ने कहा और फोन काट दिया।
बेगलर और लेप्सकी एक ही समय पर उस छोटे से आलीशान बंगले में पहुंचे।
यह बंगला इतना स्पष्ट रूप से प्रेम का आशियाना था कि उस छोटे से स्थान को आंशिक रूप से ढकने वाली घनी फूलों वाली झाड़ियों के पीछे से देखने वाले किसी भी व्यक्ति के मन में इसके बारे में कोई और विचार नहीं आ सकता था। यह समुद्र के सामने था, इसके पीछे मैंग्रोव वृक्षों का जंगल था और इसके किनारों पर लंबी, घनी फूलों वाली झाड़ियाँ थीं।
रॉबर्ट्स की गश्ती गाड़ी एक ताड़ के पेड़ के नीचे खड़ी थी। बड़े, लचीले चेहरे वाला पुलिसवाला अंधेरे से बाहर आया और बीगलर के साथ मिल गया।
“मैंने एक नज़र डाली, सार्जेंट,” उसने कहा, “फिर उसे छोड़ दिया।
आपको यह बहुत पसंद आएगा... यह फिर से जल्लाद है।”
बेगलर ने मन ही मन कुछ अपशब्द कहे, फिर खुले हुए सामने के दरवाजे तक जाने वाले छोटे रास्ते पर चल पड़ा। उसने लेप्सकी और रॉबर्ट्स को वहीं रुकने का इशारा किया।
उसने मैल्कम रिडल को बड़े से बैठक कक्ष में एक आरामकुर्सी पर बैठे हुए पाया।
रिडल पचास वर्ष से अधिक आयु का एक हट्टा-कट्टा आदमी था: धूप में तपा हुआ उसका मांसल चेहरा इतना आकर्षक था कि उसे देखकर कोई भी उसे फिल्म स्टार समझ सकता था। उसके चेहरे पर घोर निराशा का भाव था जिसे देखकर बेगलर चौंक गया। वह रिडल को जानता था, उसे पसंद

करता था और उसकी मुश्किलों से भी वाकिफ था। वह यह भी जानता था कि रिडल की पत्नी एक बदचलन औरत थी।
इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि घुड़सवारी दुर्घटना के बाद अब उसे अपना जीवन व्हीलचेयर में बिताना पड़ता था, फिर भी वह एक कुतिया ही बनी रही।
बीगलर के कमरे में आते ही रिडल ने ऊपर देखा।
“अरे, जो… अच्छा हुआ कि तुम हो। ये तो बहुत बड़ी गड़बड़ है।” उसने दूर के एक दरवाजे की ओर इशारा किया। “वो अंदर है।”
“आराम से, मिस्टर रिडल,” बीगलर ने धीरे से कहा और बेडरूम में जाने वाले दरवाजे की ओर चल दिया। बत्तियाँ जल रही थीं। किंग साइज बेड ने लगभग पूरी जगह घेर रखी थी।
महिला नग्न अवस्था में बिस्तर पर औंधे मुंह लेटी हुई थी। बीगलर की अनुभवी निगाहों ने उसके गले में लिपटी नायलॉन की स्टॉकिंग की रस्सी देखी, और फिर उनकी नजरें उसकी लंबी, धूप से झुलसी हुई पीठ पर टिक गईं।
उसकी गर्दन के निचले हिस्से से लेकर नितंबों के निचले हिस्से तक चमकदार काले रंग से यह लिखा हुआ था: जल्लाद
बेगलर कुछ देर तक शव को घूरता रहा, उसका चेहरा सख्त और भावहीन था, फिर वह रिडल को नजरअंदाज करते हुए बैठक कक्ष से बाहर गर्म रात की हवा में चला गया।
“ये हमारा ही बंदा है,” उसने लेप्सकी से कहा। “तैयारी करो। टीम को यहाँ बुलाओ। मैं रिडल को यहाँ से बाहर निकाल रहा हूँ।” लेप्सकी ने सिर हिलाया और कार के टेलीफोन का इस्तेमाल करते हुए मुख्यालय को फोन किया।
बेगलर बंगले में लौट आया।

“अब किसी भी समय प्रेस वाले यहाँ जमा हो जाएँगे,” उन्होंने कहा। “चलिए, मैं आपको घर छोड़ देता हूँ, मिस्टर रिडल।”
रिडल भारी कदमों से अपने पैरों पर खड़ा हुआ।
“मैं अभी घर नहीं जाना चाहता… अभी तो बिल्कुल नहीं। बेशक आप मुझसे सवाल करना चाहते हैं। मैं अपनी कार लेकर चलता हूँ… आप मेरे पीछे आइए। हम मेन बे की तरफ चलेंगे… वहाँ शांति होगी।” दस मिनट बाद, रिडल ने अपनी कार एक ताड़ के पेड़ के नीचे खड़ी कर दी। मेन बे दिन के समय समुद्र तट प्रेमियों का पसंदीदा स्थान था, लेकिन रात में यह हमेशा सुनसान रहता था।
बेगलर भी उसके पास आ गया और दोनों आदमी रेत पर अगल-बगल बैठ गए। कुछ देर चुप्पी छाई रही, फिर रिडल बोला, “ये तो बड़ी मुसीबत हो गई, है ना? मेरे लिए तो सब कुछ खत्म हो गया। उस कमीने ने मुझे ही क्यों निशाना बनाया?” उसने बेगलर की सिगरेट ले ली और दोनों ने सिगरेट जला ली। “अगर मेरी गाड़ी का टायर पंचर न हुआ होता तो ये सब न होता। शायद यही किस्मत है। मैं हमेशा लीसा से पहले बंगले पर पहुँच जाता था, लेकिन आज रात मेरी गाड़ी का टायर पंचर हो गया और वो मुझसे पहले वहाँ पहुँच गई।”
“क्या आप मुझे सारी बात बताएँगे, श्रीमान रिडल?” बीगलर ने कहा। “सब कुछ बताना पड़ेगा। मुझे माफ़ करना। मुझे आपकी हर मदद की ज़रूरत है। यह पागल फिर से किसी की हत्या कर सकता है।”
“जी हाँ... पूछिए... जो चाहें पूछिए।”
“ये महिला कौन है?”
“लिसा मेंडोज़ा।” रिडल अपनी सिगरेट की जलती हुई नोक को घूर रहा था। “आप मेरी पत्नी के बारे में तो जानते ही हैं। बेशक मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन मैं अब जवान नहीं हो रहा... इसे आखिरी प्रेम प्रसंग समझ लीजिए। मेरी मुलाकात लिसा से हुई। हमारे बीच

कुछ चिंगारी उठी। वह एक प्यारी इंसान थी और मेरी ही तरह अकेली थी।” उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई और वह रुक गया। “बस यही बात है। मैंने बंगला खरीद लिया। वह हमारा प्रेम-आशियाना था... टैब्लॉइड तो इसे यही कहेंगे, है ना?”
"क्या आपके पास यह बंगला लंबे समय से है?"
“अठारह महीने... उन्नीस महीने... कुछ ऐसा ही। हम दोनों जानते थे कि यह ज़्यादा दिन नहीं चल सकता... भला कौन सी चीज़ ज़्यादा दिन चलती है?”
आप लोग कितनी बार मिलते थे?
“हर शुक्रवार की रात। यह एक तय बात थी... जैसे इस शुक्रवार की रात।”
“क्या वह बंगले में नहीं रहती थी?”
“हे भगवान! हम तो इसे सिर्फ शुक्रवार की रात को ही इस्तेमाल करते थे। उसका अपना घर है। हमने शुक्रवार का दिन इसलिए चुना क्योंकि मेरी पत्नी उस रात जल्दी सो जाती है। शनिवार को हमारे घर मेहमान आते हैं और उसे अतिरिक्त आराम की जरूरत होती है।” “इस व्यवस्था के बारे में किसे पता था, मिस्टर रिडल? मेरा मतलब है, आपके और मिस मेंडोज़ा के अलावा।”
रिडल ने उसे खाली निगाहों से देखा।
"जानता था?"
“क्या आपने किसी से… अपने किसी दोस्त से इस बारे में बात की?” "यह तो बहुत ही अजीब सवाल है।"
बीगलर ने अपनी अधीरता पर काबू पाया।
“यह कोई अजीब बात नहीं है। आप अपने साथ हुई घटना से परेशान हैं। मैं एक ऐसे हत्यारे से परेशान हूँ जिसने दो हत्याएँ की हैं और फिर से कर सकता है। वह मैकक्यूएन की आदतों को जानता था। मुझे

लगता है कि वह आपकी आदतों को भी जानता था। क्या आपका यह संबंध गुप्त था? क्या आपने किसी से इस बारे में बात की थी?” सोचते-सोचते रिडल ने अपनी सिगरेट रेत में बुझा दी।
“हाँ... मैं समझ गई। मुझे माफ़ करना। मैं स्वार्थी हो रही हूँ। मैं समझ गई कि तुम क्या कहना चाह रही हो। हाँ, मैंने अपने कुछ बहुत करीबी दोस्तों से इस बारे में बात की थी, लेकिन उन्होंने...”
मैं ये नहीं कह रहा कि उन्होंने ऐसा किया, लेकिन हो सकता है उनके जरिए कोई जानकारी लीक हुई हो। क्या मैं जान सकता हूँ कि वे कौन हैं?
रिडल ने अपना माथा रगड़ा।
“हैरियट ग्रीन हैं: वो मेरी सेक्रेटरी हैं। उन्होंने बंगला किराए पर लिया था। फिर डेविड बेंटली हैं: मैं उनके साथ नाव चलाता हूँ, वो मेरे सबसे करीबी दोस्त हैं। टेरी थॉम्पसन हैं: वो ओपेरा हाउस के मैनेजर हैं। वो लीसा के दोस्त थे। उन्हें सब पता था और उन्होंने मंज़ूरी भी दी थी।” वो रुककर सोचने लगे। “ल्यूक विलियम्स हैं: वो शुक्रवार की रातों के लिए मेरे बहाने थे। हमें बॉलिंग एली में होना था। मेरी पत्नी को भी ये मंज़ूर था। उन्हें लगता था कि कसरत मेरे लिए अच्छी है।”
तेज चांदनी में, बीगलर ने अपनी नोटबुक में नाम लिख लिए।
“आपने कहा था कि आपकी गाड़ी का टायर पंचर हो गया था?”
“हाँ... मैं अपनी कार लेने गया और देखा कि सामने का दायाँ टायर पंचर था। मेरा ड्राइवर बेट्स छुट्टी पर था, इसलिए मैंने खुद ही टायर बदल लिया। मुझे इस तरह के काम करने में दिक्कत होती है और इसमें समय लग गया। आमतौर पर मैं नौ बजे बंगले पर पहुँच जाता हूँ। मुझे चिंता नहीं थी। मुझे पता था कि लीसा मेरा इंतज़ार

करेगी। मैं बंगले पर पैंतीस मिनट देरी से पहुँचा। मैंने उसे पा लिया। बस इतना ही। और कुछ?”
बेगलर हिचकिचाया। उसने खुद से पूछा, क्या यह संभव है कि रिडल का उस महिला से झगड़ा हुआ हो और उसने उसकी हत्या कर दी हो? क्या उसने शक को खुद से हटाने के लिए उसकी पीठ पर वह शब्द लिख दिया हो? लेकिन उस दुखद चेहरे को देखकर वह संतुष्ट हो गया।
“नहीं, घर जाइए, मिस्टर रिडल।” वह उठ खड़ा हुआ। “चीफ आपसे मिलना चाहेंगे। मैं अभी कुछ आदमियों को आपके घर भेज देता हूँ ताकि प्रेस आपसे दूर रहे।”
“धन्यवाद।” रिडल खड़ा हो गया। उसने बेगलर की ओर मुड़कर देखा। “यह तो बहुत गड़बड़ है, है ना?” वह थोड़ा झिझका, फिर उसने अपना हाथ बढ़ाया। बेगलर थोड़ा हैरान हुआ और उसने उसका हाथ थाम लिया। “इतना समझदार होने के लिए धन्यवाद।”
"सब ठीक हो जाएगा," बेगलर ने कहा।
"हाँ।"
रिडल मुड़ा, अपनी कार में बैठा और चला गया।
बीगलर ने मुंह बनाया। फिर सिर हिलाकर वह अपनी कार में बैठा और बंगले की ओर वापस चल दिया।

***

छोटे, घुटन भरे केबिन में अकेले बैठे पोके तोहोलो छोटी स्क्रीन पर कमेंटेटर की बात सुन रहे थे। चक और मेग बाहर गए हुए थे। उन्होंने चक से कहा था कि वह मेग को डांस के लिए ले जाए और उसे देर रात तक बाहर रखे।

प्रेम-स्थल की पृष्ठभूमि में खड़ा मोटा, उत्साहित दिखने वाला व्यक्ति बोलते समय अपना माइक्रोफोन हिला रहा था। कुछ क्षण पहले ही, लीसा मेंडोज़ा के शरीर को, चादर से ढका हुआ, स्ट्रेचर पर बंगले से बाहर लाया गया था और स्ट्रेचर को प्रतीक्षा कर रही एम्बुलेंस में रखा गया था।
“तो जल्लाद ने फिर से हमला किया,” कमेंटेटर ने नाटकीय अंदाज में कहा।
“पहले हमारे सबसे जाने-माने नागरिक डीन के. मैकक्यूएन की कल गोली मारकर हत्या कर दी गई, अब इस शहर के संगीत प्रेमियों के बीच एक कुशल वायलिन वादक के रूप में मशहूर लिसा मेंडोज़ा का गला घोंटकर हत्या कर दी गई है और हत्यारे ने अपने खास अंदाज़ में उनके शरीर को क्षत-विक्षत कर दिया है। आज रात हमारे शहर में शायद ही कोई ऐसा हो जो एक ही सवाल न पूछ रहा हो: यह नहीं कि क्या यह सनकी फिर से हमला करेगा, बल्कि यह कि वह कब हमला करेगा और उसका अगला शिकार कौन होगा। मेरे साथ पुलिस प्रमुख टेरेल हैं...” पोक मुस्कुराया। उसने सोचा, माहौल खूबसूरती से बन रहा है। उसने टेरेल की घबराहट न फैलाने की अपील सुनी, क्योंकि वह जानता था कि अमीर और बिगड़े हुए लोग इससे निश्चिंत नहीं होंगे। अब उसके लिए बस एक और हत्या ही काफी थी, जिससे शहर में भयंकर दहशत फैल जाए, जो उसकी योजना के लिए बेहद ज़रूरी थी।
पोक ने सोचा कि इस बार चक को और भी ज़्यादा शामिल होना पड़ेगा। अब तक चक का योगदान सिर्फ़ राइफ़ल चुराने और रिडल के टायर की हवा निकालने तक ही सीमित था। यह ज़रूरी था ताकि पोक को बंगले तक पहुँचने और वहाँ उस महिला को अकेले ढूँढ़ने का समय मिल सके।
लेकिन अगली हत्या अलग होगी। अब समय आ गया था कि चक को वादा किया

गया पैसा मिले: अब समय आ गया था कि वह इतना शामिल हो जाए कि मुखबिरी न कर सके।
पोक का ध्यान एक बार फिर रोशन स्क्रीन की ओर आकर्षित हुआ। कमेंटेटर अब अपने साथ आए एक व्यक्ति से फुसफुसाकर बात कर रहा था।
पोक ने कमेंटेटर को फुसफुसाते हुए सुना, "भगवान के लिए! क्या आप वाकई आश्वस्त हैं?"
दूसरे व्यक्ति ने सिर हिलाया और कैमरे की सीमा से बाहर चला गया। कमेंटेटर ने कैमरे की ओर देखते हुए अपने पसीने से तर चेहरे को रूमाल से पोंछा।
“दोस्तों... मुझे अभी-अभी पता चला है कि श्री मैल्कम रिडल का निधन हो गया है। यह खबर आपको भी उतनी ही चौंका देगी जितनी मुझे। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने के बाद, अपने घर लौटते समय, श्री रिडल ने अपनी कार पर नियंत्रण खो दिया। कार वेस्ट पॉइंट पर एक चट्टान से नीचे समुद्र में जा गिरी। श्री रिडल...”
पोक उठ खड़ा हुआ और अंगड़ाई ली। उसकी उम्मीद से भी बेहतर महसूस हो रहा था। उसने अपनी घड़ी देखी। अब आधी रात के कुछ मिनट बाद का समय था। उसने टीवी बंद किया, फिर अपनी फूलों वाली कमीज़ उतारी और नीले रंग के हिप्सटर पैंट नीचे रखे और नहाने के कमरे में चला गया। कुछ मिनट बाद, उसने फीके लाल रंग के पायजामे पहने और बिस्तर पर लेट गया। उसने लाइट बंद कर दी।
उसका मन उस पल में लौट गया जब वह बंगले में घुसा था। पीछे के दरवाजे का ताला ज़रा भी नहीं खुला। वह अंधेरे में इंतज़ार करता रहा। वह रात 9:25 बजे आई, जैसा कि उसे पता था, क्योंकि ल्यूक विलियम्स बार में क्लब के एक और सदस्य से फुसफुसाकर बात कर रहा था, जबकि पोक उन्हें ड्रिंक्स परोस रहा था। वह बड़े बेडरूम में

पर्दों के पीछे खड़ा था। उसने उसे कपड़े उतारते देखा। उसने लापरवाही से अपनी स्टॉकिंग्स फेंक दीं और वे उसके छिपने की जगह से एक फुट की दूरी पर गिरीं। उसने अपने हाथों का इस्तेमाल करने का सोचा था, लेकिन चूंकि उसने हथियार मुहैया कराया था, इसलिए उसने उसे स्वीकार कर लिया।
गैराज में कार के आने की आवाज़ ने उसके विचारों को तोड़ दिया। वह बिस्तर से उठा और पर्दों के बीच से झाँका।
चक और मेग अपने केबिन की ओर जा रहे थे। उसने दरवाज़ा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनी और फिर उनकी धीमी आवाज़ें सुनीं। वह फिर से बिस्तर पर लेट गया।
कल...आखिरी नरसंहार...फिर फसल कटाई।
वह कुछ देर तक जागता रहा और सोचता रहा। सब कुछ ठीक वैसे ही हो रहा था जैसा उसने सोचा था। एक हफ्ते में पैसा आना शुरू हो जाएगा।
नींद में डूबते समय भी वह पैसों के बारे में सोच रहा था।

***

सिटी हॉल की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित मेयर हेडली के पेंटहाउस में बत्तियाँ जल रही थीं।
समय 02.33 था।
हेडली ने अभी-अभी पीट हैमिल्टन और पांच अन्य पत्रकारों को वहाँ से निकाला था। उन्होंने हेडली को बुरी तरह लताड़ा था जिससे वह गुस्से से लाल हो गए थे, उनका चेहरा पीला पड़ गया था और उन्हें पसीना आ रहा था।

उनकी पत्नी मोनिका, जो तैंतालीस वर्ष की थीं, एक ममतामयी, समझदार और दयालु महिला थीं, उनसे कुछ दूरी पर एक कुर्सी पर बैठी थीं। पुलिस प्रमुख टेरेल उनके सामने वाली कुर्सी पर बैठे थे। “लॉसन, प्यारे, तुम्हें शांत होने की कोशिश करनी चाहिए,” मोनिका ने प्यार से कहा। “इतना परेशान होना तुम्हारे लिए अच्छा नहीं है। तुम्हें पता है ना...”
“खुद को शांत करूँ?” हेडली की आवाज़ गुस्से से भड़क उठी, “खुद को शांत करूँ! क्या तुम्हें एहसास नहीं है कि इस घटिया चीज़ की वजह से मेरी नौकरी जा सकती है? शांत रहने को कह रहे हो? जबकि इस शहर में एक पागल हत्यारा खुला घूम रहा है!”
मोनिका और टेरेल ने एक-दूसरे की ओर देखा।
"लेकिन प्रिय, अगर तुम्हारी नौकरी चली भी जाए, तो क्या इससे इतना फर्क पड़ेगा?"
हेडली ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं और झुंझलाहट में एक गहरी साँस ली।
“तुम समझ नहीं रही हो। मोनिका... कृपया सो जाओ। मैं फ्रैंक से बात करना चाहता हूँ।”
"लेकिन मैं समझता हूँ, लॉसन।"
“तुम्हें समझ नहीं आ रहा! तुम्हें यह बात समझ नहीं आ रही कि पूरा शहर विस्फोट की चपेट में है!”
“क्या सच में?” वह उठी और बड़े से शीशे वाली खिड़की के पास जाकर सिटी हॉल के चारों ओर बनी रिहायशी गगनचुंबी इमारतों को देखने लगी। कई खिड़कियों में से बस कुछ ही रोशनी दिखाई दे रही थी। “मुझे लगता है कि ज़्यादातर लोग बिस्तर पर सो रहे हैं। जहाँ तक मैं देख पा रही हूँ, बस कुछ पत्रकार और आप ही हैं जो शोर मचा रहे हैं।”

"मोनिका, क्या तुम सोने जाओगी?"
"जी हां, बिल्कुल।" उसने टेरेल को देखकर मुस्कुराया और फिर दरवाजे की ओर चल पड़ी।
"लॉसन बहुत ही नागरिक-हितैषी है, फ्रैंक," उसने दरवाजे पर कहा, और फिर चली गई।
कुछ देर की खामोशी के बाद हेडली ने कहा, "मोनिका को इन सब बातों के पीछे छिपे परिणामों का अंदाजा नहीं है। मुझे आपको बताने की जरूरत नहीं है, कल हम दोनों पद से हट सकते हैं, है ना?"
टेरेल ने अपना पाइप निकाला और उसे भरने लगा।
“क्या हम ऐसा कर सकते हैं?” उसने हेडली की ओर देखा। “लॉसन, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता था। अब जब मोनिका हमारे साथ नहीं है, तो मैं कह देता हूँ। मेरी राय में, तुम एक बूढ़ी औरत की तरह व्यवहार कर रहे हो जिसे लगता है कि उसके बिस्तर के नीचे कोई आदमी है।”
हेडली का चेहरा शर्म से लाल हो गया।
“क्या तुम मुझसे बात कर रहे हो?” उसने गुस्से से पूछा, फिर टेरेल की तीखी निगाहों के सामने उसने किसी तरह अपना गुस्सा काबू में किया। “तुम मुझसे ऐसी बात नहीं कह सकते!”
“मैंने कह दिया,” टेरेल ने नरमी से कहा। “अब, मेरी बात सुनो।” उन्होंने अपनी पाइप जलाने के लिए थोड़ी देर रुककर कहा, फिर जब पाइप ठीक से जलने लगी, तो उन्होंने आगे कहा, “मैं पंद्रह साल से पुलिस प्रमुख हूँ। मैंने अपना काम किया है और मैं इसे उतना ही जानता हूँ जितना आप जानते हैं। सिर्फ इसलिए कि एक सनकी आदमी ने दो लोगों को मार डाला है, घबराने की कोई बात नहीं है, और आप यही कर रहे हैं। आपको भी मेरी तरह पता होना चाहिए कि कभी-कभी किसी शहर में ऐसे सनकी लोग आ जाते हैं। यह कोई अनोखी बात नहीं है।”

हेडली ने अपनी उंगलियों के सिरों को अपने माथे पर दबाया। लेकिन पैराडाइज सिटी में ऐसा हो रहा है!
“बिल्कुल सही। पैराडाइज़ सिटी में ऐसा क्या खास है? मैं बताता हूँ। पैराडाइज़ सिटी इस देश के कुछ सबसे अमीर, सबसे घमंडी, सबसे अशिष्ट और सबसे अप्रिय लोगों का अड्डा है। तो यहाँ एक हत्यारा आता है: सोने की मुर्गियों के बीच एक लोमड़ी। अगर ऐसा किसी और शहर में होता तो आप इसके बारे में पढ़ने की ज़हमत भी नहीं उठाते।”
अपनी आवाज़ को स्थिर रखने की कोशिश करते हुए हेडली ने कहा, “जिन लोगों की मैं सेवा करता हूँ, उनकी रक्षा करना मेरा कर्तव्य है! मुझे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं कि किसी और शहर में क्या होता है! मायने तो सिर्फ़ यहाँ होने वाली चीज़ें रखती हैं!”
“तो यहाँ क्या हो रहा है? एक पागल ने दो लोगों को मार डाला है। घबराने से वह नहीं मिलेगा।”
हेडली ने गुस्से से कहा, "तुम वहां बैठकर बातें करते हो, लेकिन कर क्या रहे हो?"
“मैं उसे ढूंढ लूंगा। समय लगेगा, लेकिन मैं उसे ढूंढ लूंगा। अभी जिस तरह से आप और प्रेस व्यवहार कर रहे हैं, उससे मुझे लगता है कि आप और वे मिलकर ऐसा माहौल बना रहे हैं जो हत्यारा चाहता है।” हेडली अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।
“तुम्हारा मतलब क्या है? सोच समझकर बोलो! अब तक तुमने और तुम्हारे आदमियों ने किसी को प्रभावित करने लायक कुछ भी नहीं किया! दो हत्याएं! और तुम्हें क्या मिला? कुछ नहीं! तुम यह क्यों कह रहे हो कि मैं ऐसा माहौल बना रहा हूँ जो यह पागल चाहता है? आखिर ऐसी बात कहकर तुम्हारा क्या मतलब है?”

बिल्कुल शांत भाव से, टेरेल ने एक मोटे पैर को दूसरे के ऊपर रख लिया।
उन्होंने कहा, “मैंने अपना अधिकांश जीवन इसी शहर में बिताया है। पहली बार मुझे डर की गंध आ रही है। मैंने धन, कामुकता, भ्रष्टाचार, घोटाले और बुराइयों की गंध तो सूंघी है, लेकिन कभी डर की गंध नहीं... अब मुझे डर की गंध आ रही है।”
हेडली ने झुंझलाहट का भाव व्यक्त किया।
मुझे इसकी ज़रा भी परवाह नहीं! तुम मुझ पर उस माहौल को बनाने का आरोप लगा रहे हो जो यह हत्यारा चाहता है... बेहतर होगा कि तुम इसका स्पष्टीकरण दो!
"क्या आपने कभी खुद से यह सवाल किया है कि इन हत्याओं के पीछे क्या मकसद है?"
टेरेल ने पूछा, “यह हत्यारा खुद को सार्वजनिक क्यों कर रहा है? जब मेरे सामने कोई हत्या का मामला आता है, तो मैं खुद से पूछता हूँ कि हत्या का मकसद क्या है? मकसद के बिना हत्या को सुलझाना मुश्किल होता है। इसलिए मैंने खुद से पूछा है कि इन दो हत्याओं के पीछे क्या मकसद है?”
हेडली अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।
"मुझे क्यों देख रहे हो? ये तुम्हारा काम है, धिक्कार है!"
“हाँ, बिल्कुल। यही मेरा काम है।” टेरेल ने पाइप से कश लिया। “बिना मकसद के कोई हत्या नहीं होती। जब किसी सनकी की बात आती है, तो मकसद अस्पष्ट होता है, लेकिन अगर आप ध्यान से देखें तो वह मिल ही जाता है। मैकक्यूएन इस शहर का एक आम नमूना था। लीसा मेंडोज़ा एक संगीतकार थीं। इन दोनों में एक ही बात के अलावा कोई संबंध नहीं है: उनकी मौत उस आदमी को मशहूर करने का ज़रिया है जो खुद को जल्लाद कहता है। यह एक चालाकी भरा नाम है... एक ऐसा नाम जो असर

डालता है। ऐसे नाम से उसे सुर्खियाँ मिलती हैं। ऐसे नाम से उसने इस शहर में दहशत फैला दी है। जब तक मुझे कोई और सबूत नहीं मिल जाता, मुझे लगता है कि यही मकसद है... इस शहर में दहशत फैलाना।” “अरे, बकवास!” हेडली ने झल्लाकर कहा। “एक पागल भला दहशत क्यों फैलाना चाहेगा?”
टेरेल ने धीमी आवाज़ में कहा, "वह यही कर रहा है। मैं यह नहीं कह रहा कि मैं सही हूँ, लेकिन मेरे पास और कोई सुराग नहीं है और घटनास्थल को देखकर लगता है कि यही मकसद हो सकता है।"
हेडली ने कुछ देर सोचा, फिर अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी।
“मैं थक गया हूँ। आज रात के लिए बस बहुत हो गया। मुझे माफ़ करना, फ्रैंक, मैंने गुस्सा किया। ठीक है... मैं तुम्हारी बात मान लेता हूँ। मुझे तुम्हें यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि कल कैसा होगा।” जब टेरेल ने कुछ नहीं कहा, तो हेडली कल के अखबारों, अपने टेलीफोन की लगातार बजती घंटी और रात 10 बजे के टीवी समाचार में पीट हैमिल्टन द्वारा मचाए जा रहे बवाल के बारे में सोचते हुए रुक गया। “क्या तुम्हें सच में लगता है कि यह पागल इस शहर में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है?”
“वो कर रहा है ना?”
"तो हम क्या करने जा रहे हैं?"
“अब यह आप पर निर्भर करता है,” टेरेल ने कहा। वह आगे झुका और अपनी पाइप को ऐशट्रे में बुझा दिया। “मुख्यालय लौटने से पहले मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या आप अभी भी मेरे साथ हैं।”
“क्या मैं आपकी तरफ हूँ?” हेडली ने उसे घूरकर देखा। “बिल्कुल हूँ!”

“क्या सच में?” टेरेल ने हेडली की ओर भावहीन निगाहों से देखा। “अभी कुछ देर पहले आप मेरी नौकरी जाने की बात कर रहे थे। क्या आपको नया पुलिस प्रमुख चाहिए?”
हेडली सहम गया।
मुझे नए पुलिस प्रमुख की क्या ज़रूरत है? अगर कोई इस बदमाश को पकड़ सकता है तो वो आप ही हैं!
टेरेल उठ खड़ा हुआ।
“बिल्कुल सही। अगर कोई उसे पकड़ सकता है तो वो मैं ही हूँ। इसलिए घबराहट छोड़िए।”
“यही तो उसे बता रहा है, फ्रैंक,” मोनिका ने खुले दरवाजे से कहा।
“और उसे यह बताने की कितनी ज़रूरत थी!”
दोनों आदमी मुड़े, और उन्हें उसी क्षण एहसास हुआ कि वह हर समय उनकी बातें सुन रही थी।
हेडली अचानक शांत हो गया। वह थोड़ा शर्मिंदा लग रहा था। “पत्नियों! क्या तुम उसे मुझसे छीनना चाहती हो, फ्रैंक?”
टेरेल भी शांत हो गया। उसने मोनिका को आँख मारी।
“अगर मेरा अपना कोई नहीं होता, तो मैं आपकी बात मान लेता,” उसने कहा। “दोनों एक-दूसरे से कम अच्छे नहीं हैं।” वह दरवाजे की ओर चल पड़ा।
हेडली ने हिचकिचाहट भरी आवाज में कहा, "क्या आप चाहते हैं कि मैं कल मुख्यालय में मौजूद रहूँ?"
“लॉसन, तुम्हारी हमेशा ज़रूरत रहेगी,” टेरेल ने रुकते हुए कहा। उसने मोनिका का हाथ छुआ और फिर लिफ्ट से नीचे जाकर इंतज़ार कर रहे टीवी कैमरों का सामना किया।

***

प्लाजा बीच होटल के द्वारपाल जैक एंडर्स, शहर के सबसे बेहतरीन होटल में प्रवेश करने वाले भव्य संगमरमर के दरवाजों के सामने लाल कालीन पर खड़े थे, उनकी तेज भूरी आंखें बुलेवार्ड का जायजा ले रही थीं, और उनके बड़े हाथ उनकी पीठ के पीछे बंधे हुए थे। एंडर्स द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी सैनिक थे, जिन्हें कई प्रभावशाली युद्ध पदक प्राप्त थे और अब वे बुलेवार्ड पर एक जाने-माने व्यक्ति थे। वे पिछले बीस वर्षों से प्लाजा बीच होटल के द्वारपाल के रूप में कार्यरत थे।
सुबह का यह समय काफी शांत था, इसलिए एंडर्स आराम कर रहा था। कुछ ही घंटों में दोपहर के भोजन से पहले कॉकटेल पार्टी के लिए गाड़ियाँ आने लगेंगी और वह गाड़ियों के दरवाजे खोलने, ड्राइवरों को पार्किंग की जगह बताने, नियमित ग्राहकों को अपनी टोपी उतारकर अभिवादन करने, बेवकूफी भरे सवालों के जवाब देने, जानकारी देने और डॉलर के नोट इकट्ठा करने में पूरी तरह व्यस्त हो जाएगा। प्लाजा बीच होटल के किसी भी ग्राहक ने एंडर्स से बात करने के बारे में कभी सोचा भी नहीं था कि उसे एक डॉलर का नोट न देना पड़े। लेकिन सुबह 9:30 बजे, उसे किसी तरह की व्यस्तता की उम्मीद नहीं थी और इसलिए वह आराम कर रहा था।
पुलिस अधिकारी पैडी मैकनील, एक विशालकाय, बुजुर्ग आयरिश व्यक्ति, जो बुलेवार्ड पर किसी भी यातायात जाम की देखभाल करने और आम तौर पर वृद्ध और धनी लोगों पर नजर रखने के लिए मौजूद थे, एंडर्स के बगल में आकर आराम करने लगे।
वे दोनों आदमी दोस्त थे। वर्षों से उनकी दोस्ती गहरी होती गई, क्योंकि एंडर्स हर मौसम में होटल के बाहर पहरा देता था और

मैकनील बुलेवार्ड पर टहलते हुए हर दो घंटे में होटल आकर रुकता और अभिवादन करता था।
“तुम्हारा दोस्त कैसा है... वो जल्लाद?” मैकनील के बगल में रुकते ही एंडर्स ने पूछा। “मैं रेडियो सुन रहा था। मेरी सारी बूढ़ी औरतें डर के मारे अपनी पैंट गीली कर रही थीं।”
“तुम्हारे बुज़ुर्ग ही अकेले नहीं हैं,” मैकनील ने गुस्से से कहा। “अभी तो ज़िंदगी जीने लायक नहीं है। मैं गश्त पर होने के लिए शुक्रगुज़ार हूँ। हम जैसे एक दर्जन निकम्मे बुज़ुर्गों को छोड़कर बाकी सब उसके कमीने को ढूंढ रहे हैं। आज सुबह मियामी से दो ट्रक भरकर आदमी आए। सब बेकार गया। मियामी के मुखबिरों को इस शहर के बारे में क्या पता?”
"क्या आपको लगता है कि हैमिल्टन जो कहता है वह सही है?" एंडर्स ने मासूमियत से पूछा। उसे मैकनील को चिढ़ाने में मज़ा आता था। “हैमिल्टन?” मैकनील ने चिढ़कर कहा। “मैं उस बड़बोले की बात कभी नहीं सुनता… वो तो झगड़ा करवाने वाला है।” उसने एंडर्स की तरफ़ एक नज़र डाली। “उसने क्या कहा?”
"यह हत्यारा एक ऐसा मनोरोगी है जिसके मन में अमीरों के प्रति गहरी दुश्मनी है।"
मैकनील ने अपने सिर के पिछले हिस्से को खुजलाने के लिए अपनी टोपी को आगे की ओर धकेला।
कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा, "अमीरों से नफरत करने के लिए हत्यारा या पागल होना जरूरी नहीं है। मैं खुद भी अमीरों से प्यार नहीं करता।"
एंडर्स ने अपनी मुस्कान छुपाई। "इनके अपने फायदे हैं।"
“आप यह बात दोबारा कह सकते हैं। मुझे आपकी नौकरी चाहिए।”

“यह इतना बुरा भी नहीं है।” एंडर्स ने घमंडी दिखने की कोशिश नहीं की। “लेकिन आपको पता होना चाहिए कि इन्हें कैसे संभालना है। क्या आपको लगता है कि आप इस सनकी को पकड़ लेंगे?”
“मैं?” मैकनील ने सिर हिलाया। “इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। मैं तो किसी को पकड़ने की स्थिति से बाहर निकल चुका हूँ। मैं तुम्हारी तरह ही हूँ... आराम से काम ले रहा हूँ, लेकिन चीफ उसे पकड़ लेंगे। टेरेल समझदार है, पर ज़ाहिर है इसमें समय लगेगा।”
एक चमकीली रेत के रंग की रोल्स रॉयस आकर रुकी और मैकनील को वहीं छोड़कर, एंडर्स फुर्ती से लाल कालीन पर कदम रखते हुए कार का दरवाजा खोला।
“सुप्रभात, जैक।” रोल्स रॉयस से उतरे उस आकर्षक मोटे आदमी का नाम रॉडनी ब्रैनज़ेनस्टीन था। वह एक सफल कॉर्पोरेट वकील थे जो हर सुबह होटल में ठहरे अपने मुवक्किलों से मिलने आते थे। “श्रीमती डंक ब्रोलर के बारे में कुछ पता चला?”
“अभी उनके लिए बहुत जल्दी है, महोदय,” एंडर्स ने कहा। “लगभग पंद्रह मिनट में।”
“अगर वो तुमसे पूछे तो कहना कि मैं अभी तक नहीं आया हूँ।” ब्रैनज़ेनस्टीन ने एंडर्स के हाथ में एक डॉलर का नोट थमा दिया। फिर वो होटल के अंदर चला गया।
जब उसका ड्राइवर रोल्स रॉयस कार लेकर चला गया, तो मैकनील एंडर्स के करीब चला गया।
“क्या कभी तुम्हारी उंगलियों में दर्द होता है, जैक?” उसने चिंता से पूछा।
“मैं नहीं,” एंडर्स ने तुरंत कहा, “लेकिन गलतफहमी मत पालना।
इसमें सालों लगे हैं।”

“क्या सच में?” मैकनील ने सिर हिलाया। “मैं सालों से इस घटिया काम में लगा हुआ हूँ और किसी ने कभी मुझे एक डॉलर भी देने के बारे में नहीं सोचा।”
“मेरी पर्सनैलिटी,” एंडर्स ने कहा। “तुम्हारी बदकिस्मती।” आसमानी नीले बालों वाली, झुर्रियों से भरी त्वचा वाली और हीरे की अंगूठियों से टेढ़ी हो चुकी उम्रदराज उंगलियों वाली एक छोटी सी महिला लड़खड़ाते हुए होटल से बाहर निकली।
एंडर्स तुरंत उसके पास पहुंच गया।
“श्रीमती क्लेटन!” उसे देखते हुए, मैकनील एंडर्स के लाल, सख्त चेहरे पर अविश्वास का भाव देखकर चौंक गया। “अब तुम कहाँ जा रहे हो?”
उस छोटी महिला ने मुस्कुराते हुए एंडर्स की ओर स्नेह भरी नजरों से देखा।
मैंने सोचा कि मैं थोड़ी देर के लिए टहलने जाऊँगा।
“श्रीमती क्लेटन!” एंडर्स की आवाज़ में चिंता सुनकर मैकनील भी चिंतित हो गया। “क्या डॉ. लोवेनस्टीन ने कहा कि आप थोड़ी देर टहलने जा सकती हैं?”
वह छोटी महिला दोषी प्रतीत हो रही थी।
"सच कहूं तो, एंडर्स, उसने ऐसा नहीं किया।"
“मुझे तो ऐसा नहीं लगता!” एंडर्स ने धीरे से उसकी कोहनी पकड़ी और उसे वापस होटल के अंदर ले जाने लगा। “आप चुपचाप बैठिए, श्रीमती क्लेटन। मैं श्री बेवन से डॉक्टर लोवेनस्टीन को फोन करवा देता हूँ। मैं आपको इधर-उधर बेकाबू नहीं घूमने दे सकता, है ना?”
"हे भगवान!" मैकनील ने बुदबुदाया और इतना प्रभावित हुआ कि उसने अपने आप को क्रॉस का निशान बना लिया।

कुछ मिनट बाद, एंडर्स वापस आया और अपने पैरों के तलवों को लाल कालीन पर टिका दिया। मैकनील अभी भी वहीं था, ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था, उसकी छोटी आयरिश आँखें नम थीं।
“वो श्रीमती हेनरी विलियम क्लेटन थीं,” एंडर्स ने उसे बताया। “उनके पिता का पाँच साल पहले देहांत हो गया था। उन्होंने उनके लिए पाँच मिलियन डॉलर छोड़े थे।”
मैकनील की आंखें चौड़ी हो गईं।
"तुम्हारा मतलब है कि हड्डियों का वो बूढ़ा ढांचा पांच मिलियन डॉलर का है?" एंडर्स ने उसे घूरते हुए कहा।
“पैट! तुम्हें मृतकों के बारे में अनादरपूर्ण बातें नहीं करनी चाहिए।”
“हाँ।” कुछ देर की खामोशी के बाद मैकनील ने कहा, “तुमने उसे धक्का-मुक्की की थी, है ना?”
“उनसे निपटने का यही तरीका है। उसे यह पसंद है। वह जानती है कि सिर्फ मैं ही हूं जो उसकी परवाह करता है।”
“क्या इस होटल में उसके जैसी और भी हैं?” मैकनील ने पूछा। “होटल तो उनसे भरा पड़ा है?” एंडर्स ने सिर हिलाया। “बेवकूफ बूढ़े लोग जिनके पास बहुत पैसा है... ये तो दुखद है।”
“इससे मुझे दुख नहीं होगा,” मैकनील ने कहा। “ठीक है, मुझे लगता है मैं आपको यहीं छोड़ देता हूँ। फिर मिलेंगे।” वह थोड़ी देर रुका, फिर एंडर्स की ओर देखा। “उसने तुम्हें कितने पैसे दिए?” एंडर्स ने अपनी दाहिनी पलक को भारी पलक झपकाते हुए नीचे किया। "यह एक व्यापारिक रहस्य है, पैडी।"
“यार! मैंने गलत पेशा चुन लिया है!” आह भरते हुए, मैकनील सड़क पर आगे बढ़ने लगा, उसके बड़े-बड़े पैर फुटपाथ पर थपथपा रहे थे।

पेलोता नाइट क्लब की सपाट छत पर लेटे हुए पोके तोहोलो ने उस बड़े पुलिस अधिकारी को जाते हुए देखा। उसने उसे लक्ष्य राइफल के दूरबीननुमा निशाने से देखा।
पोक पिछले तीन घंटों से छत पर था। चार मंजिला इमारत प्लाजा बीच होटल से लगभग एक हजार गज की दूरी पर थी।
पोक सुबह 6 बजे ब्यूक कार में वहां पहुंचा था, एक ऐसा समय जब वह सुनिश्चित हो सकता था कि उसे कार से बाहर निकलते और राइफल ले जाते हुए देखने के लिए आसपास कोई नहीं होगा।
वह क्लब से अच्छी तरह वाकिफ था: यह शहर की सबसे पुरानी इमारतों में से एक थी। इसके पीछे लोहे की एक सीढ़ी थी जो नीचे की ओर खुलती थी और पर्यटकों के लिए एक अनोखी और देखने लायक चीज़ थी। छत पर चढ़ना तो आसान था, लेकिन पोक, जो छत के चारों ओर बनी नीची दीवार के पीछे छिपा हुआ था, जानता था कि वापस सड़क पर उतरना कहीं ज़्यादा खतरनाक होगा। तब तक सड़क पर काफ़ी चहल-पहल हो चुकी होगी, आस-पास की इमारतें लोगों से भरी होंगी और उसे पकड़े जाने का खतरा था, लेकिन वह यह जोखिम उठाने को तैयार था।
उसने अपनी कलाई घड़ी देखी। समय 9:43 था। उसने फिर से दूरबीन से देखने की कोशिश की और सड़क पर नज़रें गड़ाने लगा।
ट्रैफ़िक बढ़ रहा था। लोग आते-जाते हुए लगातार सड़क पर इधर-उधर घूम रहे थे। तभी उसकी नज़र चक पर पड़ी और उसने सहमति में सिर हिलाया। चक समय पर था: थोड़ा जल्दी, लेकिन इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता था। साफ़ लाल और सफ़ेद चेक वाली कमीज़ और ग्रे रंग के हिपस्टर्स पहने चक, इस मौसम में शहर में उमड़ने वाले अन्य युवा पर्यटकों जैसा ही दिख रहा था। वह आराम से चल रहा था और अख़बार पढ़ रहा था।

पोक ने दूरबीन वाले लेंस के पेंच को थोड़ा सा समायोजित किया, जिससे चक का चेहरा एकदम स्पष्ट दिखाई देने लगा। उसने देखा कि चक को पसीना आ रहा था। यह स्वाभाविक था।
चक को एक मुश्किल काम करना था: उतना ही खतरनाक जितना कि पोक को करना था।
पोक ने फिर से अपनी घड़ी देखी। बस कुछ ही मिनट बचे हैं, उसने सोचा और टेलीस्कोपिक साइट को प्लाजा बीच होटल के प्रवेश द्वार की ओर घुमाया।
एंडर्स के सिर पर निशाना साधते हुए, उसने खुद को आश्वस्त कर लिया कि यह निश्चित रूप से एक सटीक निशाना होगा।
आस-पास क्या हो रहा था, इससे बेखबर, एंडर्स ने सड़क का जायजा लिया, जिन्होंने उसे देखकर सिर हिलाया, उन्होंने भी सिर हिलाकर अभिवादन किया, जिन्होंने अभिवादन के योग्य समझा, उनके सामने उसने अपनी टोपी को स्पर्श किया और सूरज की गर्मी का आनंद लिया। मिनी स्कर्ट, खुले पेट और पारदर्शी ड्रेस के चलन में आने के बाद से एंडर्स का जीवन काफी दिलचस्प हो गया था। वह लड़कियों को इतराते हुए देखता और संतुष्ट होता था। एक चौकीदार के रूप में, उसकी आजीविका बूढ़े, मोटे और अमीर लोगों पर निर्भर थी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि लंबी टांगों, आकर्षक नितंबों या उभरे हुए स्तनों के प्रति उसका आकर्षण कम हो गया था।
फिर श्रीमती डंक ब्रोलर प्रकट हुईं।
एंडर्स उसका इंतज़ार कर रहा था। हमेशा की तरह इसी समय वह आती थी। उसने उसे पूरे दिल से नमस्कार किया, उसकी मुस्कान उज्ज्वल, दयालु और मैत्रीपूर्ण थी: एक ऐसी मुस्कान जो वह केवल अपने खास लोगों के लिए ही बिखेरता था।

श्रीमती डंक ब्रोलर साठ वर्ष से अधिक आयु की एक छोटी, हष्ट-पुष्ट महिला थीं। शायद "हष्ट-पुष्ट" कहना भी कम होगा। अपने सड़सठ वर्षों में से अधिकांश समय प्रतिदिन पाँच भरपेट भोजन करने के कारण उन्होंने अपने छोटे से शरीर पर चर्बी की एक ऐसी परत जमा ली थी जिसे देखकर हाथी भी चिंतित हो जाता। वह होटल में स्थायी रूप से रहने वाले कई विलक्षण लोगों में से एक थीं। यह कहना अनावश्यक था कि वह धनी थीं: कितनी धनी थीं, यह कोई नहीं जानता था, लेकिन होटल के सबसे अच्छे सुइट्स में से एक, जिसका किराया अकेले ही 300 डॉलर प्रतिदिन था, इस बात का प्रमाण था कि वह काफी संपन्न थीं।
लगभग चार साल पहले अपने पति को खोने के बाद, जिनसे वह बहुत प्यार करती थी, उसने डॉग पाउंड से लगभग तीन डॉलर में एक बड़ी, ढीली- ढाली कुतिया खरीदी थी और एंडर्स को लगा कि उसके साथ धोखा हुआ है। बेशक कुतिया स्नेही थी, लेकिन एंडर्स की घमंडी नज़र में, उसमें शिष्टाचार की कमी थी।
"उस कुत्ते की मां को खुद पर शर्म आनी चाहिए थी," उसने सहायक द्वारपाल के साथ कुत्ते के बारे में चर्चा करते हुए कहा था। लेकिन श्रीमती डंक ब्रोलर के लिए, लूसी, जैसा कि उस कुत्ते को कहा जाता था, उनका बच्चा, उनकी सबसे प्यारी संपत्ति, उनकी दोस्त, उनकी साथी थी और एंडर्स, लोगों की कमजोरियों को जानते हुए, इस तथ्य को स्वीकार कर लिया।
तो जब श्रीमती डंक ब्रोलर बहने वाले सफेद वस्त्र पहने हुए, जो किसी पी एंड जी के अकाउंट एक्जीक्यूटिव को भी प्रसन्न कर देते, और कृत्रिम चेरी, खुबानी और नींबू से सजी एक विशाल टोपी पहने हुए, लूसी को उसकी सैर के लिए ले जाने के लिए प्रकट हुईं, तो एंडर्स ने अपना अभिनय शुरू कर दिया।

“सुप्रभात, महोदया,” उन्होंने झुककर कहा, “और आज सुबह मिस लूसी कैसी हैं, महोदया?”
श्रीमती डंक ब्रोलर खुशी से झूम उठीं। उन्हें लगा कि एंडर्स एक प्यारा आदमी है, बहुत दयालु है और लूसी में उसकी दिलचस्पी देखकर उनका दिल खुशी से भर गया।
“वह ठीक है,” उसने कहा। “बिल्कुल ठीक है।” हांफते हुए कुत्ते की ओर मुस्कुराते हुए उसने आगे कहा, “प्यारी लूसी, एंडर्स को सुप्रभात कहो।”
कुत्ते ने ऊबी हुई, ज्यादा खाए-पिए आँखों से एंडर्स को देखा, फिर नीचे बैठकर उसने लाल कालीन पर थोड़ा सा पेशाब कर दिया।
“ओह! ये तो बहुत बुरा हुआ।” श्रीमती डंक ब्रोलर ने असहाय होकर एंडर्स की ओर देखा। “मुझे अपने प्यारे को थोड़ा पहले नीचे ले आना चाहिए था... ये पूरी तरह मेरी गलती है।”
कालीन को हटाकर साफ करना पड़ेगा और नया बिछाना पड़ेगा, लेकिन एंडर्स को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। आखिर वह बुजुर्ग महिला होटल में रहने के लिए प्रतिदिन 300 डॉलर देती थी, तो उसे चिंता क्यों करनी चाहिए?
“मैडम, छोटी-मोटी दुर्घटनाएँ तो होती ही रहती हैं,” उन्होंने कहा। “आप सैर के लिए एक शानदार सुबह बिता सकती हैं।”
“हाँ... एक प्यारी सुबह। जब लूसी नाश्ता कर रही थी, मैं पक्षियों की आवाज़ सुन रहा था। वे...”
श्रीमती डंक ब्रोलर के मुंह से निकले ये आखिरी शब्द थे।
गोली उसकी बेतुकी टोपी को चीरते हुए उसके दिमाग में जा लगी। वह घायल हाथी की तरह लाल कालीन पर गिर पड़ी।
एक पल के लिए एंडर्स ने अपने पैरों के पास पड़ी मृत महिला को देखा, फिर सेना में प्रशिक्षित उसके दिमाग ने तुरंत

प्रतिक्रिया दी। उसने अतीत में स्नाइपरों द्वारा सिर में गोली मारे गए इतने सारे पुरुषों को देखा था कि वह तुरंत समझ गया कि क्या हुआ है। वह तेज़ी से घूमा, उसकी पैनी नज़रें दूर छतों पर नज़र गड़ाए हुए थीं। महिलाएं चीख रही थीं, पुरुष चिल्ला रहे थे और आगे बढ़ रहे थे, गाड़ियां अचानक रुक गईं, तभी एंडर्स ने पेलोता नाइटक्लब की छत के चारों ओर बनी एक नीची दीवार के पीछे एक आदमी को छिपते हुए देखा।
एंडर्स ने बिना समय बर्बाद किए उंगली उठाकर चिल्लाना शुरू कर दिया। भीड़ को चीरते हुए, वह सड़क पर पहुंचा और बुलेवार्ड के अंत में स्थित नाइटक्लब की ओर चल पड़ा।
“जैक!”
बिना रुके, एंडर्स ने पीछे मुड़कर देखा। उसने देखा कि पुलिस अधिकारी मैकनील उसके पीछे तेज़ी से आ रहा है।
“वो कमीना ऊपर है!” एंडर्स हांफते हुए बोला और नाइटक्लब की छत की ओर इशारा किया। “चलो पैडी! हम उसे पकड़ लेंगे!”
लेकिन उम्र, आरामदेह जीवनशैली और कट्टी सार्क के अत्यधिक सेवन का असर एंडर्स के पैरों पर पहले से ही दिखने लगा था। जैसे ही मैकनील उसके पास पहुंचा, उसकी चाल लड़खड़ाने लगी।
“मैंने उसे देखा!” एंडर्स हांफते हुए बोला। “आग से बचने वाली सीढ़ी पर, पैडी!”
मैकनील गुर्राते हुए एंडर्स के पास से तेज़ी से निकल गया, उसका बड़ा हाथ उसकी बंदूक के साथ ही उसके होल्स्टर से बाहर निकला हुआ था। लोग उसे हैरानी से देखते रह गए और जल्दी से उसके रास्ते से हट गए।

उनमें से कोई भी उसकी मदद करने के लिए उसके साथ नहीं गया। यह पूरी तरह से पुलिस का मामला था: उन्हें अपनी जान जोखिम में क्यों डालनी चाहिए थी?
जैसे ही पोके तोहोलो आग से बचने वाली सीढ़ी से नीचे रेंगता हुआ आया, मैकनील इमारत के चारों ओर दौड़ता हुआ आया। दोनों ने एक-दूसरे को एक ही समय पर देखा। मैकनील ने देखा कि उस भारतीय के हाथ में बंदूक थी। दौड़ते-दौड़ते उसकी तगड़ी छाती फूल रही थी, तभी उसने रुककर बंदूक वाला हाथ ऊपर उठाया। जैसे ही उसकी उंगली ट्रिगर पर कसी, उसे अपनी छाती पर एक ज़ोरदार झटका लगा जिससे वह अपने पैरों से उछलकर पीठ के बल ज़मीन पर गिर पड़ा।
पोक ने भागने के आखिरी दस कदम छलांग लगाकर तय किए और पार्किंग की ओर भागा। मैकनील ने खुद को संभाला और पोक के पीछे मुड़कर देखने पर अपनी बंदूक उठा ली। बंदूक को अपनी ओर तना देख पोक मैकनील के गोली चलाने से पहले ही एक तरफ हट गया, फिर उसने सावधानीपूर्वक निशाना साधा और मैकनील के सिर में गोली मार दी। घूमकर वह पार्किंग में घुस गया, उसकी काली आँखें खतरे की तलाश में थीं। रात भर खड़ी लगभग एक दर्जन कारें ही उसकी नज़र में आईं। उसे उनमें से एक खुली हुई कार ढूंढने में बस एक पल लगा। वह पिछली सीट पर बैठ गया, दरवाजा बंद किया और नीचे झुक गया।
जब एंडर्स हांफते हुए, परिश्रम से उसका चेहरा बैंगनी पड़ गया था, पार्किंग स्थल में आया और मैकनील का शव पाया, तब तक वह नजरों से ओझल हो चुका था।
एक नज़र में ही एंडर्स समझ गया कि मैकनील को बचाना उसके बस की बात नहीं है। उसने मैकनील की बंदूक उठाई और पार्किंग से होते हुए दूर वाले निकास द्वार की ओर चल पड़ा, उसे पूरा यकीन था कि उसका आदमी उसी तरफ गया होगा। तभी तीन डरे हुए आदमी हिचकिचाते

□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□:

चार

मोंटे कार्लो से भी अधिक अपने अय्याश अमीरों के लिए मशहूर शहर में एक हत्यारे के खुलेआम घूमने की खबर ने दुनिया भर के अखबारों में सुर्खियां बटोरीं। विदेशी पत्रकार, स्वतंत्र टीवी चैनल और अन्य मीडिया संस्थान गिद्धों के झुंड की तरह शहर पर टूट पड़े। उन्होंने हर होटल और मोटल पर कब्जा कर लिया और कमरे खत्म होने पर तंबू में रहने के लिए भी तैयार थे।
जिस व्यक्ति की उन्हें तलाश थी, वह था डोरमैन जैक एंडर्स, जिसने जल्लाद की एक झलक देखी थी। लेकिन इससे पहले कि वे उसे पकड़ पाते, उसे घटनास्थल से हटा दिया गया था। प्लाजा बीच होटल के निदेशक से संक्षिप्त परामर्श के बाद, मेयर हेडली ने उन्हें समझाया कि एंडर्स के लिए कुछ समय के लिए डलास में रहने वाले उसके भाई के साथ रहना बेहतर होगा।
एंडर्स ने स्थिति को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त समझदारी दिखाई थी। टीवी पर एक किरदार बनने के बाद बूढ़े, अमीर और जर्जर लोग उसका स्वागत नहीं करेंगे।
प्रसिद्धि पाना उनका विशेषाधिकार था, न कि किसी होटल के द्वारपाल का।
शहर से बाहर तस्करी करके ले जाने से पहले, एंडर्स से बेगलर ने टेरेल और हेडली की मौजूदगी में पूछताछ की थी।
बेगलर जानता था कि वह एक अनुभवी सैनिक से बात कर रहा है: एक तेज दिमाग वाला और भरोसेमंद व्यक्ति। वह जानता था कि एंडर्स अपनी अहमियत साबित करने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर बातें नहीं करेगा, जैसा कि उसकी जगह पर कई लोग कर सकते थे। उसे पूरा यकीन था कि एंडर्स द्वारा दी गई जानकारी विश्वसनीय थी।

“जल्दी मत करो, जैक,” बीगलर ने कहा। “चलो इसे फिर से दोहरा लेते हैं।” उसने अपने लिखे नोट्स देखे। “श्रीमती ब्राउलर हमेशा 9.45 बजे होटल से निकलती थीं…ठीक है ना?”
एंडर्स ने सिर हिलाया।
"क्या यह एक तयशुदा प्रक्रिया थी?"
एंडर्स ने फिर सिर हिलाया।
“यह सिलसिला… कब से चल रहा है?”
“जब से वह हमारे साथ है... लगभग पांच साल से।”
"श्रीमती ब्राउलर एक जानी-मानी हस्ती थीं। आप कह सकते हैं कि वह एक सनकी थीं... है ना?"
वह वाकई वैसी ही थी।
"इसलिए बहुत से लोगों को पता होगा कि वह इस समय होटल से निकलती है।"
"हाँ।"
“ठीक है, जैक। यह बात तो तय हो गई। चलिए अब गोलीबारी की घटना पर आते हैं। आप उससे बात कर रहे थे: तभी यह घटना घटी। चलिए इसे फिर से दोहरा लेते हैं।”
“जैसा कि मैंने कहा: सिर पर लगी चोट और उसके गिरने के तरीके से मुझे समझ आ गया था कि उसे तेज रफ्तार राइफल से गोली मारी गई है,” एंडर्स ने कहा। “मैंने चारों ओर देखा। स्नाइपर के छिपने के लिए एक-दो संभावित जगहें थीं, लेकिन सबसे अच्छी जगह पेलोता क्लब की छत थी। मैंने उस तरफ देखा और मुझे हत्यारा नजर आया।”
“चलिए, धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं,” बीगलर ने कहा। “आप पहले ही बता चुके हैं कि आपने हत्यारे की एक झलक देखी है। चलिए, इसे और विस्तार से समझते हैं। इस बार मैं आपसे तथ्य नहीं पूछ रहा हूँ।

मैं आपसे आपकी धारणा पूछ रहा हूँ। समझे? इस बात की चिंता मत कीजिए कि आपकी धारणा सही है या गलत। बस अपनी धारणा बताइए।” एंडर्स ने एक पल सोचा।
“मैंने एक हलचल देखी। मैंने किसी आदमी को नहीं देखा... यह एक हलचल थी। इस हलचल से मुझे पता चल गया कि ऊपर एक आदमी है। जिस तरह से वह मेरी नजरों से ओझल हुआ, उससे मुझे पता चल गया कि वह स्नाइपर है... इसलिए मैं उसके पीछे गया।”
“मैंने आपसे यह नहीं पूछा था,” बीगलर ने धैर्यपूर्वक कहा। “आप मुझे पहले ही बता चुके हैं। आपने एक हलचल देखी और आपको पता चल गया कि ऊपर एक आदमी है। ठीक है, अब मैं आपसे उस आदमी के बारे में आपकी राय जानना चाहता हूँ।”
एंडर्स ने टेरेल और हेडली को बेचैनी से देखा, फिर उसने वापस बेगलर की ओर देखा।
उन्होंने कहा, "मैं आपको तथ्य बता रहा हूं।"
“मेरे पास आपके तथ्य मौजूद हैं।” बीगलर ने अपनी नोटबुक पर टैप किया। “अब मैं चाहता हूँ कि आप अपनी राय दें। आपने एक आदमी को दीवार के पीछे छिपते हुए देखा। वह गोरा था या अश्वेत? इसके बारे में ज़्यादा मत सोचिए... बस मुझे अपनी राय बताइए। मुझे इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप सही हैं या गलत। वह गोरा था या अश्वेत?”
“रंगीन।” फिर एंडर्स ने खुद को संभाला और सिर हिलाया। “मुझे नहीं पता मैंने ऐसा क्यों कहा। मुझे नहीं पता। मैंने बस एक हलचल देखी। मैं आपको बता रहा हूँ, मैंने उसे नहीं देखा।”
"लेकिन आपको ऐसा लगता है कि वह अश्वेत था?"

“मुझे नहीं पता। हाँ... शायद। हो सकता है कि उसका रंग धूप से झुलसा हुआ हो। मैं पक्का नहीं कह सकती। मुझे ऐसा लगा कि उसका रंग सांवला था।”
"उसने क्या पहना था?"
एंडर्स चिंतित दिखने लगा।
मुझे कैसे पता चलेगा? मैंने तो तुम्हें बताया था...
"क्या उसने काली कमीज पहनी थी, सफेद कमीज पहनी थी या रंगीन कमीज पहनी थी?"
“शायद एक रंगीन कमीज़।” एंडर्स ने पसीने से तर अपनी ठुड्डी को रगड़ा। “मैं मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन मैं नहीं चाहता कि तुम मुझे झूठ बोलने के लिए बहकाओ।”
बीगलर ने टेरेल की ओर देखा, जिसने सिर हिलाकर सहमति जताई।
“ठीक है, जैक, धन्यवाद,” उसने कहा। “तुमने मेरी मदद की,” और सत्र समाप्त हो गया।
जब एंडर्स चला गया, तो हेडली ने कहा, "क्या तुम इसे मददगार कहते हो? तुमने तो लगभग उसे झूठी गवाही देने के लिए मना ही लिया!" टेरेल ने धीमी आवाज़ में कहा, “एंडर्स का दिमाग बहुत तेज़ है। एक लड़ाकू सैनिक के रूप में उसका रिकॉर्ड शानदार है। आम गवाहों से मिलने वाले तथाकथित ठोस सबूतों के बजाय मैं उसकी राय पर भरोसा करना ज़्यादा पसंद करूँगा। एंडर्स मददगार साबित हुआ है।” हेडली ने कंधे उचकाए और खड़ा हो गया।
“तीन हत्याएं! और हमें क्या मिला? कुछ नहीं!”
“शायद आपको ऐसा न लगे, लेकिन मुझे लगता है,” टेरेल ने कहा। “देखो, लॉसन, तुम्हें पुलिस का काम समझ नहीं आता। अभी हमारे पास एक ठोस और एक अस्पष्ट सुराग है। अब हमें पता है कि यह आदमी अकेला काम नहीं कर रहा है। किसी ने रिडल के टायर की हवा निकाल दी ताकि

हत्यारा लीसा मेंडोज़ा को अकेला पाए। किसी ने श्रीमती ब्राउलर के कुत्ते के लगेज टैग को क्लिप कर दिया... इसलिए हमें पता है कि इस आदमी को किसी की मदद मिल रही है। अब हमारे पास एक संकेत है कि यह आदमी अश्वेत हो सकता है। तुम कहते हो कि हमारे पास कुछ नहीं है, लेकिन मेरे पास है।”
“लेकिन इसका मतलब क्या निकलता है?” हेडली ने पूछा। “यह पागल...” “शांत रहो, लॉसन। मेरे साथ आओ।” टेरेल उठा और हेडली का हाथ पकड़कर उसे गलियारे से होते हुए जासूसों के कमरे में ले गया। हर डेस्क भरी हुई थी। हर जासूस किसी न किसी गवाह से बात कर रहा था, जिसने या तो श्रीमती डंक ब्रोलर को गोली मारते देखा था, या मैकक्यूएन की हत्या के बारे में सुना था, या रिडल और उसकी प्रेमिका के बारे में कुछ जानता था: उत्सुक, जनहितैषी लोग, जानकारी देने के लिए बेताब, जिनमें से अधिकतर बेकार थी, लेकिन कुछ ऐसी भी थीं जो पुलिस को जल्लाद के करीब ले जा सकती थीं। इन लोगों की कतार गलियारे से होते हुए सीढ़ियों तक और सड़क तक फैली हुई थी।
टेरेल ने कहा, "इनमें से एक या अधिक लोग कोई सुराग दे सकते हैं। यह पुलिस का काम है, लॉसन। देर-सवेर हम उसे पकड़ ही लेंगे।"
और इस बीच वह फिर से हत्या कर सकता है।
"देर-सवेर वह गलती करेगा ही... सभी लोग करते हैं।"
तो मैं प्रेस को क्या बताऊं?
“हम जांच जारी रख रहे हैं। उन्हें इसके अलावा कुछ मत बताना,” टेरेल ने कहा। “यह महत्वपूर्ण है... अगर किसी को दोष देना ही है, तो मुझे दोष देना। कह देना कि हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं।”

हेडली ने सिर हिलाया, फिर पसीने से तर, धैर्यवान लोगों की लंबी कतार को पार करते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरकर प्रतीक्षा कर रहे प्रेसकर्मियों के पास चले गए।
टेरेल अपने दफ्तर में वापस लौटा जहाँ बीगलर उसका इंतजार कर रहा था। दोनों ने एक-दूसरे की ओर देखा।
“अच्छा, अब वो चला गया है, चलो देखते हैं कि अब तक हमारे पास क्या जानकारी है,” टेरेल ने कहा और बैठ गया। उसने एक कागज़ उठाया जिस पर उसने अपने आदमियों द्वारा दी गई रिपोर्टों के सारांशों से नोट्स बनाए थे। “हमें बस एक झलक मिल रही है: पूरी तरह से नहीं, लेकिन शायद कुछ तो पता चले। मैं अभी भी मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ। ये तीनों पीड़ित ब्रिज के बेहतरीन खिलाड़ी थे और फिफ्टी क्लब के सदस्य थे।” उसने अपने नोट्स से नज़रें ऊपर उठाईं। “हम फिफ्टी क्लब के बारे में क्या जानते हैं?”
बेगलर पैराडाइज सिटी को टेरेल से कहीं बेहतर जानता था और टेरेल भी इस बात को अच्छी तरह जानता था।
उन्हें शहर के बारे में बेगलर से कोई भी सवाल पूछना होता था और बेगलर हमेशा सटीक जवाब देते थे।
“फिफ्टी क्लब? बेहद घमंडी..., चुने हुए सदस्य। प्रवेश शुल्क लगभग 15,000 डॉलर है और सदस्यता शुल्क उससे दुगुना है। अगर आप चुने जाते हैं, तो आप खुद को शहर के शीर्ष घमंडियों में से एक मान सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको पेशेवर स्तर पर ब्रिज खेलना आना चाहिए।”
“मैकक्यूएन, रिडल और श्रीमती ब्रॉलर क्लब के सदस्य थे... इसका कुछ मतलब हो सकता है... या कुछ भी नहीं। हमें क्लब में किसी से बात करनी होगी। हो सकता है कि हत्या का मकसद वहीं हो। एक और बात जो मुझे दिलचस्प लगती है, वह यह है कि हत्यारा पीड़ितों के रहन-

सहन से वाकिफ है। वह जानता था कि श्रीमती ब्रॉलर रात 9:45 बजे होटल से निकलती थीं। वह जानता था कि मैकक्यूएन हमेशा नौ बजकर तीन मिनट पर घर से निकलता था और वह यह भी जानता था कि लीसा मेंडोज़ा शुक्रवार की रात बंगले पर होती थी। इससे एक पैटर्न बनता है। यह आदमी यहीं का रहने वाला है।”
बेगलर ने सिर हिलाया।
“तो हम ऐसे आदमी की तलाश शुरू करते हैं जिसके पास यह अंदरूनी जानकारी हो। शायद क्लब का कोई नौकर। मैं उन लोगों पर नज़र रखूंगा जिनका ज़िक्र रिडल ने आत्महत्या करने से पहले किया था।” टेरेल ने अपनी पाइप की ओर हाथ बढ़ाया।
"क्या तुम्हें लगता है कि वह अश्वेत हो सकता है, जो?"
"आपका अनुमान मेरे अनुमान जितना ही सही है, लेकिन एंडर्स को ऐसा ही लगता था।"
टेलीफोन की घंटी बजी। टेरेल ने रिसीवर उठाया, सुना, हल्की सी आवाज़ निकाली और कहा, "ठीक है... धन्यवाद... हाँ, रिपोर्ट मुझे भेज दो," और उसने फोन रख दिया। "वह मेलविल था। उन्होंने राइफल की जाँच कर ली है। उसी से मैकक्यूएन और श्रीमती ब्रॉलर की हत्या हुई है, लेकिन ज़ाहिर है, वहाँ कोई फिंगरप्रिंट नहीं मिले हैं। डैनवाज़ ने राइफल की पहचान कर ली है। इससे हमें ज़्यादा कुछ पता नहीं चलेगा।"
“लेकिन अब इस कमीने के पास राइफल नहीं है,” बेगलर ने कहा। “इससे वह दूसरी राइफल चुराने से तो नहीं रुकेगा, है ना?” टेरेल ने कहा और अपनी पाइप में आग लगा दी।

***

लेप्सकी को कई चीजों से सबसे ज्यादा नफरत थी, और उनमें से एक थी लोगों का इंटरव्यू लेना और रिपोर्ट लिखना। उनका मानना था कि जो भी स्वेच्छा से पूछताछ के लिए आगे आता है, उसे मानसिक रोगियों के आश्रम में होना चाहिए। लेकिन उन्होंने इस बात को स्वीकार कर लिया था कि यह पुलिस का काम है। जब संभव होता, वे इससे बचते थे, लेकिन जब मजबूरी में उन्हें यह करना पड़ता था, जैसा कि अब करना पड़ रहा था, तो वे स्थिति को संभाल लेते थे और किसी तरह अपने गुस्से पर काबू रख लेते थे। अब वे पूछताछ के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों की लंबी होती कतार को निराशा से देख रहे थे।
मैक्स जैकोबी बगल वाली डेस्क पर थे। वे अभी-अभी एक बातूनी बूढ़े आदमी से निपटकर लौटे थे, जिसने श्रीमती डंक ब्रोलर की मृत्यु देखी थी। वह बूढ़ा आदमी बस उनकी टोपी पर लगे नकली फलों के बारे में ही बात कर रहा था। वह जैकोबी को समझाने की कोशिश कर रहा था कि हत्यारा टोपी पर लगे फलों से नाराज़ था। जैकोबी ने आखिरकार उससे पीछा छुड़ाया, ठीक वैसे ही जैसे लेप्सकी ने एक बूढ़ी औरत से पीछा छुड़ाया था, जो उन्हें समझा रही थी कि श्रीमती डंक ब्रोलर के प्यारे कुत्ते ने हत्यारे को देखा था और क्या पुलिस को इस बारे में कुछ नहीं करना चाहिए?
दोनों पुरुषों ने एक-दूसरे की ओर देखा।
“जीवन कैसा चल रहा है?” जैकोबी ने थकी हुई मुस्कान के साथ पूछा। जैकोबी से वरिष्ठ होने का पूरा ज्ञान होने के कारण लेप्सकी ने उसे घूरकर देखा। "यह पुलिस का काम है," उसने कहा। "पानी खोजने के लिए आपको गहराई तक जाना पड़ता है।"
जैकोबी ने बनावटी आश्चर्य व्यक्त करते हुए अपना सिर हिलाया। "क्या हम यही ढूंढ रहे हैं?"

एक मोटा, बूढ़ा, फटेहाल कपड़े पहने आदमी जैकोबी की मेज के सामने धड़ाम से बैठ गया और जैकोबी ने दबी हुई आह के साथ कागज का एक और पैड उठाया।
“जी जी, महोदय? आपका नाम और पता?”
बेवकूफ! लेप्सकी ने सोचा। तीन घंटे बीत गए और कुछ नहीं हुआ! दोपहर की छुट्टी पर बैठे ये मूर्ख! उसने अपनी आखिरी रिपोर्ट फेंक दी और जैसे ही सिगरेट निकालने के लिए हाथ बढ़ाया, इत्र की खुशबू उसके ऊपर छा गई। ऊपर देखते ही उसने पाया कि एक लड़की उसकी डेस्क के सामने वाली कुर्सी पर बैठ गई थी और बड़ी-बड़ी आँखों से चिंतित होकर उसे देख रही थी।
"बेचारी, तुम गर्मी और थकान से परेशान लग रही हो," उसने कहा। लेप्सकी के शरीर में सिहरन दौड़ गई। यह उस तरह की गुड़िया थी जिसे आप सिर्फ प्लेबॉय के पन्नों में ही देखते हैं। एक ऐसी हसीना जो किसी मुर्दे को भी ज़िंदा कर सकती थी: भव्य कद-काठी वाली गोरी, बड़ी-बड़ी बैंगनी आँखों वाली और ऐसी पलकें जो गाय को भी शर्मिंदा कर दें। उसके स्तनों को देखकर लेप्सकी की साँसें अटक गईं। उसे एहसास हुआ कि जैकोबी, वह मोटा-ताज़ा बूढ़ा आदमी, मियामी पुलिस मुख्यालय से बुलाए गए चार जासूस और इंतज़ार कर रहे गवाहों की कतार को व्यवस्थित कर रहे तीन पुलिसकर्मी, सभी उस लड़की को घूर रहे थे।
लेप्सकी ने कमरे में चारों ओर गुस्से भरी नजरों से देखा और उनके बाकी सहकर्मी अनिच्छा से काम पर लौट गए।
“जी?” उसने पुलिस वाले लहजे में चिल्लाकर कहा। यह एक ऐसी आवाज थी जिसका आमतौर पर ज्यादातर लोगों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता था, लेकिन इस लड़की पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

उसने अपने एक भारी स्तन को ब्रा में अधिक आराम से रखने के लिए उठाया, अपने रेशमी सुनहरे बालों की एक लट को छुआ और दोहराया, "तुम गर्म और थकी हुई लग रही हो।"
लेप्सकी ने एक लिफाफे में फंसी मक्खी जैसी हल्की सी आवाज निकाली।
मोटे, बूढ़े आदमी, जिसका चेहरा डच पनीर जैसा था, आगे झुका और लेप्सकी के चेहरे पर लहसुन की गंध छोड़ी। "माफ़ कीजिए, महोदय," उसने मुस्कुराते हुए कहा, "छोटी महिला सही कह रही है... आप ऐसे ही दिख रहे हैं... गर्मी और थकान से चूर।"
लेप्सकी ने कागज का एक पन्ना मोड़कर फेंक दिया।
“क्या तुम अपने गवाह का ख्याल रखोगे?” उसने जैकोबी पर गुर्राते हुए कहा। उसकी आवाज़ में व्याप्त ज़हर ने उस मोटे, बूढ़े आदमी को सहम दिया। फिर लेप्सकी ने लड़की की ओर ध्यान दिया।
"आप कुछ कहना चाहते हैं?"
वह लड़की उसे प्रशंसा भरी निगाहों से देख रही थी।
“वाह! मैंने यहाँ के पुलिसवालों के बारे में कहानियाँ सुनी थीं, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वे तुम्हारे जैसे भी हो सकते हैं... सच में।”
लेप्सकी ने अपनी टाई सीधी की।
“देखिए महोदया, हम यहाँ व्यस्त हैं,” उन्होंने नरम स्वर में कहा। उनकी सच्ची प्रशंसा का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा था। “आखिर बात क्या है?”
"लड़कियों ने मुझसे कहा कि मुझे आना चाहिए।"
लेप्सकी ने आह भरी और कागज का एक नया पन्ना उठाया।
“नाम और पता, कृपया?”
“मैं मैंडी लुकास हूं। मैं क्लब में काम करती हूं और रहती हूं।”

“कौन सा क्लब?”
“आप जानते हैं... पेलोता क्लब।”
"आप का वहाँ रहना होता है?"
उसने अपनी सुंदर नाक सिकोड़ी।
"मेरे पास वहां एक कमरा है... आप उसे रहना नहीं कह सकते।"
"क्या आपके पास कोई जानकारी है, मिस लुकास?"
“लड़कियों ने कहा कि मुझे आना चाहिए, पर पता नहीं... यहाँ थोड़ी बदबू आ रही है, है ना? इतने सारे लोग... लेकिन तुमसे मिलना! वाह! जब मैं लड़कियों को तुम्हारे बारे में बताऊंगी, तो वे खुशी से झूम उठेंगी!”
लेप्सकी की आंखें फटी रह गईं। उसने जैकोबी की ओर देखा जो सुन रहा था, उसकी आंखें भी फटी हुई थीं और फिर उस मोटे, बूढ़े आदमी की ओर देखा जो घूर रहा था।
यह याद करते हुए कि वह अब पहली कक्षा में है, लेप्सकी आगे झुका और अपने चेहरे पर पुलिस वाले जैसी गुस्से वाली भाव-भंगिमा बना ली।
"देखिए, मिस लुकास, आपको मुझे क्या बताना है?"
लड़की ने अपने दूसरे स्तन को और अधिक आराम से व्यवस्थित करते हुए कहा, "मुझे मैंडी कहो... मेरे सच्चे दोस्तों में से कोई भी मुझे मिस लुकास नहीं कहता।"
“ठीक है, मैंडी…” लेप्सकी ने अपना पैर मोड़ा, एक बॉल पेन को ज़ोर से दाएं से बाएं सरकाया और उसके भीतर से पत्थरों के गिरने जैसी आवाज़ आई। “अब बताओ तुम यहाँ क्यों हो।”
“क्या तुम सच में जानना चाहते हो? मैंने लड़कियों से कहा था कि मैं तुम्हारा समय बर्बाद कर रही हूँ... सच में।” उसकी लंबी पलकें

फड़फड़ाईं। “मुझे पता है कि तुम लड़के यहाँ कितनी मेहनत कर रहे होगे। लेकिन लड़कियाँ... उन्होंने कहा...”
“हाँ।” लेप्सकी को अपने रक्तचाप की चिंता सताने लगी। “यह मेरा काम है। मेरा कीमती समय बर्बाद करने की चिंता मत करो... बस मुझे बता दो।”
अरे बाप रे! यहाँ तो बहुत गर्मी है! वह खड़ी हुई, थोड़ा हिली- डुली, अपनी मिनी स्कर्ट को शरीर से थोड़ा ऊपर उठाया और फिर बैठ गई। "क्या आप शादीशुदा हैं, मिस्टर डिटेक्टिव?"
"मैं शादीशुदा हूँ," लेप्सकी ने हताश स्वर में कहा।
वह आगे झुकी और धीरे से फुसफुसाते हुए बोली, "तब तुम्हें समझ आ जाएगा। ये घटिया डिस्पोजेबल पैंटी नरक हैं।"
लेप्सकी की आंखें मानो अपनी जगह से बाहर निकल आईं।
“क्या आपकी पत्नी कभी शिकायत करती है?” लड़की ने पूछा।
दबी हुई आवाज में लेप्सकी ने कहा, "मैंडी! क्या तुम मुझे बताओगी कि तुम यहाँ क्यों हो!"
अरे बाप रे! मुझे माफ़ करना। आपको मेरी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। मैं थोड़ी लापरवाह हूँ। आप सचमुच जानना चाहते हैं... मज़ाक नहीं कर रहे हो क्या?
"बस आगे बढ़ो," लेप्सकी ने ऐसी आवाज में कहा जो मीना पक्षी को भी चौंका देती।
“अच्छा, मैंने एक आदमी को देखा। वो सच में बहुत आकर्षक था।” वो आगे झुकी और उसकी ड्रेस का अगला हिस्सा थोड़ा नीचे खिसक गया, जिससे लेप्सकी को उसके निपल्स की झलक मिल गई। “मुझे काले लोग पसंद नहीं हैं। मैं नहीं चाहती कि आप ये सोचें कि मुझे गैर-गोरों से कोई दिक्कत है। समझे? वैसे तो मुझे आमतौर पर वो पसंद

नहीं होते। पर कभी-कभी... मतलब, मर्द तो मर्द होता है और ये आदमी तो सच में बहुत ही आकर्षक था!”
लेप्सकी ने एक परेशान मधुमक्खी के छत्ते जैसी आवाज निकाली। "मैंडी, तुमने इस आदमी को कब देखा था?"
“उस भयानक गोलीबारी के ठीक बाद। इसने मुझे जगा दिया... गोलीबारी की वजह से। मैंने बहुत चीख-पुकार सुनी।” उसने अपनी ब्रा की पट्टी ठीक की। “जब मैं जागती हूँ, तो लगभग मरी हुई सी होती हूँ। क्या आप भी ऐसे ही जागते हैं? मतलब... मरी हुई... आँखें सुन्न... सिर चकरा रहा होता है?”
लेप्सकी की उंगलियां हुक जैसी बन गईं।
"क्या आपने इस आदमी को पार्किंग में देखा?"
“अच्छा, वहाँ लोग उछल-कूद कर रहे थे... तुम्हें पता है?”
"जाता रहना।"
"ये लोग मुझे उन मैक्सिकन बीन्स की याद दिलाते हैं, आप जानते हैं ना... वो चीजें जो उछलती-कूदती हैं... बच्चों को वो पसंद आती हैं।" लेप्सकी ने ऐसी आवाज निकाली जैसे कोई गोलाकार आरी लकड़ी के टुकड़े पर चल रही हो।
मैंडी उसे घूरती रही।
"जब आप इस तरह की आवाज निकालते हैं, तो मेरी मां ने मुझे बताया कि आपको 'क्षमा करें' कहना चाहिए।"
लेप्सकी ने अपनी ब्लॉटिंग शीट पर नज़र डाली, खुद को संभाला और फिर थोड़ी देर रुककर बोला, "तो ठीक है, लोग मेक्सिकन बीन्स की तरह उछल-कूद कर रहे थे। उसके बाद क्या हुआ?"
“बेचारा पुलिसवाला... मतलब पुलिस अधिकारी... वहाँ लेटा हुआ था। मुझे देखकर मैं एकदम पलट गया। सोचो! मेरी आँखें लगभग बाहर निकल

ही गई थीं! फिर मैंने देखा कि एक गुड़िया जैसी दिखने वाली लड़की कार से बाहर निकली!”
लेप्सकी अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए। उन्होंने खुद को शांत करने के लिए धीरे-धीरे राष्ट्रगान की कुछ धुनें गुनगुनाईं। "क्या आपने पार्किंग में खड़ी कार से किसी आदमी को निकलते देखा?"
उसकी आंखें चौड़ी हो गईं।
“मैंने ऐसा कहा था, है ना? या कुछ और कहा था? सच कहूँ तो, कभी-कभी मुझे खुद नहीं पता होता कि मैं क्या कह देती हूँ।” वह कुर्सी से उठी, अपनी स्कर्ट को ठीक किया, कमरे में मौजूद सभी लोगों को उत्सुकता से देखती रही, और फिर बैठ गई। “मुझे नहीं लगता कि आपके साथ कभी ऐसा होता होगा। मतलब, कुछ कह देना और तुरंत बाद भूल जाना। आपको ऐसी किसी बात की चिंता करने की ज़रूरत नहीं होगी, है ना?”
लेप्सकी ने अपनी टाई ढीली कर ली।
"नहीं।"
“हाँ, मुझे ऐसा लगता है। इससे मेरा जीवन दयनीय हो जाता है।”
“आप कह रहे थे कि आपने पार्किंग में खड़ी एक कार से एक आदमी को बाहर निकलते देखा। क्या आपको बस यही बताना है?”
“लड़कियों ने मुझसे यही कहा था कि मुझे आपको बताना चाहिए।” उसने घबराहट भरी हंसी को दबाते हुए कहा, “सच में, मुझे माफ़ करना। मुझे पता था कि मैं आपका समय बर्बाद कर रही हूँ, लेकिन लड़कियाँ...”
“कोई मेरा समय बर्बाद नहीं करता। मैं यहाँ जानकारी लेने आया हूँ,” लेप्सकी ने कहा। उन्होंने कागज़ पर तेज़ी से लिखा और फिर कागज़ लड़की की ओर बढ़ा दिया। “इसमें लिखा है कि तुमने एक

अश्वेत व्यक्ति को उस पार्किंग स्थल में कार से उतरते देखा जहाँ पुलिस अधिकारी मैकनील को गोली मारी गई थी। ठीक है?”
उसने उसकी लिखी हुई बातों को संकीर्ण दृष्टि से देखा, फिर सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि यह सही है, लेकिन क्या आपको यह नहीं कहना चाहिए कि यह मेरी कार है और इसकी बैटरी खत्म हो गई है और मैंने इसे हफ्तों से इस्तेमाल नहीं किया है?"
लेप्सकी के चेहरे पर पसीना आ गया। उसे एहसास हुआ कि बेकार की जानकारी देने वाले लोगों से ऊब जाने के कारण वह एक महत्वपूर्ण सुराग को खोने के कगार पर था।
"क्या आप इसे दोबारा कहेंगे?"
मैंडी ने अपनी कही बात दोहराई।
"इसीलिए लड़कियों ने मुझे यहां आने के लिए कहा था, लेकिन मैंने कहा कि आप लोग मुझे पागल समझेंगे।"
"मुझे नहीं लगता कि तुम पागल हो," लेप्सकी ने कहा। "बस मुझे ठीक-ठीक बताओ कि तुमने क्या देखा।"
उसकी आंखें चौड़ी हो गईं।
लेकिन मैं तुम्हें पहले ही बता चुका हूँ।
मैं इसे फिर से सुनना चाहता हूँ।
हे भगवान! क्या आपको लगता है कि यह महत्वपूर्ण है?
“ऐसा हो सकता है,” लेप्सकी ने अपने रुमाल से चेहरा पोंछते हुए कहा। “ऐसा हो सकता है।”

***

दो घंटे बाद, पुलिस प्रमुख टेरेल मेयर हेडली के कार्यालय पहुंचे।
हेडली का चेहरा पीला पड़ गया था और वह तनावग्रस्त दिख रहा था। उसने अभी-अभी फोन रखा था। पिछले तीन घंटों से वह अपने अमीर दोस्तों की पुलिस सुरक्षा की लगातार और उन्मादी मांगों से जूझ रहा था। उनकी स्वार्थी ज़िद ने उसे बहुत गुस्सा दिलाया था और जब उसने टेरेल को देखा तो उसने राहत की सांस ली।
“अरे यार! क्या तुम्हें पता है कि बहुत सारे लोग सचमुच शहर छोड़कर जा रहे हैं... शरणार्थियों की तरह!”
“क्या हमें उनकी परवाह करनी चाहिए?” टेरेल ने बैठते हुए पूछा। “यह तो बहुत बड़ी बात है! तुम्हारा मतलब क्या है... बिल्कुल हमें परवाह करनी चाहिए!”
हमें पहली सफलता मिल गई है।
हेडली ने उसे घूरकर देखा, फिर उत्सुकता से आगे की ओर झुक गया। “ब्रेक? कैसा ब्रेक?”
“अब हमारे पास हत्यारे का हुलिया है। मैंने तुमसे कहा था कि अगर हम छानबीन जारी रखेंगे तो देर-सवेर कुछ न कुछ सुराग जरूर मिलेगा, लेकिन मुझे इतनी जल्दी इस तरह की सफलता मिलने की उम्मीद नहीं थी।”
अरे, भगवान के लिए! मुझे बताओ!
टेरेल ने अपनी कुर्सी पर और अधिक आराम से बैठते हुए कहा, "पेलोटा क्लब में छह लड़कियां होस्टेस के रूप में काम करती हैं।" “क्लब की सबसे ऊपरी मंजिल पर उनके कमरे हैं: ऐसे कमरे जहाँ से उस पार्किंग स्थल का नज़ारा दिखता है जहाँ मैकनील को गोली मारी गई थी। इन्हीं लड़कियों में से एक... मैंडी लुकास... के पास एक फोर्ड कार है जिसे उसने हफ्तों से इस्तेमाल नहीं किया है और वह इसी

पार्किंग में खड़ी है। गोलीबारी की आवाज़ से वह जाग गई। अपनी खिड़की से बाहर देखते हुए उसने मैकनील के शव के चारों ओर भीड़ देखी, फिर उसका दावा है कि उसने एक आदमी को अपनी कार से उतरकर भीड़ में शामिल होते देखा। अब कार पुलिस यार्ड में है। पिछली सीट के नीचे हमें वह बंदूक मिली है जिससे मैकनील की हत्या की गई थी। मैंडी ने देखा कि यह आदमी एंडर्स से बचने के लिए कार में छिपा होगा, फिर जब एंडर्स आगे बढ़ गया और मैकनील के शव के चारों ओर भीड़ उमड़ने लगी, तो इस आदमी ने अपनी बंदूक पिछली सीट के नीचे छिपा ली, कार से बाहर निकला और भीड़ में मिल गया। वह बहुत हिम्मतवाला आदमी है, लेकिन उसने यह नहीं सोचा था कि मैंडी लुकास जैसी कोई खिड़की से उसे देख लेगी।”
“अरे, भगवान के लिए!” हेडली पीछे हट गया। “क्या इस महिला ने आपको कोई विवरण दिया है?”
“हाँ। वो काफी नासमझ है, लेकिन उसका दावा है कि वो उसे कहीं भी पहचान लेगी। ऐसा दावा हमेशा शक के दायरे में रहता है। कई बार ऐसा हुआ है कि गवाह कसम खाकर कहते हैं कि वो किसी आदमी को पहचान लेंगे, लेकिन जब हम उन्हें पहचानना शुरू करते हैं तो वो नाकाम हो जाते हैं। लेकिन वो कहती है कि वो आदमी एक भारतीय है और ये एंडर्स के अंदाजे से मेल खाता है। उसके मुताबिक, वो करीब पच्चीस साल का है, घने काले बाल हैं, अच्छी कद-काठी का है और एक भारतीय है। वो इस बात पर ज़ोर देती है... वो नीग्रो नहीं, बल्कि एक भारतीय है और उसने पीले और सफेद फूलों वाली टी-शर्ट और गहरे नीले रंग की पैंट पहनी हुई थी।”
हेडली ने अपना हाथ मेज पर पटक दिया।
“आखिरकार यह वाकई कुछ खास है! क्या आपको बंदूक से उसके फिंगरप्रिंट मिले?”

“नहीं। उसे पता है कि वह क्या कर रहा है। वह कोई फिंगरप्रिंट नहीं छोड़ता।”
"क्या आपने प्रेस को विवरण दे दिया है?"
“नहीं।” टेरेल ने हेडली की ओर देखा। “हमें ऐसा करना ही पड़ेगा, लेकिन मैंने सोचा कि पहले आपसे बात कर लूँ। आपको याद दिलाने की ज़रूरत नहीं है कि इस शहर में सौ से ज़्यादा सेमिनोल भारतीय अलग-अलग कामों में लगे हुए हैं। उनमें से ज़्यादातर युवा हैं: उनमें से अधिकतर फूलों के डिज़ाइन वाली कमीज़ और हिपस्टर पैंट पहनते हैं... यह एक तरह की वर्दी है। ज़्यादातर लोगों को एक भारतीय दूसरे भारतीय जैसा ही दिखता है। यह विवरण हमारे लिए मददगार है, लेकिन इससे परेशानी भी हो सकती है।”
“हाँ।” हेडली ने भौंहें चढ़ाते हुए मन ही मन सोचा। “मैं समझ रहा हूँ कि तुम क्या कहना चाह रहे हो, लेकिन हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है, फ्रैंक। तुम और यह कार्यालय कुछ भी हल न निकालने के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। मैं तुरंत एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाऊँगा। यह ऐसी खबर है जिसे हम चुपचाप नहीं रख सकते।”
टेरेल ने सिर हिलाया।
“मेरे आदमी पहले ही निकल चुके हैं, भारतीय इलाके पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह आदमी यहीं का है। मुझे पूरा यकीन है।” वह खड़ा हो गया। “काश लड़की ने कहा होता कि वह एक गोरा आदमी है।” "खैर, कम से कम हमारे पास कुछ तो है," हेडली ने कहा और अपना टेलीफोन उठाने के लिए हाथ बढ़ाया।
जब टेरेल वहां से जा रहा था, तभी उसने हेडली को अपने प्रेस अधिकारी को बुलाते हुए सुना।

***

मेग बिस्तर पर लेटी हुई छत पर उड़ती नीली मक्खी को देख रही थी। उसकी घड़ी बता रही थी कि दोपहर के आसपास का समय है। शायद इससे भी ज़्यादा समय हो गया हो। उसकी घड़ी आमतौर पर घंटे में दस मिनट पीछे हो जाती थी और अगर वह उसे चालू करना भूल जाती, तो थोड़ी देर बाद उसकी सुइयाँ बेतुकी हो जाती थीं, लेकिन उसे इसकी परवाह नहीं थी।
वह न केवल ऊब गई थी, बल्कि चिंतित भी थी।
चक उसके सोते समय बाहर गया था और अब तक उसका कोई पता नहीं था। उसे कॉफी बनाने के लिए बिस्तर से उठने की भी हिम्मत नहीं हो रही थी। उसे कॉफी चाहिए थी, पर इसमें लगने वाली मेहनत उसके लिए बहुत ज़्यादा थी। लेटे-लेटे मक्खी को देखना बाकी सब कामों से कहीं ज़्यादा आसान था।
कुछ देर बाद मक्खी उड़ गई और उसे उस पर ईर्ष्या हुई। काश वह भी ऐसा ही कर पाती: उड़ जाना। उसने सोचा, बस उड़ जाना, बिना किसी विचार के, भोजन के लिए मांस के एक टुकड़े पर बैठना, और फिर उड़ जाना कितना अद्भुत होगा... कितनी भाग्यशाली मक्खी है!
उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और नींद में डूब गई। यह एक ऐसी चीज थी जो वह बिना किसी प्रयास के कर सकती थी। उसने सोचा कि यही एक चीज थी जिसमें वह अच्छी थी।
जब वह उठी तो उसने देखा कि मक्खी वापस छत पर है। उसे असहनीय गर्मी और चिपचिपाहट महसूस हो रही थी। सुस्ती से उसने अपनी घड़ी देखी। घड़ी के अनुसार समय 14:35 था। इतनी देर तो नहीं हो सकती, उसने सोचा, छत पर घूमती हुई मक्खी को देखते हुए। काश मैं भी ऐसा कर पाती! मैं भी छत पर उल्टा घूमना चाहती हूँ।

तभी अचानक उसे ठंडे डर ने जकड़ लिया। चक कहाँ था? वह उठ बैठी और चादर हटा दी। वह घंटों से गायब था! क्या वह उसे छोड़कर चला गया था?
हड़बड़ी में वह बिस्तर से उठी और खिड़की के पास जाकर उसे खोल दिया। उसने बाहर झाँका और सामने उस झोपड़ी को देखा जो मोटल के दफ्तर के रूप में इस्तेमाल होती थी। उसकी नज़र श्रीमती बर्था हैरिस पर पड़ी जो इधर-उधर घूम रही थीं। पार्किंग में कोई गाड़ी नहीं थी। चक कहाँ था? उसने फिर अपनी घड़ी देखी। इतनी देर तो नहीं हो सकती! उसने घड़ी को कान से लगाया। यह तो बंद हो गई थी! और भी देर हो सकती है! घबराहट में उसने जल्दी से अपनी पैंट पहनी, एक गंदा स्वेटर सिर पर ओढ़ा, पैरों में सैंडल डाली और दरवाजे की ओर चल पड़ी।
जब वह दीवार पर लगे छोटे से दर्पण के पास से गुजरी, तो उसकी नजर खुद पर पड़ी और वह रुक गई।
हे भगवान! वह कितनी बुरी हालत में दिख रही थी!
वह झटपट शावर रूम में गई और अपने चेहरे पर पानी डाला। फिर चेहरा सुखाते हुए उसने अपने लंबे, उलझे हुए बालों में कंघी फेर ली। शावर रूम से बाहर आते ही उसने देखा कि चक खुले दरवाजे पर खड़ा है।
“तुम कहाँ थे?” उसने तीखी आवाज में पूछा। “मैं इंतज़ार करता रहा… तुम कहाँ थे?”
चक ने दरवाजा बंद कर दिया। उसके चेहरे पर एक ऐसा भाव था जो उसे डरा रहा था।
“अपना सामान समेट लो!” उसने रूखेपन से कहा। “हम जा रहे हैं।”
वह अलमारी के पास गया, अपना थोड़ा-बहुत सामान उठाया और उसे बिस्तर पर फेंक दिया।

"हम कहाँ जा रहे हैं?"
उसने उसका हाथ पकड़ा, उसे घुमाया और इतनी बेरहमी से उसके नितंबों पर थप्पड़ मारे कि वह चीख पड़ी।
अपना सामान पैक करो!
वह पीछे हट गई और उसे घूरने लगी।
“और चाहिए?” उसने धमकी भरे लहजे में आगे बढ़ते हुए पूछा। "नहीं!"
उसने जल्दी से अपना बैग बिस्तर के नीचे से निकाला, फिर दराजों वाली अलमारी की ओर जाकर उसने अपना सामान उसके बगल में बिस्तर पर फेंकना शुरू कर दिया।
केबिन का दरवाजा खुला और पोके तोहोलो ने अंदर झांका।
“चक।” उसने इशारा किया और फिर पीछे हट गया।
“मेरा सामान पैक करो,” चक ने कहा। “हम पाँच मिनट में उड़ान भरेंगे,” और वह बाहर निकलकर पोक के केबिन में चला गया।
पोक ने अपना बैग पैक कर लिया था।
"हाँ।"
“क्या वह ठीक है?” उसने पूछा।
चक ने सिर हिलाया।
“तुम्हें पता है कहाँ जाना है और क्या करना है?”
"हाँ।"
“देखो, क्या बुढ़िया को और पैसे चाहिए? उससे बात करते समय सावधान रहना।”
"हम इस बारे में पहले भी बात कर चुके हैं," चक ने अधीरता से कहा। “बस याद रखना।” पोक ने अपना बैग उठाया। “मैं उतर जाऊंगा। भूलना मत: सुबह दस बजे।”
"मुझे इंतज़ार रहेगा।"

पोक ने अपना बैग पीठ पर टांग लिया।
“पिछला वाला ठीक नहीं रहा,” उसने मानो खुद से बात करते हुए कहा, “पर वो मुश्किल था।” उसने चक की तरफ देखा, उसकी काली आँखें चमक रही थीं। “उस पुलिसवाले ने खुद ही मुसीबत मोल ली।”
चक ने कुछ नहीं कहा।
“पुलिस को पुलिस वाले के हत्यारे से नफरत है।” पोक ने अपने बैग के पट्टे ढीले किए। “इसका मतलब है कि अगर वे हमें ढूंढ लेते हैं, तो वे तुमसे भी उतनी ही नफरत करेंगे जितनी मुझसे।”
चक की आंखें सिकुड़ गईं।
“क्या तुम्हें लगता है कि तुम्हें मुझे डराना पड़ेगा?” उसने पूछा।
पोक ने उसे गौर से देखा।
मैं बस इतना चाहता हूं कि आप याद रखें... वह भी इसमें शामिल है।
“ठीक है… मैं बहरा नहीं हूँ।”
“आपको मेरी तरफ से खबर मिलेगी।” पोक चक के पास से गुजरकर धूप में चला गया।
चक उसे दूर जाते हुए देखता रहा। जब वह उसकी नजरों से ओझल हो गया, तो वह मोटल के दफ्तर की ओर चला गया।
श्रीमती हैरिस एक हैमबर्गर खा रही थीं जिसे उन्होंने एक कागज के नैपकिन में पकड़ रखा था।
“हम चेकआउट कर रहे हैं, मैडम,” चक ने कहा।
श्रीमती हैरिस के सिर उठाते ही उनकी चार ठुड्डियां दो रह गईं।
आपने कहा था कि आप ज्यादा दिन रुकेंगे।
चक ने अपनी कहानी तैयार कर रखी थी।

“हमारी मुलाकात दोस्तों से हुई। वे चाहते हैं कि हम उनके साथ रहें। हमने एक हफ्ते का किराया दिया था, है ना? क्या आप पर हमारा कोई एहसान है या हम पर आपका?”
श्रीमती हैरिस ने हैमबर्गर का एक और टुकड़ा खाया और अपनी खाता- बही को देखते हुए उसे चबाने लगीं।
“नहीं, मुझे लगता है कि अब सब खत्म हो गया,” उसने कहा। “तुम्हारे पास अभी भी दो दिन बाकी हैं, लेकिन तुमने मुझे पहले से सूचना नहीं दी। चलो अब यहीं खत्म करते हैं।”
“ठीक है, महोदया।” चक ने काउंटर पर एक डॉलर का नोट रख दिया। “ये बूढ़े आदमी के लिए है। धन्यवाद, महोदया। हम आराम से रहे। शायद अगर हम कभी यहाँ से गुजरे तो यहाँ देख लेंगे।”
श्रीमती हैरिस के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई।
“आपका हमेशा स्वागत रहेगा।” उसने डॉलर का नोट हवा में उछाला। “क्या वह भारतीय भी जा रहा है?”
“हाँ, बिल्कुल... हम सब जा रहे हैं।”
श्रीमती हैरिस ने अपनी जीभ से अपने होठों पर लगे प्याज के टुकड़े को चाटकर साफ किया।
क्या वह आपका दोस्त है?
चक को अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया गया था। उसने अपना सिर हिलाया।
“वह एक नेक इंसान है, जिससे मेरी पत्नी और मैं रास्ते में मिले। वह अब की वेस्ट जा रहा है... वहाँ उसका काम इंतज़ार कर रहा है।” वह मुस्कुराया। “ठीक है, हम चलते हैं। अलविदा, महोदया।”
वह केबिन में वापस लौटा जहां मेग दो पैक किए हुए बैगों के साथ उसका इंतजार कर रही थी।
“चलो चलते हैं,” चक ने कहा और अपने बैग उठा लिए।

"हम कहाँ जा रहे हैं?"
वह मुड़ा और उसे घूरने लगा।
“क्या तुम कभी अपना मुंह बंद रखना नहीं सीखोगे?” उसने गुस्से से कहा।
“क्या मैं कुछ कह भी नहीं सकती?” मेग ने जोश से कहा। “क्या मैं यह भी नहीं पूछ सकती कि हम कहाँ जा रहे हैं?”
"ओह अब छोड़िए भी!"
चक ने रकसैक उठाकर ब्यूक कार तक ले जाकर पिछली सीट पर पटक दिए और स्टीयरिंग व्हील के नीचे खिसक गया। मेग उसके बगल में बैठ गई। “पोक कहाँ है?” उसने पूछा। “क्या हम उसका इंतज़ार नहीं करेंगे?” चक ने उसे घूर कर देखा और इस बार उसकी आंखों के भाव ने उसे भयभीत कर दिया।
“पोक कौन है? तुम किस बारे में बात कर रहे हो?” उसने कहा और इंजन चालू कर दिया।
उसने बोलना शुरू किया, फिर रुक गई।
“बस यही है।” चक ने रफ्तार बढ़ा दी। “अब ठीक लग रहा है।”
कार आगे बढ़ी और वह मोटल से निकलकर पैराडाइज सिटी की ओर जाने वाले राजमार्ग पर चला गया।
शहर पहुँचते ही उसने मुख्य सड़कों से बचते हुए, गलियों से होते हुए बंदरगाह तक का सफर तय किया। उसने बंदरगाह के किनारे पार्किंग की जगह ढूँढी, इंजन बंद किया और कार से बाहर निकल गया। “चलो,” उसने अपना बैग कार से बाहर खींचते हुए कहा। “अपना बैग ले लो। अब हम पैदल चलते हैं।”
अपने भारी बैगों के बोझ तले दबे हुए वे दोनों चहल-पहल से भरे तट पर चल पड़े। यह बंदरगाह का व्यावसायिक क्षेत्र था, जहाँ स्पंज की नावें और कछुओं के रेंगने के दृश्य देखने को मिलते थे।

बिना किसी दिशा का ज्ञान रखे, मेग चक के पीछे-पीछे चल रही थी, जिसे देखकर लग रहा था कि उसे पता है कि वह कहाँ जा रहा है।
वे एक रैटलस्नेक (ज़हरीले सांपों का एक डिब्बा) कारखाने के पास से गुज़रे। कारखाने के ऊपर एक लाल रंग का नियॉन साइन लगा था जिस पर कुंडली मारे हुए सांप की तस्वीर बनी थी। एक और साइन, जो बार-बार जल-बुझ रहा था, उस पर लिखा था: स्नेक स्नैक्स। वे भीड़-भाड़ वाले इलाके से होते हुए फल बाज़ार के चारों ओर से गुज़रे, फिर चक एक बदबूदार गली में आगे-आगे चलने लगा, जिसके दोनों ओर दो मंज़िला, मौसम की मार झेल चुकी लकड़ी की इमारतें थीं। वह आखिरी इमारत के बाहर रुका और अपना बैग नीचे रख दिया।
"यहीं रुको," उसने कहा और रंग-बिरंगी नायलॉन की पट्टियों से मक्खियों से सुरक्षित होकर दरवाजे से बाहर निकल गया।
एक छोटे, अंधेरे गलियारे के अंत में, एक मोटा सेमिनोल भारतीय एक मेज के पीछे बैठा था और चिकन लेग को कुतर रहा था।
चक ने कहा, "हमारी बुकिंग हो चुकी है... श्रीमान और श्रीमती जोन्स के लिए।"
भारतीय ने मुर्गे की हड्डी को नज़र से ओझल कर दिया, थोड़ा सा उठकर अपनी उंगलियाँ अपनी पतलून की सीट पर पोंछीं, फिर कुर्सी पर वापस बैठ गया। उसने मुस्कुराते हुए अपने सोने के दाँतों की झलक दिखाई।
“कमरा पूरी तरह तैयार है, मिस्टर जोन्स। पहली मंजिल, बाईं ओर। कमरा नंबर 3।”
“मैं अपनी पत्नी को ले आता हूँ,” चक ने कहा।
भारतीय के चेहरे पर मुस्कान बरकरार रही।
"बस इतना ही, मिस्टर जोन्स, आपको आपकी पत्नी मिल गई।"

यह बंदरगाह की ओर खुलने वाला एक पिछला कमरा था। इसमें एक डबल बेड, एक जर्जर दराजों वाली अलमारी, एक दीवार में बनी कोठरी और हैरानी की बात यह थी कि बेड के बगल में नाइट टेबल पर एक टेलीफोन रखा हुआ था। तथाकथित बाथरूम और बदबूदार शौचालय दूसरी तरफ सीढ़ियों के पार थे।
मेग ने अपना बैग फर्श पर गिरा दिया और कमरे में चारों ओर देखा। "इस भयानक जगह में आने के बजाय हम मोटल में क्यों नहीं रुक सकते थे?" उसने पूछा, और निराशा भरे भाव से वह बिस्तर पर गिर पड़ी। चक खिड़की के पास गया और तट की ओर देखने लगा। वह कुछ मिनटों तक वहाँ खड़ा रहा, शोर और हलचल से मंत्रमुग्ध था, फिर वह मुड़ा और बिस्तर पर आ गया। मेग ने उसकी ओर देखा।
“सच कहूँ तो, चक, कई बार मुझे लगता है कि तुम पागल हो गए हो,” उसने कहा। “मोटल क्यों छोड़ा? वह आरामदायक था। इस घटिया जगह पर क्यों आए?”
वह उसे घूर रहा था, उसकी आंखें कांच की तरह कठोर थीं।
“कौन सा मोटल?”
मेग कांप उठी। उसने अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया।
“चक! ये क्या है? क्या तुम मुझे पागल करने की कोशिश कर रहे हो? मैं तुमसे पोक के बारे में पूछता हूँ और तुम पूछते हो कि पोक कौन है। अब मैं... तुम पूछते हो कि कौन सा मोटल! क्या है? तुम्हें क्या हो गया है... या मेरी गलती है?”
“मुझे कुछ नहीं हुआ है, जान,” चक ने धीमी आवाज़ में कहा। “हम पोक से कभी नहीं मिले। हम कभी किसी मोटल में नहीं रुके।” मेग ने निराशा भरे भाव से अपने उलझे हुए बालों को ऊपर उठाया।
"क्या आपका मतलब है कि मैं पुलिस को यही बताऊँ?"
चक मुस्कुराया।

“अब, जान, तुम दिखा रही हो कि तुम्हारे पास अक्ल है। बस इतना ही। कोई पोक नहीं... कोई मोटल नहीं।”
अचानक उसके नीरस, चिड़चिड़े माता-पिता और उसका नीरस घर उसके मन में शरणस्थल के रूप में उभर आए।
“नहीं, चक।” उसने मुट्ठी बांधकर अपने माथे पर मारते हुए खुद को चोट पहुँचाई। “नहीं! मैं जा रही हूँ! तुम उस पागल भारतीय के साथ रहो। मैं कुछ नहीं जानना चाहती... मैं कुछ नहीं कहूँगी। मैं जा रही हूँ!”
"क्या आप?"
उसकी आवाज का लहजा सुनकर वह सहम गई।
चक ने अपनी फोल्डिंग चाकू निकाल ली थी। उसकी चमकती हुई धार देखकर वह पीछे हट गई।
“तुम तैयार हो, जान,” उसने नरमी से कहा। “मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी और तुमने हाँ कह दी। अगर तुमने अभी मना किया तो मैं तुम्हें काट डालूँगा। क्या तुम अपना बाकी जीवन कटे-फटे चेहरे के साथ बिताना चाहती हो?”
वह खौफ से चाकू को घूर रही थी। चक उसे देखता रहा, फिर मुस्कुराया। उसने चाकू वापस अपनी जेब में रख लिया।
"चलो, जान, शहर देखने चलते हैं।"
वह बिना हिले-डुले बैठी रही, उसने अपने हाथों को अपने पेट के चारों ओर कसकर लपेट रखा था।
“यह वहीं है... बस सामने ही,” चक ने कहा।
उसने उसे गलियारे में भागते हुए देखा, फिर जब शौचालय फ्लश हुआ, तो वह बेडरूम से बाहर निकला, दरवाजा बंद किया और उसे ताला लगा दिया। वह सीढ़ियों के शीर्ष पर उसका इंतजार कर रहा था।

वे कंधे से कंधा मिलाकर सीढ़ियों से नीचे उतरे, उस मोटे, मुस्कुराते हुए भारतीय के पास से गुजरे और तट के शोरगुल भरे और गर्म वातावरण में प्रवेश कर गए।

***

पोके तोहोलो ने टैक्सी के किनारे पर सहारा लेकर खुद को संभाला। ट्रक चालक, जो कद में छोटा, गठीला, चेहरे पर झाइयों वाला और गंजा था, किसी से बात करने के लिए बेताब था... किसी से भी। पोके को राजमार्ग पर अंगूठा हिलाते हुए देखकर, उसने गाड़ी रोकी और पोके को उसका बैग कैब में रखने में मदद की। पोके के आराम से बैठने के बाद, ट्रक पैराडाइज़ सिटी की ओर राजमार्ग पर तेज़ी से दौड़ने लगा, तभी चालक ने बात करना शुरू किया।
“यार! तुम्हें इस तरफ नहीं आना चाहिए! रेडियो सुना? नहीं सुना? यार! मैं तो बस रेडियो ही सुनता हूँ, सिवाय तब जब घर पर होता हूँ और अपनी पत्नी की बात सुननी पड़ती है! जल्लाद के बारे में सुना? हाँ... कुछ तो सुना! रेडियो पर आने वाली पुरानी बकवास से तो कुछ अलग है... निक्सन और मुसीबत। यार! वो सब तो मुझे बहुत परेशान करता है, पर ये अलग है! मीलों दूर तक सब लोग इसी कातिल के बारे में बात कर रहे हैं। तुम कहाँ से हो? जैक्सनविले? हाँ, मैं जानता हूँ... इस हाईवे पर शायद ही कोई ऐसा कस्बा हो जिसे मैं न जानता हूँ। छुट्टी पर हो, है ना? खैर, तुम तो मुसीबत में पड़ सकते हो। ये जल्लाद... लगता है पागल है। अभी तुम्हें लेने से पहले ही रेडियो पर खबर आई कि पुलिस एक भारतीय की तलाश कर रही है। इसमें कोई गलती मत करना... यहाँ पुलिस बहुत समझदार है। अगर उन्हें यकीन न होता कि वो भारतीय है, तो वो ये खबर नहीं देते। इन निकम्मों को किसने

मारा? देखो, मुझे भारतीय पसंद हैं, लेकिन मेरे लिए हर भारतीय दूसरे भारतीय जैसा ही दिखता है... समझ रहे हो ना? मैं बेवकूफ नहीं हूँ। मुझे लगता है कि हर गोरा आदमी किसी भी भारतीय को दूसरे गोरे आदमी जैसा ही दिखता है... बात समझ में आती है, है ना? लेकिन सोचो! एक भारतीय इन अमीर निकम्मों को मार गिराए! जानना चाहते हो कि मुझे कैसा लग रहा है? मैं बताता हूँ: तीन अमीर निकम्मों के मारे जाने से किसे फर्क पड़ता है? जैसा मैंने कहा, रेडियो पर खबर आई थी। उस वेश्या ने उसे देखा: मैंडी लुकास। वो पेलोटा क्लब में काम करती है। यार! उस जगह के बारे में एक बात बताऊँ! उसने उस आदमी को अपनी कार से उतरते देखा... कमाल है ना? उसकी कार! मैं खाने के लिए एक कैफे में रुका और वो टीवी पर थी... टीवी पर! एक वेश्या! ठीक है, मुझे उसे गिराने में कोई दिक्कत नहीं होगी। उसमें कुछ तो है! उसके स्तन! तो... पुलिस उसे सुरक्षा दे रही है। वो कहती है कि वो इस आदमी को कभी भी चुन सकती है और पुलिस शहर के हर एक भारतीय को लाइन में खड़ा कर देगी ताकि वो उनमें से किसी एक पर उंगली उठा सके। कैसा लगा? मैं कहता हूँ, यार, ये शहर भारतीयों के लिए बहुत खतरनाक है... तो सावधान रहो! पोक, जिसका चेहरा भावहीन था, लेकिन उसकी काली आँखों में आग सी जल रही थी, ने कहा कि वह सावधान रहेगा।

***

पुलिस अधिकारी वारगेट ने जम्हाई ली, अपनी मजबूत बाहों को फैलाया और सिगरेट पीने की तीव्र इच्छा हुई। समय 2:45 था। वह पिछले दो घंटों से पेलोता क्लब के पीछे पार्किंग में खड़ा था।
उसे सार्जेंट बीगलर से निर्देश मिले थे।

“सुनो, माइक,” बीगलर ने कहा था, “लड़की के कमरे तक जाने का एकमात्र रास्ता आग से बचने वाली सीढ़ी है। वही हमारी इकलौती गवाह है। बस यह सुनिश्चित कर लो कि कोई उस तक न पहुँच पाए।” वारगेट के पैरों में दर्द हो रहा था। उसे यकीन नहीं था कि लड़की किसी खतरे में है, लेकिन यही उसका वेतन का काम था, इसलिए वह गश्त करता रहा, सिगरेट पीने की तीव्र इच्छा रखता रहा और खुद पर तरस खाता रहा।
पोक एक काले भूत की तरह इमारत के चारों ओर घूम रहा था, घने अंधेरे में दीवार से सटकर खड़ा था। उसके हाथ में चाकू था। वह वारगेट को इधर-उधर घूमते हुए देख रहा था और इंतजार कर रहा था। क्लब से ढोल की थाप और सैक्सोफोन की तीखी धुनें सुनाई दे रही थीं।
वारगेट चलना बंद करके आग से बचने वाली सीढ़ी पर झुक गया। उसने चांदनी रात में कारों से भरे पार्किंग स्थल पर चारों ओर नज़र डाली। अब क्लब बंद होने तक, यानी आधे घंटे बाद तक, यहाँ कोई नहीं होगा। उसे सिगरेट पीने की तीव्र इच्छा हुई। जैसे ही उसने माचिस जलाई, पोक ने चाकू फेंक दिया।
सैक्सोफोन की कर्कश ध्वनि ने वारगेट की चीख को दबा दिया। पोक आगे बढ़ा, चाकू निकाला, उसे वारगेट की आस्तीन पर पोंछा और फिर आग से बचने वाली सीढ़ी पर चढ़ने लगा।
क्लब की सबसे ऊपरी मंजिल पर जिन छह होस्टेस के कमरे थे, उन सभी के कमरों के दरवाजों पर उनके नाम लिखे हुए थे।
यह वह चीज थी जिस पर उनके एजेंट ने जोर दिया था।
क्लब के मैनेजर के साथ अनुबंध पर अंतिम निर्णय लेते हुए उन्होंने कहा, "लड़कियां स्टार बनना पसंद करती हैं। आप चाहते हैं कि वे खुश रहें, है ना?"

पाँच

वॉल्टन वालबेक को अपने डाक के बीच उन कई पत्रों में से पहला पत्र मिला, जो उस सप्ताह के दौरान फिफ्टी क्लब के अन्य धनी सदस्यों को प्राप्त होने वाले थे।
वालबेक लंबा, पीला और स्त्री-समान दिखने वाला व्यक्ति था, जिसे अपने पिता से काफी संपत्ति विरासत में मिली थी और ब्रिज खेलने के माहिर खिलाड़ी होने के अलावा उसने जीवन भर कोई काम नहीं किया था। अब पैंसठ वर्ष की आयु में, वह अपने परिचितों के लिए उबाऊ था - उसका कोई दोस्त नहीं था - वह खुद के लिए भी उबाऊ था और उसे मृत्यु से गहरा भय था।
आज सुबह जब वह हल्का उबला अंडा खा रहा था और अपनी चिट्ठियाँ पढ़ रहा था, तो वह सामान्य से अधिक घबराया हुआ था। श्रीमती डंक ब्रॉलर की भयानक मृत्यु ने उसे गहरा सदमा पहुँचाया था।
वह उस बुढ़िया को बिल्कुल नापसंद करता था, लेकिन ब्रिज खेलने में वह उसे अच्छी लगती थी। ऐसी बात! भयानक! फिर आठ बजे की खबरों में यह उद्दंड टिप्पणीकार बोल रहा था। पुलिस कुछ भी करने में लाचार दिख रही है। इससे वह सच में चिंतित हो गया। फिर इस महिला की हत्या... मैंडी नाम की कोई महिला... चाकू से वार किया गया! और उसकी रक्षा कर रहे पुलिस अधिकारी को भी चाकू मारा गया! सुरक्षा! क्या पुलिस इसे ही सुरक्षा कहती है!
जब उसने अपने नौकर जैक्सन को रसोई में कुछ गिराते हुए सुना तो उसकी नसें तन गईं।
उसने एक और पत्र लेने के लिए हाथ बढ़ाया और देखा कि लिफाफा उसी के नाम पर धुंधले अक्षरों में छपा है, जिसे देखकर उसके चेहरे पर

घृणा का भाव आ गया। कुछ देर झिझकने के बाद उसने लिफाफा खोला, उसमें से एक नोटपैड निकाला और उसे झट से खोल दिया।
भद्दे बड़े अक्षरों में लिखा एक संदेश था जिसने उसके दिल की धड़कन तेज कर दी और भय की ठंडी लहर उसकी रीढ़ की हड्डी में दौड़ गई।
क्या आप जीवित रहना चाहते हैं?
इन निर्देशों का ध्यानपूर्वक पालन करें:
एक लिफाफे में एक सौ डॉलर के पांच नोट रखें और आज दोपहर 12 बजे तक हवाई अड्डे की लॉबी में टेलीफोन बूथ ए में स्थित सिक्का बॉक्स के नीचे टेप से लिफाफे को चिपका दें।
हां, अगर आप मरना पसंद करते हैं तो बात अलग है।
पुलिस सुरक्षा? मैंडी लुकास से पूछिए।
करने वाला।
अपनी भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस नोट को पैसे के साथ संलग्न करें।
वालबेक ने चिट्ठी को ऐसे गिरा दिया मानो उसने उसे काट लिया हो।
घबराहट में वह उछलकर खड़ा हुआ और कमरे के उस पार टेलीफोन की ओर भागा। फिर रुक गया। उसका दिल इतनी ज़ोर से धड़क रहा था कि उसे चक्कर आने लगा।
“जैक्सन!” वह चिल्लाया और कुर्सी पर बैठ गया। “जैक्सन!”
उसका नौकर, जिसने दस साल तक उसे सहन किया था, धीरे-धीरे दरवाजे पर आया। वह वालबेक से लगभग एक साल छोटा था, लेकिन उसकी हालत उतनी अच्छी नहीं थी।
“क्या आपने फोन किया था, महोदय?”
वालबेक उसे घूरता रहा और उसे यह एहसास हुआ कि जैक्सन न केवल निकम्मा है, बल्कि शायद उसे इस भयानक घटना के घटित होने पर खुशी

भी हो रही है। वालबेक को जैक्सन की भावनाओं के बारे में कोई भ्रम नहीं था।
“नहीं...नहीं...चले जाओ! मुझे घूरते मत रहो! अपना काम करो!”
"जी श्रीमान।"
जब जैक्सन चला गया, तो वालबेक ने खुद को उठने के लिए मजबूर किया। वह शराब की अलमारी के पास गया और अपने लिए ब्रांडी का एक बड़ा शॉट निकाला। उसने उसे पी लिया, फिर शराब के असर होने का इंतज़ार किया। इंतज़ार के दौरान, उसका दिमाग एक फंसे हुए चूहे की तरह इधर-उधर भाग रहा था।
करने वाला!
उसने मैकक्यूएन और श्रीमती डंक ब्रोलर और उस महिला के बारे में सोचा जिसे रिडल ने अपनी रखैल बनाया था... अब इस मैंडी नाम की महिला के बारे में!
वह आदमी पागल था और पुलिस कुछ नहीं कर सकती थी। लड़खड़ाते हुए, वह नाश्ते की मेज पर गया और फिर से पत्र को ध्यान से देखा।
क्या उसे पुलिस को बताना चाहिए? क्या उसे अपने वकील से संपर्क करना चाहिए? वे क्या कर सकते हैं?
नहीं... सबसे अच्छा... सबसे सुरक्षित तरीका था कि वह पैसे चुका दे। वह तुरंत चुका देगा! वह बैंक जाएगा, पैसे लेगा, फिर हवाई अड्डे के लिए निकल जाएगा। ऐसा नहीं था कि यह कोई बड़ी रकम थी... पाँच सौ डॉलर... कुछ भी नहीं!

***

पोक तोहोलो अपना बैग लिए हवाई अड्डे की लॉबी में दाखिल हुआ और इंतज़ार कर रहे यात्रियों की भीड़ में घुलमिल गया। उसे टेलीफोन

बूथों की कतार के पास एक खाली सीट मिली और वह बैठ गया, अपना बैग पैरों के बीच में रख लिया। किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया: वह तुरंत ही पृष्ठभूमि का हिस्सा बन गया। वहाँ कई सेमिनोल भारतीय, फूलों वाली शर्ट और हिपस्टर्स, छोटे-छोटे समूहों में, विमानों का इंतज़ार कर रहे थे। पोक ने एक अखबार खोला और खेल पृष्ठ पढ़ने लगा।
लगभग 11:30 बजे के कुछ देर बाद उसने वाल्टन वालबेक को लॉबी में आते देखा। उसने उसे फिफ्टी क्लब में कई बार देखा था और उसे तुरंत पहचान लिया। उसने वालबेक को टेलीफोन बूथ ए की ओर जाते देखा। वहाँ एक लड़की टेलीफोन का इस्तेमाल कर रही थी और वालबेक घबराकर इधर-उधर देखते हुए, रेशमी रूमाल से अपनी ऊँची कनपटी को पोंछता रहा।
लड़की ने आखिरकार अपनी बातचीत खत्म की और बूथ से निकलकर तेज़ी से चली गई। वालबेक बूथ में दाखिल हुआ और कांच का दरवाज़ा बंद कर लिया। उसकी पीठ ने उसके काम को छिपा रखा था। कुछ क्षण बाद, वह बाहर आया, इधर-उधर नज़र घुमाई, फिर जल्दी से बाहर निकलने की ओर बढ़ गया।
पोक ने भीड़ भरी लॉबी में चारों ओर देखा। उसका मन हुआ कि वह बूथ पर जाकर देखे कि पैसे वहाँ हैं या नहीं, लेकिन उसने इस लालच को रोक लिया। यहाँ आकर वह पहले ही एक खतरनाक जोखिम उठा रहा था। क्या वालबेक ने पुलिस को सब कुछ बता दिया था? क्या पुलिस ने उसे निर्देश दिए थे और अब वे किसी के पैसे लेने का इंतजार कर रहे थे? पोक ने फिर चारों ओर देखा। उसे कोई भी पुलिसवाला नज़र नहीं आया, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं था। अगर वालबेक ने पुलिस को बता भी दिया होता, तो पुलिसवाले नज़र से ओझल हो जाते, लेकिन कहीं न कहीं

वे टेलीफोन बूथ पर नज़र रखे होते, घात लगाकर हमला करने के लिए तैयार।
वह अखबार पढ़ता रहा। बीच-बीच में लोग बूथ ए का इस्तेमाल करते थे। अगर पैसे होते भी तो वे सिक्कों के डिब्बे के नीचे बंधे होते, और अगर कोई उन्हें ढूंढ नहीं रहा होता तो उन्हें मिलने की संभावना किसकी होती?
अंततः, वह उठा और आराम से उस निकास द्वार की ओर चल पड़ा जहाँ यात्रियों को शहर ले जाने के लिए बसें इंतजार कर रही थीं।
वह निकास द्वार पर रुका, मानो उसे कुछ याद आ गया हो, फिर वालबेक द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले टेलीफोन बूथ के विपरीत दिशा में स्थित एक टेलीफोन बूथ की ओर चला गया और खुद को अंदर बंद कर लिया।

***

चक ने अपनी घड़ी देखी। समय 11:45 था। वह बिस्तर पर बैठा सिगरेट पी रहा था: उसके पैरों के बीच सिगरेट के कुछ बुझे हुए टुकड़े पड़े थे।
मेग खिड़की के पास एक कुर्सी पर बैठी नीचे हो रही गतिविधियों को देख रही थी।
वह जानती थी कि चक किसी बात का इंतजार कर रहा है, लेकिन अब उसने सवाल न पूछना सीख लिया था।
टेलीफोन की घंटी की आवाज़ सुनकर दोनों चौंक गए। चक ने झट से रिसीवर उठा लिया।
“चक?”
उसने पोक की आवाज पहचान ली।
"हाँ।"

“एयरपोर्ट… बूथ ए,” पोक ने कहा और फोन काट दिया।
चक ने रिसीवर वापस रख दिया। उसके अंदर उत्साह की लहर दौड़ गई। वह जानता था कि पोक ने तभी फोन किया होगा जब उसे यकीन हो गया होगा कि पैसे वहीं हैं... तो यह काम कर रहा था!
“तुम बाहर जा रही हो,” चक ने मेग को घूरते हुए कहा। “अब ध्यान से सुनो। एयरपोर्ट के लिए बस पकड़ो। तुम्हें पता है बस स्टेशन कहाँ है?”
उसने चुपचाप सिर हिलाया।
“जब आप हवाई अड्डे पर पहुँचें तो मुख्य लॉबी में जाएँ। अंदर जाते ही दाहिनी ओर टेलीफोन बूथों की एक कतार है। हर बूथ पर अक्षर लिखे हैं: ए, बी, सी, इत्यादि। बूथ ए पर जाएँ। अब ध्यान से सुनें: यह नंबर डायल करें।” उसने उसे कागज का एक टुकड़ा दिया। “यह शहर में स्थित पर्यटन सूचना केंद्र का नंबर है। आपको यह जानना है कि मुफ्त स्नान कहाँ उपलब्ध है।”
मेग सुन रही थी और उसकी आंखें चौड़ी होती जा रही थीं।
“बूथ इस्तेमाल करने का कोई कारण होना चाहिए,” चक ने आगे कहा। “कोई पुलिसवाला जानना चाहेगा। वो जानना चाहेगा कि तुम एयरपोर्ट पर क्यों हो। उसे बता दो कि तुम छुट्टी पर हो और तुम्हें लगा कि यहाँ घूमना मज़ेदार होगा... उसे बता दो कि तुम्हें एयरपोर्ट पसंद हैं।” उसने उसे गौर से देखा। “कोई पुलिसवाला तुमसे कुछ नहीं पूछेगा, लेकिन अगर तुम्हारी किस्मत खराब रही तो तुम्हारे पास एक कहानी तैयार होनी चाहिए। समझी?”
उसने सिर हिलाया।
“ठीक है, अब सुनो... नंबर डायल करते समय, सिक्कों के डिब्बे के नीचे हाथ फेरो। वहाँ टेप से एक लिफाफा चिपका होगा। उस लिफाफे को

अपने बैग में रख लो। किसी को भी ऐसा करते हुए मत देखने देना।
समझे?”
उसने अपने होंठ चाटे।
“तुम क्यों नहीं करते? मैं ही क्यों?” उसने भारी आवाज में पूछा।
चक उसे घूरता रहा।
क्या मुझे आपसे कोई परेशानी होने वाली है?
वह सहम गई।
नहीं... मैं करूँगा।
“ठीक है। जब तुम्हें लिफाफा मिल जाए तो तुरंत यहीं वापस आ जाना।
पोक तुम पर नज़र रख रहा होगा। याद रखना।”
उसने उसकी ओर देखा, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था।
"जो बातें की थी?"
वह मुस्कुराया, फिर उसने सिर हिलाया।
“आप सीख रहे हैं, लेकिन याद रखिए, आप पर नज़र रखी जाएगी। अब जाइए।”
उसने अपना पुराना सा पर्स उठाया और कमरे से बाहर चली गई। उसने लकड़ी की सीढ़ियों पर उसके कदमों की आहट सुनी, फिर जब उसे यकीन हो गया कि वह चली गई है, तो वह सीढ़ियों से नीचे भागा, डेस्क के पीछे बैठे मोटे भारतीय को सिर हिलाकर अभिवादन किया और धूप में बाहर निकल गया।
भीड़ में से तेज़ी से आगे बढ़ते हुए वह बस स्टेशन की ओर बढ़ा। बस स्टेशन नज़र आते ही वह एक केले के स्टॉल के पीछे रुक गया। उसने मेग को कुछ लोगों के साथ इंतज़ार करते देखा, फिर जब बस आई तो उसने उसे बस में चढ़ते हुए देखा।
बस के जाते ही वह तट के किनारे दौड़कर खड़ी ब्यूक कार तक पहुंचा। गलियों से होते हुए और तेज़ गति से गाड़ी चलाते हुए वह

बस से दस मिनट पहले हवाई अड्डे पर पहुंच गया। वह हवाई अड्डे की लॉबी में दाखिल हुआ और ऐसी जगह ढूंढने लगा जहां से वह टेलीफोन बूथों की कतार को देख सके और साथ ही किसी की नज़र से ओझल भी रहे। जैसे ही वह एक समाचार स्टॉल के पास खड़ा हुआ, उसने मेग को जल्दी से अंदर आते देखा। उसने उसे बूथ ए की ओर जाते हुए देखा और मन ही मन सिर हिलाया।
घबराहट का कोई नामोनिशान नहीं... डर का कोई संकेत नहीं।
उसने उसे बूथ में कदम रखते और दरवाज़ा बंद करते देखा। तभी उसके पेट की मांसपेशियां कस गईं। अचानक कहीं से दो जासूस प्रकट हुए। सादे कपड़ों में होने के बावजूद, उन्हें पहचानने में कोई गलती नहीं हुई: लंबे-चौड़े, साफ-सुथरे, चुस्त-दुरुस्त, चौड़े कंधों वाले और दृढ़ निश्चयी आदमी। वे भीड़ को चीरते हुए टेलीफोन बूथों की कतार की ओर बढ़े और चक के चेहरे से पसीने की एक बूँद बह निकली।
क्या मेग उसकी पोल खोल देगी? यही पहला ख्याल उसके मन में आया। उसे यहाँ से और इस शहर से निकल जाना चाहिए! वह इतना डरा हुआ था कि हिल भी नहीं पा रहा था, बस खड़ा देखता रहा।
जासूस बूथों की कतार से हटकर एक युवा सेमिनोल भारतीय के सामने आकर रुक गए, जो अभी-अभी लॉबी में आया था।
चक ने अपनी ठुड्डी से पसीना झाड़ा और एक लंबी, धीमी साँस ली। उसने देखा कि एक भारतीय जासूसों के साथ जा रहा है, विरोध कर रहा है और हाथ हिला रहा है जबकि लोग उसे घूर रहे हैं। जासूसों ने उस भारतीय को एक कोने में धकेल दिया और उससे सवाल-जवाब करने लगे। चक ने ठीक समय पर मेग को टेलीफोन बूथ से बाहर निकलते और निकास द्वार की ओर जाते हुए देखा। उसने यह नहीं देखा था कि क्या हो रहा

था, लेकिन वह इतनी तेज़ी से चल रही थी कि उसे लापरवाही भरा नहीं कहा जा सकता था।
चक को एक बार फिर डर का तेज झटका लगा।
अगर किसी पुलिसवाले ने उसे देखा और सोचा कि वह लगभग दौड़ क्यों रही है!
लेकिन चक को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं थी। दोनों जासूस भारतीय से पूछताछ करने में इतने व्यस्त थे।
अकड़े हुए पैरों से चलते हुए चक हवाई अड्डे से निकला। वह मेग को बस में चढ़ते हुए देखने के लिए समय पर पहुँच गया, फिर वह जल्दी से उस जगह की ओर भागा जहाँ उसने अपनी ब्यूक कार पार्क की थी। मेग की बस में केवल पाँच लोग थे। उसने किराया दिया और फिर बस के आखिरी छोर पर जाकर अकेली बैठ गई। बस चालक ने उसे उत्सुकता से देखा। वह जानती थी कि वह बहुत बुरी दिख रही होगी। ठंड से उसकी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई और जैसे ही वह बैठी, वह कांपने लगी।
उसे उम्मीद थी कि अन्य यात्रियों में से किसी ने भी उसकी हालत पर ध्यान नहीं दिया होगा।
वह कुछ मिनटों तक कंपकंपी को नियंत्रित करने की कोशिश करती रही, फिर जैसे ही बस राजमार्ग पर सरपट दौड़ने लगी और उसने देखा कि कोई भी उसकी तरफ मुड़कर नहीं देख रहा है, उसे थोड़ा आराम महसूस होने लगा।
बस के भारी ट्रैफिक में फंसने तक वह इंतजार करती रही, फिर उसने अपना बैग खोला। उसने उसमें से सिक्कों के डिब्बे के नीचे टेप से चिपका हुआ एक लिफाफा निकाला। उसने उसे देखा, पलटा, झिझकी, फिर क्योंकि उसे जानना ही था, उसने अपने बैग से एक नेल फाइल निकाली और उससे लिफाफे को फाड़ दिया।

उसने लिफाफे से सौ-सौ डॉलर के पाँच नोट निकाले। इतने सारे पैसे देखकर वह डर से कांप उठी, फिर उसे जल्लाद का संदेश मिला। डर की जगह दहशत ने ले ली। उसके मुँह में लार भर आई। एक पल के लिए उसे लगा कि उसे उल्टी हो जाएगी, लेकिन किसी तरह उसने खुद को संभाला। उसने संदेश दोबारा पढ़ा, उसे पता था कि उसके शरीर से ठंडा पसीना बह रहा है।
तो अब उसे पता चल गया! तो अब जो उसे शक था, वह सच हो गया!
करने वाला!
झांकना!
उसने कितने लोगों को मारा था? याद करने की कोशिश करते हुए उसका दिमाग कांप उठा। लेकिन क्या इससे फर्क पड़ता है कि कितने? एक ही काफी था!
कांपते हाथों से उसने पैसे और नोट को वापस लिफाफे में और लिफाफे को वापस बैग में रख दिया।
और चक उस भयानक भारतीय के साथ उलझ गया था... और वह भी!
वह धूल भरी खिड़की से बाहर देखती रही, उसे ताड़ के पेड़, समुद्र तट और नहाने वाले लोग दिखाई दे रहे थे, जबकि उसका दिमाग आतंक से स्तब्ध था।
फिर उसने खुद को सोचने के लिए मजबूर किया।
पोक लोगों को डरा-धमकाकर उनसे पैसे वसूल रहा था और उस लड़की का इस्तेमाल पैसे इकट्ठा करने के लिए कर रहा था! पुलिस उसका इंतज़ार कर रही हो सकती थी! सिक्कों के डिब्बे के नीचे से लिफाफा निकालते ही पुलिस उसे गिरफ्तार कर सकती थी!
हत्या!
नहीं! चक के चक्कर में हत्या का आरोप लगना उसके लिए जायज़ नहीं था! उसका दिमाग इधर-उधर भटक रहा था। उसे क्या करना चाहिए? फिर से

उसके मुंह में लार भर आई: फिर से उसे उल्टी रोकने के लिए संघर्ष करना पड़ा।
पुलिस के पास जाएं?
वह कांप उठी। पुलिस! उसने कल्पना की कि वह पुलिस स्टेशन में जाकर उन्हें सब कुछ बताने की कोशिश कर रही है। अगर वे उसकी बात मान भी लें, तो क्या करेंगे? उसे उसके माता-पिता के पास वापस भेज देंगे? या शायद उसे किसी ऐसे आश्रयगृह में भेज देंगे जहाँ सुरक्षा की सख्त ज़रूरत हो! उसका दिमाग उसके सिर में पिनबॉल की तरह घूम रहा था।
उसने अपने पैर आपस में बांधे और फिर खोले। उसने मुट्ठियाँ भींचीं, उन्हें अपने घुटनों पर पटका, फिर रुक गई और डर से बस के गलियारे की ओर देखने लगी। किसी ने भी उसकी तरफ मुड़कर नहीं देखा। वह इन पाँचों लोगों पर चिल्लाना चाहती थी: मेरी मदद करो! खुद को शांत करते हुए उसने कहा, अब बस एक ही रास्ता बचा है। उसे तुरंत मियामी जाना होगा। मियामी से उसे पैराडाइज़ सिटी से जितना दूर हो सके उत्तर की ओर जाना होगा। उसे खो जाना होगा: चक को भूल जाना होगा, नए सिरे से शुरुआत करनी होगी।
एक बार जब उसने यह निर्णय ले लिया, तो उसने बिना घबराहट के सोचना शुरू कर दिया।
ठीक है, उसने सोचा, मैंने इसका हल निकाल लिया है। उससे कुछ मील आगे एक ग्रेहाउंड बस स्टेशन था। वह ड्राइवर से उसे वहाँ उतारने के लिए कहेगी। वह ग्रेहाउंड से मियामी जाएगी। वहाँ से... निराशा की ठंडी उंगलियों ने उसे जकड़ लिया।
उसके सारे कपड़े उस मोटे भारतीय के चलाए जा रहे उस भयानक कमरे में थे! उसके पास कुछ नहीं था। वह क्या सोच रही थी? वह मियामी कैसे पहुँच सकती थी? उसके बैग में दो डॉलर से भी कम थे!

कुछ क्षणों तक वह खिड़की से बाहर देखती रही।
दो डॉलर? उसे क्या हो गया था? उसके पास तो पाँच सौ डॉलर थे! क्या वो इस पैसे का इस्तेमाल करने की हिम्मत करेगी? क्या इससे वो अपराध में भागीदार या पुलिस की भाषा में कुछ और नहीं बन जाएगी? लेकिन भाग निकलने के लिए! इस बुरे सपने से छुटकारा पाने के लिए! अगर वो इस पैसे का इस्तेमाल नहीं करती तो वो पागल ही होगी!
उसने एक लंबी, कांपती हुई सांस ली।
पांच सौ डॉलर से वह न्यूयॉर्क जा सकती थी। वहां वह सुरक्षित रहेगी... और उसे काम भी मिल जाएगा!
उसकी कंपकंपी रुक गई और उसका आत्मविश्वास लौट आया। चुपके से उसने अपना बैग खोला और लिफाफे से निकाले बिना ही उसमें रखे पांच सौ डॉलर के नोटों को टटोला।
वह ऐसा कर देगी!
राहत की दबी हुई सिसकी के साथ उसका शरीर कांप उठा।
अब और चक नहीं! अब और पोक नहीं! अब और पुलिस नहीं!
बिना किसी हिचकिचाहट के, उसने बैग बंद किया, उठी और ड्राइवर की ओर गलियारे से चलकर गई।
“क्या आप कृपया ग्रेहाउंड स्टेशन पर रुकेंगी?” उसने अपनी स्थिर आवाज पर आश्चर्य जताते हुए कहा। “ज्यादा दूर नहीं है, है ना?” बस चालक पाँच बेटियों का पिता था। वे सभी अच्छी, नेक और साफ-सुथरी बच्चियाँ थीं: सबसे बड़ी बेटी लगभग इस लड़की की उम्र की थी, उसने सोचा। खैर, वह भाग्यशाली था! भगवान का शुक्र है, उसकी बेटियाँ सभ्य थीं। यह लड़की! उसे मेग के पसीने की बदबू आ रही थी। उसने उसके गंदे कपड़ों पर नज़र डाली। भगवान का शुक्र है, वह उसका बाप नहीं था!

“हाँ...लगभग दो मिनट,” उसने उससे नज़रें हटाते हुए कहा। “मैं रुक जाता हूँ।”
"धन्यवाद," मेग ने कहा और अपनी सीट पर वापस चली गई।
कुछ मिनट बाद बस व्यस्त ग्रेहाउंड बस स्टेशन के बाहर रुक गई। बस के धीमा होते ही मेग गलियारे से नीचे आ रही थी। बस की तीन खड़ी सीढ़ियों से उतरते हुए उसने जबरदस्ती मुस्कुराने की कोशिश की।
"धन्यवाद।"
“और धन्यवाद,” ड्राइवर ने भारी व्यंग्य के साथ कहा। उसने गियर लगाया और बस आगे बढ़ गई।
अपना हैंडबैग पकड़े हुए मेग टिकट काउंटर की ओर चल पड़ी।
"नमस्ते!"
वह आवाज़ उसके दिल में चाकू की तरह चुभी। वह मुड़ी, उसका शरीर अचानक बर्फ़ की तरह ठंडा पड़ गया।
चक ब्यूक की खिड़की से बाहर झुक रहा था। वह मुस्कुरा रहा था। “क्या तुम लिफ्ट लेना चाहोगी, बेबी?” उसने पूछा।

***

एलियट हैनसेन को दुनिया के महान ब्रिज खिलाड़ियों में से एक माना जाता था, लेकिन इस तथ्य के कारण कि वह एक स्पष्ट समलैंगिक थे और उन्हें प्रतिस्पर्धी ब्रिज से कोई लेना-देना नहीं था, वह फिफ्टी क्लब के सचिव बनकर ही संतुष्ट थे।
इस गर्म, धूप भरी दोपहर में, वह अपनी डेस्क के पीछे बैठा था, और जासूस लेप्सकी को उसी तरह देख रहा था जैसे आप किसी बड़ी, बालों

वाली मकड़ी को देखते हैं जो अप्रत्याशित रूप से आपके बाथटब में गिर गई हो।
एलियट हैनसेन लंबा, आकर्षक और देखने में बेहद प्रभावशाली था। उसके घने सफेद बाल कॉलर तक आते थे। उसके दांत, जिन्हें वह दिन में कम से कम तीन बार साफ करता था, मुस्कुराने पर चमक उठते थे। वह साठ साल का होने का दावा करता था, लेकिन अगर आप उसमें सात साल और जोड़ दें तो भी शायद उसकी उम्र गलत हो। वह सिर्फ बेहद अमीर लोगों से ही मिलता-जुलता था। वह ऐशो-आराम में रहता था और सिर्फ '29 या '59 शैतो की बोतलबंद शराब पीता था। वह क्लब में विलासिता की छोटी सी दुनिया में रहता था, लेकिन अब भी, किसी भी आकर्षक युवक को देखते ही शौचालय में उसके साथ थोड़ी देर के लिए संबंध बनाने से पीछे नहीं हटता था।
पुलिस प्रमुख टेरेल ने फैसला किया था कि अगर कोई हैनसेन को संभाल सकता है तो वह लेप्सकी ही होगा, जो जमीन से जुड़ा हुआ, घमंडी नहीं, धन से अप्रभावित और सबसे बढ़कर महत्वाकांक्षी था। “जी?” हैनसेन ने अपनी कोमल, मधुर आवाज में पूछा। उन्होंने अपनी कलाई से एक सुगंधित रेशमी रूमाल निकाला और उसे अपनी सुंदर नाक के सामने लहराया।
अपनी पुलिस वाले लहजे में, जिसे सुनकर हैनसेन असहज हो गया, लेप्सकी ने बताया कि वह यहाँ क्यों आया था।
एलियट हैनसेन अंग्रेज थे। कई साल पहले वे एक ड्यूक के मुख्य सेवक थे, जब तक कि ड्यूक एक स्काउट लड़के के साथ मुसीबत में नहीं पड़ गए। फिर जब अंग्रेजी पुलिस हैनसेन की हरकतों से तंग आ गई, तो उन्होंने देश छोड़ दिया और फ्लोरिडा के सबसे प्रतिष्ठित ब्रिज क्लब में सचिव का पद सहर्ष स्वीकार कर लिया।

हैनसेन लेप्सकी की बातें सुन रहा था, उसे मुश्किल से ही विश्वास हो रहा था कि वह सही सुन रहा है।
लेकिन, मेरे प्यारे दोस्त, ऐसा होना तो बिलकुल असंभव है! हमारे नौकरों में से कोई? नहीं! नहीं! अकल्पनीय!
लेप्सकी समलैंगिकों से उतनी ही नफरत करता था जितनी हैनसेन जासूसों से। वह बेचैनी से इधर-उधर घूमता था।
“हम एक भारतीय की तलाश कर रहे हैं,” उन्होंने कहा। “हमारे पास जो विवरण है, उसके अनुसार उसकी उम्र लगभग 23 से 25 वर्ष है, उसके घने काले बाल हैं और वह फूलों वाली कमीज और गहरे रंग की पैंट पहनता है। क्या आपके पास यहाँ कोई ऐसा भारतीय काम करता है जो इस विवरण से मेल खाता हो?”
“इतने जवान?” हैनसेन चौंक गया। “नहीं... नहीं... हमारे सभी भारतीय नौकर बूढ़े हैं। वे यहाँ सालों से काम कर रहे हैं... सचमुच सालों से, और जहाँ तक फूलों वाली कमीज़ पहनने की बात है।” उसने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और हँस पड़ा। लेप्सकी को उसकी हँसी किसी घोड़ी के हिनहिनाने जैसी लगी।
“हाँ... लेकिन इसे हमारे नज़रिए से देखिए,” लेप्सकी ने कहा। “आपके क्लब के दो सदस्यों की हत्या कर दी गई है। तीसरे ने आत्महत्या कर ली है: उसकी प्रेमिका की हत्या कर दी गई है। हम सोच रहे हैं कि क्या इस हत्यारे और इस क्लब के बीच कोई संबंध है। हम जानते हैं कि वह एक सेमिनोल इंडियन है। समझ रहे हैं ना? हो सकता है कि आपका कोई कर्मचारी आपके सदस्यों को निशाना बना रहा हो।” हैनसेन ने घमंडी मुस्कान के साथ अपने कृत्रिम दांत दिखाए। “मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, मेरे प्रिय मित्र... आपकी सोच बिलकुल गलत है। हमारे सेवक वर्षों से हमारे साथ हैं... सचमुच वर्षों से।

वे हम सभी से प्यार करते हैं। आपको इसका अंदाजा भी नहीं है। ये भारतीय बहुत वफादार हैं। वे सचमुच हमसे प्यार करते हैं।” “क्या उनमें से किसी को क्लब के खिलाफ कोई शिकायत नहीं हो सकती?” लेप्सकी ने जोर देकर पूछा। “कोई ऐसा व्यक्ति जिसे लगता हो कि उसके साथ अन्याय हुआ है?”
“क्या यह एक बुरा सौदा था?” हैनसेन सचमुच हैरान थे। “यहां कर्मचारियों के साथ हमेशा बहुत अच्छा व्यवहार किया जाता है। हम सब एक बड़ा, खुशहाल परिवार हैं।”
लेप्सकी नाक से जोर-जोर से सांस ले रहा था।
"क्या आपको कभी अपने किसी कर्मचारी को बर्खास्त करने का कारण मिला? शायद कोई ऐसा व्यक्ति जो आपके मानकों पर खरा नहीं उतरा हो?"
हैनसेन अपने सोने के फाउंटेन पेन से खेल रहे थे। वह उनके हाथों से फिसलकर डेस्क पर लुढ़क गया। उन्हें हल्का सा झटका लगा, मानो उनके दांत में दर्द हो रहा हो। लेप्सकी ने उनकी यह प्रतिक्रिया देख ली।
कुछ देर का विराम रहा, फिर हैनसेन ने अपना पेन उठाया और उससे दोबारा खेलने लगे।
“खैर, मुझे लगता है... अतीत में... हाँ, यह संभव है,” उसने धीरे- धीरे और अनिच्छा से कहा।
उसका मन उस युवक भारतीय की ओर लौट गया। कितना समय बीत गया था... चार महीने? अब तक उसने उस घटना को भुला दिया था, लेकिन अब वह स्मृति भयावह स्पष्टता के साथ वापस आ गई। उसका नाम क्या था? तोहोलो?
हाँ... उसके पिता बीस साल से क्लब में काम कर रहे थे। उसे याद है कि बूढ़ा आदमी उसके पास आया था और पूछा था कि क्या उसका बेटा

क्लब में काम कर सकता है। जब उसने उसे देखा, तो वह मान गया... एक प्यारा, सुंदर कद-काठी वाला लड़का! लेकिन कितना निर्दयी! वह पल जब उसने उस पर मुस्कुराया था... वे दोनों वॉशरूम में अकेले थे और जब उसने उसे छुआ था।
हैनसेन सहम गया। कितना क्रूर! यह बहुत डरावना था। ज़ाहिर है, वह बहक गया था। लड़का बहुत ही धोखेबाज़ लग रहा था। उसे उससे छुटकारा पाना ही था। उसने अपने पिता को यह समझाने में सावधानी बरती थी कि वह लड़का क्लब में ठीक नहीं है... बहुत छोटा है। बूढ़े ने उसे घूर कर देखा। हैनसेन अपनी कुर्सी पर बेचैनी से हिलने लगा। उसे अभी भी उसकी काली आँखों में तिरस्कार दिखाई दे रहा था। लेकिन वह इस भयानक जासूस को तोहोलो के बारे में बता ही नहीं सकता था। जिस क्षण उसने समझाने की कोशिश की... नहीं! यह असंभव था! "क्या आपको कोई ऐसा खास भारतीय याद है जिसे आपको हटाना पड़ा था?" लेप्सकी ने दोहराया।
पुलिसवाले की सख्त आवाज ने हैनसेन के मन को झकझोर दिया।
“ऐसा सालों से नहीं हुआ है,” उन्होंने कहा। “आप जानते ही हैं कि कैसा होता है।” उन्होंने लेप्सकी की ओर देखा, फिर उनकी निगाहें इधर-उधर घूमीं। “बेशक, वे बूढ़े हो जाते हैं। फिर हम उन्हें पेंशन दे देते हैं।”
लेप्सकी को पता था कि उसे कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिल गया है। क्या आप अपने कर्मचारियों का रजिस्टर रखते हैं?
हैनसेन ने पलकें झपकाईं। उन्होंने अपना रेशमी रूमाल निकाला और अपनी कनपटी को छुआ।
"बिल्कुल।"
"क्या मैं इसे देख सकता हूँ?"

लेकिन मैं आपको यकीन दिलाता हूं, आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं।
लेप्सकी अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए। उनका दुबला-पतला चेहरा देखकर हैनसेन को बाज की याद आ गई।
“मुझे समय बर्बाद करने के लिए पैसे मिले हैं,” उसने कहा। “या आप नहीं चाहते कि मैं इसे देखूं?”
हैनसेन को अचानक चक्कर आने लगा। उन्होंने अपनी गरिमा का सहारा लिया।
“मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप अभद्रता न करें,” उन्होंने कांपती हुई आवाज़ में कहा। “यदि आप रजिस्टर देखना चाहते हैं, तो देख सकते हैं।”
लेप्सकी की पुलिसवाली वाली आंखें निराशा से घूर रही थीं।
मैं यही देखना चाहता हूं।
"बेशक।"
हैनसेन ने अपनी डेस्क की दराज खोली। उन्होंने चमड़े की जिल्द वाली एक किताब लेप्सकी को दे दी।
लेप्सकी ने नामों की उस सूची का अध्ययन किया जिसका उनके लिए कोई अर्थ नहीं था, लेकिन अब उन्हें यकीन हो गया था कि हैनसेन कुछ छिपाने की कोशिश कर रहा था।
“मुझे इसकी एक प्रति चाहिए। हम इन सभी लोगों से बात करना चाहेंगे,” उसने संक्षिप्त लहजे में कहा और किताब को मेज पर पटक दिया।
"बिल्कुल।"
हैनसेन बिना हिले-डुले बैठे रहे। दोनों आदमियों ने एक-दूसरे को देखा, फिर लेप्सकी ने कहा, "मैं इंतजार करूंगा।"
"बिल्कुल।"

हैनसेन लड़खड़ाते हुए उठे, किताब उठाई और एक दरवाजे से होते हुए बाहरी दफ्तर में चले गए। लगभग पाँच मिनट बाद, वे वापस लौटे और लेप्सकी को एक कागज़ का टुकड़ा थमा दिया।
“ये लो... इससे कोई फायदा नहीं होगा, लेकिन ये लो।”
लेप्सकी ने नामों की सूची का अध्ययन किया, फिर उसने ऊपर देखा और उदास निगाहों से हैनसेन को घूरने लगा।
उन्होंने कहा, “एक नाम गायब है। आपके रजिस्टर के अनुसार, आपके यहाँ पंद्रह भारतीय काम करते हैं। यहाँ तो केवल चौदह नाम हैं।” हैनसेन का चेहरा लटक गया।
"माफ़ कीजिए... आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि मुझे अपने कर्मचारियों से कितनी परेशानी होती है। मेरी सचिव तो लगभग बेवकूफ ही है।"
“क्या यह सही है?” लेप्सकी ने रजिस्टर के लिए हाथ बढ़ाया, जो अभी भी हैनसेन के हाथ में था। हैनसेन का चेहरा पीला पड़ गया था, और उसने रजिस्टर उसे दे दिया।
लेप्सकी ने रजिस्टर में मौजूद नामों का मिलान हैनसेन द्वारा दी गई सूची से किया।
“तोहोलो? वह कौन है?” उसने पूछा।
हैनसेन ने अपने सूखे होंठों को चाटा।
“क्या उसने टोहोलो का नाम सूची से हटा दिया? ये तो बहुत अजीब बात है! वो हमारा सबसे बुजुर्ग और सबसे भरोसेमंद है! मैं आपको यकीन दिलाती हूँ कि आपको उसके बारे में ज़रा भी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। टोहोलो! अरे, वो तो बीस साल से हमारे साथ है!”
लेप्सकी उठ खड़ा हुआ।

“ठीक है… आपको परेशान करने के लिए क्षमा करें।” वह दरवाजे की ओर बढ़ा, फिर रुका, “अगर मैं अभी तोहोलो से बात करूँ तो क्या आपको चिंता होगी?”
हैनसेन अपनी कुर्सी पर धंस गए। उन्होंने अपना सोने का पेन उठाया और उसे घूरने लगे। अब वे अपनी उम्र से कहीं अधिक बूढ़े दिख रहे थे, और इसी वजह से वे वाकई बहुत बूढ़े लग रहे थे।
“जब तक आप इस क्लब के सदस्यों को असुविधा नहीं पहुंचाते, तब तक आप उनसे बात कर सकते हैं,” उन्होंने भारी आवाज़ में कहा। “वह आपको बार में मिलेंगे।”
और वह कहाँ है?
हैनसेन सोने के पेन को लगातार घूरता रहा।
"गलियारे के बिल्कुल आखिरी छोर पर: आपके बाईं ओर का दरवाजा।" फिर उसने खुद को संभाला। उसे कोशिश करनी ही होगी, उसने मन ही मन कहा। वह अपनी बनाई हुई जिंदगी को बिखरने नहीं दे सकता था। उसने ऊपर देखा और लेप्सकी को बेबसी से घूरने लगा। "लेकिन मैं आपको यकीन दिलाता हूँ... आप अपना समय बर्बाद करेंगे।"
“हां... तुमने यह पहले भी कहा था,” लेप्सकी ने कहा और कमरे से बाहर निकल गया।
हैनसेन ने कलम नीचे गिरा दी। एक भयानक भय ने उसे जकड़ लिया। उसका मन बीस साल पहले के उस पल में चला गया जब उसके एक अच्छे दोस्त ने उसे फोन करके चेतावनी दी थी कि पुलिस उसके बारे में पूछताछ कर रही है और उसे इंग्लैंड छोड़ देना चाहिए... वही भयानक डर जो वह फिर कभी महसूस नहीं करना चाहता था।
लेकिन अगली सुबह उन्हें एक बार फिर उसी स्थिति का सामना करना पड़ा जब उन्हें एक पत्र मिला जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या

[illegible]

***

[illegible]

“[illegible]”
[illegible]
“[illegible]”
[illegible]
“[illegible]”
[illegible]
“[illegible]”
[illegible]

उसने सिर हिलाया, फिर हिम्मत जुटाकर बोली, “अब मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं रहेगा!” उसकी आवाज़ कर्कश और भारी थी। “मैं छोड़ रही हूँ! मैं किसी को कुछ नहीं कहूँगी! वादा करती हूँ! लेकिन मैं छोड़ रही हूँ!”
“ओह, ज़रूर।” चक ने नोटों को मोड़कर अपनी कमीज़ की जेब में रख लिया। “बहुत से सनकी लोग हार मान लेते हैं... कुछ भाग्यशाली होते हैं... लेकिन तुम नहीं मानोगी, जान।”
वह घबराकर उसे घूरते हुए अपनी मुट्ठियों को आपस में पीट रही थी। “मैं वादा करती हूँ! मैं कुछ नहीं कहूँगी! बस मुझे जाने दो! यह भारतीय पागल है! क्या तुम एक पागल भारतीय से उलझना चाहते हो?” फिर से उसने अपने घुटनों के बीच मुट्ठियाँ रख लीं और आगे-पीछे हिलने लगी। “चक! सोचो! चलो यहाँ से भागते हैं! वह लोगों की हत्या कर रहा है! प्लीज़, चक, मेरी बात सुनो!”
आसमान से एक बड़ी लाल और सफेद बीच बॉल गिरी, कार के विंग से टकराई और फिर विंडशील्ड से जा टकराई। चक और मेग दोनों चौंक कर पीछे हट गए।
एक छोटा लड़का, जिसने एक छोटी सी चप्पल पहनी हुई थी और जिसका पतला शरीर धूप से भूरा हो गया था, गेंद पकड़ने के लिए दौड़ता हुआ आया। गेंद उठाते ही उसने चक की ओर देखकर मुस्कुराया।
“माफ़ कीजिए साहब,” बच्चे ने कहा, थोड़ी देर रुका, फिर बोला। “क्या आप लात मारना चाहते हैं?”
“ज़रूर।” चक गाड़ी से बाहर निकला। बच्चे से गेंद लेकर उसने उसे रेत पर उछाला और फिर हवा में ऊँचा उछाल दिया। खुशी से चीखते हुए बच्चा गेंद के पीछे भागा जो समुद्र की ओर तैरती जा रही थी।
चक वापस कार में बैठ गया।

“अच्छा बच्चा है,” उसने कहा। “जानते हो? जब मैं उसकी उम्र का था, तब मेरे पास कभी गेंद नहीं थी... मेरे पास कुछ भी नहीं था।”
“मैं नौकरी छोड़ना चाहती हूँ!” मेग ने तीखी आवाज़ में कहा। “क्या तुम मेरी बात सुनोगे! मैं नौकरी छोड़ रही हूँ!”
चक ने जल्लाद का नोट उठाया और उसे पढ़ा, फिर उसने उसकी तरफ देखा। “क्या तुम जिंदा रहना चाहती हो, जान?” उसने पूछा।
वह अपने कपड़ों के अंदर सिकुड़ती हुई सी प्रतीत हुई और उससे और दूर हट गई।
“क्या मुझे इसे साफ़-साफ़ बताना पड़ेगा?” वह आगे बोला। “ठीक है, तो वह पागल है। यह तुम्हारी बदकिस्मती है। यह मेरी बदकिस्मती भी हो सकती है। अगर तुम्हें ऐसा लगता है तो तुम वहाँ से निकल जाओ, लेकिन तुम ज़्यादा दूर नहीं जा पाओगे। जब तुम किसी पागल भारतीय के साथ फँस जाते हो, तो समझ लो कि तुम किसी खास चीज़ के साथ फँस गए हो। लेकिन अगर तुम निकलना चाहते हो, तो निकल जाओ, पर खुद से पूछो कि तुम कितनी दूर जा पाओगे। ठीक है, मान लो कि तुम मियामी तक पहुँच जाते हो? मुझे नहीं लगता कि तुम बिना पैसे के वहाँ पहुँच पाओगे, लेकिन मान लो कि तुम पहुँच जाते हो? मियामी पहुँचने का क्या फ़ायदा अगर तुम्हारे पेट में चाकू लग जाए या तुम्हारे सिर में गोली लग जाए?” उसने चिट्ठी पर हाथ फेरा। “तुमने इसे पढ़ा है, है ना? खुद से यही सवाल पूछो: क्या तुम ज़िंदा रहना चाहते हो?”
मेग ने असमंजस की स्थिति में अपने बालों को कंधों से ऊपर उठाया। “तुम मुझे डरा नहीं सकते! मुझे परवाह नहीं! मैं नौकरी छोड़ रहा हूँ!”
चक ने अपनी नाक खुजलाना शुरू कर दिया।

“जानते हो? तुम मुझे बोर करने लगे हो। जाओ... छोड़ दो। इस कार से निकल जाओ, लेकिन एक चीज़ है जो मैं नहीं करूँगा...”
वह उसे घूरती रही।
"मैं तुम्हारे अंतिम संस्कार के लिए एक भी फूल नहीं खरीदूंगा," उसने अंत में कहा।
"नमस्कार, महोदय!"
वह बच्चा फिर से वापस आ गया था।
चक ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
"क्या आपको एक और लात चाहिए, महोदय?"
चक ने मेग की तरफ देखा।
"दफा हो जाओ... मेरे पास मेहमान हैं।"
वह गाड़ी से बाहर निकला और गेंद लेकर उसे हवा में बहुत ऊपर उछाल दिया। फिर वह बच्चे के साथ समुद्र की ओर भागा और जैसे ही गेंद उछली, उसने बच्चे को गेंद दे दी, फिर उससे गेंद छीन ली और दोबारा समुद्र की ओर उछाल दी।
मेग उन्हें देख रही थी।
अकेलापन, भविष्य में कुछ भी न होने की निराशा और डर ने उसे कार में ही रोके रखा।
जब चक बच्चे के साथ गेंद का खेल खत्म करके टहलते हुए वापस उसके पास आया, तब भी वह वहीं थी।

***

समुद्रतट के किनारे आधे मील तक फैली दुकानें ही शहर का बाज़ार थीं: यहाँ केले, संतरे से लेकर कछुए, झींगे और यहाँ तक कि स्पंज

तक, स्थानीय उत्पाद की हर चीज़ बिकती थी। हर दुकान पर रंग-बिरंगी छज्जी लगी होती थी।
अधिकांश स्टॉल मालिक भारतीय थे।
पोके तोहोलो संतरों से लदे एक स्टॉल के पीछे खड़ा था। यह स्टॉल जुपिटर लूसी नाम की एक भारतीय महिला का था।
लूसी एक छोटे, खुशमिजाज, रबर की गेंद जैसे व्यक्ति थे, जो अमीर लोगों और पुलिस से नफरत करते थे, लेकिन अपनी चतुराई से मुसीबतों से दूर रहे थे। बंदरगाह पर उन्हें एक 'सुरक्षित' व्यक्ति के रूप में जाना जाता था क्योंकि वे कभी सवाल नहीं पूछते थे और अपने निजी मामलों के अलावा किसी और मामले में दखल नहीं देते थे। जब पोक उनके पास आया और बिना वेतन के नौकरी करने की इच्छा जताई, तो लूसी ने तुरंत फैसला कर लिया।
वह पोक के पिता को जानता था। वह जानता था कि पोक विद्रोही स्वभाव का है। वह यह भी जानता था कि पोक उससे बिना वेतन के नौकरी कभी नहीं मांगेगा, सिवाय तब जब उसे किसी के नाम पर काम करने का बहाना चाहिए हो। उसने बिना किसी झिझक के सहमति दे दी।
इसलिए जब पसीने से तरबतर सादे कपड़ों में दो जासूस आखिरकार स्टॉल पर पहुंचे, तो लूसी वहां पोक की उपस्थिति के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए मौजूद थी।
जासूस जानते थे कि उनका मिशन वैसे भी बेकार था। वे चिलचिलाती धूप में आधा मील पैदल चलकर आए थे, दुकानों पर रुकते हुए सवाल पूछते और नाम नोट करते हुए, लेकिन वे जानते थे कि भारतीयों की जाँच करना समय की सरासर बर्बादी थी।
“वह मेरा चचेरा भाई है,” जासूसों द्वारा पोक के बारे में पूछे जाने पर लुसी ने अपने सोने के दांत दिखाते हुए खुशी से मुस्कुराते हुए कहा। “वह बहुत अच्छा लड़का है... बिल्कुल मेरी

तरह। हमारा नाम एक ही है... लुसी। उसका नाम जो है और मेरा नाम जुपिटर है।”
जासूसों ने नाम लिख लिए और आगे बढ़ गए, यह जानते हुए कि अब बहुत कुछ बीत चुका है।
लूसी और पोक ने एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराया।
लेकिन जासूस मैक्स जैकोबी, जिसे सभी बाहरी इलाकों के मोटलों की जांच करने का काम सौंपा गया था, थोड़ा अधिक सफल रहा।
श्रीमती बर्था हैरिस को सभी पुलिसवाले नापसंद थे। लगभग तीस साल पहले, उन्हें एक सेल्फ-सर्विस स्टोर से सामान चुराते हुए पकड़ा गया था और जिस पुलिसवाले ने उन्हें पकड़ा था, उसके बुरे बर्ताव को वह कभी नहीं भूल पाई थीं। इसलिए जब जैकोबी वेलकम मोटल पहुंचा, तो उन्होंने ठान लिया कि वह हर संभव तरीके से पुलिसवालों से बदला लेंगी।
हमेशा की तरह वह एक हैमबर्गर खा रही थी। उसे सैम के बनाए हुए हैमबर्गर पसंद थे, जिनमें मांस से ज़्यादा प्याज़ होती थी, लेकिन उन्हें खाना थोड़ा मुश्किल होता था: यह बात उसे माननी पड़ी।
“हम एक भारतीय की तलाश कर रहे हैं,” जैकोबी ने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा। “उम्र लगभग पच्चीस साल: घने काले बाल, लंबा कद, फूलों वाली कमीज़ और गहरे रंग के हिपस्टर जूते पहने हुए।” उसने दिन भर में यही बात तीस बार दोहराई थी, पर उसे कोई सुराग नहीं मिला था, लेकिन वह कोशिश करने वाला था... वह खुद को यही समझाता रहा कि यही तो पुलिस का काम है। “क्या आपके यहाँ कभी ऐसा कोई आदमी रुका है?”
बर्था ने अपने हाथ से मुंह ढककर डकार ली।
“वो क्या था?”

जैकोबी ने अपनी कही बात दोहराई।
बर्था ने जैकोबी के चेहरे पर प्याज की गंध छोड़ते हुए सोचा। अंत में उसने कहा, "मेरे पास लोग आते-जाते रहते हैं। अगर मुझे यहां रुकने वाले हर व्यक्ति का नाम याद रहे तो मैं टीवी पर एक कलाकार के रूप में खूब पैसा कमा सकती हूं, है ना?"
"क्या इसका मतलब यह है कि यहाँ बहुत सारे भारतीय ठहरे हुए हैं?" जैकोबी ने पूछा, यह समझते हुए कि यह मोटी बुढ़िया मुश्किल खड़ी करने वाली है।
बर्था ने हैमबर्गर का एक टुकड़ा खाया, उसे चबाया और जैकोबी के पीछे खाली निगाहों से देखती रही।
नहीं... मैं ऐसा नहीं कह सकता।
“यह महत्वपूर्ण है,” जैकोबी ने कठोर स्वर में कहा। “हम एक हत्या के मामले की जांच कर रहे हैं। मैं आपसे पूछ रहा हूँ कि क्या कोई युवा भारतीय आपके साथ ठहरा था।”
बर्था ने अपनी छोटी उंगली की मदद से अपने पिछले दांत से मांस का एक टुकड़ा निकाला।
मुझे हत्या के बारे में कुछ नहीं पता: यह तो पुलिस का काम है। मैं आपसे पूछ रहा हूँ: क्या हाल ही में कोई युवा भारतीय आपके साथ रुका था?
हत्या!
बर्था अचानक अपना आपा खो बैठी। हालांकि वह असहयोग करना चाहती थी, लेकिन उसे एहसास हुआ कि मामला गंभीर है।
“जी हां... मेरे यहां एक भारतीय ठहरा हुआ था।”
जैकोबी को उससे विवरण निकलवाने में दस मिनट लग गए, लेकिन जब उसे विवरण मिल गया, तो वह उस व्यक्ति से इतना मिलता-जुलता था जिसकी वे तलाश कर रहे थे कि उसे अपनी उत्तेजना को रोकना पड़ा।

"क्या उसने साइन इन किया?"
"सभी को साइन इन करना होगा," बर्था ने सद्गुणपूर्ण लहजे में कहा और एक फटी हुई किताब थमा दी।
“हैरी लुकॉन? क्या यही उसका नाम है?”
"हाँ।"
“और ये दोनों अन्य व्यक्ति: श्रीमान और श्रीमती जैक एलन?” “अच्छे नौजवान लोग। वे उसके साथ कार में आए थे।”
“केबिन 4 और 5… ठीक है ना?”
बर्था ने आह भरी।
"हाँ।"
“मैं आपका फोन इस्तेमाल करूंगा,” जैकोबी ने कहा।
"बस आराम से रहो," बर्था ने कड़वाहट से कहा।
जैकोबी ने मुख्यालय में बेगलर से बात की। बेगलर ने उनकी बात सुनी और फिर कहा कि वह हत्या जांच दल को तुरंत मोटल भेज देंगे। “मैक्स, यहीं रुको... यह अच्छा लग रहा है।”
जैकोबी ने फोन काट दिया।
“मुझे मत बताओ,” बर्था ने गुस्से से कहा। “अब तो यहाँ पुलिसवाले मक्खियों की तरह मंडराते रहेंगे।”
जैकोबी ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
उन्होंने कहा, "यह तो बहुत कम कहा गया है, श्रीमती हैरिस।"

***

दोपहर के इस समय, फिफ्टी क्लब का आलीशान बार सुनसान था।

लेप्सकी ने बोका तोहोलो को खुद ही खोजा था। वह चुपचाप कांच के बर्तनों में जैतून, नमकीन बादाम और इसी तरह की चीजें सजा रहा था, क्योंकि कुछ ही घंटों में भीड़भाड़ शुरू होने वाली थी।
बोका तोहोलो एक दुबला-पतला, कद में छोटा, सफ़ेद बालों वाला आदमी था, जिसकी आँखें काले तीरों जैसी थीं। जब उसने लेप्सकी को मंद रोशनी वाले कमरे में आते देखा, तो उसने नमकीन बादाम का डिब्बा नीचे रख दिया और उसका झुर्रियों से भरा काला चेहरा भावहीन हो गया। वह एक पुलिस अधिकारी को देखते ही पहचान गया। इस पवित्रतम स्थान में एक पुलिस अधिकारी की मौजूदगी का ख्याल आते ही उसे लगा कि मामला गंभीर है। लेकिन उसका ज़मीर साफ़ था और उसने बिना हिचकिचाए लेप्सकी का सामना किया।
“तुम तोहोलो हो?” लेप्सकी ने पूछा।
“जी हां, श्रीमान... मेरा नाम यही है,” बूढ़े व्यक्ति ने धीमी आवाज़ में कहा।
“मैं लेप्सकी हूँ… पुलिस मुख्यालय।” लेप्सकी एक स्टूल पर चढ़ गया। उसने अपनी कोहनियों को पॉलिश किए हुए बार पर टिकाया और भारतीय को एक खोजपूर्ण, लेकिन शत्रुतापूर्ण नहीं, नज़र से देखा।
"जी श्रीमान।"
“मैंने श्री हैनसेन से बात की है,” लेप्सकी ने कहा। “उनकी याददाश्त कुछ खास अच्छी नहीं लग रही है। मुझे लगा शायद आप मेरी मदद कर सकें।”
बूढ़े आदमी ने एक और थाली बादाम से भर दी।
कुछ देर रुकने के बाद लेप्सकी ने आगे कहा, “मैंने श्री हैनसेन से पूछा कि क्या यहाँ कभी घने काले बालों वाला, लगभग तेईस साल का

एक युवक भारतीय काम करता था। श्री हैनसेन को याद नहीं था। क्या आप मुझे बता सकते हैं?”
तोहोलो ने ऊपर देखा।
"क्या आप मेरे बेटे के बारे में बात कर रहे हैं, महोदय?" लेप्सकी ने कभी सोचा भी नहीं था कि यह इतना आसान होगा।
“आपका बेटा? क्या वह यहाँ काम करता है?”
बूढ़े आदमी ने अपना सिर हिलाया।
“उसका यहाँ एक उज्ज्वल करियर था। वह एक बेहतरीन बारमैन है: मुझसे भी बेहतर। उसमें प्रतिभा है, लेकिन श्री हैनसेन को लगा कि वह बहुत छोटा है, इसलिए उसे यहाँ से भेज दिया गया।”
लेप्सकी ने बूढ़े आदमी को गौर से देखा। भारतीय की आँखों में घृणा की कठोर दृष्टि उससे छिपी नहीं रही।
“तोहोलो, तुम्हारा बेटा अब कहाँ है?”
“मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है, महोदय। वह शहर छोड़कर चला गया है। मुझे उससे चार-पाँच महीने से कोई खबर नहीं मिली है। मुझे उम्मीद है कि उसे किसी बार में अच्छी नौकरी मिल गई होगी। उसमें प्रतिभा है।”
"मिस्टर हैनसेन द्वारा यह निर्णय लेने से पहले कि वह बहुत छोटा है, उसने यहां कितने समय तक काम किया?"
“कितना समय? लगभग नौ सप्ताह।”
"क्या श्री हैनसेन के अलावा किसी और को भी लगता था कि वह इस काम के लिए बहुत छोटा है?"
"जी नहीं महोदय। मेरे बेटे के बारे में किसी ने शिकायत नहीं की।"
सोचते-सोचते लेप्सकी अपने अंगूठे का नाखून चबाने लगा।

"क्या मिस्टर हैनसेन और आपके बेटे के बीच किसी तरह की अनबन थी?" उन्होंने अंत में पूछा।
"यह मेरा काम नहीं है, महोदय।"
लेप्सकी ने सोचा, इससे वह दरवाजा बंद हो गया।
“मुझे अपने बेटे तोहोलो के बारे में बताओ। उसने तुम्हें पत्र क्यों नहीं लिखा? क्या तुम दोनों के बीच संबंध अच्छे नहीं थे?” तोहोलो ने अपने काले, पतले हाथों को नीचे की ओर देखा।
“क्या मेरा बेटा मुसीबत में है, महोदय?”
लेप्सकी हिचकिचाया। फिर उसने फैसला किया कि अपने पत्ते खोलकर सब कुछ हासिल करना उसके लिए फायदेमंद होगा। उसे दरवाज़े बंद होने का जोखिम उठाना पड़ेगा, लेकिन शायद उसकी किस्मत अच्छी हो। “क्या आपने जल्लाद के बारे में पढ़ा है?”
बूढ़े आदमी ने ऊपर देखा और लेप्सकी को घूरने लगा।
"जी श्रीमान।"
“हम जानते हैं कि यह हत्यारा एक भारतीय है,” लेप्सकी ने नरमी से कहा। “इसने इस क्लब के दो सदस्यों और क्लब के एक अन्य सदस्य से जुड़ी एक महिला की हत्या की है। यह आदमी दिमागी रूप से बीमार है। हमें इसे किसी और की हत्या करने से पहले ढूंढना होगा। हम जानते हैं कि वह जवान है। हम सुराग की तलाश में हैं। तो मैं आपसे पूछ रहा हूँ कि आपका बेटा किस तरह का लड़का है?”
बूढ़े आदमी का चेहरा धब्बेदार धूसर रंग का हो गया।
"क्या आपको लगता है कि मेरा बेटा ऐसी चीजें कर सकता था, महोदय?" “मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ। हमें जाँच करनी होगी। हम एक बीमार भारतीय को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसके पास इस क्लब के सदस्यों के बारे में अंदरूनी जानकारी लगती है। हेंसन और आपके बेटे के बीच आखिर क्या विवाद था?”

तोहोलो के चेहरे पर निराशा के भाव थे, उसने एक गिलास उठाया और उसे चमकाने लगा। लेप्सकी ने देखा कि उसके हाथ कांप रहे थे। “मुझे परेशानी के बारे में कुछ नहीं पता, महोदय। श्री हैनसेन को लगा कि मेरा बेटा यहाँ पद संभालने के लिए बहुत छोटा है।”
"क्या आपके पास अपने बेटे की कोई तस्वीर है?"
बूढ़ा आदमी अकड़ गया। उसने गिलास नीचे रख दिया, फिर खुद को मजबूर करके दूसरा गिलास उठाया।
"नहीं, महोदय। हम भारतीय लोग शायद ही कभी अपनी तस्वीरें खिंचवाते हैं।"
“इस क्लब के सदस्यों के साथ आपके बेटे का कैसा तालमेल था?”
उस बूढ़े आदमी को देखते हुए लेप्सकी को सहज रूप से महसूस हुआ कि उसके सवाल उसे अंदर से तोड़ रहे हैं। उसने खुद से कहा कि अगर वह कोशिश करता रहेगा, तो कुछ न कुछ जरूर निकलेगा।
“यह क्या था, महोदय?” तोहोलो ने कर्कश आवाज में पूछा।
लेप्सकी ने अपना प्रश्न दोहराया।
तोहोलो थोड़ा सिकुड़ता हुआ प्रतीत हुआ।
"मुझे उम्मीद थी, महोदय, कि मेरा बेटा यहाँ एक अच्छा सेवक बनने के लिए आवश्यक शर्तों को स्वीकार कर लेगा, लेकिन कभी-कभी उसे यह मुश्किल लगता था।"
लेप्सकी ने इस बात पर गहराई से विचार किया।
"आपका कहना है कि आपके बेटे को ये अमीर बूढ़े बदतमीज लोग बर्दाश्त करना मुश्किल लगा?"
तोहोलो हैरान दिख रहा था।
“नहीं, महोदय… ऐसा कुछ नहीं है। मेरा बेटा छोटा है। युवा लोग…” वह रुक गया और उसने बेबसी का भाव दिखाया।

लेप्सकी को उस बूढ़े आदमी पर दया आ रही थी। उसने देखा कि वह अपने बेटे के प्रति वफादार रहने की कितनी कोशिश कर रहा था।
क्या वह कभी पुलिस के साथ किसी परेशानी में पड़ा है?
उसकी काली आँखें चौड़ी हो गईं।
"भगवान का शुक्र है, नहीं, महोदय।"
लेप्सकी थोड़ी देर रुके, फिर उन्होंने पूछा, "क्या वह किसी तरह की मुसीबत में फंसे हैं?"
तोहोलो ने वह गिलास नीचे रख दिया जिसे वह पॉलिश कर रहा था। उसने गिलास को घूरकर देखा और उसके चेहरे पर दिख रही उदासी ने लेप्सकी को बेचैन कर दिया। कुछ देर रुकने के बाद, लेप्सकी ने अपना सवाल दोहराया।
“महोदय, मेरे बेटे का स्वभाव थोड़ा गुस्सैल है,” बूढ़े आदमी ने भारी आवाज़ में कहा। “घर पर उसका व्यवहार बहुत तनावपूर्ण रहा है। मुझे डॉक्टर से बात करनी पड़ी। उन्होंने पोक से बात तो की, लेकिन... आजकल के नौजवान बहुत नखरे वाले होते हैं।”
आपका डॉक्टर कौन है?
“मेरे डॉक्टर?” तोहोलो ने ऊपर देखा। “क्यों, डॉक्टर वानिकी।” लेप्सकी ने अपनी नोटबुक निकाली और नाम लिख लिया, फिर वह आगे झुका और सीधे तोहोलो की ओर देखा।
“क्या आपका बेटा बीमार है, श्री तोहोलो?”
बूढ़ा आदमी अचानक एक स्टूल पर बैठ गया और अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया।
"हां, भगवान उसकी मां और मेरी मदद करे... हां, वह हो सकता है।"

□□

नहीं सोचा था। उसे यह भी एहसास हुआ कि जब से वह उसे छोड़कर गया था, तब से उसे केवल चार घंटे की नींद मिली थी और वे चार घंटे भी मुख्यालय में एक छोटे से बिस्तर पर ही बीते थे।
उसने अपना सिर हिलाया और फिर सीढ़ियों पर चढ़ना शुरू कर दिया।
वह चार्ज रूम में पहुँचा जहाँ सार्जेंट चार्ली टैनर एक व्यस्त पुलिस स्टेशन की रोज़मर्रा की घटनाओं से निपट रहा था।
“चार्ली! क्या तुमने मेरी पत्नी को फोन करने के बारे में सोचा?” लेप्सकी ने टैनर की मेज के सामने अचानक रुकते हुए पूछा।
“मैं कैसे भूल सकता हूँ?” टैनर ने थोड़ी कड़वाहट से कहा। “मुझे उसे फोन करने की ज़रूरत नहीं थी। वो मुझे फोन कर रही है! तुम्हें उससे बात करनी होगी, टॉम। वो हमारी लाइनें ब्लॉक कर रही है।” “हाँ।” लेप्सकी ने अपने बालों में उंगलियाँ फिराईं। “क्या वह घबराई हुई लग रही थी?”
टैनर ने अपने बॉलपॉइंट पेन के सिरे को चूसते हुए इस बारे में सोचा।
"मुझे नहीं पता कि उत्तेजित होने को क्या कहते हैं," उसने अंत में कहा, "लेकिन मुझे तो वह ऐसी लग रही थी जैसे किसी बाघिन के पिछले हिस्से में मधुमक्खी घुस आई हो।"
लेप्सकी ने अपनी आंखें बंद कीं, फिर उन्हें खोला।
“देखो, चार्ली, दोस्त बनो। उसे फोन करो: उसे बताओ कि मैं लगातार काम कर रहा हूँ। क्या तुम मेरे लिए इतना करोगे?”
“मैं नहीं!” टैनर ने दृढ़ता से कहा। “मैं अपने कान के पर्दे सुरक्षित रखना चाहता हूँ।”
लेप्सकी ने अपनी नाक से एक ऐसी फुफकार छोड़ी जो एल कॉर्डेस को भी चौंका देती।

"तुम्हारे कान के पर्दों की किसे परवाह है? उसे फोन करो! जब तुम मुश्किल में थे, तब क्या मैंने तुम्हारी पत्नी को फोन नहीं किया था? किया था क्या?"
टैनर का चेहरा उतर गया। उसे वह भयानक घटना याद आ गई जब उसका एक सुनहरे बालों वाली महिला से संबंध था और लेप्सकी ने बेशर्मी से झूठ बोलकर उसकी शादी बचा ली थी।
“ये तो ब्लैकमेल है, टॉम!”
“तो जाओ और आरोप दायर करो,” लेप्सकी गुस्से से बोला। “कैरोल को फोन करो और आग लगा दो,” फिर वह जासूसों के कमरे की ओर सीढ़ियों से ऊपर चढ़ने लगा।
कुछ ही मिनटों के भीतर वह कैप्टन टेरेल को रिपोर्ट कर रहा था और बेगलर भी उसकी सहायता के लिए मौजूद था।
“ठीक है, टॉम, तुम उस डॉक्टर से बात करो... उसका नाम क्या है? वनिकी? अगर यह लड़का उतना ही बीमार है जितना उसके पिता को लगता है, तो वह हमारा सबसे ज़रूरी डॉक्टर होना चाहिए।” टेरेल ने बीगलर की ओर मुड़कर कहा, “तोहोलो के घर किसी को भेजो। हमें शायद उस लड़के की तस्वीर मिल जाए और उसके फिंगरप्रिंट भी।” वह खड़ा हो गया। “मैं फिफ्टी क्लब जाकर कुछ सदस्यों से बात करता हूँ।” जैसे ही लेप्सकी चार्ज रूम से गुजरते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा, उसने देखा कि टैनर टेलीफोन रिसीवर को पकड़े हुए बेतहाशा हाथ हिला रहा था।
लेप्सकी अचानक रुक गया और अपनी एड़ियों पर फिसल गया।
"यह क्या है?"
"तुम्हारी पत्नी," टैनर ने कहा।

टैनर के क्षत-विक्षत चेहरे को देखकर लेप्सकी के पेट में अजीब सी बेचैनी होने लगी। वह हिचकिचाया, फिर टैनर के हाथ से रिसीवर छीन लिया।
“कैरोल? मैं तुम्हें कॉल करना चाह रही थी, जान। अभी तो मैं बहुत व्यस्त हूँ! कभी कॉल कर लूँगी। ठीक है? ...ठीक है? मुझे अभी इसी वक्त बाहर जाना है!”
“लेप्सकी!”
लेप्सकी के दिमाग में उसकी पत्नी की आवाज का लहजा गोली की तरह चुभ गया।
वह थोड़ा सहम गया, फिर उसने खुद को शांत कर लिया। “हाँ...हाँ...कैसी हो, जान? मैं तो एकदम भागदौड़ कर रहा हूँ... मतलब, मैं बहुत व्यस्त हूँ, जान!”
“लेप्सकी! क्या तुम बकवास करना बंद करके मेरी बात सुनोगे?” लेप्सकी टैनर की डेस्क पर झुक गया और अपनी टाई ढीली कर ली। मैंने तुमसे कहा था... मुझे माफ़ करना। तुमसे मिलने के बाद से मुझे सिर्फ़ चार घंटे की नींद मिली है। मैं... धत् तेरे की! मैं व्यस्त हूँ!
“अगर मुझे एक पल के लिए भी यह न लगता कि तुम व्यस्त हो, हो और हम व्यस्त रहेंगे, लेप्सकी, तो मैं तुम्हें तलाक दे देती,” कैरोल ने कहा। “अब क्या तुम बकवास करना बंद करोगे और मुझे बोलने दोगे?”
लेप्सकी ने अपनी उंगलियों से टैनर की डेस्क की सतह में छेद करने की कोशिश की और लगभग सफल भी हो गया।
उन्होंने कहा, "मैं सुन रहा हूँ।"
मैंने अभी-अभी मेहितबेल बेसिंगर को देखा है।
"क्या तुमने मेरी व्हिस्की की एक और बोतल किसी को दे दी?"

“क्या तुम अपने पेय के बारे में सोचना बंद करोगे? मेहितबेल जानती थी कि यह भारतीय जल्लाद है! उसने मुझे बताया और मैंने तुम्हें बताया, लेकिन तुमने नहीं सुना! वह...”
"जरा रुकिए... क्या आपने उसे मेरी व्हिस्की की बोतल दी?" “लेप्सकी! मुझे कितनी बार तुमसे कहना पड़ेगा कि अभद्र भाषा का प्रयोग न करो?”
लेप्सकी के चेहरे के भावों को देखकर सार्जेंट टैनर इतना चौंक गया कि उसने सहज रूप से आपातकालीन रेड क्रॉस बॉक्स की ओर हाथ बढ़ाया।
“हाँ। तो उस बूढ़े रुम्-डम ने क्या भविष्यवाणी की थी?”
“उसे इस तरह के अपशब्द मत कहो। अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो मुझे किसी बूढ़ी औरत को इस तरह के अपशब्द कहने में शर्म आती।” लेप्सकी ने ऐसी आवाज निकाली जैसे कोई कार जिसकी बैटरी डिस्चार्ज हो गई हो और वह स्टार्ट होने की कोशिश कर रही हो। “ये क्या था?” अपने पति की आवाज़ों की आदी कैरोल भी चौंक गई। “क्या तुम ठीक हो, लेप्सकी?”
"मुझें नहीं पता।"
“कई बार मुझे तुम्हारी चिंता होने लगती है। तुम ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हो, जबकि सार्जेंट बनने के लिए ध्यान केंद्रित करना जरूरी है।”
लेप्सकी ने अपने चेहरे से पसीना पोंछा।
“हाँ... तुम सही कह रहे हो। आगे बढ़ो... मैं ध्यान केंद्रित कर रहा हूँ।”
“भगवान का शुक्र है! मेहितबेल कहती है... क्या आप वाकई सुन रहे हैं?”

लेप्सकी ने झुंझलाहट में आकर अपने ही पैर पर ज़ोर से मारा और खुद को चोट पहुँचा ली। जैसे ही वह उछलने-कूदने लगा, टैनर, जिसने लेप्सकी से अपनी नज़रें कभी नहीं हटाई थीं, अचंभित होकर पीछे बैठ गया, उसकी आँखें फटी रह गईं।
"हां, मैं सुन रहा हूं," लेप्सकी ने अपना पैर हवा में उठाते हुए कहा।
वह कहती है कि तुम्हें जल्लाद को संतरों के बीच ढूंढना होगा। “किसके बीच?” लेप्स्की चिल्लाया.
“इस तरह चिल्लाओ मत: यह अभद्र है। मैंने कहा कि उसने कहा कि तुम्हें इस आदमी को संतरों के बीच ढूंढना चाहिए। वह इसे अपने भविष्यवक्ता के नजरिए से देख रही है।”
“संतरे बांटते हैं क्या? है ना?” लेप्सकी ने एक गहरी सांस ली, जिसे सुनकर वैक्यूम क्लीनर भी ईर्ष्या से हरा हो जाता। वाह, कमाल है! ऐसे मुफ्त उपहार में तो वो कुछ गलत कर ही नहीं सकती, है ना? सच तो ये है कि इस पूरे इलाके में संतरों की बदबू फैली हुई है। उसे तो कामयाबी मिल ही गई है, है ना? इसके लिए उसने मेरी व्हिस्की की एक और बोतल ले ली?”
“मैं तुम्हें वही बता रहा हूँ जो उसने कहा था। पहली बार में वह सही थी, लेकिन तुमने उस पर विश्वास नहीं किया। यह उसका दूसरा सुराग है। ज़रा दिमाग लगाओ, लेप्सकी।”
“ठीक है, बेबी, मैं इसका इस्तेमाल करूँगा। मुझे अब जाना होगा।” मैं आपकी पदोन्नति में मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ।
“ज़रूर... हाँ... हाँ... धन्यवाद!” वह रुका, फिर बोला, “आपने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया। क्या उस बूढ़े फल विक्रेता को मेरी व्हिस्की की एक और बोतल मिली?”

कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर कैरोल ने ठंडी आवाज में कहा, "लेप्सकी, कभी-कभी मुझे लगता है कि तुम्हारी सोच संकीर्ण है," और उसने फोन काट दिया।
लेप्सकी ने रिसीवर को वापस रखा और टैनर को घूरने लगा।
"क्या तुम्हारी पत्नी ने कभी तुमसे कहा है कि तुम्हारी सोच छोटी है, चार्ली?"
टैनर उसे हैरानी से देखता रहा।
“उसे ऐसा क्यों करना चाहिए? उसे तो इस शब्द का अर्थ ही नहीं पता होगा।”
“हाँ। तुम भाग्यशाली हो,” और लेप्सकी एक बार में तीन सीढ़ियाँ उतरकर अपनी कार में जा बैठा।

***

शाम की तेज़ धूप घाट पर पड़ रही थी, जिससे फलों के स्टॉलों की धारीदार छतरियों पर रोशनी पड़ रही थी। खरीदारी का ज़ोरदार दौर खत्म हो चुका था। कुछ लोग सस्ते फल पाने की उम्मीद में स्टॉलों के आसपास घूम रहे थे, लेकिन दिन का मुख्य कारोबार समाप्त हो चुका था।
जुपिटर लूसी पास के एक बार में बीयर पीने चली गई थी और पोक को स्टॉल की ज़िम्मेदारी सौंप दी थी। उनका दिन अच्छा बीता था और स्टॉल पर संतरे के कुछ ही डिब्बे बचे थे।
चक अंधेरे से बाहर आया और स्टॉल के पास रुक गया। दोनों आदमियों ने एक-दूसरे को देखा। भारतीय की चमकीली काली आँखों और चक की छोटी, बेचैन आँखों ने घाट का जायजा लिया, फिर चक आगे बढ़ा।
मुझे मिल गया: पाँच सौ रुपये!

क्या वह ठीक है?
चक ने सिर हिलाया।
पोक ने आराम से एक पाउंड संतरे तौलना शुरू किया।
“कल वो व्यस्त रहेगी,” उसने तराजू से एक संतरा उठाते हुए कहा और उससे छोटा संतरा ढूंढने लगा। “पांच फोन हैं।”
चक ने गहरी सांस ली।
“पांच कॉल... पांच?”
“ढाई हजार डॉलर। मैंने ड्रग्स को बोरी के सबसे नीचे इस तरह रखा है कि वह उसे आसानी से ले सके।”
चक ने सिर हिलाया। फिर उसने घाट पर दाएं और बाएं देखा, और जब उसे यकीन हो गया कि कोई उसे नहीं देख रहा है, तो उसने चुपके से पोके के हाथ में कुछ रख दिया।
“मैंने सही अनुमान लगाया: तुम्हारे लिए साढ़े तीन और मेरे लिए डेढ़ सौ?”
"हाँ।"
चक ने संतरों से भरी बोरी उठाई और वहां से चला गया।
कुछ देर बाद लक बार से बाहर आया। उसने और पोके ने मिलकर स्टॉल को तोड़ना शुरू कर दिया।
कल एक और दिन होगा।

***

जब कैप्टन टेरेल फिफ्टी क्लब के प्रांगण में पहुंचे तो उन्हें सौभाग्य से रॉडनी ब्रैनजेनस्टीन को अपनी रोल्स रॉयस से बाहर निकलते हुए देखने का मौका मिला।

ब्रैंज़ेनस्टीन क्लब के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। एक उत्कृष्ट ब्रिज खिलाड़ी होने के अलावा, वे एक उच्च कोटि के कॉर्पोरेट वकील भी थे।
दोनों पुरुषों ने हाथ मिलाया।
“फ्रैंक, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? कहीं तुम इस समाधि में तो शामिल नहीं हो रहे?”
टेरेल ने कहा, "मैं जानकारी की तलाश में हूं।"
“इससे बेहतर आदमी नहीं मिल सकता था।” ब्रैनज़ेनस्टीन मुस्कुराए। “अंदर आइए और एक ड्रिंक लीजिए।”
टेरेल ने कहा, "मैं आपकी आलीशान कार में बैठकर बात करना ज़्यादा पसंद करूँगा। मुझे लगता है कि यह मकबरा, जैसा कि आप इसे कहते हैं, पुलिस के दौरे को लेकर थोड़ा संवेदनशील हो सकता है।"
"आप सही हो सकते हैं।" ब्रैनज़ेनस्टीन अपनी कार की ओर आगे बढ़े, दरवाजा खोला और अंदर बैठ गए।
“शानदार कार: टेलीविजन... फोन... एयर कंडीशनिंग... शराब... वाकई कमाल की कार है,” टेरेल ने ब्रान्ज़ेनस्टीन के बगल में बैठते हुए कहा।
“तुम जानते हो ये कैसा होता है... एक रुतबे की निशानी। सच कहूँ तो, मैं तो एविस चलाना ज़्यादा पसंद करूँगा,” ब्रैनज़ेनस्टीन ने कहा। “ये सब धंधे का हिस्सा है। तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है, फ्रैंक?”
टेरेल ने उसे बताया।
“पोक तोहोलो? हाँ, मुझे याद है वो: दिखने में अच्छा था और इस शहर में सबसे बढ़िया मार्टिनी बनाता था। दिक्कत ये थी कि बूढ़ी माँ हैनसेन अपने हाथों पर काबू नहीं रख पाती थी और लड़के को जाना पड़ा।”

“मैंने यही अनुमान लगाया था,” टेरेल ने कहा। “हैनसेन के अलावा क्लब के अन्य सदस्यों ने उसके प्रति कैसी प्रतिक्रिया दी?” ब्रैनज़ेनस्टीन ने कंधे उचका दिए।
“उनमें से नब्बे प्रतिशत लोग मानते हैं कि जो भी गोरा नहीं है, वह बंदर नहीं है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे सेमिनोल इंडियन पसंद हैं। लेकिन क्लब के अधिकांश सदस्य इंडियंस को ढोने-ढोने वाले बंदरों की तरह समझते हैं।”
"क्या तोहोलो को कभी श्रीमती डंक ब्राउलर से कोई परेशानी हुई थी?"
“अब सोचता हूँ तो लगता है उसने किया था,” ब्रैनज़ेनस्टीन ने आँखें सिकोड़ते हुए कहा। “ज़ाहिर है वो एक दुखी बुढ़िया थी। वो बस अपने कुत्ते और ब्रिज के बारे में सोचती रहती थी। मुझे याद है मैं दूसरी मेज़ पर खेल रहा था... ये तीन महीने पहले की बात होगी... शायद ज़्यादा... मुझे याद नहीं। खैर, तोहोलो ड्रिंक्स सर्व कर रहा था और मिसेज़ बी ने उससे अपने कुत्ते को पेशाब कराने के लिए बाहर ले जाने को कहा। तोहोलो ने कहा कि वो बार छोड़कर नहीं जा सकता। मैंने सब कुछ सुना। शायद उसने मिसेज़ बी की उम्मीद के मुताबिक विनम्रता नहीं दिखाई। खैर, उसने उसे नीग्रो कहा।”
"तब क्या हुआ?"
"उसके साथ मौजूद अन्य तीन खिलाड़ियों ने तोहोलो से कहा कि वह कुत्ते को बाहर ले जाए और बदतमीजी न करे... इसलिए वह कुत्ते को बाहर ले गया।"
“अन्य खिलाड़ी कौन थे?”
रिडल, मैकक्यूएन और जेफरसन लेसी।
टेरेल सोच में डूबा हुआ था।

“इससे एक पैटर्न बनता है, है ना?” उसने अंत में कहा। “मैकक्यूएन, रिडल और उसकी प्रेमिका और श्रीमती ब्रॉलर मर चुके हैं। मैं जेफरसन लेसी से बात करना चाहता हूँ।”
ब्रैंज़ेनस्टीन ने सिर हिलाया।
“ठीक है। वह हमारे खास सदस्यों में से एक हैं। क्लब में उनका एक कमरा है। क्या आप चाहते हैं कि मैं आपका उनसे परिचय करा दूं?” "इससे मदद मिलेगी।"
लेकिन जब ब्रान्ज़ेनस्टीन ने हॉल के पोर्टर से पूछा कि क्या मिस्टर लेसी उपलब्ध हैं, तो उन्हें बताया गया कि मिस्टर लेसी लगभग तीस मिनट पहले बाहर गए थे।
न तो ब्रैनज़ेनस्टीन और न ही टेरेल यह अनुमान लगा सकते थे कि इस समय जेफरसन लेसी, जिसका चेहरा घबराहट से भरा हुआ था, शहर के रेलवे स्टेशन की लॉबी में स्थित एक टेलीफोन बूथ में एक सिक्का बॉक्स के नीचे पांच सौ डॉलर के नोटों वाला एक लिफाफा लगा रहा था।

***

मेग को ज़रा भी परवाह नहीं थी जब वह एक्सेल्सियर होटल की व्यस्त लॉबी में दाखिल हुई, जो कि दूसरे दर्जे के पर्यटकों के लिए बना था। पिछली शाम चक ने उसे बताया था कि उसे अगली सुबह पाँच अलग-अलग टेलीफोन बूथों से पाँच लिफाफे लेने हैं।
“यहीं से असली कमाई शुरू होती है, जान,” चक ने कहा था। “यहीं से तुम्हें बड़ी खोज मिलेगी। क्या तुम जानते हो कि वह क्या है?” मेग बिस्तर पर बैठी, घिसे-पिटे कालीन को घूरती रही। उसने कुछ नहीं कहा।

“बेबी... क्या तुम्हारे कानों में मैल जमा है?”
उसकी आवाज में छिपी धमकी ने उसे ऊपर देखने के लिए मजबूर कर दिया।
“क्या खोज?” उसने उदासीनता से पूछा।
चक ने सहमति में सिर हिलाया।
"जब आप कोलंबस या उसके नाम के किसी भी व्यक्ति की तरह कोई खोज करते हैं... तो आप वादे की भूमि पर पहुँच जाते हैं... एक आजीविका का जरिया।"
उसने चक से परे खुली खिड़की से बाहर आसमान की ओर देखा, जिसमें गुलाबी बादल थे जो धीरे-धीरे डूबते सूरज के साथ गहरे लाल रंग में बदल रहे थे।
“क्या तुम वही हो?” उसने पूछा।
“हाँ। मैं वही हूँ।” चक मुस्कुराया। “इस दुनिया की हर लड़की पैसे कमाने का ज़रिया ढूंढ रही है और तुम्हें तो जैसे जैकपॉट मिल गया है। तुम्हें पैसे कमाने का ज़रिया मिल गया है... मैं!” सूर्य की ढलती किरणों में बादलों का रंग खून की तरह लाल होता जा रहा था और मेग उन्हें लगातार देखती रही।
"क्या आप इसे यही कहते हैं? मैं सारे जोखिम उठाती हूं, आपको पैसे देती हूं और आप खुद को कमाई का जरिया कहते हैं?" उसने कहा।
चक ने एक और सिगरेट जलाई।
“तुम्हारी समस्या ये है कि तुम्हारे दिमाग में कुछ नहीं है, बस एक खाली गड्ढा है। शुक्र है कि मेरे पास अक्ल है। कल तुम पाँच टेलीफोन बूथ पर जाओ और हर बूथ से पाँच सौ डॉलर उठाओ। कुल मिलाकर कितना बनता है? बताओ... मुझे बताओ।”
"किसे परवाह है?" मेग ने कंधे उचकाते हुए कहा। "मुझे क्यों परेशान करना?"

चक ने अपना हाथ तेजी से आगे बढ़ाया।
मेग ने खुद को बिस्तर पर पीठ के बल लेटा हुआ पाया, उसके चेहरे पर उस थप्पड़ की वजह से जलन हो रही थी जो उसने उसे मारा था।
“तुम ही बताओ,” उसने गुस्से से कहा। “जोड़ना है करो!”
वह ऊपर उसकी ओर देखते हुए अपने चेहरे के किनारे को छू रही थी।
उसकी सफेद गाल पर उसकी उंगलियों के निशान साफ दिख रहे थे। “मुझे नहीं पता और मुझे परवाह भी नहीं,” उसने कहा और अपनी आँखें बंद कर लीं। उसके दूसरे थप्पड़ से उसका सिर ज़ोर से हिल गया।
“कितने पैसे, बेबी?”
वह वहां लेटी हुई थी, इंतजार कर रही थी और कांप रही थी, उसकी आंखें कसकर बंद थीं।
“ठीक है, ठीक है, अगर तुम इतने बेवकूफ हो!” चक ने चिढ़कर कहा। “जानते हो? तुम मुझे बोर करते हो। तुम्हारे अंदर कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। कल, तुम ढाई हज़ार डॉलर लेने वाले हो? सुना? ढाई हज़ार डॉलर! फिर हम दोनों यहाँ से निकल जाएंगे! इतने पैसों से हमारा काम बन जाएगा!”
उसे अचानक समझ आ गया कि वह क्या कह रहा है और उसका क्या मतलब है, और उसके मन में आशा की एक छोटी सी लहर दौड़ गई।
“उसके बारे में क्या?” उसने आंखें खोलते हुए पूछा।
“तो आखिरकार तुम्हारे दिमाग में कुछ तो है।” चक ने बनावटी प्रशंसा जताते हुए सिर हिलाया। “जानते हो? जब से मैंने तुम्हें पाया है, तब से तुमने पहली बार कोई समझदारी की बात कही है।” मुझे पाया?
मेग गंदी छत को घूर रही थी। मुझे ढूंढ लिया... जैसे कोई खोया हुआ कुत्ता या आवारा बिल्ली। हाँ... वो सच में खोई हुई थी।

“क्या तुम ज़ॉम्बी की तरह बर्ताव करना बंद करके मेरी बात सुनोगी?” चक कह रहा था। बिस्तर पर सीधा लेटना अच्छा लग रहा था, खुली खिड़की से आती शाम की ठंडी हवा उसके गर्म, दर्द भरे चेहरे पर महसूस हो रही थी। इसमें कोई मेहनत नहीं लग रही थी।
चक की कर्कश आवाज सुनना भी कोई मुश्किल काम नहीं था।
“यह भारतीय दिमागी रूप से पागल है... बिलकुल सनकी है,” चक ने आगे कहा। “मैंने तुम्हें कभी नहीं बताया, लेकिन वह मुझे मार सकता था। पहली बार... याद है? जब हम तैरने गए थे।”
उसने सोचा, उसने अब उसे यह बात बताने की जहमत क्यों उठाई? यह तो पुरानी खबर थी।
उसने उसे पहले ही बता दिया था कि वह भारतीय बीमार है।
“तो वो एक सनकी है,” चक ने आगे कहा, “लेकिन उसने जल्दी पैसा कमाने का एक तरीका सोच लिया है और हमें वही चाहिए। इसीलिए मैं उसके साथ जा रहा हूँ, लेकिन एक बार जब हमें पैसा मिल जाएगा... ये ढाई हज़ार डॉलर... तो हम उसे छोड़ देंगे।”
मेग का मन अपने घर की ओर लौट गया। अचानक और स्पष्ट रूप से, उसने अपने माता-पिता को जर्जर से छोटे से बैठक कक्ष में बैठकर टेलीविजन की रोशन स्क्रीन को देखते हुए देखा। वह अपनी माँ के बेढंगे शरीर को आरामकुर्सी पर झुका हुआ देख सकती थी। उसके पिता को अपनी जीभ से अपने नकली दांत उठाने और उन्हें एक विशिष्ट क्लिक की आवाज़ के साथ वापस अपनी जगह पर रखने की आदत थी। उसकी माँ हमेशा टीवी देखते समय अपने जूते उतार देती थी: उसके पैर बड़े थे और उनमें छाले भरे हुए थे।
"बच्चा!"

चक की आवाज ने उसे झकझोर कर उस उदास कमरे में वापस ला दिया, जिसकी दीवारों पर नमी के धब्बे थे और खुली खिड़की से घाट का शोर ऊपर आ रहा था।
मैं सुन रहा हूँ।
“जैसे ही हमें पैसे मिल जाएंगे,” चक ने कहा, “हम उसकी कार ले लेंगे और उसे भगा देंगे। वो कुछ नहीं कर सकता! ढाई हज़ार डॉलर!” उसे उसकी कही बात याद आ गई: जब तुम किसी पागल भारतीय के चक्कर में पड़ जाओ, तो समझ लो कि तुम किसी खास चीज़ के चक्कर में पड़ गए हो। ठीक है, मान लो तुम मियामी तक पहुँच गए? मियामी पहुँचने का क्या फायदा अगर तुम्हारा अंत पेट में चाकू या सिर में गोली लगने से हो?
इसी क्षण उसने मृत्यु, दर्द, पुलिस या किसी भी चीज की परवाह करना छोड़ दिया।
इससे क्या फर्क पड़ता था? आखिर किसी भी चीज से क्या फर्क पड़ता था?
एक्सेलसियर होटल की लॉबी पर्यटकों से खचाखच भरी हुई थी, जो भेड़ों के धैर्य के साथ बस का इंतजार कर रहे थे ताकि उन्हें एक और भव्य नाम वाले निराशाजनक होटल में ले जाया जा सके।
जब मेग टेलीफोन बूथों की कतार की ओर बढ़ी तो किसी भी पर्यटक ने उसकी ओर नहीं देखा। बूथ नंबर 3 खाली था। उसने दरवाजा खोला, अंदर कदम रखा और सिक्कों की डिब्बी के नीचे हाथ डाला। टेप से बंधा हुआ लिफाफा वहीं था। उसने उसे झट से खींचकर अपने पर्स में रख लिया। उसने कॉल करने का नाटक नहीं किया। सावधानी? उसे अब इसकी परवाह ही नहीं थी।
वह होटल से बाहर निकली और बुलेवार्ड पार करने लगी, उसके चेहरे पर सूरज की तेज गर्मी महसूस हो रही थी।

वह ब्यूक कार में बैठी, अपना बैग खोला और लिफाफा चक के घुटनों पर गिरा दिया।
"कोई परेशानी तो नहीं?"
उसने देखा कि वह होटल की ओर देख रहा था। उसने देखा कि उसकी छोटी- छोटी आँखें किसी फँसे हुए चूहे की तरह इधर-उधर घूम रही थीं। उसे परवाह थी, उसने सोचा। वह डरा हुआ था जबकि वह डर से पूरी तरह मुक्त हो चुकी थी। इससे उसे उस पर बढ़त मिल गई और उसे जीत का एक छोटा सा एहसास हुआ।
उसने उसे लिफाफा फाड़ते, पैसे गिनते देखा और उसकी गहरी साँस सुनी। उसे देखते हुए, उसके धूप में झुलसे चेहरे पर डर, लालच और अपरिपक्वता देखकर, उसके साथ अपने भविष्य की निराशा उस पर ऐसे छा गई जैसे किसी मृत चेहरे पर कफ़न जल्दी से डाल दिया गया हो।
“अब रेलवे स्टेशन,” चक ने कहा। “टेलीफोन बूथ नंबर 8। मैं वहां गाड़ी पार्क नहीं कर सकता। मैं घूमकर आपको लेने आऊंगा।”
वह बुलेवार्ड के भारी ट्रैफिक से बचने के लिए गलियों से गाड़ी चला रहा था, जबकि मेग चुपचाप बैठी थी, उसके हाथ उसके घुटनों के बीच थे, और वह कार के धूल भरे विंडशील्ड से बाहर बिना किसी भाव के देख रही थी।
"ठीक है, बेबी!"
उसके विचार कहीं और ही थे और जब तक चक ने उसकी बांह को जोर से नहीं हिलाया, तब तक वह अपनी तंद्रा से बाहर नहीं आई: अतीत की सुरक्षा में डूबी हुई एक तंद्रा।
वह स्टेशन के अंदर गई, भीड़ को चीरते हुए टेलीफोन बूथों की कतार में बूथ नंबर 8 तक पहुंची। उसने सिक्का डालने वाली पेटी के नीचे रखा लिफाफा उठाया, फिर उसे अपने बैग में रखा और स्टेशन के प्रवेश द्वार तक चलकर खड़ी हो गई, इंतजार करने लगी।

लगभग एक मिनट बाद, ब्यूक की गति धीमी हुई और वह उसमें बैठ गई और चक गाड़ी चलाकर चला गया।
"कोई परेशानी तो नहीं?"
उसने फिर से उसके पसीने से तर चेहरे और इधर-उधर भटकती आँखों की ओर देखा। "नहीं।"
उसने धीरे से सीटी बजाई।
अरे यार! ये तो चेरी चुनने जैसा आसान है!
वह तब तक गाड़ी चलाता रहा जब तक उसे पार्किंग की जगह नहीं मिल गई, फिर उसने गाड़ी रोक दी। "दे दो।"
उसने उसे लिफाफा थमा दिया और जब वह उसे खोल रहा था, तब वह चमकीली, महंगी कारों को गुजरते हुए देखती रही। उसने हट्टे-कट्टे चेहरों को देखा: भद्दी टोपियाँ पहने औरतें और ऐसे मर्द जिनके चेहरे पर नसों का जाल सा दिख रहा था। उसने सोचा, ये लोग सुरक्षा में हैं। क्या सुरक्षा का यही मतलब होता है: बड़ी-बड़ी कारें, भद्दे शरीर, बैंगनी चेहरे और फूलों वाली टोपियाँ?
“हम हज़ार डॉलर के फायदे में हैं,” चक ने लिफाफा कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रखते हुए कहा। “देखा मैंने क्या कहा था... सोने की परत चढ़ी हुई कमाई का टिकट?”
उसने सिर हिलाया, मानो उसे उसकी बातें सुनाई ही न दे रही हों। उसने अपनी जेब से कागज का एक टुकड़ा निकाला जो उसे संतरे के उस बोरे के निचले हिस्से में मिला था जो पोक ने उसे दिया था। “चलिए... एडलॉन होटल। बूथ नंबर 4।” उसने गाड़ी स्टार्ट की। “एडलॉन? यह तो दाईं ओर तीसरा बूथ है, है ना?”
"मुझें नहीं पता।"
“क्या तुम्हें कुछ पता है?” चक गुस्से से बोला। “क्या मुझे ही सारा सोचना पड़ेगा?”

दस मिनट बाद, मेग एडलॉन होटल से बाहर निकली और बुइक कार के आने का इंतजार करने लगी। वह कार में बैठ गई और चक, जिसकी आँखें बेचैनी से इधर-उधर घूम रही थीं, गाड़ी चलाकर चला गया।
"कोई परेशानी तो नहीं?"
"नहीं।"
“इस नीग्रो के पास वाकई एक शानदार विचार है!” चक ने कहा और कार को दूसरे पार्किंग स्थल में मोड़ते हुए, उसने गाड़ी रोकी और लिफाफा फाड़कर खोल दिया।
“पंद्रह सौ,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “दो और, फिर हम उड़ान भरेंगे।” उसने सूची देखी। “इस बार हवाई अड्डा। बूथ सी। फिर ग्रेहाउंड बस स्टेशन। बूथ 6।”
चक को हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार के पास पार्किंग मिल गई। उसने कहा, "जल्दी करो, जान। मैं यहीं इंतजार करूंगा।"
वह तेजी से रनवे पार करके हवाई अड्डे की व्यस्त लॉबी में दाखिल हुई। उसे इस बात की जरा भी परवाह नहीं थी कि कोई उसे देख रहा है या नहीं। वह टेलीफोन बूथों की कतार में गई। बूथ नंबर C से एक आदमी बाहर आ रहा था। उसने उसकी तरफ देखा और उसकी आँखों में उसे नापसंदगी दिखाई दी। वह अधेड़ उम्र का था, उसका पेट थोड़ा निकला हुआ था और उसने साफ-सुथरे कपड़े पहने हुए थे। बिल्कुल वैसा ही सीधा-सादा आदमी जिससे उसे नफरत थी। वह उसे धक्का देकर बूथ में दाखिल हो गई। उसने न तो दरवाजा बंद किया और न ही यह देखने के लिए इधर-उधर देखा कि वह आदमी उसे देख रहा है या नहीं।
उसने अपनी उंगलियां सिक्कों के डिब्बे के नीचे डालीं और धातु का स्पर्श महसूस किया। वह एकदम चौंक गई, फिर उसने दोबारा महसूस किया। डिब्बे के नीचे कोई लिफाफा नहीं था!

उसने जल्दी से अपने कंधे के ऊपर से कांच के दरवाजे की ओर देखा।
उसने कोई गलती नहीं की थी। यह बूथ सी था।
“क्या तुम फोन का इस्तेमाल करने जा रहे हो या बारिश से बचने के लिए कहीं शरण ले रहे हो?” एक आदमी ने व्यंग्यपूर्वक पूछा।
बूथ से निकलते हुए उसने सोचा, एक और सलीके से कपड़े पहने, तोंद निकला हुआ सीधा-सादा आदमी! हे भगवान! इन कामयाब कमीनों से उसे कितनी नफरत थी, उनके घमंडी, सब कुछ जानने वाले भावों से!
वह तेजी से वापस खड़ी हुई ब्यूक कार के पास गई और उसमें बैठ गई। "ठीक है?" चक ने इंजन स्टार्ट करते हुए पूछा।
"नहीं।"
उसका हाथ गियरस्टिक के ऊपर मंडरा रहा था।
"न से आप क्या मतलब है?"
“आपने बूथ सी कहा?”
“हाँ, तुमने वही सुना जो मैंने कहा!”
वहां कुछ भी नहीं था।
चक का चेहरा गुस्से से लाल हो गया।
"क्या तुम मुझे ठगने की कोशिश कर रही हो, बेवकूफ कुतिया?"
उसने अपना हैंडबैग उसके घुटनों पर गिरा दिया।
“जरा देख लीजिए। अंदर जाकर खुद देख लीजिए। बूथ सी में कुछ भी नहीं है।”
चक ने हैंडबैग वापस उसकी ओर धकेल दिया।
“आप वापस जाकर हर बूथ की जाँच करें! कोई गलती हो सकती है।”
"आप इसे करते हैं।"
उसने मुक्का मारकर उसके घुटने पर वार किया। उसे ज़ोर का दर्द हुआ। वह आगे की ओर झुक गई और अपने हाथों से अपना घुटना कसकर पकड़ लिया। "अंदर जाकर देखो!" वह गुर्राया।

वह हवाई अड्डे से गाड़ी चलाकर ग्रेहाउंड बस स्टेशन की ओर चल पड़ा। रास्ते भर वह खुद से कुछ बुदबुदाता रहा और बीच-बीच में अपनी मुट्ठी से स्टीयरिंग व्हील पर जोर-जोर से मारता रहा। “तुम्हें ज़रा भी परवाह नहीं है, है ना?” उसने कहा। “बेवकूफ, ज़ॉम्बी कुतिया!”
मेग ने कुछ नहीं कहा। वह सीट पर पीछे की ओर झुक गई, अपने दर्द भरे घुटने को सहला रही थी, उसकी आँखें कहीं खोई हुई थीं।
ग्रेहाउंड बस स्टेशन पर चक ने देखा कि वहाँ पार्किंग करना असंभव है। उसने गाड़ी धीमी की और मेग के ऊपर झुककर, उसने बगल वाला दरवाज़ा खोला।
“बूथ 6… जल्दी करो। मैं वापस आऊंगा।”
चक के गाड़ी चलाते ही मेग कार से बाहर निकली और भीड़भाड़ वाली लॉबी में चली गई।
बूथ नंबर 6 में एक लड़की बैठी थी और मेग ने देखा कि उसे इंतज़ार करना पड़ेगा। उस लड़की का चेहरा पत्थर से तराशा हुआ था। उसके लंबे सुनहरे बाल थे और नाखूनों की बनावट नुकीली थी। उसने महंगे कपड़े पहने थे और बात करते हुए उसने अपने हाथ को हिलाया जिसमें तीन हीरे की अंगूठियां थीं।
मेग के देखते हुए लड़की बोलती रही। लेकिन थोड़ी देर बाद, उसे मेग का आभास हुआ और उसका हाथ हिलाना कम हो गया।
मेग की खामोशी, उसका गंदा स्वेटर, उसके दाग लगे हिपस्टर्स और उसके लंबे, बिखरे बाल, इन सबने लड़की की एकाग्रता भंग कर दी।
आखिरकार, उसने फोन रख दिया, बूथ से बाहर निकली और मेग के पास से गुजरते हुए एक चक्कर लगाया।

मेग बूथ के अंदर गई और उसे महंगे इत्र की खुशबू महसूस हुई। उसे सिक्कों के डिब्बे के नीचे एक लिफाफा मिला और वह बूथ से बाहर आ गई।
पीले रंग के टर्टल नेक स्वेटर और सफेद पैंट पहने एक युवक, जिसके लंबे बाल कॉलर पर लहरा रहे थे और उसके साइडबोर्ड उसकी ठुड्डी की ओर नुकीले लग रहे थे, ने उसे देखकर मुस्कुराया।
“खजाने की खोज?” उसने पूछा।
एक ज़माने में ऐसा लड़का उसे रोमांचित कर देता था। अब, वह उसे केवल एक यौन प्रतीक और मुसीबत के रूप में देखती थी।
वह उसे एकटक देखती रही और फिर आगे बढ़ गई। वह जानती थी कि उसके लिए ऐसा साफ-सुथरा, धनी, रोमांटिक और आकर्षक आदमी खोया हुआ था।
उससे दूर जाना उसके लिए मृत्यु के समान था।
उसने लिफाफा चक को दिया, जिसने उसे खोला और जांच की कि लिफाफे में पांच सौ डॉलर के नोट थे।
“दो हज़ार,” उसने बुदबुदाते हुए कहा, फिर कुछ देर सोचा। उसने लिफाफा कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रख दिया। “इससे काम चल जाएगा। हम यहाँ से निकल रहे हैं, जान। दो हज़ार कुछ नहीं से तो बेहतर है। हम वापस जाएँगे, अपना सामान उठाएँगे, फिर लॉस एंजिल्स के लिए निकल पड़ेंगे।”
जब वह पैराडाइज सिटी की ओर गाड़ी चला रहा था, तो मेग खिड़की से बाहर देखती रही, पहले ट्रैफिक को देखती रही, फिर समुद्र तट पर मस्ती करते हुए नहाने वालों को देखती रही, और फिर जैसे ही वे समुद्र तट पर पहुंचे, फलों के स्टॉलों को देखती रही।
चक ने कार के ग्लव कंपार्टमेंट से लिफाफे निकाले और उन्हें अपनी कमीज के अंदर रख लिया।

“चलो… सामान पैक करते हैं,” उसने कहा। उसकी आवाज़ में घबराहट थी। उसने अपनी घड़ी देखी। समय 12:45 था। सुबह काफी लंबी रही थी। आधे घंटे में वे हाईवे 25 पर निकलेंगे: बेले ग्लेड, व्हिडन, बकिंघम, नोकाटे, फिर हाईवे 17 पर।
दो हजार डॉलर कुछ न होने से तो बेहतर थे!
वे घाट के किनारे-किनारे चले, बदबूदार गली से होते हुए अपने किराए के मकान तक पहुंचे।
मोटा भारतीय अपनी मेज के पीछे बैठा था। जब वे उसके पास से गुज़रे और अपने कमरे की सीढ़ियाँ चढ़े, तो उसने मुस्कुराते हुए उन्हें देखा। दो हज़ार डॉलर! चक उसके पीछे-पीछे चलते हुए सोच रहा था, साथ ही कार भी। यह पागल भारतीय अपनी कार खोने की बात पुलिस को बताने की हिम्मत नहीं करेगा। सड़क पर पहुँचते ही, उन्होंने उसे और दो हज़ार डॉलर को मार गिराया!
मेग सीढ़ियों पर रुक गई।
“अच्छा, चलो... चलो!” चक ने चिड़चिड़ाते हुए कहा और उसके चारों ओर घूमते हुए उसने उनके कमरे का दरवाजा खोल दिया।
पोके तोहोलो बिस्तर पर बैठा संतरा खा रहा था। जैसे ही चक दरवाजे पर आकर रुका, पोके ने संतरे का बीज फर्श पर थूक दिया।
"तुम्हें कितने पैसे मिले?" उसने पूछा, उसकी काली आँखें चमक रही थीं।

***

जब मेग ग्रेहाउंड बस स्टेशन पर हीरे की अंगूठियों वाली लड़की के टेलीफोन पर बातचीत खत्म होने का इंतजार कर रही थी, तभी

कैप्टन टेरेल ने आखिरकार यह फैसला किया कि पोके तोहोलो नाम का एक भारतीय ही जल्लाद था।
जिस आखिरी रिपोर्ट को वह पढ़ रहा था, उसे अपनी मेज पर रखकर, उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और अपना पाइप जलाया।
“वह हमारा लड़का है,” उसने बीगलर से कहा। “अब हमें उसे ढूंढना ही होगा।” हत्या जांच दल की रिपोर्ट ने अंतिम निर्णय ले लिया था। दल को न केवल वेलकम मोटल के केबिन में पोक के उंगलियों के निशान मिले थे जो उस छोटे से पिछले कमरे में मिले निशानों से मेल खाते थे जहां पोक अपने माता-पिता के साथ रहता था, बल्कि उन्हें मोटल के केबिन में गद्दे के नीचे बंदूक छिपाए जाने के स्पष्ट संकेत भी मिले थे। न केवल गद्दे पर निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे, बल्कि बंदूक का तेल भी मिला था।
इसके अलावा, श्रीमती बर्था हैरिस द्वारा पोक का जो विवरण दिया गया था, वह लेप्सकी को डॉ. वानिकी से मिले विवरण से मेल खाता था। डॉ. वन्निकी की उम्र अस्सी वर्ष से अधिक थी और उनकी दृष्टि कमजोर हो रही थी।
लेप्सकी को यह आभास हुआ कि डॉक्टर की मानसिक स्थिति भी खराब हो रही है। मामूली बीमारियों के लिए उनका नाम अभी भी उपलब्ध था और सेमिनोल मूल निवासी उनके पास इसलिए जाते थे क्योंकि उनके दादा- दादी भी उनके पास जाते थे।
“पोक कोई बुरा लड़का नहीं था,” वानिकी ने लेप्सकी से कहा। “शायद थोड़ा गुस्सैल था, पर आजकल के युवा तो गुस्सैल होते ही हैं। क्या वह मानसिक रूप से बीमार था?” बूढ़े ने अपनी घनी दाढ़ी वाली ठुड्डी पर हाथ फेरा। वह उस सुबह शेव करना भूल गया था। “खैर, बहुत से लोग मानसिक रूप से बीमार होते हैं। मैं पोक को तो नहीं कहूंगा…” वह रुक गया और लेप्सकी को बेचैनी से घूरने लगा, मानो

उसके मन में कोई विचार आया हो: एक ऐसा विचार जो पहले कभी नहीं आया था। “हाँ, वह बहुत गुस्सैल था।”
लेप्सकी ने पूछताछ और छानबीन की, लेकिन वह बूढ़े व्यक्ति से उस विवरण के अलावा और कुछ नहीं निकाल सका जो वेलकम मोटल में ठहरे व्यक्ति के विवरण से मेल खाता था।
“खैर, अब हम जानते हैं कि वह कौन है,” टेरेल ने कहा। “मकसद मेरी समझ से परे है। क्या यह संभव है कि इस आदमी ने इन सभी लोगों को सिर्फ इसलिए मार डाला क्योंकि एक बूढ़ी औरत ने उसे नीग्रो कहा था?”
“वह पागल है,” बीगलर ने कहा। “उसमें खून की प्यास है। वह अमीरों को पसीना छुड़ा रहा है। आप कभी नहीं जान सकते कि एक पागल को क्या बात भड़का देती है।”
अब हमें उसे ढूंढना होगा।
“हाँ।” बीगलर ने अपनी पूरी तैयारी कर ली थी। उन्होंने कहा, “शहर में एक सौ बावन सेमिनोल इंडियन पंजीकृत हैं, और उनमें से आधे एक जैसे दिखते हैं। बाकी आधे भी बाकी आधे जैसे ही दिखते हैं, बस फर्क इतना है कि वे उम्र में बड़े हैं। हमें पोक तोहोलो से बात करने की बात फैलानी चाहिए: इसे रेडियो, टीवी और प्रेस में प्रसारित करो। क्या आपको लगता है कि मेयर इनाम की घोषणा करेंगे? अगर इनाम काफी बड़ा हुआ तो तोहोलो को बाहर निकाला जा सकता है।”
टेरेल ने इस पर विचार किया।
“ये भारतीय आपस में मिलजुल कर रहते हैं। अभी तक इस आदमी को पता नहीं है कि हम उसका पीछा कर रहे हैं।” उसने अपनी पाइप जलाते हुए कहा, “जैसे ही उसे पता चलेगा, वह छुप जाएगा। मुझे लगता है कि अभी

वह खुलेआम सुरक्षित महसूस कर रहा है, लेकिन एक बार छुपने के बाद उसे ढूंढना बहुत मुश्किल हो जाएगा।”
"अगर इनाम काफी बड़ा हो तो नहीं," बीगलर ने कहा, जो पैसे की ताकत में विश्वास रखते थे।
“हमारे लड़के पिछले कुछ दिनों से लगातार भारतीयों की जासूसी कर रहे हैं। उन्हें क्या पता चला है?”
"इतना कागज़ कि एक युद्धपोत डूब जाए।"
आपने इसका क्या किया?
"पूरी ज़मीन जैक हैचेट को सौंप दी।"
टेरेल ने पाइप के धुएं के बीच से बेगलर को तिरछी नजरों से देखा। "यह तो बहुत अच्छा विचार है, जो।"
“मुझे ये रिपोर्टें कभी-कभार मिलती रहती हैं,” बेगलर ने थोड़ी आत्मसंतुष्टि के साथ कहा। “अगर जैक इन रिपोर्टों को नहीं समझ सकता तो कोई और भी नहीं समझ सकता।”
जैक हैचसे शहर के पुलिस बल में एकमात्र सेमिनोल मूल निवासी थे। वे अभिलेख विभाग में काम करते थे और उम्रदराज होने के साथ-साथ अपनी अच्छी याददाश्त के लिए भी जाने जाते थे।
"देखते हैं कि उसे अभी तक कुछ मिला है या नहीं।"
बीगलर ने अपना सिर हिलाया।
“वह हमें बता देगा, चीफ। उसके पास ढेर सारे कागजात हैं और उस पर जल्दीबाजी करना संभव नहीं है। बेहतर होगा कि उसे अकेला छोड़ दिया जाए। मैंने उसे बताया है कि यह बहुत जरूरी है।”
टेरेल ने अपनी पाइप से एक कश लिया। उसने कुछ देर सोचा, फिर अपनी मेज पर रखी रिपोर्टों को खंगाला और अंत में उसे दो कागज़ मिले। वह उनका अध्ययन कर रहा था जबकि बीगलर ने सिगरेट जलाई।

“हम इंतज़ार करेंगे कि जैक कुछ पता लगाता है या नहीं,” उसने आख़िरकार कहा। “मुझे यकीन है कि अगर हमने यह ज़ाहिर कर दिया कि हम तोहोलो की तलाश में हैं, तो एक पर्दा गिर जाएगा और हम उसे नहीं ढूंढ पाएंगे।” उसने अपने हाथ में पकड़ी रिपोर्ट को पाइप के डंठल से थपथपाया। “लेकिन हमारे पास ये दो और लोग हैं: श्रीमान और श्रीमती जैक एलन। हम जानते हैं कि पोक के साथ कोई काम कर रहा था। श्रीमती हैरिस के अनुसार, एक पुरुष और एक महिला पोक के साथ मोटल आए थे। यह पक्का है कि ये दोनों ही पोक की मदद कर रहे हैं। हमारे पास उनका हुलिया और उनकी कार का हुलिया है। तो, जो, हम उनका पीछा करते हैं। जब हम उन्हें पकड़ लेंगे, तो वे हमें पोक तक ले जाएंगे। लड़कों को इस काम में लगा दो।” उसने कागज़ के दो पन्ने बीगलर को सौंप दिए। “वे कहीं न कहीं ठहरे होंगे। हर सस्ते होटल, गेस्ट हाउस की तलाशी लो और ब्यूक कार ढूंढो। एक बार जब हम उन्हें ढूंढ लेंगे, तो हम पोक को भी ढूंढ लेंगे।”
डेस्क पर लगे इंटरकॉम में भिनभिनाहट की आवाज आई। टेरेल ने एक स्विच दबाया।
"अध्यक्ष?"
वह सार्जेंट टैनर थे।
“क्या बात है, चार्ली?”
“मेरे पास एक महिला हैं... उनका कहना है कि वह आपसे बात करना चाहती हैं। श्रीमती मटिल्डा डोबे। मैंने उन्हें बताया कि आप व्यस्त हैं, लेकिन उनका कहना है कि वह भी व्यस्त हैं और यह महत्वपूर्ण है।”
"क्या आपने पूछा कि यह किस बारे में है?"
“हां... वो कहती है कि ये मेरा मामला नहीं है,” टैनर ने चिड़चिड़े स्वर में कहा।

टेरेल हिचकिचाया, फिर उसने कंधे उचका दिए।
“ठीक है… उसे ऊपर भेज दो।”
उसने बेगलर की ओर देखा।
"क्या श्रीमती मटिल्डा डोबे आपके लिए कुछ मायने रखती हैं, जो?" “अगर ऐसा होता भी, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करता,” बीगलर ने कहा और खड़े हो गए। “मैं लड़कों को काम पर लगा दूंगा।”
वह दफ्तर से निकला और जासूसों के कमरे की ओर चल पड़ा।
कुछ मिनट बाद, सार्जेंट टैनर ने टेरेल के दरवाजे पर दस्तक दी और फिर अंदर देखा।
"श्रीमती डोबे, प्रमुख।"
टेरेल ने अपनी मेज पर रखे कागजों के ढेर को एक तरफ धकेल दिया और हताश स्वर में कहा, "उसे अंदर आने दो, चार्ली।"
श्रीमती मटिल्डा डोबे सत्तर वर्ष की आयु के आसपास की एक दुबली- पतली महिला थीं। उन्होंने काले रंग के साफ-सुथरे लेकिन थोड़े जर्जर कपड़े पहने हुए थे। उनके बाल बर्फ जैसे सफेद थे और उनकी नीली आँखें बहुत ही चौकस थीं।
"क्या आप पुलिस प्रमुख हैं?" उसने टेरेल की मेज के सामने आकर बैठते हुए पूछा।
टेरेल उठ खड़ा हुआ और उसने उसे अपनी गर्मजोशी भरी, दोस्ताना मुस्कान दी। "जी हां, श्रीमती डोबे।"
वह अपनी डेस्क के चारों ओर घूमकर एक कुर्सी खींचने लगा। श्रीमती डोबे ने उन्हें स्वीकृति की दृष्टि से देखा। “धन्यवाद। मैं अब उतना जवान नहीं रहा जितना पहले था, लेकिन मैं खुद को अभी भी बूढ़ा नहीं मानता।”
"क्या आप एक कप कॉफी लेना चाहेंगी, श्रीमती डोबे?" टेरेल ने अपनी कुर्सी पर वापस जाकर बैठते हुए पूछा।

“नहीं, धन्यवाद। मुझे कुछ काम हैं। हो सकता है मैं आपको बताऊँ कि मैं बहुत दूर से आई हूँ। मुझे मिस्टर डोबे के लिए खाना लेने वापस जाना है। उन्हें मेरी चिंता हो रही होगी।”
“क्या परेशानी है?” टेरेल ने अपने बड़े हाथों को अपनी मेज पर रखे कागजों के ढेर पर रखते हुए पूछा।
“मैं अभी-अभी हवाई अड्डे से आई हूँ। मैं अपने पोते को छोड़ने गई थी। मैं अपनी बेटी को फोन करके बताना चाहती थी कि जेरी... मेरा पोता... सुरक्षित बच गया है।” श्रीमती डोबे थोड़ी देर रुकीं। “मैं नहीं चाहती कि आप यह सोचें कि मैं सिर्फ बोलने के लिए बोल रही हूँ, लेकिन मुझे पता है कि जब पुलिस अधिकारियों से बात करते हैं तो तथ्य बताने पड़ते हैं... है ना?”
“जी हां,” टेरेल ने कहा। उनका गुण धैर्य था और यही एक कारण था कि वे एक अच्छे पुलिस प्रमुख थे। “मेरी बेटी एक दफ्तर में काम करती है। मेरी बहन जो मियामी में रहती है, जेरी की देखभाल कर रही है... लेकिन, इसमें आपकी कोई दिलचस्पी नहीं होगी। मैंने जेरी को छोड़ने के लिए इसलिए हाँ कहा क्योंकि मेरी बेटी इस दफ्तर के कामों में व्यस्त थी... दादी-नानी का यही तो काम होता है, है ना?” टेरेल ने अपने पाइप से कश लिया और सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि यह सही है, श्रीमती डोबे।"
“मेरी बेटी इसे स्वाभाविक मानती है, लेकिन युवा लोग अक्सर चीजों को स्वाभाविक ही मान लेते हैं। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ऐसा मत सोचिए कि मैं शिकायत कर रहा हूँ।” टेरेल ने अपने पाइप से राख झाड़ते हुए कहा।
"क्या तुमने अपनी बेटी को फोन किया था?" उसने पाइप में पाइप भरते हुए कहा।

“हां। मैं एयरपोर्ट पर एक बूथ में गई थी। मेरा पर्स वहीं से गिर गया।” उसने टेरेल की ओर देखा, उसकी चौकस निगाहें सवालिया थीं। “अगर आप इसे बुढ़ापा कहना चाहें, तो कहिए, लेकिन ऐसा किसी के साथ भी हो सकता था।”
“हां, मुझे लगता है ऐसा ही है,” टेरेल ने कहा। “मैं खुद भी अक्सर चीजें गिरा देता हूं।”
श्रीमती डोबे ने उसे संदेह भरी नजरों से देखा।
"विनम्र होने के लिए आपको ऐसा कहने की जरूरत नहीं है।"
"क्या आपका पर्स गिर गया?"
वह मुस्कुराई; यह एक प्यारी और समझदारी भरी मुस्कान थी।
“मेरी समस्या ये है कि मैं बहुत ज्यादा बोलती हूँ, चीफ। माफ कीजिए।” वो अपनी कुर्सी पर और आराम से बैठ गई, फिर बोली, “जब मैं अपना पर्स उठाने के लिए झुकी तो मुझे सिक्कों के डिब्बे के नीचे ये लिफाफा दिखा… टेप से चिपका हुआ।” उसने अपना बड़ा, पुराना सा हैंडबैग खोला और उसमें से एक लिफाफा निकाला।
“अब मुझे लगा, लिफाफे के लिए यह बहुत अजीब जगह है।” उसने सीधे टेरेल की ओर देखा। “शायद मैंने गलती की है, लेकिन मैंने इसे खोल दिया। लेकिन अगर मैं इसे नहीं खोलती, तो मुझे कैसे पता चलता कि इसके अंदर क्या है? शायद मुझे पहले पुलिस वाले के पास जाकर उसे बिना खोले ही दे देना चाहिए था। क्या मुझे ऐसा करना चाहिए था?” "लिफाफे के अंदर क्या है?" टेरेल ने सवाल को टालते हुए पूछा। “बहुत सारा पैसा... बहुत सारा पैसा।” उसने उसकी ओर देखा। “जैसे ही मैंने अंदर देखा और इतना सारा पैसा देखा, मुझे समझ आ गया कि मुझे इसे खोलना नहीं चाहिए था। मुझे पता था कि मुझे आपके पास आना चाहिए, किसी पुलिस अधिकारी को नहीं देना चाहिए। इतना पैसा लालच पैदा करता है और पुलिस अधिकारी करोड़पति नहीं होते।”

टेरेल ने अपना गला साफ किया।
"क्या मैं लिफाफा ले सकता हूँ, श्रीमती डोबे? मैं आपको इसकी रसीद दे दूंगा।"
“मुझे रसीद नहीं चाहिए,” उसने लिफाफा देते हुए कहा। “मैं बस घर जाना चाहती हूँ ताकि मिस्टर डोबे को उनका खाना खिला सकूँ।”

सात

पोके तोहोलो ने आधा खाया हुआ संतरा फर्श पर गिरा दिया और उसे बिस्तर के नीचे धकेल दिया। उसने अपनी उंगलियों को अपने हिपस्टर्स से पोंछा, फिर अपना हाथ आगे बढ़ाया।
“तुम्हें कितने पैसे मिले?” उसने पूछा।
चक कमरे में ऐसे आया मानो उसे पता हो कि फर्श दीमक से भरा हुआ है और उसके वजन से धंस जाएगा।
बिस्तर पर बैठे भारतीय को देखकर उसका दिमाग सुन्न पड़ गया। दस सेकंड पहले, वह कल्पना कर रहा था कि वह मेग के साथ कार में बैठा है और उसकी जेब में दो हजार डॉलर हैं। सिक्के के इस अचानक घूमने से उसकी प्रतिक्रियाएँ मानो रुक गईं, मानो उसके मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाएँ कट गई हों।
“तुम्हें कितने पैसे मिले?” पोक ने दोहराया।
चक ने खुद को संभाला और उसके दिमाग का एक हिस्सा काम करने लगा।
क्या इस सनकी भारतीय को किसी बात का शक था? उसने खुद से पूछा।
उसने पोक की ओर देखा, उसके भावहीन भूरे चेहरे और चमकती काली आँखों को देखा, लेकिन उसे यह बताने के लिए कुछ भी नहीं था कि पोक को संदेह था कि उसके साथ विश्वासघात होने वाला है।
"उनमें से एक ने पैसे नहीं दिए," चक ने भारी आवाज में कहा।
उसे एहसास हुआ कि मेग उसके पीछे है, इसलिए वह कमरे में और आगे बढ़ गया ताकि वह अंदर आ सके।
वह पोक की ओर देखे बिना खिड़की के पास गई और इकलौती सीधी कुर्सी पर बैठ गई। उसने अपने बालों को कंधों से ऊपर उठाया और फिर उन्हें लापरवाही से पीछे गिरने दिया, जिससे चक का मन किया कि

उसे एक थप्पड़ मार दे। वह आगे की ओर झुकी, कोहनियों को खिड़की के किनारे पर टिकाया और नीचे व्यस्त घाट को देखने लगी।
"क्या तुम्हें लगता है कि मैं इस पर विश्वास कर लूंगा?" पोक ने चक को घूरते हुए पूछा।
चक ने अपनी जीभ से अपने होंठों को गीला किया।
"उससे पूछो... उसने ही लिफाफे इकट्ठा किए थे।"
“मैं तुमसे पूछ रहा हूँ,” पोक ने कहा।
धीरे-धीरे और अनिच्छा से चक ने अपनी कमीज के अंदर से चारों लिफाफे निकाले।
वे उसके पसीने से भीगे हुए थे और उसने उन्हें बिस्तर पर फेंक दिया।
“उनमें से एक ने पैसे नहीं दिए... हवाई अड्डे पर मिली महिला ने: मैंने उसे वापस भेज दिया। उसने हर बूथ की जाँच की।”
“हवाई अड्डा!” पोक के चेहरे पर राहत की लहर दौड़ गई। “हैनसेन... हाँ... मैं इससे सहमत हूँ। हैनसेन भुगतान नहीं करेगा, लेकिन वह करेगा।”
चक को समझ नहीं आ रहा था कि पोक क्या कह रहा है। वह दीवार से टिककर खुद को शांत करने की कोशिश कर रहा था। उसने पोक को लिफाफे खोलते और पैसे गिनते देखा। पोक ने चक की तरफ छह सौ डॉलर के नोट उछाले।
“कल पाँच और,” पोक ने कहा। उसने एक पर्ची निकाली और बिस्तर पर गिरा दी। “गाय दुहने जैसा ही है, है ना?”
“हाँ।” चक ने देखा कि भारतीय ने बाकी पैसे अपनी जेब में रख लिए। बस इतना ही... हाँ।"
पोक उठा और चक को पीछे छोड़ते हुए दरवाजे की ओर बढ़ गया।

“हो सकता है कि वे सभी भुगतान न करें, लेकिन उनमें से अधिकतर करेंगे।” उसकी काली आँखें चक पर टकटकी लगाए टिकी थीं। “वे डरे हुए हैं। जब लोग डर जाते हैं तो वे वही करते हैं जो उन्हें कहा जाता है,” और वह चला गया।
कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर मेग ने बिना इधर-उधर देखे कहा, "क्या आप चाहते हैं कि मैं सामान पैक कर दूं?"
“क्या तुमने उसकी बात नहीं सुनी, बेवकूफ कुतिया?” चक गुस्से से बोला। “हम कल फिर से यही करेंगे।”
क्या हम ऐसा करते हैं?
उसकी आवाज़ में एक ऐसा लहजा था जिसने उसे चौंका दिया और उसने उसकी ओर देखा। वह अब भी खिड़की से बाहर देख रही थी। उसके बालों ने उसका चेहरा छिपा रखा था, लेकिन उसकी आवाज़ में छिपे लहजे ने उसे बेचैन कर दिया। उसे अचानक एहसास हुआ कि उसमें उन बूथों पर जाकर पैसे लेने की हिम्मत कभी नहीं होगी। वह ऐसा कभी नहीं कर सकता। यह एक सरासर जाल था। लिफाफा निकालते ही पुलिस के उस पर टूट पड़ने के ख्याल से ही उसे पसीना आ गया।
उसने पोक द्वारा छोड़ा गया कागज का टुकड़ा उठाया और उस पर लिखी हुई बातें पढ़ीं:
एयरपोर्ट बूथ बी.
ग्रेहाउंड बस। बूथ 4।
रेलवे स्टेशन। बूथ नंबर 1।
एक्सेलसियर बूथ 2.
एडलॉन बूथ 6.
ठीक है, उसने सोचा, मान लो कि उनमें से केवल तीन ही सही हैं: पंद्रह सौ डॉलर और पोके ने उसे जो छह सौ डॉलर दिए थे! लेकिन इस बार वह इस बेकार जगह पर वापस नहीं आएगा। जैसे ही वे आखिरी

लिफाफा उठा लेंगे, वे चले जाएंगे। इस बार उनका सामान लेने के लिए वापस आना उसकी मूर्खता थी।
“सुनो,” उसने कहा, “कल, हमें पैसे मिल जाएँगे और हम चले जाएँगे। इस बार हम वापस नहीं आएँगे। यहीं मुझसे गलती हुई। कल, जैसे ही हमें पैसे मिलेंगे, हम गाड़ी लेकर निकल जाएँगे। उसे तब तक पता नहीं चलेगा जब तक हम मीलों दूर नहीं पहुँच जाते।”
वह मुड़ी और उसकी ओर देखा।
“तुम कुछ खास नहीं हो, है ना, चक?” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “मैंने सोचा था कि तुम कोई खास इंसान हो। लगता है मैं बेवकूफ थी। अब मेरे पास कुछ नहीं है। मेरे पास तो कुछ भी नहीं से भी कम है।”
“तुम मुझे दो हज़ार डॉलर दोगे, बेवकूफ! क्या ये कुछ भी नहीं है?” चक ने गुस्से से कहा। “कल हम बेगुनाह हो जाएँगे। तुम ये करोगे ना?”
वह मुड़ी और खिड़की से बाहर देखने लगी। स्पंज से बनी नावें अंदर आ रही थीं। तीन आदमी सौ पाउंड के कछुए को उठाने में लगे हुए थे। भारतीय लोग संतरे लहरा रहे थे और उदासीन खरीदारों पर चिल्ला रहे थे।
चक उठ खड़ा हुआ और उसके पास गया। उसने उसे खिड़की से दूर खींच लिया। उसके गर्म, पसीने से तर हाथों ने उसकी बाहों को कसकर पकड़ लिया और उसे हिलाया।
“तुम इसे करोगे ही, है ना?” उसने पूछा।
"मैं कर दूंगी," उसने कहा और उसकी आंखों में खोई हुई सी नज़र देखकर चक ने उसे छोड़ दिया।
"मुझे क्यों परवाह करनी चाहिए, तुम तो सोने की परत चढ़ी रोटी कमाने की टिकट हो?"

ओसिडा को पोके तोहोलो पसंद था। वह जानता था कि वह खतरनाक है, लेकिन अगर इस मूर्ख, लापरवाह दुनिया में जीविका कमानी है, तो खतरनाक होना ही पड़ेगा।
वह जानता था कि पोक ही जल्लाद है क्योंकि वह शहर के हर आपराधिक मामले से वाकिफ था। अमीर गोरों से बदला लेने का उसका यह विचार उसे काफी रचनात्मक लगा।
वह हर तरह के आविष्कार की सराहना करता था। वह यह भी जानता था कि पोक थोड़ा सनकी था। खैर, बहुत से सनकी लोग महत्वपूर्ण काम करते हैं। चाहे कोई भी व्यक्ति, सनकी हो या नहीं, जो अमीर गोरों को डराने और उससे पैसा कमाने का विचार सोच सकता था, उसे ओसीडा की स्वीकृति प्राप्त थी।
इसलिए जब पोके ओसिडा की मेज के सामने आकर रुका, तो ओसिडा ने अपने चेहरे पर सबसे चौड़ी मुस्कान बिखेर दी।
“मुझे बंदूक चाहिए,” पोक ने धीमी आवाज़ में कहा।
ओसिडा आगे झुका और अपनी मेज के दूसरी तरफ रखे एक डिब्बे से एक पंख वाली टूथपिक निकाली। उसने पोके को देखते हुए उस पंख को अपने सोने के दांतों के बीच फंसा लिया।
“किस तरह की बंदूक?” उसने पूछा।
“एक बढ़िया...38, स्वचालित और सटीक,” पोक ने उससे कहा। ओसिडा ने कलम निकाली, उस पर जो लगा था उसे अपनी कमीज़ की आस्तीन से पोंछा, फिर कलम को डिब्बे में रख दिया।
“बंदूकें महंगी होती हैं, पोके। क्या तुम्हारे पास पैसे हैं?” मैं सौ डॉलर दूंगा।
ओसीडा उन पुरुषों की प्रशंसा करता था जो उससे डरते नहीं थे। पोक उन्हीं गिने-चुने लोगों में से एक था।
"इंतज़ार।"

वह अपनी डेस्क से उठा और भारी-भरकम शरीर के साथ पीछे वाले कमरे में चला गया। लगभग दस मिनट बाद, वह भूरे कागज में लिपटा और रस्सी से बंधा एक पार्सल लेकर लौटा। उसने पार्सल को अपनी डेस्क पर रख दिया। जैसे ही पोके ने अपनी कमर की जेब में हाथ डाला, ओसिडा ने अपना सिर हिला दिया।
“मुझे तो कुछ खर्च नहीं करना पड़ा... तो तुम्हें क्यों खर्च करना चाहिए?”
पोक ने मेज पर सौ डॉलर का नोट रखा और पार्सल उठा लिया।
"मैं अपनी मनचाही चीज़ के लिए पैसे देता हूँ," उसने रूखेपन से कहा और चिलचिलाती धूप में बाहर निकल गया।
ओसिडा की हमेशा वाली मुस्कान गायब हो गई। उसने बिल को घूरकर देखा, फिर उसे अपनी कमीज की जेब में रख लिया।
उनका मानना था कि जब तक बेहद जरूरी न हो, किसी को भी पैसा खर्च नहीं करना चाहिए। यही उनके जीवन का दर्शन था।
उसने अपने मोटे जबड़े के किनारे को रगड़ा।
हो सकता है कि यह लड़का जितना सोच रहा था उससे कहीं ज्यादा बीमार हो।

***

जब बीगलर ने टेरेल को फिरौती का नोट वापस सौंपा, तो उसने कहा, "ठीक है, अब हमें मकसद पता चल गया है।"
टेरेल ने कहा, "यह सिर्फ एक बूढ़ी औरत द्वारा उसे नीग्रो कहने से कहीं अधिक होना चाहिए था।"
“फिफ्टी क्लब के कितने अन्य सदस्यों की यही मांग रही है? क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं? क्लब के ये लोग, जो पहले ही हो चुकी

घटनाओं से बुरी तरह डरे हुए हैं, पैसों की मांग का सामना कर रहे होंगे और अपनी जान बचाने के लिए, हमें सूचित किए बिना भुगतान कर रहे होंगे।”
बीगलर ने एक और सिगरेट जलाई।
“मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता, चीफ। अगर यही उसका धंधा है तो यह एक चालाक चाल है। उनमें से तीन को इसलिए बाहर कर दिया गया है ताकि बाकी लोग कमजोर पड़ जाएं और हमने बाकी बूढ़े लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कुछ खास नहीं किया है, है ना?” टेरेल ने सिर हिलाया।
“मैं हैनसेन से मिलूंगा। हमें उसकी सुरक्षा करनी होगी, और मेरा मतलब है कि पूरी सुरक्षा। उसने पैसे चुका दिए हैं, लेकिन पोके के पास पैसे नहीं हैं और हो सकता है कि उसे लगे कि हैनसेन ने पैसे नहीं चुकाए और वह पलटवार कर दे। क्लब के आगे और पीछे कुछ अच्छे सुरक्षाकर्मी तैनात करो। क्लब में आने-जाने वाले हर भारतीय की जांच होनी चाहिए।”
बीगलर जासूसों के कमरे में चला गया जबकि टेरेल पीछे की सीढ़ियों से नीचे पुलिस यार्ड में गया जहां उसकी कार खड़ी थी। जब बीगलर जासूसों के कमरे में दाखिल हुआ तो वह खाली था। हर उपलब्ध पुलिसकर्मी मिस्टर और मिसेज़ जैक एलन नाम के एक दंपत्ति को ढूंढने में लगा हुआ था। हैंसन की सुरक्षा को लेकर तत्परता को समझते हुए, बीगलर ने अनिच्छा से मियामी पुलिस बल के कैप्टन हेमिंग्स को अतिरिक्त सहायता के लिए फोन किया।
“तुम्हारे पास पहले से ही मेरे पंद्रह आदमी हैं,” हेमिंग्स ने कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि हमारे अपने शहर में कोई अपराध नहीं होता?”

“अगर मुझे दो और आदमी उधार मिल जाएं, महोदय,” बेगलर ने कहा, “तो मैं आपका आभारी रहूंगा। जैसे ही मेरे अपने दो लड़के उपलब्ध होंगे, मैं उन्हें वापस भेज दूंगा।”
“जानते हो, जो? अगर मैं तुम्हारा ये काम संभाल रहा होता, तो अब तक मैंने इस रेडस्किन टीम को हरा दिया होता। फ्रैंक इसे गलत तरीके से संभाल रहा है, लेकिन ये उसका इलाका है, तो मैं कौन होता हूँ बोलने वाला?”
बीगलर ने बड़ी मुश्किल से अपने गुस्से पर काबू पाया।
"कैप्टन टेरेल को पता है कि वह क्या कर रहे हैं, महोदय।"
बेगलर की आवाज में दबी हुई सी खामोशी ने हेमिंग्स को याद दिलाया कि वह बेगलर के बॉस की आलोचना कर रहा था।
“ज़रूर,” उसने जल्दी से कहा। “अच्छा, ठीक है। मैं तुम्हारे पास कुछ आदमियों को भेज देता हूँ। शायद अगर कभी यहाँ अपराध बढ़ जाए, तो तुम हमारी मदद करोगे, है ना?” उसने ठहाके लगाकर हँसते हुए कहा, “अगर कभी हमें मदद की ज़रूरत पड़ी, जो कि नहीं पड़ेगी।” “उम्मीद है ऐसा नहीं होगा, महोदय।” बीगलर चाहता था कि वह टेलीफोन की तार पर सरकते हुए हेमिंग्स के मोटे पिछले हिस्से पर लात मारे और वापस अपनी डेस्क पर सुरक्षित लौट जाए, लेकिन चमत्कार ऐसे नहीं होते।
"एक घंटे में आपके आदमी को ढक दिया जाएगा," हेमिंग्स ने वादा किया।
लेकिन यह खबर बहुत देर से आई। जब टेरेल भारी ट्रैफिक में फंसा हुआ था और हेमिंग्स दो जासूसों को पैराडाइज सिटी भेजने की तैयारी कर रहा था, तभी पोक तोहोलो ने हमला कर दिया।
एलियट हैनसेन को मारना कोई मुश्किल काम नहीं था। जोखिम तो थे ही, लेकिन पोक उन जोखिमों को स्वीकार करने के लिए तैयार था।

समय दोपहर 2:30 बज रहा था: क्लब का दोपहर का भोजन समाप्त हो चुका था; भारतीय कर्मचारी तहखाने में स्थित विशाल रसोई में अपना दोपहर का भोजन कर रहे थे; क्लब के दो-तिहाई सदस्य अपने कार्यालयों में लौट चुके थे और बाकी एक-तिहाई लाउंज में झपकी ले रहे थे। यह सब पोक को पता था।
उसे यह भी पता था कि इस समय इलियट हैनसेन अपने कार्यालय में चले गए और चालीस मिनट की झपकी लेने के लिए सोफे पर लेट गए। हैनसेन की नसें संवेदनशील थीं, इसलिए उन्होंने अपने खर्च पर इस कार्यालय को ध्वनिरोधक बनवाया था। यह बात पोक को भी पता थी।
वह क्लब के स्टाफ प्रवेश द्वार पर लगभग उसी समय पहुंचा जब दो ऊबे हुए जासूस पैराडाइज सिटी की ओर जा रहे थे और उसी समय कैप्टन टेरेल क्लब से लगभग आधा मील दूर एक लाल ट्रैफिक लाइट के सामने रुक गए।
पोक मंद रोशनी वाले गलियारे में चुपचाप आगे बढ़ रहा था, रसोई में खाना खाते और बातें करते कर्मचारियों की आवाज़ सुन रहा था। उसने रैक से कई सफेद कोटों में से एक उठाया और पहन लिया। वह उसके लिए थोड़ा बड़ा था, पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। वह खुले रसोई के दरवाजे से गुजरा और किसी ने उसे नहीं देखा। वह सुनसान भोजन कक्ष में गया, फिर गलियारे से होते हुए बार की ओर बढ़ा। बार के प्रवेश द्वार पर पहुँचकर उसने अपने कदम धीमे कर दिए। उसने अपने पिता को इस्तेमाल किए हुए गिलास उसी धैर्य और विनम्रता से धोते देखा, जो हमेशा पोक को गुस्सा दिलाती थी। वह कुछ देर के लिए नज़रों से ओझल होकर उस बूढ़े आदमी को देर तक देखता रहा और उसे बड़े कमरे में जाकर अपने पिता को बाहों में भर लेने की तीव्र इच्छा हुई। वह जानता था कि वह ऐसा नहीं कर सकता, इसलिए वह आगे बढ़ गया।

क्लब के दो सदस्य: चुस्त-दुरुस्त, तंदुरुस्त आदमी, जिनकी उंगलियों के बीच सिगार थी, उसके पास से गुज़रे। उन्होंने उसे नहीं देखा। भला सफेद कोट पहने बंदर को कौन देख सकता है? वह दीवार पर बैठी मक्खी की तरह गुमनाम था।
वह हैनसेन के दफ्तर पहुंचा। उसने यह देखने के लिए इधर-उधर भी नहीं देखा कि कोई उसे देख रहा है या नहीं। उसने धीरे से दरवाज़े का हैंडल घुमाया और कमरे में प्रवेश किया। दरवाज़ा बंद होते ही हल्की सी आवाज़ आई, क्योंकि दरवाज़े के चारों ओर लगे साउंडप्रूफिंग से हवा बाहर निकल गई।
एलियट हैनसेन अपनी डेस्क पर बैठा था। आम तौर पर इस समय वह सो रहा होता था, लेकिन अब उसे नींद नहीं आ रही थी क्योंकि वह बहुत डरा हुआ था। उसने जो दुनिया बनाई थी, वह बिखर रही थी और उसे लग रहा था कि जल्द ही वह उस पर गिर पड़ेगी।
उसने ऊपर देखा और उसे सफेद जैकेट पहने एक भारतीय दिखाई दिया और उसने अधीरता से हाथ हिलाया।
“मैंने तुम्हें बुलाया नहीं था! चले जाओ! अंदर आने का क्या मतलब है...” तभी उसने पोक को पहचान लिया और एक गहरी सांस लेते हुए अपनी कुर्सी पर पीछे हट गया।
पोक ने बंदूक उठाई। ट्रिगर दबाते समय उसके भूरे चेहरे पर हल्की सी मुस्कान थी।
पहली गोली से हैनसेन की सफेद जैकेट पर दाहिने कंधे के पास खून का एक धब्बा बन गया, जिससे पोक को पता चल गया कि बंदूक दाहिनी ओर चली थी। दूसरी गोली हैनसेन के मुंह में लगी, जिससे उसके सुंदर सफेद दांत चकनाचूर हो गए। तीसरी गोली से उसका दिमाग उसके शव के ब्लॉटर पर बिखर गया।

जब कैप्टन टेरेल दस मिनट बाद वहाँ पहुँचे तो उन्होंने उसे इसी हालत में पाया।

***

सार्जेंट बेगलर जब टेरेल के दफ्तर में दाखिल हुए तो उनके चेहरे पर पसीने की बूँदें थीं और आँखों में उग्रता झलक रही थी। टेरेल ने उन्हें प्रेस से निपटने का कठिन और चुनौतीपूर्ण काम सौंपा था और हिदायत दी थी कि वे कोई भी जानकारी सार्वजनिक न करें। प्रेस की प्रतिक्रिया बेगलर के लिए असहनीय साबित हुई।
“जानते हो वो कमीने हमें क्या कह रहे हैं?” उसने अपनी बड़ी मुट्ठियाँ भींचते और खोलते हुए कहा। “कीस्टोन पुलिस! उन्होंने कहा…”
“ठीक है, जो, उनकी चिंता मत करो।” टेरेल ने अभी-अभी मेयर हेडली से फोन पर बात की थी, जो लगभग बेकाबू थे। टेरेल को पूरा यकीन था कि वह सही चाल चल रहा है, इसलिए न तो उसकी बेकाबू हरकत और न ही चिल्लाहट उसे विचलित कर सकती थी। “बैठ जाओ... थोड़ी कॉफी पी लो।” बीगलर बैठ गया और अभी-अभी आई कॉफी को एक कागज के कप में डाल दिया।
“कल तो हमें बहुत सारे सवालों का सामना करना पड़ेगा, चीफ,” उन्होंने शांत होने की कोशिश करते हुए कहा। “और आज रात टीवी समाचारों में... वो तो कमाल ही होगा!”
"क्या आपने उनसे कहा था कि हमारे पास कोई सुराग नहीं है?"
उस घटना को याद करके बेगलर सिहर उठा।
"मैंने उन्हें बताया था।"
टेरेल ने अपनी पाइप भरना शुरू कर दिया।

“अच्छा। तुमने कितने आदमियों को पकड़ा है?”
"छह लोग बाहर इंतजार कर रहे हैं।"
"चलो उन्हें अंदर बुला लेते हैं।"
लेप्सकी के नेतृत्व में, टेरेल के पांच साथी कार्यालय में आए। उनमें मैक्स जैकोबी, डेव फैरेल, जैक वालेस, एंडी शील्ड्स और एलेक हॉर्न शामिल थे।
टेरेल ने कहा, "कुर्सियाँ ढूंढो और बैठ जाओ।"
कुछ क्षणों की अफरा-तफरी के बाद छहों जासूस अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए।
“आप स्थिति से वाकिफ हैं,” टेरेल ने कहा। “आप सभी ने रिपोर्टें पढ़ ली हैं। हमारा नंबर वन संदिग्ध पोके तोहोलो है। ये दो लोग, जो खुद को मिस्टर और मिसेज जैक एलन बताते हैं, उसके साथ काम कर रहे हैं और हमें उस तक पहुंचा सकते हैं। आपके पास उनका हुलिया है। उन्हें पहचानना मुश्किल नहीं होना चाहिए क्योंकि उन्हें पता नहीं है कि हम उनका पीछा कर रहे हैं। यही वजह है कि प्रेस हमें निशाना बना रही है। हमने कह दिया है कि हमारे पास कोई सुराग नहीं है और जब तक प्रेस हमें निकम्मा पुलिस वाला कहती रहेगी, ये तीनों उतने ही बेफिक्र होते जाएंगे और मैं यही चाहता हूं कि वे बेफिक्र रहें।” वह अपनी पाइप जलाने के लिए रुका, फिर बोला, “मुझे यकीन है कि फिफ्टी क्लब के कई सदस्यों से पैसों की मांग हुई है और मुझे यह भी यकीन है कि उन्होंने पैसे दे भी दिए हैं, लेकिन उनमें से कोई भी इसे स्वीकार नहीं करेगा। वे कायर लोग हैं और हैंसन की हत्या ने उन्हें बुरी तरह डरा दिया है। हैंसन ने पैसे दिए थे, लेकिन पोक से पहले किसी ने पैसे ढूंढ लिए, इसलिए उसने हैंसन को मार डाला। सार्वजनिक टेलीफोन के कॉइन बॉक्स के नीचे पैसों से भरा लिफाफा टेप से चिपकाने का विचार

चालाकी भरा है। सार्वजनिक टेलीफोन लगातार इस्तेमाल में रहते हैं और अगर हमारे पास इन तीनों का हुलिया न होता तो लिफाफा लेने वाले को पहचानना लगभग नामुमकिन होता: यह बात उन्हें नहीं पता और उन्हें पता नहीं होनी चाहिए। हमें पता है कि उन्होंने हवाई अड्डे पर एक टेलीफोन बूथ का इस्तेमाल किया है और चूंकि उन्हें नहीं पता कि हम उन पर नज़र रख रहे हैं, वे फिर से उसका इस्तेमाल कर सकते हैं। मैक्स, डेव और जैक, आप तुरंत हवाई अड्डे जाइए। हर टेलीफोन बूथ में जाइए और कॉइन बॉक्स के नीचे टटोलिए। अगर आपको कोई लिफाफा मिले, तो उसे वहीं छोड़ दीजिए और मुझे फोन कीजिए। इसमें थोड़ा समय लगेगा। समय। आपको टेलीफोन बूथ में जाने वाले किसी भी व्यक्ति की तरह व्यवहार करना होगा। बस याद रखें कि आप पर नज़र रखी जा रही है और एक गलत कदम इस ऑपरेशन को बर्बाद कर सकता है। मुझे यह आपको स्पष्ट रूप से बताने की ज़रूरत नहीं है, है ना?
तीनों पुरुषों ने सिर हिलाया।
“अगर वहाँ पहुँचने पर आपको इनमें से कोई भी दिखे, तो उनके साथ रहें। आप लेप्सकी के साथ रेडियो संपर्क में रहेंगे। हम उन सभी को पकड़ना चाहते हैं। अगर आपको तीनों एक साथ दिखें, तो उनके करीब जाएँ, लेकिन सावधान रहें... वे खतरनाक हैं। मेरा अनुमान है कि उनमें से केवल एक ही सामान इकट्ठा करेगा... शायद लड़की। अगर उनमें से केवल एक ही है, तो उसका पीछा करें और रिपोर्ट करते रहें। क्या आपको यह सब समझ आ गया?”
तीनों पुरुषों ने फिर से सिर हिलाया।
ठीक है, अब जाओ।
एयरपोर्ट लॉबी में बूथ बी के कॉइन बॉक्स के नीचे लिफाफा जैक वालेस को मिला। कॉइन बॉक्स से टेक लगाकर, अपने भारी शरीर से

सबकी नज़रों को बचाते हुए, उन्होंने अपना बायां हाथ कॉइन बॉक्स के नीचे डाला और दाएं हाथ से एक नंबर डायल किया। उन्हें थोड़ी सी उत्तेजना महसूस हुई। उनका इरादा अपनी पत्नी से थोड़ी देर बात करने का था, लेकिन लिफाफा मिलते ही उन्होंने फोन काट दिया और दोबारा डायल किया, इस बार उन्होंने टेरेल को कॉल किया। “मुझे मिल गया, चीफ,” उसने कहा। “बूथ बी।”
टेरेल ने एक गहरी सांस ली: उसका दांव सफल हो गया था! "ठीक है, जैक। हवाई अड्डे से निकलो और लेप्सकी को रिपोर्ट करो।"
वॉलेस ने फोन रखा और बूथ से बाहर निकल गया, उसने उस बुजुर्ग महिला की ओर एक नजर डाली जो बेसब्री से उसकी जगह लेने का इंतजार कर रही थी।
लेप्सकी अपनी कार में बैठा था, उसका रेडियो चालू था, तभी टेरेल की आवाज ने उसका ध्यान खींचा।
“जैक को बूथ बी में लिफाफा मिल गया है,” टेरेल ने उससे कहा। “अब तुम संभालो, टॉम; यह ऑपरेशन पूरी तरह से तुम्हारा है... और शुभकामनाएँ।”
लेप्सकी ने अपना हाथ अपनी जैकेट के अंदर डाला और अपनी.38 पुलिस स्पेशल पिस्तौल के बट को छूते हुए कहा, "ठीक है, चीफ, जब कुछ होगा तो मैं रिपोर्ट करूंगा," और उसने बंदूक बंद कर दी।
वालेस लेप्सकी की कार के पास दिखाई दिया।
“बाकी सबको सूचित करो, जैक,” लेप्सकी ने कहा। “मैं अंदर जाकर चारों ओर देखता हूँ।”
वह कार से उतरा और विशाल पार्किंग स्थल को पार करते हुए हवाई अड्डे की लॉबी में चला गया। वह बेफिक्र होकर इधर-उधर भटकती भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ा। वह टेलीफोन बूथों की कतार के पास से गुजरा, बूथ बी में बैठी बुजुर्ग महिला को एक पल के लिए

देखा, फिर नियंत्रण कार्यालयों वाली लॉबी के ऊपर स्थित गैलरी की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर चढ़ गया। गैलरी से उसे बूथ बी साफ दिखाई दे रहा था।
“माफ़ कीजिए महोदय, लेकिन आप यहाँ नहीं रह सकते। यह केवल हवाई अड्डे के अधिकारियों के लिए है।” एक लड़की ने कहा।
लेप्सकी ने मुड़कर उसे देखा।
वह कद में छोटी, सुंदर और सांवली थी, उसने पैराडाइज़ सिटी एयरलाइंस की पीली ब्लाउज़ और काली मिनी स्कर्ट वाली वर्दी पहनी हुई थी। कुछ देर तक उसकी निगाहें उसकी टांगों पर टिकी रहीं, फिर जब उसने शरमाते हुए हल्की सी हंसी हंसी, तो वह एकदम पुलिसवाले की तरह व्यवहार करने लगा।
"यहाँ का मुखिया कौन है?" उसने पूछा और अपना बैज दिखाया।
कुछ मिनट बाद, वह एक कार्यालय में बैठा था, कांच के विभाजन से नीचे लॉबी में और बूथ बी की ओर देख रहा था, जो उसकी नजरों से ओझल था, और उसका रेडियो चालू था।
लेप्सकी को इंतज़ार करना सिखाया गया था। यही पुलिस का काम था। पहले चार घंटे बहुत धीरे-धीरे गुज़रे। हर घंटे के अंत में, उसका एक आदमी टेलीफोन बूथ में जाकर यह देखता कि लिफाफा अभी भी वहीं है या नहीं। इंतज़ार के दौरान 53 लोगों ने बूथ का इस्तेमाल किया। कुछ और काम करने के लिए, लेप्सकी ने उन्हें गिना, लेकिन उनमें से कोई भी उन तीन लोगों के हुलिए से मेल नहीं खाता था जिनका वह इंतज़ार कर रहा था। पाँच घंटे बाद, मैक्स जैकोबी ने उसकी जगह ली और लेप्सकी ने एयरपोर्ट सुपरवाइज़र द्वारा दिए गए एक ट्रक के बिस्तर पर झपकी ली।

उसने एयर होस्टेस का सपना देखा। सपने में उसकी हरकतों ने उसे चौंका दिया, और उसे चौंकाना आसान नहीं था। जब वह जागा तो निराश था।

***

चक ने सुबह की कॉफी पीने के बाद सबसे पहले अपनी ब्यूक कार की जांच की।
वह कार को सर्विस स्टेशन ले गया, टैंक भरवाया, टायर और बैटरी चेक करवाई और रेडिएटर में पानी भरवाया। गैरेज वाले ने बताया कि दो स्पार्क प्लग बदलने चाहिए, तो चॉक ने उन्हें बदलवा दिया। पैसे मिलने के बाद, उसे एक लंबी यात्रा करनी थी और उसे कोई जोखिम नहीं लेना था। यह उसके काम का अंत था। उसके लिए, दो हज़ार डॉलर और एक कार का मतलब एक नई ज़िंदगी थी। उसका दिमाग इतना संकीर्ण था कि वह यह नहीं सोचता था कि पैसे खर्च होने के बाद क्या होगा। वह आज के लिए जीता था। उसे हमेशा और पैसे मिल जाते थे: अगर आप ढूंढते तो हमेशा कोई न कोई धंधा चल ही जाता था। कल की चिंता क्यों करें? कार पूरी तरह से ठीक हालत में थी, यह देखकर वह संतुष्ट हो गया और उसे तट पर ले जाकर पार्क कर दिया। उसने अपनी घड़ी देखी: समय 10:43 था। आधे घंटे में ऑपरेशन शुरू होने वाला था। धूप में खड़े होकर उसने पोक द्वारा दिए गए कागज़ का अध्ययन किया। उसने हवाई अड्डे को सबसे आखिर में छोड़ने का फैसला किया। हवाई अड्डे से वह हाईवे 25 होते हुए लॉस एंजिल्स जा सकता था। इसलिए पहला पड़ाव एडलॉन होटल होगा।
उसने मेग को, जिसे वह बिस्तर पर छोड़कर गया था, बताया था कि वह उससे समुद्र तट पर मिले।

सिगरेट जलाकर वह एक खंभे के पास गया और उस पर बैठ गया। बंदरगाह का यह हिस्सा खाली था। स्पंज से बनी नावें समुद्र में थीं। बंदरगाह के दूसरी ओर उसे अमीरों की नौकाएँ, मोटरबोट और पाल वाली नावें दिखाई दे रही थीं। उसने तेल लगे पानी में राख झाड़ दी और अपनी नाक को हाथ के पिछले हिस्से से रगड़कर आराम करने की कोशिश की।
चक कभी अखबार नहीं पढ़ता था और न ही रेडियो सुनता था। वह अपनी ही छोटी, सीमित दुनिया में रहता था। इसलिए उसे हैनसेन की हत्या और उसके बाद प्रेस में मचे हंगामे के बारे में कुछ भी पता नहीं था। पोक ने कहा था, जैसे गाय का दूध दुहते हैं।
चक ने बेचैनी से मुस्कुराते हुए कहा। पूरी तरह नहीं, लेकिन लगभग। गाय खतरनाक हो सकती है। उसने सोचा कि जब उस भारतीय को पता चलेगा कि दुहा जाने वाली गाय वही है, तो उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी।
लगभग 11 बजे के कुछ देर बाद वह वापस कार की ओर चला गया।
दिन के इस समय घाट पर भारतीयों, मछुआरों, कैमरों से लैस पर्यटकों और आलीशान नौकाओं के कर्मचारियों की भीड़ लगी रहती थी। लोग दिन का पहला पेय पीने के लिए बार में जा रहे थे। घाट के किनारे पर्यटकों की भीड़ एक लॉबस्टर नाव से माल उतारते हुए देख रही थी।
मेग भीड़ को चीरते हुए आई और ब्यूक की यात्री सीट पर बैठ गई। उसने अपना मैला-कुचैला सफेद स्वेटर और पुरानी पैंट पहनी हुई थी; जैसे ही वह बैठी, उसके लंबे, बेजान बाल उसके कंधों पर लहराने लगे।
चक स्टीयरिंग व्हील के नीचे बैठ गया। उसने इग्निशन की चाबी घुमाई और इंजन स्टार्ट कर दिया।

“बस यही है, जान,” उसने कहा। उसने अपनी आवाज़ में आत्मविश्वास भरने की कोशिश की, लेकिन वह बेचैन था। अगले दो घंटे खतरनाक हो सकते थे। उसे लगा कि पोक फल की दुकान पर है। उसने भीड़ भरे घाट पर बेचैनी से इधर-उधर देखा।
मेग के चुप रहने पर उसने उसे घूरकर देखा। वह शांत लग रही थी और उसने उसके हाथों को देखा: उनमें कोई कंपन नहीं थी, और इससे उसे गुस्सा आ गया। वह हद से ज़्यादा बेपरवाह थी, उसने सोचा, और उसे एहसास हुआ कि उसे कोई परवाह नहीं है। यह खतरनाक था। जब आप परवाह नहीं करते, तो आप जोखिम उठाते हैं। किसी पुलिसवाले के उस पर झपटने की संभावना के बारे में सोचते ही उसे डर का एक झटका लगा। उन्होंने कहा, "जैसे ही हमें पैसे मिलेंगे, हम निकल पड़ेंगे। हम लॉस एंजिल्स जाएंगे... वो तो मौज-मस्ती का शहर है। दो हजार डॉलर में हम खूब मजे करेंगे।"
फिर भी उसने कुछ नहीं कहा। वह कार की खिड़की से बाहर घूर रही थी, उसका चेहरा भावहीन था और उसे उसे चोट पहुँचाने की तीव्र इच्छा हो रही थी, लेकिन यह सही समय नहीं था।
उसने पिछली रात के बारे में सोचा। वह उसे चाहता था और उसे उसकी ज़रूरत थी।
वह उसके नीचे एक मृत शरीर की तरह पड़ी थी। उसने उसके साथ जो कुछ भी किया था, उससे उसमें कोई उत्तेजना नहीं जागी थी और जब अंततः उसकी वासना शांत हो गई, तो वह घृणा से उसके ऊपर से लुढ़क गया। जैसे ही उसने गाड़ी को पार्किंग से बाहर निकालने के लिए रिवर्स गियर लगाया, अचानक उसने तय कर लिया कि अब उसका उससे कोई वास्ता नहीं है। वह उसे भी वैसे ही छोड़ देगा जैसे उसने उस भारतीय को छोड़ा था। जैसे ही वह सारे लिफाफे इकट्ठा कर लेगी और वे हाईवे 27 पर पहुँच जाएँगे, वह रुककर उसे बाहर फेंक देगा। दो हज़ार

डॉलर या जो भी रकम उन्हें मिलेगी, उससे उसे यकीन था कि उसे कोई ऐसी लड़की मिल जाएगी जो उसके साथ इस ज़ॉम्बी की तरह बर्ताव नहीं करेगी। कुछ भी नहीं! क्या उसने उसके बारे में यही नहीं कहा था? ठीक है, वह उसे छोड़ देगा, लेकिन तब तक नहीं जब तक उसे लिफाफे न मिल जाएँ!
“हम पहले एडलॉन जाएंगे,” उन्होंने कहा। “बूथ नंबर 6। क्या आप सुन रहे हैं?”
“हां,” मेग ने कहा।
जैसे ही उसने कार को भीड़भाड़ वाले घाट के किनारे से होते हुए एक गली में मोड़ा जो उन्हें मुख्य बुलेवार्ड तक ले जाएगी, गश्ती अधिकारी ओ'ग्राडी बुलेवार्ड की ओर जाने वाले सड़क के कोने पर खड़े थे।
हर गश्ती पुलिसकर्मी को निर्देश और विवरण दिया गया था। निर्देश स्पष्ट थे: गिरफ्तार न करें, रिपोर्ट करें। उसने धूल से सनी ब्यूक कार पर नज़र डाली और सतर्क हो गया। जैसे ही कार उसके पास से रेंगती हुई गुजरी, उसने चक और फिर मेग को देखा और तुरंत उन्हें उस विवरण से पहचान लिया जो उसे रटा हुआ था। कार को रोककर गिरफ्तार करने का प्रलोभन उसके लिए लगभग असहनीय था। उसने कल्पना की कि उसकी तस्वीर सभी अखबारों में छपेगी और शायद वह टीवी पर इंटरव्यू भी देगा, लेकिन बीगलर के गुस्से के ख्याल ने उसके प्रलोभन को शांत कर दिया। उसने कार को बुलेवार्ड पर भारी यातायात में शामिल होते देखा, फिर अपना टू-वे रेडियो चालू किया। उसकी सूचना का इंतजार करते हुए, बीगलर ने पेट्रोल कार 4 को सतर्क कर दिया।
पुलिस अधिकारी हम और पुलिस अधिकारी जेसन सड़क के किनारे खड़े थे। जैसे ही रेडियो बॉक्स से बीगलर की आवाज आई, वे सतर्क हो गए।

“X.50. 1963 मॉडल की गहरे नीले रंग की ब्यूक कार। नंबर 55789 आपकी ओर आ रही है। X.50 दोहराएँ। अगर हो सके तो पीछा करें, लेकिन अगर आपको लगे कि आपको देखा जा सकता है तो पीछा करना छोड़ दें। पुरुष और महिला दोनों। अगर आपको ज़रा भी लगे कि वे आपको देख सकते हैं तो उन्हें अकेला छोड़ दें।”
कोड सिग्नल X.50 ने हम को बताया कि यह एक्ज़ीक्यूशनर का ऑपरेशन था। उसने कार का इंजन स्टार्ट किया। उसने अपना रेडियो चालू रखा और बीगलर को अन्य गश्ती कारों को सतर्क करते हुए सुन सकता था। "ये आ रहे हैं," जेसन ने कहा, और हम ने पुलिस की गाड़ी को गाड़ियों की भीड़ में ले जाना शुरू कर दिया।
ब्यूक कार उनके पास से गुज़री और दोनों पुलिस अधिकारियों ने चक और मेग को अच्छी तरह से देख लिया। हम ने अपनी कार को एक रोल्स रॉयस और एक कैडिलैक के बीच से निकाला। रोल्स रॉयस के ड्राइवर ने हॉर्न बजाया, फिर उसे एहसास हुआ कि वह पुलिस की गाड़ी के प्रति अपनी नाराज़गी दिखा रहा है। उसने ऐसा दिखाने की कोशिश की जैसे उसने गलती से हॉर्न का बटन दबा दिया हो, जबकि जेसन उसे घूर रहा था।
ब्यूक ने आगे की ट्रैफिक लाइट को पार कर लिया और हम को रुकना पड़ा तो उसने गुस्से में बड़बड़ाया।
“हम बुरी तरह फंस गए हैं,” उसने कहा। “इस मुसीबत से निकलने का एकमात्र तरीका सायरन बजाना है। वे चले गए। हमने उन्हें खो दिया है।” उसने बीगलर को सूचना दी।
उन्हें देखे जाने से बेखबर, चक अगले चौराहे पर दाईं ओर मुड़ा और एडलॉन होटल पहुंचते ही उसने अपनी गति धीमी कर दी।
"जाओ, जान, मैं यहीं इंतजार करूंगा।"

मेग होटल के अंदर गई और बूथ नंबर 6 से लिफाफा ले लिया। वह वापस कार में आई और लिफाफे को कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रख दिया। एडलॉन होटल से चक एक्सेल्सियर होटल तक गाड़ी चलाकर गया और वहाँ भी मेग ने बिना किसी परेशानी के एक लिफाफा ले लिया।
खुशी की बढ़ती भावना के साथ, चक ने उसे लिफाफा कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रखते हुए देखा, फिर वह शहर के रेलवे स्टेशन की ओर गाड़ी चलाकर निकल गया।
“यार!” उसने मन ही मन बुदबुदाया, “ये तो सचमुच गाय दुहने जैसा है! हज़ार डॉलर मिलने ही वाले हैं! तीन और पड़ाव और हम घर पहुँच जाएँगे!”
पेट्रोल कार नंबर 6 ने बताया कि ब्यूक कार विपरीत दिशा से उनके आगे निकल गई थी। ट्रैफिक इतना ज़्यादा था कि मुड़ना संभव नहीं था, इसलिए वे कार को देख नहीं पाए।
बीगलर ने अपनी मेज पर फैले बड़े आकार के नक्शे को देखा। उन्होंने उस स्थान को चिह्नित किया जहां ब्यूक को देखा गया था और गश्ती कार 1 और 2 को सतर्क किया कि ब्यूक उनकी ओर आ रही हो सकती है।
लेकिन चक रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए गलियों का इस्तेमाल करने लगा और गश्ती दल उसे ढूंढ नहीं पाए।
चक को स्टेशन के चारों ओर चक्कर लगाना पड़ा क्योंकि वहाँ पार्किंग की जगह नहीं थी। इससे उसे परेशानी हुई। कोई ताक-झांक करने वाला पुलिसवाला उसे रोककर पूछ सकता था कि वह किसका इंतज़ार कर रहा है। स्टेशन के चार चक्कर लगाने के बाद आखिरकार उसे मेग इंतज़ार करती हुई दिखी।
जब वह गाड़ी रोककर उठा तो उसके चेहरे से पसीना बह रहा था।

“हे भगवान! तुमने हद ही कर दी!” जैसे ही वह कार में बैठी और उसने गाड़ी भगा दी, वह गुस्से से बोला। “क्या तुम्हें वो मिल गया?” “हां।” मेग ने कार का ग्लव कंपार्टमेंट खोला और तीसरा लिफाफा बाकी दो लिफाफों के ऊपर रख दिया।
“उफ़!” चक ने अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपना चेहरा पोंछा। “एक पल के लिए…” वह रुका और ज़बरदस्ती मुस्कुराया। “पंद्रह सौ डॉलर! अब ग्रेहाउंड बस पकड़ो!”
वह एक गली से मुड़कर सीव्यू बुलेवार्ड पर आ गया। एक गश्ती अधिकारी, जो पूरी तरह सतर्क था, ने भारी ट्रैफिक में धीरे-धीरे चल रही ब्यूक कार को देखा और बीगलर को सूचित किया। बीगलर ने गश्ती कार 2 को सूचित किया, लेकिन वह कार ट्रैफिक में बुरी तरह फंसी हुई थी। ड्राइवर ने कहा कि सायरन बजाए बिना वह कुछ नहीं कर सकता। बीगलर ने उसकी बात मान ली और गुस्से में बड़बड़ाया। उसे इस बात से बहुत गुस्सा आ रहा था कि बुलेवार्ड ऐसे लापरवाह ड्राइवरों से भरा हुआ था जो अपनी कारों और खुद का दिखावा कर रहे थे और समुद्र तट पर लोगों की हरकतों को देख रहे थे।
मेग ने ब्यूक कार छोड़ी और ग्रेहाउंड बस स्टेशन की ओर चल पड़ी। बूथ नंबर 4 पर पहले से ही लोग मौजूद थे।
तीस साल की उम्र की वह युवती, जो फोन पर बात कर रही थी, वैसी ही थी जैसी मेग को बिल्कुल नापसंद थी: शादीशुदा, घटिया हेयरस्टाइल वाली, बेढंगी ड्रेस और नकली गहने पहने। ज़ाहिर है, उसका एक बच्चा होगा जिसके बारे में वह लगातार बात करती रहेगी, यह बात छुपाते हुए कि बच्चा अनुशासनहीन और बिगड़ैल होगा और उसकी ज़िंदगी को मुसीबत बना देगा। उसकी शादी एक ऐसे उबाऊ आदमी से होगी जो सिर्फ पैसे और गोल्फ के बारे में बात करता रहेगा और अपनी नौकरी खोने से बुरी तरह डरा रहेगा।

मेग उससे नफरत करती हुई उसे देखती रही, जब वह बात कर रही थी और हाथ हिला रही थी... याक... याक... याक। उसकी तीखी हंसी धूल भरे कांच के दरवाजे से सुनाई दे रही थी। याक... याक... याक।
धैर्य खोते हुए, मेग ने बूथ का दरवाजा खोला, उस महिला को एक तरफ धकेल दिया, सिक्कों के डिब्बे के नीचे हाथ डाला, लिफाफा ढूंढा, उसे झटके से बाहर निकाला और अपने बैग में रख लिया।
“अरे! माफ कीजिए!” महिला ने आंखें चौड़ी करते हुए कहा।
"भाड़ में जाओ," मेग ने कहा और फिर वहां से चली गई जहां चक उसका इंतजार कर रहा था।
"कोई परेशानी तो नहीं?" चक ने कहा जब मेग ने लिफाफा कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रख दिया।
उसने उसे भावहीन निगाहों से देखा।
"अगर ऐसा होता तो क्या मैं यहाँ होता?"
चक ने एक लंबी सांस ली।
दो हज़ार डॉलर्स!
"तुम्हें क्या हुआ है?" उसने हाईवे पर गाड़ी चलाते हुए पूछा। "आखिर तुम्हें क्या हुआ है?"
“काश मुझे पता होता,” मेग ने कहा। “काश मुझे पता होता!”
खैर, वह जल्द ही उससे छुटकारा पा लेगा, चक ने मन ही मन सोचा। वह तो बिल्कुल उस भारतीय की तरह पागल है! लेकिन जब तक उन दोनों से छुटकारा मिल रहा है, तब तक क्या फर्क पड़ता है? अगला पड़ाव हवाई अड्डा है! भले ही वहाँ कोई लिफाफा न हो, अब उसके पास दो हज़ार छह सौ डॉलर थे! यार! इतने पैसों से तो खूब मज़ा आएगा!
वे हवाई अड्डे पर तब पहुंचे जब लॉबी में लगी बड़ी घड़ी की सुइयां 12.15 बजा रही थीं।

चक को बड़े पार्किंग स्थल में करीने से कतारों में खड़ी कई कारों के बीच पार्किंग की जगह मिल गई। पिस्तौल की पकड़ वाले ब्रेक लीवर को खींचते ही उसे अपने पसीने की गंध आने लगी।
“चलो शुरू करते हैं, बेबी... आखिरी राउंड! चलो... चलो, जल्दी करो!” मेग कार से बाहर निकली और हवाई अड्डे की ओर रनवे पर चलने लगी। चक ने यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच की कि आस-पास कोई नहीं है, फिर उसने कार के ग्लव कंपार्टमेंट से लिफाफे निकाले और उन्हें अपनी चाकू से फाड़ दिया।
उसके घुटनों पर पैसे बिखर गए।
गाय का दूध दुहना! चेरी तोड़ना! कितना आनंददायक शोरगुल है! पैसे गिनने के बाद, उसने सारी रकम एक लिफाफे में डाल दी और बाकी तीन लिफाफों को मोड़कर पिछली सीट पर फेंक दिया। फिर उसने पैसों से भरे हुए लिफाफे को कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रख दिया। अगर यह आखिरी सौदा भी सफल हो गया, तो उसके पास तीन हजार एक सौ डॉलर होंगे!
अरे! अरे! अरे!
उसने स्टीयरिंग व्हील पर मुक्का मारा।
चलो! चलो! उसने सोचा। चलो, तुम ज़ॉम्बी कुतिया! यहाँ से निकल चलते हैं!
फिर उसे वह पल याद आया जब वह हाईवे पर गाड़ी रोकेगा, दूसरी तरफ का दरवाजा खोलेगा और उसे बाहर फेंक देगा।
उसने सोचा कि वह हाईवे के किनारे खड़ी होकर उसे देखती रहेगी जब वह गाड़ी चलाकर चला जाएगा।
वाह! क्या शानदार पल होगा वो!

***

लेप्सकी सुबह 11 बजे से ड्यूटी पर था। जैकोबी ने उसे बताया था कि अभी तक रिपोर्ट करने लायक कुछ नहीं है। लिफाफा अभी भी अपनी जगह पर था। बाकी जासूसों को ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया था और वे अब घटनास्थल पर वापस आ गए थे।
"हम यहां हफ्तों तक इंतजार कर सकते हैं," लेप्सकी ने चिढ़कर कहा और सिगरेट जलाकर कुर्सी पर बैठ गया।
“मैं एक कप कॉफी लेने जा रहा हूँ... ठीक है?” जैकोबी दरवाजे की ओर बढ़ा।
तभी रेडियो पर बीगलर की आवाज सुनाई दी। दोनों आदमी एकदम सतर्क हो गए।
बेगलर ने उन्हें बताया कि भारतीय नहीं बल्कि पुरुष और महिला को देखा गया है और वे उनकी ओर आ रहे हो सकते हैं। गश्ती वाहनों ने उन्हें फिलहाल खो दिया है।
जब बेगलर ने फोन बंद कर दिया, तो लेप्सकी ने कहा, "मैक्स, लॉबी में जाओ। यहाँ कुछ गड़बड़ हो सकती है।"
जैसे ही जैकोबी ने कार्यालय छोड़ा, लेप्सकी ने रेडियो पर अन्य चार जासूसों को सतर्क कर दिया।
लेकिन 12:15 बजे जाकर लंबे इंतजार का फल मिला। जैकोबी ने उसे सबसे पहले देखा, फिर जब वह टेलीफोन बूथों की कतार की ओर तेज़ी से बढ़ी, तो लेप्सकी ने उसे देख लिया।
वह उसे ध्यान से देखता रहा: लंबी, सुनहरे, पतले बालों वाली, मैली- कुचैली, उदास चेहरे और पीली रंगत वाली लड़की। जैसे ही उसने उसे बूथ बी का दरवाजा खोलते देखा, उसे यकीन हो गया कि यही वह महिला है जिसका वे इंतजार कर रहे थे।
उसने अपने रेडियो का स्विच नीचे की ओर दबा दिया।

“लगता है वो आ गई! सुनहरे बालों वाली, सफेद स्वेटर और नीली पैंट पहने। अभी बूथ में है। उसके पास मत जाओ... दूर से उसका पीछा करो!” उसने फोन बंद कर दिया।
ऑफिस से निकलते ही वह तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतरकर लॉबी में चला गया।
लड़की अपना हैंडबैग लहराते हुए जा रही थी। जैकोबी उसके पीछे- पीछे चलने लगा।
जैसे ही एक बड़े, मोटे आदमी ने दरवाजा खोला, लेप्सकी तेजी से टेलीफोन बूथ की ओर दौड़ा।
“पुलिस!” लेप्सकी ने पुलिस वाले लहजे में गुर्राते हुए उस आदमी को धक्का देकर रास्ते से हटाया और सिक्कों के डिब्बे के नीचे हाथ डाला। लिफाफा गायब था! वह उसे घूर रहे मोटे आदमी से बचते हुए तेजी से जैकोबी के पीछे चल पड़ा।
यही थी वो महिला!
उसने अपना टू-वे रेडियो चालू किया।
“बस यही है! वो अब बाहर आ रही है!” धूप में रुककर उसने देखा कि लड़की पार्किंग की ओर बढ़ रही है। जैकोबी को अपनी कार की ओर मुड़ते देख उसने सहमति में सिर हिलाया। “वो कार पार्क की ओर जा रही है, डेव! अपनी कार उत्तरी निकास पर ले जाओ और इंतज़ार करो। बुइक 55789। अगर कोई आए तो उसे रोक लेना। एंडी! दक्षिणी निकास पर नज़र रखना!” फोन बंद करके वह जैकोबी की कार की ओर भागा और उसमें घुस गया। जैकोबी ने रेडियो चालू कर रखा था और वह हवाई अड्डे से एक मील के दायरे में चक्कर लगा रही छह गश्ती कारों को निर्देश दे रहा था।
गश्ती कारों के चालकों को पता था कि उन्हें क्या करना है। प्रत्येक कार शहर से बाहर निकलने वाले हर रास्ते पर फैल गई। यही

उनका काम था। हवाई अड्डे पर मौजूद तीन पुलिस कारें ब्यूक कार को सुरक्षा प्रदान करेंगी यदि वह वापस शहर की ओर जाती है।
डेव फैरेल ने प्रसारण शुरू किया।
“टॉम, उत्तर की ओर निकलो और शहर से बाहर जाओ। मैं कवर कर रहा हूँ।”
"चलो चलते हैं," लेप्सकी ने कहा, और जैकोबी ने कार को आगे बढ़ा दिया।

***

डेविड जैक्सन जूनियर नशे में धुत होकर सोया और नशे में ही जागा। आज सुबह हवाई अड्डे पर उसे अपनी माँ से मिलना था, जो न्यूयॉर्क से मिलने आ रही थीं। वह अपनी माँ से बहुत प्यार करता था, लेकिन उसे बहुत अफ़सोस था कि उसने ऐसे समय में पैराडाइज़ सिटी आने का फ़ैसला क्यों किया, जब वह स्पैनिश होटल में मौज-मस्ती कर रहा था। लेकिन उसकी माँ उसके लिए बहुत मायने रखती थी। वह उसकी जीवनरेखा थी, और कई बार वह उसकी सराहना करता था। वह जानता था कि उसके पिता और उसके बीच का रिश्ता माँ के सहारे ही टिका हुआ था। अगर उसकी माँ का दृढ़ और निरंतर हस्तक्षेप न होता, तो डेविड जैक्सन जूनियर को बहुत पहले ही जायदाद से बेदखल कर दिया गया होता, और चूंकि उसके पिता की संपत्ति लगभग पंद्रह मिलियन डॉलर थी, इसलिए जायदाद से बेदखल होने का विचार डेविड जैक्सन जूनियर को बहुत परेशान करता था, जैसा कि दिवंगत डेमन रन्योन ने कहा होगा।
जब उसकी नींद खुली, तो वह खुद को घसीटते हुए बिस्तर से उठा, यह जानते हुए कि कम से कम वह इतना तो कर ही सकता है कि समय पर हवाई

अड्डे पर अपनी प्रेमिका से मिले, चाहे उसकी जान ही क्यों न चली जाए। उसे इतना हैंगओवर था कि ऐसा लग रहा था जैसे उसे किसी चक्की में पीस दिया गया हो। अपनी ई टाइप जग में बैठते ही, अपने भयंकर सिरदर्द को कम करने के लिए, उसने अपनी कार में हमेशा रखी रहने वाली टीचर्स बियर की बोतल से एक लंबा घूंट लिया।
उसने अपनी सोने की ओमेगा घड़ी पर नजर डाली और पाया कि उसकी मां का विमान आने से पहले उसके पास हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए केवल पंद्रह मिनट का समय था।
उसके पीछे के दांत लगभग स्कॉच में डूबे हुए थे, उसे यह एक चुनौती लग रही थी, और वह ग्रैंड प्रिक्स रेस की गति और एक मूर्ख बच्चे के कौशल के साथ हवाई अड्डे की ओर बढ़ते हुए सड़क पर तेजी से दौड़ पड़ा।
अन्य ड्राइवरों की कुशलता के कारण ही वह तीन टक्करों से बच पाया। फिर वह ट्रैफिक से निकलकर हाईवे पर आ गया और उसने एक्सीलरेटर पैडल को जोर से दबा दिया। कार तेजी से आगे बढ़ी। उसने अपनी घड़ी देखी। समय 12:30 बज रहा था।
जब आप 110 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे हों तो सड़क से नजर हटाना नासमझी है और घड़ी देखना घातक है।
एयरपोर्ट से आने वाली सड़क से हाईवे पर मुड़ते ही एक धूल भरी नीली ब्यूक कार के बगल में जगमगा उठा और उसका लंबा सा बोनट उससे टकरा गया। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि ब्यूक हाईवे के उस पार जा गिरी और एक दूसरी कार, जो रुक नहीं पाई, उससे टकरा गई, जिससे उसका रेडिएटर टूट गया।
जग कार सड़क से उतर गई, पलट गई और पीठ के बल गिर पड़ी, फिर उसमें आग लग गई। डेविड जैक्सन जूनियर की मौत आग की लपटों में घिरने से

पहले ही हो गई थी, जिसके बाद उनका शरीर जलकर मांस के ढेर में तब्दील हो गया।
चक ने अपनी ओर आती हुई जगुआर कार को देखा, लेकिन वह कुछ नहीं कर सका। उसे टक्कर का ज़ोरदार झटका लगा और फिर खिड़की का शीशा छर्रों की तरह उस पर बिखर गया।
किसी अजीब संयोग से कार के दरवाजे उड़कर कार के ढांचे से अलग हो गए। और किसी अजीब संयोग से चक कार से बाहर उछलकर सड़क पर हाथों और घुटनों के बल गिर पड़ा।
वह उसी स्थिति में पड़ा रहा, अपने चारों ओर फैलते खून के पोखर को भय से घूरता रहा, यह जानते हुए कि यह उसका ही खून है। फिर भी, दर्द, भय और इस तथ्य के बावजूद कि वह खून बहने से मर रहा था, उसके दिमाग में बस ब्यूक कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रखे पैसों का ही ख्याल था।
किसी तरह वह लड़खड़ाते हुए खड़ा हुआ। उसे धुंधली-सी आवाज़ में गाड़ियों के हॉर्न और चिल्लाने की आवाजें सुनाई दीं। परवाह न करते हुए, वह लड़खड़ाते हुए क्षतिग्रस्त ब्यूक कार की ओर बढ़ा और पैसों की ओर हाथ बढ़ाया।
जैगुआर से जलते हुए गैसोलीन की एक नदी नारंगी और लाल सांप की तरह सड़क की ढलान से नीचे आई और ब्यूक तक पहुंच गई, तभी चक की खून से लथपथ उंगलियां ग्लोव कंपार्टमेंट में रखे लिफाफे पर बंद हो गईं।
ब्यूक कार के लीक हो रहे पेट्रोल टैंक में विस्फोट हो गया।
चक हवा में उछल गया, उसके कपड़े आग की लपटों में घिरे हुए थे, और उसका जो भी अवशेष बचा था, वह जगुआर के उलटे हुए पहियों पर जा गिरा।

आठ

जैसे ही टक्कर में शामिल तीसरी कार आग की लपटों में घिर गई, जैसे ही लेप्सकी और जैकोबी भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़े, जैसे ही काले धुएं ने चक के मृत शरीर को ढक लिया, एक भूरे हाथ ने मेग की कलाई को पकड़ लिया और उसे आग और धुएं से दूर खींच लिया।
मेग सदमे में थी।
वह उड़ते हुए कांच से तो बच गई थी, लेकिन टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसे ऐसा लगा जैसे उसका दिमाग उसके सिर के अंदर से निकलकर अलग हो गया हो।
उसे ऐसा महसूस हुआ जैसे वह खिंची चली जा रही हो और वह बस चलती रही।
वह अंधी और कांपती हुई थी, और महसूस कर रही थी कि भारतीय उसे भीड़ के बीच से घसीटते हुए ले जा रहा है और वह लोगों के शरीरों से टकरा रही है। लोग उसे घूरते रहे, फिर जलती हुई कारों की ओर देखने लगे।
जब तीसरी कार का पेट्रोल टैंक फटा, तो भीड़ पीछे हट गई और मेग घुटनों के बल गिर पड़ी। उसने महसूस किया कि उसे घसीटकर सीधा खड़ा किया जा रहा है, फिर उसे किसी मजबूत, कठोर हाथों ने पकड़ लिया और वह बेहोश हो गई।
उसे पकड़े हुए भारतीय ने झुककर उसकी जांघों के पिछले हिस्से को पकड़ लिया और उसे अपने कंधे पर उठा लिया। वह सिर झुकाए आगे बढ़ा, भीड़ को चीरते हुए आगे बढ़ा, जलती हुई कारों से उठते काले धुएं में उसकी हरकतें छिपी हुई थीं।

जिन लोगों ने उसे देखा, उन्होंने सोचा कि वह किसी बेज़ुबान लड़की को बचा रहा है जो बेहोश हो गई है। जलते हुए शरीरों की गंध, भयंकर लपटें और घना धुआँ किसी गंदी, हिप्पी लड़की को ले जा रहे किसी भारतीय की चिंता करने से कहीं ज़्यादा रोमांचक था। भीड़ ने उसे जाने दिया, फिर जैसे ही चक का शरीर जलने लगा, वे आगे बढ़ गए।
एयरपोर्ट के उत्तरी निकास द्वार से यह सब देख रहे पुलिस कार में बैठे डेव फैरेल ने बीगलर को सतर्क किया।
उन्होंने बताया, “यहां एक भीषण दुर्घटना हुई है। हाईवे पूरी तरह से अवरुद्ध है। हमें मदद चाहिए। बुइक 55789 दुर्घटना में शामिल है। एयरपोर्ट फायर ब्रिगेड मौके पर है। यातायात बुरी तरह से बाधित है। दोहराते हैं... हमें मदद चाहिए।”
तब तक लेप्सकी, और उसके पीछे जैकोबी, भीड़ और धुएं से जूझते हुए जलती हुई ब्यूक कार तक पहुँच चुके थे। दोनों जासूसों ने देखा कि पलटी हुई जगुआर के पिछले पहियों पर चक का शरीर पड़ा था और आग की लपटें उसे चारों ओर से चाट रही थीं। गर्मी इतनी भीषण थी कि वे जलते हुए शरीर के पास भी नहीं जा सके।
सायरन की तेज आवाज के साथ, हवाई अड्डे की दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग से जल रही तीनों कारों पर फोम का छिड़काव शुरू कर दिया।
लगभग दस मिनट बाद लेप्सकी बेगलर को रिपोर्ट कर सका। उसकी रिपोर्ट सुनने के बाद, बेगलर ने उसे मुख्यालय वापस आने और अन्य जासूसों को यातायात जाम सुलझाने में मदद करने के लिए छोड़ने को कहा।
जिस भारतीय ने मेग को क्षतिग्रस्त ब्यूक से बाहर निकाला था, वह अपने पंद्रह टन के ट्रक के ऊंचे केबिन में बैठा था, उसके हाथ

जब हादसा हुआ, तब मैनाटी का ट्रक पार्किंग में खड़ा था। उसने संतरे के दो सौ क्रेट उतार दिए थे और सिगरेट पीने और थोड़ा आराम करने के लिए कुछ देर रुका था। पोक की कार को आग की लपटों में घिरते देख वह दंग रह गया। उसने लड़की को कार से गिरते देखा और तुरंत, बिना सोचे-समझे, उसने कार्रवाई की।
अब वह उसके चरणों में पड़ी थी। उसका चेहरा मुरझाया हुआ और रक्तहीन था और उसकी आँखें बंद थीं।
मैनाटी सोचने लगा कि क्या उसने सही किया था। शायद उसे दखल नहीं देना चाहिए था। शायद उसे बहुत चोट लगी थी। शायद उसे अस्पताल में होना चाहिए था।
उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और धीरे से उसे हिलाया। मेग की आँखें खुल गईं। वह हैरानी से ऊपर उसकी ओर देखने लगी। एक पल के लिए उसे लगा कि उसके ऊपर झुका हुआ आदमी पोक है, फिर उसे एहसास हुआ कि यह एक अजनबी है। उसे यह भी एहसास हुआ कि वह टैक्सी के फर्श पर आधी लेटी हुई है और उसने उठने की कोशिश की।
फिर उसे वह दुर्घटना याद आई और वह क्षण भर के लिए चक को कार से बाहर गिरते हुए देखने की भयावह घटना याद आई, जब उसका चेहरा कांच से सना हुआ था।
“क्या आप ठीक हैं, महिला?” मैनाटी ने पूछा। “क्या आपको चोट लगी है?”
क्या उसे चोट लगी थी?
वह हिली-डुली लेकिन उसे कोई दर्द महसूस नहीं हुआ।
मैं ठीक हूँ। उसे क्या हुआ...?
मुझे लगता है कि वह जल गया।
मेग सिहर उठी, फिर वह टैक्सी की गंदी सीट पर आराम से पीछे की ओर झुक गई।

उसने खुद से कहा, वह आज़ाद हो गई है, वह फिर से शुरुआत कर सकती है। वह कर सकती है... तभी वह कांपने लगी और सदमे से उसने अपना सिर अपने हाथों में रख लिया।
मैनाटी ने देखा कि यातायात फिर से चलने लगा है। इस देरी से उसे आर्थिक नुकसान हो रहा था। उसने इंजन चालू किया।
“क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हें अस्पताल ले जाऊं?” उसने पूछा, उसकी कंपकंपी देखकर वह चिंतित हो गया था।
"नहीं।"
“मैंने आपका हैंडबैग उठा लिया है, महोदया। बेहोश होने पर यह आपसे गिर गया था। यह यहीं आपके पास है।”
मेग ने अपनी कंपकंपी को नियंत्रित करने की कोशिश की।
“आप आराम से आइए। मैं आपको नदी किनारे छोड़ दूंगा। क्या यह ठीक रहेगा?”
जी हाँ... धन्यवाद।
लाल चेहरे वाले और पसीने से तरबतर पुलिसकर्मी के इशारे पर ट्रक धीरे-धीरे वाहनों की भीड़ में घुस गया।

***

"हमने उन्हें पूरी तरह से कवर कर लिया था, फिर यह मनहूस जगुआर अचानक कहीं से आ गई और पूरे ऑपरेशन को बिगाड़ दिया," लेप्सकी कह रहे थे।
टेरेल सुन रहा था। खिड़की की चौखट पर बैठा बीगलर भी सुन रहा था। “ठीक है। वो आदमी तो मर गया, लेकिन लड़की कहाँ है?” टेरेल ने पूछा। “वो कार में थी। मैंने उसे कार में बैठते देखा था,” लेप्सकी ने कहा। “फिर टक्कर हुई। धुआँ घना था और चारों तरफ़

अफरा-तफरी मच गई। वहाँ करीब पाँच सौ लोग इधर-उधर जमा थे। किसी तरह वो निकल गई होगी।” लेप्सकी को पता था कि उसे वहाँ से जाने के लिए माफ़ी माँगनी है और वो ऐसा करने के लिए पीछे की ओर झुक रहा था।
"तो हम फिर से शुरुआत से शुरू कर रहे हैं," बीगलर ने सपाट और हताश स्वर में कहा।
टेरेल सोचते हुए अपनी पाइप को घूरता रहा, फिर उसने अपने भारी कंधों को उठाया।
“हाँ। अब मुझे हेडली से बात करनी होगी। हमें मुश्किल तरीका अपनाना होगा। मैं देखूंगा कि हेडली इनाम देने को तैयार है या नहीं। हमें यह बताना होगा कि हम पोके तोहोलो से बात करना चाहते हैं। हमें नाकाबंदी करनी होगी और उसे ढूंढने के लिए भारतीय इलाके की पूरी छानबीन करनी होगी।”
दरवाजे पर दस्तक हुई और रिकॉर्ड विभाग से जैक हैची अंदर आए। हैची एक लंबा, मजबूत कद-काठी वाला भारतीय था, जिसके बाल सफ़ेद हो रहे थे, घनी झुकी हुई मूंछें थीं और एक विचारक की तरह उसकी काली आँखें बहुत तेज़ थीं। मुख्यालय के जासूस उसका सम्मान करते थे। अगर वे उसे किसी का नाम, हुलिया या काम करने का तरीका बताते, तो वह सिर हिलाता और देर-सवेर - हैची कभी जल्दी नहीं करता था - एक सार्थक जवाब दे देता।
हाल की घटनाओं के प्रभाव में, टेरेल उसे भूल गया था, लेकिन जब उसने उसे देखा, तो वह अचानक उसी तरह से निश्चिंत हो गया जैसे कोई व्यक्ति अपने सक्षम डॉक्टर के आने पर निश्चिंत हो जाता है। “क्या बात है, जैक?”
“मैंने उन सभी रिपोर्टों की जाँच कर ली है, चीफ,” हैची ने कहा। “मुझे खेद है कि मुझे इतना समय लग गया, लेकिन रिपोर्टें बहुत

थीं। एक रिपोर्ट में गड़बड़ी है। जुपिटर लूसी की कोई चचेरी बहन नहीं है।”
“जुपिटर लूसी कौन है?”
“एक भारतीय। उसका अच्छा-खासा कारोबार है, वह संतरे निर्यात करता है और बंदरगाह पर एक दुकान चलाता है,” हैची ने बताया। “वह बंदरगाह के बड़े लोगों में से एक है... एक सावधान और चालाक आदमी। वह कई अवैध काम करता है, लेकिन मुसीबत से दूर रहता है। जब लॉसन और डॉज बंदरगाह पर भारतीयों की जाँच करते हुए उसकी दुकान पर गए, तो लूसी एक दूसरे आदमी के साथ था। लूसी ने उन्हें बताया कि वह आदमी उसका चचेरा भाई, जो लूसी था। लूसी के भाई-बहन तो हैं, लेकिन कोई चचेरा भाई नहीं है।”
यह सुनकर लेप्सकी को अचानक याद आ गया कि उसकी पत्नी ने उससे क्या कहा था: बूढ़ी औरत मेहितबेल बेन्सिंगर ने उससे क्या कहा था: तुम्हें इस आदमी को संतरों के बीच ढूंढना चाहिए।
उस बूढ़ी ज्योतिषी ने पहले ही कह दिया था कि जिस आदमी को उन्हें ढूंढना है वह एक भारतीय है और वह सही थी! अब...
वह आगे की ओर झुककर हैची को घूरने लगा।
“क्या यह आदमी संतरे का व्यापार करता है?”
उसकी आवाज में दबी हुई सी खामोशी ने टेरेल और बीगलर दोनों को उसकी ओर देखने पर मजबूर कर दिया।
"संतरे का उनका व्यापार बहुत अच्छा चलता है।"
लेप्सकी ने एक गहरी सांस ली।
“ये वही है! मैं…” फिर वह अचानक रुक गया। टेरेल और बीगलर को यह बताने का ख्याल आते ही कि उसकी पत्नी ने भविष्य देखने वाले से सलाह ली थी और उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी, उसे पसीना आने लगा।

“क्या तुम्हारे मन में कुछ चल रहा है, टॉम?” बीगलर ने अधीरता से पूछा।
“मुझे कुछ शक है।” लेप्सकी शर्मिंदगी से अपनी कुर्सी पर इधर-उधर हिलने लगे। “मैं…”
टेरेल और बीगलर ने अपना ध्यान फिर से हैची की ओर मोड़ दिया। उन्हें अटकलों में कोई दिलचस्पी नहीं थी: वे तथ्य जानना चाहते थे।
“ठीक है, लूसी का कोई चचेरा भाई नहीं है... हम उसकी जाँच करेंगे,” टेरेल ने लेप्सकी की ओर मुड़कर कहा। “लूसी के स्टॉल पर जाओ और उस आदमी से बात करो जिसे लूसी अपना चचेरा भाई बता रही है।” लेप्सकी को अब पूरा यकीन हो गया था कि जिस आदमी से उसे बात करने को कहा जा रहा था, वह पोके तोहोलो ही थी। वह बुढ़िया भले ही शराब के नशे में चूर हो, लेकिन उसने एक बार अपना काम कर दिया था और अब उसे पूरा यकीन था कि वह दोबारा भी अपना काम कर देगी।
“चीफ... मान लो ये आदमी तोहोलो है,” उसने टेरेल की ओर देखते हुए आगे झुकते हुए कहा। “तो मैं इसकी जाँच करता हूँ। इससे मुझे क्या मिलेगा? मैं तोहोलो को नहीं जानता। मैंने उसे कभी नहीं देखा। हममें से किसी ने भी उसे नहीं देखा। मैं सीधे गोली के मुंह में जा सकता हूँ। ठीक है, हो सकता है ये आदमी जेल से छूटा कोई बदमाश हो जिसकी देखभाल लूसी कर रही हो, लेकिन अगर ये तोहोलो है, तो मैं मुसीबत में पड़ सकता हूँ और पूरे ऑपरेशन को बर्बाद कर सकता हूँ।”
“वह सही कह रहा है,” हैची ने धीमी आवाज़ में कहा। “अगर यह तोहोलो है तो मुसीबत होगी।”
टेरेल ने सिर हिलाया। उसके अचानक गुस्से से तीनों जासूस समझ गए कि वह इस संभावना के बारे में न सोचने के लिए खुद से नाराज़ था।

"हाँ।"
टेरेल ने कुछ देर सोचा, फिर उसने टेलीफोन की ओर हाथ बढ़ाया। “चार्ली... देखो, क्या तुम मुझे मिस्टर रॉडनी ब्रैनज़ेनस्टीन से मिलवा सकते हो? हाँ... ब्रैनज़ेनस्टीन। फिफ्टी क्लब में कोशिश करो।”
कुछ देर इंतजार के बाद, ब्रान्ज़ेनस्टीन ने फोन उठाया।
“रॉड... क्या मैं आपसे एक मदद मांग सकता हूँ? क्या आप मेरे लिए थोड़ा पुलिस का काम कर देंगे?”
टेरेल ने पूछा।
“अरे, भगवान के लिए!” ब्रैनज़ेनस्टीन हँसे। “पुलिस का काम! आपका क्या मतलब है?”
टेरेल ने समझाया।
“जी हाँ, बिलकुल।” ब्रैनज़ेनस्टीन की आवाज़ गंभीर हो गई। “हाँ, मैं पोके तोहोलो को कहीं भी पहचान लूँगा। तो आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?”
“मैं अभी एक आदमी को तुम्हारे पास भेजता हूँ,” टेरेल ने कहा। “वह तुम्हें लूसी का स्टॉल दिखाएगा। मैं चाहता हूँ कि तुम वहाँ से गुज़रो और देखो कि क्या तुम्हें तोहोलो नज़र आता है। सावधान रहना। उसे यह मत लगने देना कि तुमने उसे पहचान लिया है।”
“मैं समझ गया। यह मेरे लिए एक बढ़िया सैर होगी! ठीक है, फ्रैंक, अपने आदमी को नीचे भेजो। मैं इंतज़ार करूँगा।”
“वो कर देगा,” टेरेल ने फोन रखते हुए कहा। “जैक, फिफ्टी क्लब जाओ और ब्रान्ज़ेनस्टीन को नदी किनारे ले जाओ। उसे लूसी का स्टॉल दिखाओ, लेकिन खुद नज़रों से दूर रहना। मुझे तुम्हें बताने की ज़रूरत नहीं है कि क्या करना है।” वह लेप्सकी की ओर मुड़ा। “उसके साथ जाओ और ब्रान्ज़ेनस्टीन को संभालो। जब तक तुम वहाँ

पहुँचोगे, मैं पूरे नदी किनारे को सील कर चुका हूँगा। जल्दी करो!”
जब लेप्सकी और हैची चले गए, तो टेरेल ने बीगलर की ओर देखा।
“यह मामला पेचीदा हो सकता है... तटवर्ती इलाका हमेशा भीड़भाड़ वाला रहता है। अगर यह तोहोलो है, तो वह लड़ाई छेड़ सकता है। हम जानते हैं कि उसके पास बंदूक है।” उसने डेस्क की दराज खोली, तलाशी ली और तटवर्ती इलाके का एक बड़ा नक्शा निकाला।
उसने लगभग एक मिनट तक उसका अध्ययन किया, फिर पेंसिल से नक्शे पर निशान लगाना शुरू कर दिया।
“जो, मैंने जिन गलियों पर निशान लगाए हैं, उन सभी को कवर करो। अगर यह तोहोलो है, तो हम उसे जिंदा या मुर्दा पकड़ लेंगे।” बेगलर ने सिर हिलाया और नक्शा लेकर अपनी डेस्क पर वापस चला गया। माइक्रोफ़ोन उठाते हुए उसने अपने आदमियों को सतर्क करना शुरू किया और उन्हें तेज़ी से एक बड़े अर्धवृत्त में इकट्ठा किया जो तट को घेरकर सील कर देगा।

***

रॉडनी ब्रैन्ज़ेनस्टीन पुलिस की गाड़ी से बाहर निकले, उनके पीछे लेप्सकी और जैक हैची भी बाहर निकले।
“ठीक है, तुम सब,” ब्रैनज़ेनस्टीन ने पूरी तरह से नियंत्रण में रहते हुए कहा, “बस मुझे बता दो कि तुम्हें क्या लगता है कि यह भारतीय कहाँ है और बाकी काम मुझ पर छोड़ दो। मुझे पता है कि तुम्हारा सरदार क्या चाहता है। अगर यह तोहोलो है, तो मैं अपना रुमाल निकालूंगा और ऐसा दिखावा करूंगा जैसे मैं अपना माथा पोंछ रहा हूँ।”

लेप्सकी को कई चीजों से नफरत थी: उनमें से एक थे अमीर कॉरपोरेशन के वकील जो रोल्स-रॉयस कारों के मालिक थे और दस कमरों वाले घरों में रहते थे।
लेप्सकी के लिए, ब्रान्ज़ेनस्टीन एक सांड के लिए मैटाडोर के लबादे की तरह थे। "अपना... क्या पोंछो?" लेप्सकी ने पूछा। ब्रैनज़ेनस्टीन ने दुबले-पतले जासूस को देखा और उसकी कठोर, नीली आँखों में शत्रुता को पहचान लिया।
“भौंह... माथा... मेरे चेहरे का ऊपरी हिस्सा,” ब्रैनज़ेनस्टीन ने व्यंग्य से कहा। “ऐसे।” उन्होंने एक बिल्कुल सफेद रुमाल निकाला और उसे अपने माथे पर फेरा। “क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?” लेप्सकी को उससे और भी ज्यादा नफरत थी।
“हाँ।” उसने हैची की ओर देखा, जो इस दृश्य को मज़े से देख रहा था, लेकिन उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। “मैं चलता हूँ, जैक। दाईं ओर उन्नीसवाँ स्टॉल?”
"इतना ही।"
लेप्सकी भीड़ में घुलमिलते हुए आगे बढ़ गया। उसने स्टॉलों को गिनना शुरू किया। उन्नीसवें स्टॉल पर एक गोरा आदमी एक मोटे भारतीय से बात कर रहा था और पास ही एक युवा भारतीय खड़ा था। लेप्सकी ने गुजरते हुए उस युवा भारतीय को गौर से देखा, और पुलिस के प्रशिक्षण प्राप्त दिमाग में उसके चेहरे के हाव-भाव और पहनावे को अंकित कर लिया। यह पोके तोहोलो हो सकता था, लेकिन उसे ब्रान्ज़ेनस्टीन द्वारा उसकी पहचान किए जाने तक इंतजार करना होगा।
लेप्सकी को निकलने का समय देने के बाद, हैची ब्रान्ज़ेनस्टीन को तट के किनारे ले गया। लगभग सौ गज तक भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ने के बाद, हैची रुक गया।

“स्टोर बिल्कुल सामने है, महोदय,” उसने कहा। “वह खंभा दिख रहा है? स्टॉल उसके ठीक सामने है।”
ब्रैंज़ेनस्टीन ने खंभे को घूरकर देखा, फिर सिर हिलाया। अचानक उसके मन में संदेह उठने लगे। वह खुद से पूछने लगा कि इस चिलचिलाती गर्मी में पुलिस के लिए काम करते हुए वह यहाँ क्या कर रहा है। धिक्कार है! आखिर वह सबसे सफल लोगों में से एक था... वह क्या सोच रहा था? ... शहर का सबसे सफल कॉर्पोरेशन वकील और किसी तरह उसे एक पागल भारतीय की पहचान करने के लिए मना लिया गया! वह मौत की ओर बढ़ रहा था!
ब्रैंज़ेनस्टीन को अचानक रंग उड़ता और हिचकिचाते देख, डर के संकेतों को पहचानने वाले हैची ने धीरे से कहा, "महोदय, वह खंभा ठीक आगे है।"
ब्रैंज़ेनस्टीन को पसीना आ रहा था। "हाँ... हाँ... मैं अंधा नहीं हूँ!"
“ठीक है, महोदय। लेप्सकी आपकी सुरक्षा करेगा। लेप्सकी पुलिस बल का सबसे अच्छा निशानेबाज है, महोदय।”
हैची को उम्मीद थी कि यह श्वेत व्यक्ति यह जानकर शायद आश्वस्त हो जाएगा कि उसे सुरक्षा प्रदान की जा रही है, लेकिन इसका उल्टा ही हुआ। सुरक्षा की आशंका ने ही ब्रैनज़ेनस्टीन के भय को और बढ़ा दिया।
तो उन्हें लगा कि गोलीबारी हो सकती है! हे भगवान! ब्रैनज़ेनस्टीन ऑपरेशन रद्द करने ही वाले थे कि उन्होंने देखा कि एक बुजुर्ग भारतीय उन्हें घूर रहा है, उसकी काली आँखें शांत थीं, लेकिन जिज्ञासु थीं।
उसने खुद को संभाला। वह इस भारतीय को यह नहीं बता सकता था कि वह कितना डरा हुआ था।

“ठीक है,” उसने भारी आवाज़ में कहा। “मैं चलता हूँ,” और वह दूर स्थित बैरिकेड की ओर चल पड़ा।
उसे भीड़ में से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ना पड़ा। शोर, विक्रेताओं की चीखें और पर्यटकों की कर्कश आवाज़ों ने उसकी घबराहट को और बढ़ा दिया। आखिरकार वह बैरिकेड तक पहुँच गया। खंभे के ठीक सामने फलों की दुकानों की एक कतार थी। दिल की धड़कन तेज़ होते देख, ब्रान्ज़ेनस्टीन रुक गया। वह अचानक इतना डर गया कि दुकानों की ओर देखने की हिम्मत ही नहीं कर पा रहा था।
इसके बजाय, वह मुड़ा और बंदरगाह के तेलयुक्त पानी के उस पार घूरने लगा।
उसे देखते हुए लेप्सकी ने आह भरी। क्या यह मोटा आलसी आदमी डरपोक बन रहा है? उसने खुद से पूछा।
लेप्सकी तटवर्ती इलाके में स्थित बेहतरीन मछली रेस्तरांओं की ओर जाने वाले मेहराब की छाया में खड़ा था। तली हुई मछलियों की महक से उसे भूख लग गई। उसे एहसास हुआ कि उसने पिछले पचास घंटों में ठीक से भोजन नहीं किया था।
उसने अपना ध्यान वापस ब्रान्ज़ेनस्टीन पर केंद्रित किया। उस अजीब आदमी को क्या हो गया था? वह पहली बार स्क्रीन पर किसी टीवी कलाकार की तरह व्यवहार कर रहा था।
उसने देखा कि ब्रान्ज़ेनस्टीन मुड़ा और फलों के स्टॉलों की ओर देखने लगा। उसने देखा कि वह अकड़ गया, घूरने लगा, फिर उसने अपना रूमाल निकाला और अपना माथा पोंछा।
यह लेप्सकी द्वारा देखा गया अब तक का सबसे घटिया प्रदर्शन था: इतना घटिया कि इसने पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने उसी तरह प्रतिक्रिया दी जैसे कोई व्यक्ति खाली आकाश की ओर

देखता है: लगभग तुरंत ही सैकड़ों चेहरे ऊपर की ओर मुड़ जाते हैं।
लेप्सकी ने मन ही मन बड़बड़ाते हुए गाली दी।
पोक तोहोलो संतरे के एक डिब्बे से टेक लगाकर खड़ा था। जुपिटर लूसी स्पेनिश होटल के फल खरीदार से होटल को प्रतिदिन आठ डिब्बे संतरे की आपूर्ति करने का सौदा कर रही थी। उनका सौदा काफी कड़वाहट भरा हो गया था। पोक का इससे कोई लेना-देना नहीं था। वह अपनी सस्ती घड़ी को देखता रहा।
अब तक चक ने सारे लिफाफे इकट्ठा कर लिए होंगे।
लेकिन क्या चक पर भरोसा किया जा सकता था?
पांच लिफाफे... ढाई हजार डॉलर। पोक ने सोचते हुए एक संतरा उठाया और उसे निचोड़ा।
यह एक अच्छा विचार था, लेकिन उसकी त्वचा के रंग ने उसे चक और उस लड़की का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर कर दिया था। वह जानता था कि एक बार उनका इस्तेमाल करने के बाद, पैसा अपने आप खतरे में पड़ जाएगा।
उसे वह पल याद आया जब वह चक के पैसे लाने का इंतज़ार कर रहा था और जब चक कमरे में आया था। दरवाजे पर खड़े चक के चेहरे पर अचानक आए डर और सदमे के भाव ने पोक को आगाह कर दिया था कि चक उसे धोखा दे सकता है।
चक के लिए अगली बार मिलने वाले पैसों को लेकर कार में बैठकर भाग जाना कितना आसान होगा।
पोक ने अपनी कलाई पर संतरे का रस बहते हुए महसूस किया और उसे एहसास हुआ कि विचारों के उथल-पुथल में उसने संतरे को बुरी तरह निचोड़ दिया था। उसने बचा हुआ फल नीचे गिरा दिया और अपनी जींस की सीट पर हाथ पोंछा।

लूसी और फल खरीदार का सौदा पूरा हो गया था। अब वे मुस्कुरा रहे थे और हाथ मिला रहे थे।
पोक ने भीड़भाड़ वाले घाट के उस पार बंदरगाह के तैलीय पानी की ओर देखा।
पानी पर फैले तेल ने तैरते रंगों का इंद्रधनुष बना दिया। तभी उसने ब्रान्ज़ेनस्टीन को देखा।
पोक ने उस मोटे, आकर्षक आदमी को तुरंत पहचान लिया। जब पोक फिफ्टी क्लब में बारमैन का काम करता था, तब उसे इस आदमी के घमंड और भारतीयों के प्रति उसके दिखावटी रवैये को सहना पड़ा था। ब्रैनज़ेनस्टीन हमेशा उसके साथ विनम्रता से पेश आता था और पोक को क्लब के अन्य सदस्यों के बर्ताव से ज़्यादा ब्रैनज़ेनस्टीन की यह विनम्रता बुरी लगती थी। उसने ब्रैनज़ेनस्टीन को क्लब के अन्य सदस्यों से यह कहते हुए सुना था, "आखिरकार, गैर-गोरे भी इंसान ही होते हैं।"
पोक को याद आया कि ब्रैनज़ेनस्टीन, जेफरसन लेसी से ऊंची आवाज में बात कर रहा था, जो अश्वेत लोगों से नफरत करता था।
आपको मानना पड़ेगा कि वे मेहनती और कर्मठ हैं। ज़रा सोचिए, उनके बिना यह क्लब कैसे चल पाएगा? मुझे वे पसंद हैं। वे अच्छे लोग हैं। क्या? देखिए, जेफ़, अगर मैं कहूँ तो यह एक बेवकूफी भरी दलील है।
‘क्या हम उन्हें इस क्लब का सदस्य बना दें? हम भी यहाँ अश्वेतों को नहीं चाहेंगे, है ना?’
गहरी नफरत के साथ, पोक ने ब्रान्ज़ेनस्टीन की असहज हरकतों को देखा।
तोहोलो परिवार कैथोलिक था। पोके के घर छोड़ने से पहले, वह हमेशा अपने पिता के साथ रविवार की प्रार्थना सभा में जाता था।

मंद रोशनी से जगमगाते चर्च में, जहाँ मोमबत्तियाँ मनमोहक ढंग से जल रही थीं, पोक घुटनों के बल बैठा अपने पिता को देख रहा था, जो उसके बगल में घुटनों के बल बैठे प्रार्थना करने का नाटक कर रहे थे। वेदी की ओर देखते हुए बूढ़े व्यक्ति के चेहरे पर जो शांति थी, उसे देखकर पोक के मन में निराशा भर गई। यह वह शांति थी जिसे वह कभी नहीं जान पाएगा।
उन्हें एक वाक्य याद आया जो एक पादरी ने एक नीरस और जल्दबाजी में दिए गए भाषण के दौरान इस्तेमाल किया था।
और फिर आया जूडास का चुंबन: विश्वासघात का वह प्रतीक जिसे समय के साथ स्वीकार किया गया।
पोक ने देखा कि ब्रैनज़ेनस्टीन सीधे उसकी ओर देख रहा है और वह समझ गया कि ब्रैनज़ेनस्टीन ने उसे पहचान लिया है। उसने देखा कि ब्रैनज़ेनस्टीन ने अपना रुमाल निकाला और उसे अपने चेहरे पर पोंछा और वह समझ गया कि ब्रैनज़ेनस्टीन उसे धोखा दे रहा है। पोक के मस्तिष्क में मौजूद टेढ़ी-मेढ़ी कोशिका एक फटते हुए टॉर्च के बल्ब की सफेद लौ की तरह चमक उठी।
उसने तुरंत दाएं-बाएं देखा, जैसे कोई जंगली जानवर खतरे का आभास होने पर देखता है। उसे सहज ज्ञान से पता था कि कहीं दूर, पुलिस इस संकेत का इंतजार कर रही है।
जुपिटर लूसी अपनी ऑर्डर बुक में लिखने में व्यस्त था। फल खरीदार अपने सौदे से संतुष्ट होकर जा रहा था।
लेप्सकी ने ब्रान्ज़ेनस्टीन को अपना रूमाल लहराते देखा। तो यह भारतीय तोहोलो था! उसने अपना रेडियो चालू किया।
ऐसा करते हुए, पोक ने अपना हाथ स्टॉल की शेल्फ के नीचे सरकाया और उसकी भूरी उंगलियां.38 ऑटोमैटिक पिस्तौल के बट पर कस गईं। उसके पतले होंठ एक क्रूर गुर्राहट में उसके दांतों से अलग हो गए।

ऊपर देखते ही लूसी ने पोके के चेहरे पर पागलपन और जानलेवा भाव देखा और उसने अपनी नोटबुक गिरा दी और सहमकर पीछे हट गया।
लेप्सकी माइक्रोफोन में कह रहा था: "ब्रान्ज़ेनस्टीन ने तोहोलो की पहचान कर ली है। अब कार्रवाई का समय है।"
ब्रैंज़ेनस्टीन ने वही किया जो टेरेल ने उससे करने को कहा था। वह वहाँ से जाने लगा। वह थोड़ा काँप रहा था और अब भी डरा हुआ था। उसने खुद से कहा, अब यह सब पुलिस पर निर्भर है। यह ऐसा काम था जो वह फिर कभी नहीं करेगा।
लेकिन जैसे-जैसे वह भीड़ के बीच से चलता रहा, उसे अचानक एहसास हुआ कि वह इस कहानी को हफ्तों तक लोगों को सुना सकता है। वह कल्पना करने लगा कि जब वह अपने दोस्तों को बताएगा कि उसने जल्लाद को फंसाने में कैसे मदद की थी, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी।
ठीक उसी क्षण जब वह अपने दोस्तों को प्रभावित करने के विचार से आराम करने और खुद पर गर्व करने लगा था, तभी एक.38 कैलिबर की गोली उसके सिर के पिछले हिस्से में जा लगी।

***

टेरेल के निर्देशों को सुनते हुए, लेप्सकी ने कुछ क्षणों के लिए ब्रान्ज़ेनस्टीन से अपनी नज़रें हटाईं। उसने गोली चलने की आवाज़ सुनी, समय रहते देखा कि ब्रान्ज़ेनस्टीन गिर गया है और उसकी नज़रें उस जगह पर गईं जहाँ तोहोलो था, लेकिन वह भारतीय अब वहाँ नहीं था।
लेप्सकी दुविधा में था। क्या उसे जो हुआ उसकी रिपोर्ट करनी चाहिए या तोहोलो के पीछे जाना चाहिए?

इस क्षणिक झिझक में, फलों के स्टॉलों पर काम कर रहे और जो कुछ हुआ था उसे देख चुके भारतीयों ने इतना भ्रम पैदा कर दिया कि पोक को वहां से निकल जाने का मौका मिल गया।
अगले ही पल तट पर दहशत, चीख-पुकार और धक्का-मुक्की का माहौल छा गया, जाहिर तौर पर भयभीत भारतीय इधर-उधर भागने लगे, जिससे और भी दहशत फैल गई।
लेप्सकी को समझ आ गया था कि तोहोलो का पीछा करना व्यर्थ है, भले ही उसे पता हो कि वह किस रास्ते गया है। उसके और लूसी के स्टॉल के बीच लोगों की उमड़ती भीड़ अब पार करना असंभव था। दो भारतीयों ने घबराहट का नाटक करते हुए एक प्रतिद्वंद्वी के फलों के स्टॉल को उलट दिया और संतरे लहरों की तरह लेप्सकी के पैरों के आसपास लुढ़कने लगे।
उन्होंने अपना रेडियो चालू किया और जो कुछ हुआ था उसकी रिपोर्ट दी। मुख्यालय में वापस आकर, टेरेल और बेगलर ने लेप्सकी की टिप्पणी सुनी।
दोनों आदमी एक-दूसरे को घूरते रहे।
बीगलर ने अपने चीफ को कभी विचलित होते नहीं देखा था और अब टेरेल के अचानक सफेद पड़े चेहरे और हैरान आँखों को देखकर बीगलर को एहसास हुआ कि यह बड़ा, मजबूत आदमी भी विचलित हो सकता है।
“क्या तटवर्ती इलाका सील कर दिया गया है, जो?” टेरेल ने उठते हुए पूछा।
बेगलर खड़ा हो गया।
इसे सील कर दिया गया है।
“फिर हम अंदर जाकर उसे बाहर निकालेंगे,” टेरेल ने कहा। उसने अपनी डेस्क की दराज खोली और उसमें से एक.38 कैलिबर की पुलिस

स्पेशल पिस्टल और हार्नेस निकाली। उसने अपना कोट उतारा और हार्नेस पहन ली।
“देखिए चीफ,” बीगलर ने घबराते हुए कहा, “मैं चला जाता हूँ। किसी को तो यहाँ रुकना ही होगा। फोन आते रहेंगे… और…”
टेरेल उसे घूरता रहा।
“मैं इस फील्ड ऑपरेशन को संभाल रहा हूँ,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “तुम यहीं रहो। मैंने अपने एक दोस्त को मौत के मुंह में भेजा है। यह निजी मामला है,” और वह ऑफिस से चला गया।
बेगलर हिचकिचाया, फिर उसने रेडियो पर लेप्सकी से संपर्क किया। “चीफ आ रहे हैं, टॉम,” उन्होंने कहा। “उन्हें लगता है कि ब्रैनज़ेनस्टीन की मौत के लिए वे ही ज़िम्मेदार हैं। जिस तरह के मूड में वे हैं, गोली लगने पर भी वे कुछ कर सकते हैं। समझे?” "मुझे समझ आ गया," लेप्सकी ने कहा और फोन बंद कर दिया।

***

ब्रैंज़ेनस्टीन को गिरते देख पोक के अंदर एक क्रूर संतुष्टि की लहर दौड़ गई। छिपने का यही सही समय था। ट्रिगर दबाते ही उसने तय कर लिया कि अगला कदम क्या होगा।
जैसे ही ब्रान्ज़ेनस्टीन नीचे गिरा, पोक नीचे झुक गया, जुपिटर लूसी को अपने रास्ते से हटा दिया और फल की दुकान से चार गज से भी कम दूरी पर स्थित एक छोटी सी कबाड़ की दुकान में घुस गया।
यह कबाड़ की दुकान एक अस्सी वर्षीय भारतीय चलाता था, जो धनुष-बाण, मोतियों की माला से लेकर मगरमच्छ की खाल तक सब कुछ बेचता था। वह ओसीडा के संपर्क व्यक्तियों में से एक था। दुकान में रखे कबाड़ का सारा सामान ओसीडा के ही पैसों से खरीदा गया था। वह उन

पोक तेजी से दुकान के पिछले हिस्से में गया और ऊपरी मंजिल की ओर जाने वाला दरवाजा खोला, उस समय वह बहुत आत्मविश्वास महसूस कर रहा था।
समुद्रतटीय इलाका भागने के रास्तों का एक जाल था। वहाँ छतें, तहखाने, छोटे-छोटे, बदबूदार कमरे, खड़ी, अंधेरी सीढ़ियाँ, और भी छोटे कमरे, अन्य छतें, संकरी गलियाँ, ईंट की दीवारें जो दूसरी गलियों में खुलती थीं, आग से बचने के लिए सीढ़ियाँ जो और छतों तक जाती थीं और फिर नीचे की छतों तक, रोशनदान जो ऐसे रास्तों में खुलते थे जिनमें दरवाज़े लगे थे और जिनके पीछे अलमारी जैसे कमरे थे जहाँ भारतीय लोग समुद्रतटीय इलाके में काम न करते समय रहते थे।
पोक को यह सब पता था। कुछ महीने पहले, जीवित रहने की सहज इच्छा ने उसे पूरे तटवर्ती क्षेत्र का जायज़ा लेने के लिए प्रेरित किया था। उसने इस काम को उसी तरह शुरू किया जैसे कोई व्यक्ति नक्शों की मदद से लंबी और जटिल यात्रा की योजना बनाता है, दूरी का हिसाब लगाता है, और तय करता है कि उसे यह रास्ता लेना है या वह।
भारतीयों ने कभी सवाल नहीं पूछे। उनमें से कुछ लोग पोके के उनके ठहरने के घरों की छानबीन करने के तरीके, उनकी छतों पर चढ़ने के तरीके, बदबूदार गलियों में दौड़ने के तरीके से हैरान थे, लेकिन यह उनका मामला नहीं था... शायद लड़का पागल था। उन्हें अपना जीवन यापन करना था... तो क्यों परेशान होना?
अब पोक को एहसास हुआ कि जीवित रहने की उसकी पिछली प्रबल इच्छा रंग ला रही है।
उसे पूरा यकीन था कि पुलिस जानती है कि वही जल्लाद है। किसी तरह उन्हें पता चल गया था कि वह जुपिटर लूसी के साथ काम कर रहा है।

सैकड़ों संतरे, जिन पर लोग पैर रख रहे थे और फिसल रहे थे, ब्रैनज़ेनस्टीन के शव के चारों ओर कालीन की तरह बिछे हुए थे।
इसी अफरा-तफरी में पोक ने जैक हैची को देखा और पहचान लिया, और वह तुरंत समझ गया कि यह आदमी उसके लिए जानलेवा साबित हो सकता है।
यह पुलिसवाला एक भारतीय था। वह बंदरगाह को उतना ही अच्छी तरह जानता था जितना पोक।
कुछ क्षणों के लिए पोक हिचकिचाया, फिर उसके दिमाग की कोशिका एक टॉर्च के बल्ब की तरह फिर से फट गई।
अपनी बांह पर बंदूक की नली टिकाकर, हैची के सिर पर निशाना साधते हुए, उसने ट्रिगर दबा दिया।

***

“तुम इस गड़बड़ को ठीक करो, जैक,” लेप्सकी कह रहा था। “मैं कर दूंगा…” बस इतना ही वह कह पाया।
उसने हैची को लड़खड़ाते हुए देखा और उसके सफ़ेद होते बालों के किनारे खून की एक लकीर दिखाई दी। फिर जैसे ही वह विशालकाय व्यक्ति गिरा, लेप्सकी ने गोली चलने की आवाज़ सुनी।
घूमकर देखने पर उसने तटवर्ती इलाके में बनी कई छोटी-छोटी दुकानों में से एक की छत पर हलचल देखी। उसका हाथ तुरंत अपनी बंदूक की ओर बढ़ा। उसने बंदूक निकाली और एक ही झटके में गोली चला दी।
फिर एंडी शील्ड्स भीड़ के बीच से होते हुए आए और उनके पास पहुंचे।
“वो ऊपर है!” लेप्सकी ने कहा। “चलो!”

डेव फैरेल भीड़ को चीरते हुए आगे बढ़ा और लेप्सकी ने हिलते- डुलते हैची को हाथ हिलाकर अभिवादन किया।
“इसका ख्याल रखना, डेव,” उसने कहा और शील्ड्स के पीछे-पीछे मिक्को की कबाड़ की दुकान की ओर चल पड़ा। भीड़ में से रास्ता बनाते हुए उसने मुश्किल से दस कदम ही बढ़ाए थे कि एक संतरे पर उसका पैर पड़ गया और वह बुरी तरह गिर पड़ा। शील्ड्स, लेप्सकी को गिरने से बचाने की कोशिश में, एक और संतरे पर फिसल गया और लेप्सकी पर जा गिरा। लेप्सकी बड़बड़ाते हुए उठने की कोशिश कर रहा था।
लेप्सकी का शॉट गोल के काफी करीब था।
गोली पोक के सिर के पास से सनसनाती हुई गुजरी और चिमनी से सीमेंट के टुकड़े उछलकर वापस पोक की ओर आ गिरे, जिससे वह बचने के लिए नीचे झुक गया। सीमेंट का एक टुकड़ा उसकी बाईं आंख के नीचे जा लगा और खून बहने लगा।
वह झुककर छत पर भागा, अपने खून बहते चेहरे पर रुमाल रखे हुए। वह लोहे की सीढ़ी से नीचे उतरा, एक संकरी, बदबूदार गली में पहुँचकर एक पल के लिए रुका, रास्ता देखा और फिर दाईं ओर भागा। बिल्ली की फुर्ती से वह एक ईंट की दीवार फांदकर दूसरी गली में पहुँचा, फिर से रास्ता देखा और बाईं ओर भागा। गली के अंत में एक खुला दरवाजा था। खून से सना रुमाल अभी भी अपने चेहरे पर रखे हुए, वह दरवाजे से अंदर गया और संकरी, खड़ी सीढ़ियों पर चढ़ गया। सीढ़ियों के शीर्ष पर एक भारतीय बच्ची सीढ़ी पर गुड़िया से खेल रही थी। पोक रुका और उसे देखा, फिर उसके पास से आगे बढ़ गया। उसके हाथ में बंदूक और खून से सना रुमाल देखकर वह बच्ची डर से चुप हो गई। गलियारे के बिल्कुल आखिरी छोर पर पोक को एक दरवाजा मिला। उसने उसे खोला और फिर से धूप में आ गया। झुककर वह सपाट छत पर भागा, एक

रोशनदान खोलने के लिए रुका, फिर अंधेरे में फिसल गया और रोशनदान के फ्रेम पर खून के निशान छोड़ गया।
चुपचाप चलते हुए, वह संकरी, खड़ी सीढ़ियों से नीचे भागा और एक और गली में खुलते हुए एक दरवाजे से गुजरा। उसने एक दीवार फांदी और एक आंगन में उतर गया जहाँ एक बेहद मोटी भारतीय महिला एक बक्से पर बैठी मुर्गी के पंख नोच रही थी। कुछ पल के लिए दोनों ने एक-दूसरे को देखा, फिर महिला ने अपनी नज़रें नीचे कर लीं और मुर्गी के पंख नोचती रही, जबकि पोके उसके पास से गुजरकर उस झोपड़ी में चला गया जिसे वह अपना घर कहती थी।
वहां से वह एक और गली में पहुंचा, एक और दीवार पर चढ़ा और आखिरकार ओसिडा के किराए के मकान के पिछले दरवाजे पर पहुंच गया। अब उसके चेहरे पर लगे घाव से खून बहना बंद हो गया था और उसने खून से सना रूमाल अपनी जेब में रख लिया। वह गलियारे में रुका, सुनता रहा, फिर आगे बढ़ा और धीरे से वह दरवाजा खोला जो उसे पता था कि ओसिडा के बैठक कक्ष में जाता है।
ओसिडा एक टूटी-फूटी कुर्सी पर बैठा था, उसके हाथ उसके मोटे घुटनों पर टिके थे। वह मैनाटी से बात कर रहा था, जो अभी-अभी वहाँ पहुँचा था।
मंद अंधेरे में पोक को मैनाटी को पहचानने में कुछ पल लगे। एक फुर्तीली और चालाकी भरी हरकत से पोक ने अपनी बंदूक को अपने हिपस्टर्स की पिछली जेब में सरका लिया।
वह कमरे में दाखिल हुआ और दरवाजा बंद कर दिया।
ओसिडा अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया। उसका मोटा चेहरा भावहीन था, उसकी आँखें चंचल थीं।
“पोक, ये तुम्हारे लिए बुरा साबित हो सकता है,” उसने कहा। “मैनटी तुम्हें बता देगा।”

संक्षेप में, मैनाटी ने पोक को हवाई अड्डे पर हुई घटना के बारे में बताया। पोक ने ध्यान से सुना, उसकी आँखें चमक रही थीं। “क्या श्वेत व्यक्ति मर गया है?”
मैनाटी ने सिर हिलाया।
“कार?”
"खत्म।"
और वो लड़की?
मैं उसे समुद्र तट तक ले गया। वह वहां से चली गई।
पोक सोच में पड़ गया। क्या कार के साथ पैसा भी जलकर राख हो गया? क्या लड़की को वह पैसा मिल गया? उसके अंदर गुस्से की एक भयंकर लहर दौड़ गई।
उसने दरवाजे की ओर अंगूठा झटक दिया।
"चले जाओ!"
मैनाटी ने ओसिडा की ओर देखा, जिसने सिर हिलाकर सहमति दी। वह तेजी से कमरे से बाहर चला गया।
कुछ देर की खामोशी के बाद ओसिडा ने धीमी आवाज़ में कहा, "पोक, तुम्हें जाना होगा। मुझे खेद है कि इसका अंत इस तरह हुआ। यह एक अच्छा विचार था। दुर्घटना तो बस दुर्भाग्य थी।"
पोक ने उस मोटे भारतीय को घूरकर देखा, फिर कहा, "मुझे पैसे चाहिए। मुझे एक हजार डॉलर चाहिए।"
ओसीडा सहम गया। पोके को देखकर, उसके चेहरे के भाव और उसकी आँखों की चमक देखकर, उसे एहसास हुआ कि वह एक खतरनाक स्थिति में है। उसे अपनी डेस्क के सबसे ऊपरी दराज में रखी बंदूक याद आई। डेस्क उससे चार गज की दूरी पर थी। वह बंदूक.45 कोल्ट ऑटोमैटिक थी, जिसे उसने एक आर्मी सार्जेंट से खरीदा था और जिसके इस्तेमाल के बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था। उसे उस बंदूक पर गर्व था। वह

समय-समय पर उसे साफ करता और तेल लगाता था। अब, पोक का चेहरा देखकर, उसे एहसास हुआ कि यह बंदूक... अगर वह उस तक पहुँच पाता... तो उसकी जान बचा सकती थी, क्योंकि उसे अचानक यकीन हो गया था कि उसकी जान खतरे में है। लेकिन इस टूटी-फूटी कुर्सी पर बैठे हुए, वह जानता था कि पोक के उसे मारने से पहले वह बंदूक तक नहीं पहुँच पाएगा। उसने खुद से कहा, उसे थोड़ा सा झांसा देना होगा।
“अगर मेरे पास इतना पैसा होता, तो वो तुम्हें मिल जाता,” उसने कहा। “तुम्हारे पिता और मैं अच्छे दोस्त हैं। मुझे तुम्हें यह देने में बहुत खुशी होगी।”
"मेरे पिता की चिंता मत करो... मुझे पैसे दो," पोक ने कहा और उसका हाथ पीछे गया और फिर बंदूक पकड़े हुए वापस दिखाई दिया।
ओसिडा ने सिर हिलाया। वह धीरे-धीरे उठा और मेज की ओर चल पड़ा। जैसे ही उसने बंदूक वाली ऊपरी दराज खोलने के लिए हाथ बढ़ाया, अपने भारी शरीर से रास्ता बनाते हुए, उसने महसूस किया कि पोके की बंदूक उसकी पीठ में धंस गई है और वह समझ गया कि वह हार गया है।
उसका हाथ ऊपरी दराज से दूसरी दराज की ओर बढ़ा, जिसे उसने खोला। इसी दराज में वह अपना पैसा रखता था।
“लो… मेरे पास बस इतना ही है,” उसने कहा। “आप खुद ले लीजिए।” पोक ने उसे एक तरफ धकेल दिया और डॉलर के नोटों का एक मोटा बंडल झट से उठा लिया। उसने नोटों को अपनी कमीज में ठूंस लिया और तेजी से दरवाजे की ओर बढ़ गया।
खतरे को भांपते हुए ओसिडा बिना हिले-डुले खड़ी रही।
"याद रखना, पोक, तुम्हारे पिता और मैं अच्छे दोस्त हैं," उसने कांपती हुई आवाज में कहा।
“ऊपर वाला दराज खोलो,” पोक ने कहा। “चलो... खोलो!”

गया, एक चबूतरे पर पहुँचा और फिर रुक गया। उसके दाहिनी ओर एक अकेला दरवाजा था और वहाँ कोई रोशनदान नहीं था। उसे एहसास हुआ कि वह एक जाल में फंस गया है।
फिर दरवाजा खुल गया और उसने अपनी बंदूक उठा ली।
एक भारतीय लड़की, लंबी, पतली, जिसकी त्वचा पर चेचक के निशान थे, और जिसके बाल चोटी में गुंथे हुए थे, सीढ़ियों पर आई। उसे देखते ही वह जम सी गई।
पोक ने अपनी बंदूक से उसे भेद दिया।
वे एक-दूसरे को घूर रहे थे। पोके की उंगलियों से खून टपक रहा था, जिससे फर्श पर खून का एक छोटा सा गड्ढा बन गया था।
“इसे ठीक करो!” उसने अपनी घायल बांह पर थपथपाया और फिर से बंदूक से उसे धमकाया।
उसकी आँखें चौड़ी हो गईं और उसने सिर हिलाया। वह कमरे में वापस चली गई और उसे इशारा किया।

***

जब पोक ने मैनाटी को बाहर जाने के लिए कहा, तो वह अपने बॉस के डर से केवल ओसिडा के स्टोर रूम तक ही गया था। गोली चलने की आवाज़ सुनकर उसे पता चल गया कि उसका डर सच हो गया है। उसने पोक को गलियारे से नीचे आते देखा, फिर वह दौड़कर लिविंग रूम में गया और फर्श पर पड़े एक विशालकाय शरीर को देखा। वह भय से कांप उठा, फिर मुड़ा और गलियारे से होते हुए पिछले दरवाजे की ओर भागा। उसने दो गोलियों की आवाज़ सुनी, जब पोक और हॉर्न ने एक-दूसरे पर गोलियां चलाईं।

उसने सावधानी से गली में झाँका। उसने पोके को भागते हुए, रुकते हुए और फिर गली के अंत में स्थित आखिरी घर में प्रवेश करते हुए देखा।
इसके बाद मैनाटी ने घायल जासूस को उठकर बैठने की कोशिश करते हुए देखा।
अगर पोक ने ओसीडा को नहीं मारा होता, तो मैनाटी कभी भी एक पल के लिए भी उसे धोखा देने के बारे में नहीं सोचता, लेकिन ओसीडा को मारकर, पोक ने उस बंधन को तोड़ दिया था जो उसे भारतीय सुरक्षा के भाईचारे से जोड़ता था।
मैनाटी गिरे हुए जासूस के पास गया जबकि लेप्सकी और एंडी शील्ड्स दीवार फांदकर नीचे उतर गए।
लेप्सकी का हाथ शील्ड्स की बंदूक पर पड़ा और उसने उसे नीचे की ओर धकेल दिया।
“ये वो नहीं है!” उसने मैनाटी को एक तरफ धकेल दिया और हॉर्न के पास घुटनों के बल बैठ गया, जो अब उठ बैठा था और दर्द से कराह रहा था। “क्या तुम्हें ज्यादा चोट लगी है?”
हॉर्न ने अपना सिर हिलाया।
वह वहां नीचे गया।
लेप्सकी ने उस गंदी बंद गली की ओर देखा।
“एंडी, उसका ख्याल रखना। मदद के लिए रेडियो पर संपर्क करो! वह दीवार फांदकर गिर गया होगा।”
“महोदय!” मैनाटी अब गली की दीवार से पीठ सटाकर खड़ी थी। “वह गली के आखिरी घर में है। बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है सिवाय उस रास्ते के जिससे वह अंदर गया था। मैं उस घर को जानती हूँ। ओसीडा की पोती, मनी, वहीं रहती है।”

लेप्सकी ने उस भारतीय को घूरकर देखा और सोचने लगा कि क्या वह उस पर भरोसा कर सकता है। वह जानता था कि तट के किनारे रहने वाले सभी भारतीय एक-दूसरे के प्रति वफादार थे। यह पोक को भागने का समय देने की एक चाल हो सकती है।
“उसने मेरे बॉस की हत्या की है, महोदय,” मैनाटी ने ऐसे कहा मानो उसे पता हो कि लेप्सकी क्या सोच रहा है। “वह पागल है। उसे अब पकड़ा जाना चाहिए। वह जेल में है!”
"क्या आपको यकीन है कि इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं है?" मैनाटी ने सिर हिलाया।
दो पुलिस अधिकारी दीवार फांदकर अंदर आए।
“तुम दोनों एलेक का ख्याल रखना,” लेप्सकी ने उनसे कहा। “चलो, एंडी, उसे ले आओ!”
हाथों में बंदूकें लिए दोनों जासूस गली से नीचे भागे, घर के खुले दरवाजे पर रुके, फिर लेप्सकी अंदर घुस गया जबकि शील्ड्स ने उसे कवर दिया।
लेप्सकी ने फर्श पर खून के धब्बे देखे और उसने संकरी सीढ़ियों की ओर देखा।
वह पीछे हट गया और उसने अपना रेडियो चालू कर दिया।
टेरेल ने प्रसारण शुरू किया।
लेप्सकी ने जो कुछ घट रहा था उसकी रिपोर्ट दी और यह भी बताया कि वह कहाँ था।
“हमने उसे घेर लिया है, चीफ,” लेप्सकी ने निष्कर्ष निकाला।
“एंडी और मैं उसे लेने के लिए ऊपर जा रहे हैं।”
“क्या वह भाग सकता है?” टेरेल ने पूछा।
“नहीं... हमने उसे काबू में कर लिया है।”

“तो फिर इसे रोक कर रखो, टॉम, जब तक मैं वहाँ नहीं पहुँच जाता। मैं इसे ले जा रहा हूँ।”
लेप्सकी ने मुंह बनाया। उसे याद आया कि बीगलर ने टेरेल को इस झंझट से दूर रखने के बारे में क्या कहा था।
“ठीक है, चीफ,” और उसने फोन बंद कर दिया। वह कुछ देर तक हिचकिचाया, फिर शील्ड्स की तरफ देखा, “चलो इस कमीने को सबक सिखाते हैं,” और चुपचाप चलते हुए सीढ़ियों की ओर चल पड़ा। भारतीय लड़की मनी ने पोके के हाथ पर पट्टी बांधना पूरा किया। जब वह पट्टी बांध रही थी, पोके बिस्तर पर बैठा उस छोटे, गर्म कमरे में इधर-उधर देख रहा था। कमरे का दरवाजा खुला था। बिस्तर के सिरहाने के ऊपर एक बड़ा क्रूस लटका हुआ था। उसने उसे देखा, फिर अपराधबोध के कारण उसकी नज़रें हट गईं। क्रूस को देखकर उसे अपने पिता की याद आ गई और वह समय याद आ गया जब वे चर्च में एक साथ घुटने टेककर प्रार्थना करते थे, जहाँ अगरबत्ती की खुशबू, टिमटिमाती मोमबत्ती की रोशनी और पिता के चेहरे पर शांति का भाव होता था।
“तुम पोके तोहोलो हो, मेरे दादाजी के खास दोस्त के बेटे,” मनी ने उससे दूर हटते हुए कहा। “अब मेरे दादाजी के पास जाओ, वो तुम्हें यहाँ से निकलने में मदद करेंगे। वो कभी किसी की मदद करने से मना नहीं करते।”
“आपके दादाजी?” वह सीधा बैठ गया, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। “ओसीडा?”
उसने सिर हिलाया।
“बिल्कुल। उसके पास जाओ। वह तुम्हारी मदद करेगा।”
पोक पर घोर निराशा की लहर छा गई। लंबे समय से उसे डर सता रहा था कि उसके दिमाग में कुछ गड़बड़ है। उसने यह मानने से इनकार कर

पोके ने अपने बाएं हाथ से ओसिडा से चुराए गए पैसे अपनी कमीज के अंदर से निकाले और बिस्तर पर गिरा दिए।
“मुझे माफ करना,” उसने लड़की की ओर देखते हुए कहा। “मैं बहुत बीमार हूँ। मेरे सिर में कुछ गड़बड़ है।” उसने पैसों की ओर इशारा करते हुए कहा, “अब ये तुम्हारे हैं।”
वह हिचकिचाया, फिर बोला, “मैंने तुम्हारे दादाजी को मार डाला। यह उनका पैसा है। मैंने इसे ले लिया। यह तुम्हारा है।”
दीवार के सहारे रेंगते हुए, लेप्सकी रुककर सुनने लगा।
मनी ने गंदी सफेद रजाई पर पड़े पैसों के ढेर को देखा। उसने इतना पैसा पहले कभी नहीं देखा था। उसकी आँखें फटी रह गईं।
“यह मेरा है?”
उसके मन में कई विचार कौंध गए। अगर ये पैसा सचमुच उसके लिए था, तो उसके लिए एक नए जीवन का द्वार खुल जाएगा। ये कमरा, तट की महक और शोर, रेस्टोरेंट में काम करते समय उसकी स्कर्ट के नीचे घूमती उंगलियां, नए कपड़े खरीदने के लिए जिन गोरे नाविकों को उसे यहां लाना पड़ता था... ये सब और भी बहुत कुछ इस पैसे से मिट जाएगा। "इसे ले लो," पोक ने उसे देखते हुए कहा।
"क्या सच में ये मेरे लिए है?"
पैसों को घूरते हुए उसे यकीन नहीं हो रहा था।
“मैंने तुम्हारे दादा को मार डाला,” पोक ने कहा और उसे एहसास हुआ कि वह सुन नहीं रही है। वह सिर्फ पैसों के बारे में सोच रही थी।
उसके अंदर घृणा की लहर दौड़ गई। “इसे लो और निकल जाओ!”
उसने झटपट पैसे उठाए और दौड़कर बाहर सीढ़ियों पर चली गई।
लेप्सकी ने उसकी कलाई पकड़ ली और उसे शील्ड्स की बाहों में झटक दिया। शील्ड्स ने अपना हाथ उसके मुंह पर रख दिया।

बिस्तर पर बैठे हुए पोक खुले दरवाजे से बाहर देख रहा था। उसके मन में अतीत की नफरतों की तस्वीरें उभर आईं: क्लब, उसके पिता की चाटुकारिता, अमीर लोग, अभिमानी लोग, निर्दयी लोग और संरक्षणवादी लोग।
उसने अक्सर मौत के बारे में सोचा था। उसने सोचा था कि मरने का सबसे दयालु तरीका यह होगा कि एक दीपक की तरह उसकी बाती को धीरे- धीरे कम किया जाए। धीरे-धीरे रोशनी कम होती जाएगी और अंत में बुझ जाएगी। लेकिन अब वह जानता था कि बाती को धीरे-धीरे कम करने का कोई तरीका नहीं होगा। जैसे ही उसने लेप्सकी की परछाई को सूरज की रोशनी में आते देखा, उसने दीवार पर लगे क्रूस की ओर देखा। क्रूस को घूरते हुए, अचानक आशा से भर कर, उसने बंदूक की नली अपने मुंह में डाली और ट्रिगर दबा दिया।

***

क्या आप किसी साथी की तलाश में हैं?
मेग एकदम से अकड़ गई और ऊपर देखने लगी।
पिछले दो घंटों से वह बंदरगाह के सुदूर छोर पर एक पत्थर की बेंच पर अकेली बैठी थी, सिवाय एक मछली पकड़ने वाले बाज के जो उसके ऊपर चक्कर लगा रहा था।
अब तक वह दुर्घटना के सदमे को सह चुकी थी। अब वह सोचने लगी थी कि क्या करे। उसके पास पैसे नहीं थे। उसके कपड़े किराए के कमरे में थे और उसे यकीन था कि अगर वह उन्हें लेने गई तो वह मोटा भारतीय कमरे का किराया मांग लेगा। इसके अलावा, पोक भी शायद वहीं उसका इंतज़ार कर रहा हो। वह वापस नहीं जा सकती थी, इसलिए उसके पास अपने कपड़ों के अलावा और कुछ नहीं था।

उसने मन ही मन कड़वाहट से सोचा कि उसका सोने की परत चढ़ा हुआ भोजन-पात्र खो गया है। कैसा भोजन-पात्र! उसने बेबसी से अपने लंबे बाल कंधों से हटाए। खैर, उसने सोचा, उसे कोई और आदमी ढूंढना ही पड़ेगा जो उसकी ज़रूरत की कुछ चीज़ें खरीद दे। हमेशा कोई न कोई आदमी मिल ही जाता है जो उसकी मदद करने को तैयार रहता है, बशर्ते वह उसके सामने झुकने को तैयार हो।
क्या आप किसी साथी की तलाश में हैं?
ठीक वही शब्द जो चक ने उसे उठाते समय कहे थे और फिर यह भयानक गड़बड़ शुरू हुई थी।
उसने अपने बगल में खड़े युवक की ओर देखा।
कितनी अजीब है! उसने सोचा।
वह लंबा और बेहद दुबला-पतला था, उसकी ठुड्डी पर दाढ़ी थी और वह चश्मा पहनता था। चश्मे के लेंस इतने मोटे थे कि उसकी आंखें भूरे रंग के आंवले जैसी दिखती थीं। उसने एक ग्रे रंग की खुली गर्दन वाली कमीज पहनी थी, जिसे उसने काली पैंट में टक किया हुआ था, और अपनी पतली कमर पर पीतल के फीके बकल वाली एक चौड़ी चमड़े की बेल्ट बांधी हुई थी।
मेग ने सोचा, कम से कम वह साफ-सुथरा तो था, इसलिए उसके पास कुछ पैसे तो होंगे। जब वे गंदे होते थे, जैसे कि वह खुद थी, तब तो पैसे होते ही नहीं थे।
उसके होंठों पर बनावटी मुस्कान आ गई।
“हैलो,” उसने कहा। “तुम कहाँ से आए हो?”
“मैंने तुम्हें देखा। तुम अकेली लग रही थी।” उसने अपनी दाढ़ी को ऐसे खींचा मानो उम्मीद कर रहा हो कि वह इसे देख लेगी, “क्या तुम सच में अकेली हो?”

उसकी आवाज़ धीमी और भावहीन थी। जैसे ही उसने उसे गौर से देखा, उसे निराशा का अनुभव हुआ। 'यहाँ कोई है' वाली उसकी उम्मीद इस विचित्र व्यक्ति से पूरी नहीं होने वाली थी।
फिर भी, अपनी वर्तमान स्थिति में, वह चयनात्मक होने का जोखिम नहीं उठा सकती थी, इसलिए उसने कहा, "मुझे लगता है कि मैं हूं।" "क्या मैं आपके साथ बैठ सकता हूँ?"
मुझे कोई आपत्ति नहीं है।
वह पत्थर की बेंच के चारों ओर घूमकर आया और उसके बगल में बैठ गया।
“मैं मार्क लीज़ हूँ। आपका नाम क्या है?”
“मेग।”
"केवल मैं?"
उसने सिर हिलाया।
कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा। उसने ऊपर देखा और चक्कर लगाते हुए बाज को निहारा।
काश, वो जादू की छड़ी घुमाकर उसके साथ ऊपर पहुँच पाती। वो ज़रूर कोई खास इंसान होता। उसे इस बात का पूरा यकीन था। समुद्र की परिक्रमा करना, मछली पर गोता लगाना, पूरी तरह से आज़ाद होना कितना अद्भुत होता!
"आप विश्राम काल में हैं क्या?"
उसने भौंहें चढ़ाईं, फिर होश में आई।
"क्या?"
"आप विश्राम काल में हैं क्या?"
"क्या आप?"
“नहीं। मेरी नौकरी कल चली गई। मैं यह तय करने की कोशिश कर रहा हूँ कि क्या करूँ और कहाँ जाऊँ।”

उसे उसके लिए थोड़ी सी सहानुभूति महसूस हुई।
"मेरी तरह: मैं भी यह तय करने की कोशिश कर रहा हूँ कि मुझे क्या करना चाहिए।"
उसने उसकी तरफ देखा, फिर नज़रें हटा लीं। एक तेज़, चंचल नज़र, लेकिन वह जानती थी कि उसकी नज़र उसके भरे हुए स्तनों और लंबी टांगों पर पड़ी थी। यह कितना आसान था, उसने सोचा। मर्द कितने मूर्ख प्राणी होते हैं!
“मैं इस शहर से तंग आ गया हूँ। यह बहुत महंगा है। यह सिर्फ अमीरों के लिए है। मेरे पास कार है।” उसने फिर उसकी तरफ देखा। “मैंने सोचा था कि मैं जैक्सनविले चला जाऊँ। वहाँ मेरा एक दोस्त है। वह मुझे नौकरी दिलवा सकता है।” फिर से उसकी नज़रें उसकी छाती पर टिकी थीं। “क्या तुम मेरे साथ चलना चाहोगी?”
उसने जरा भी संकोच नहीं किया।
मुझे कोई आपत्ति नहीं है।
वह थोड़ा शांत हुआ और फिर से अपने सिर पर हाथ फेरने लगा। "कोई बात नहीं। तुम्हारा सामान कहाँ है? मैं गाड़ी लेकर आता हूँ और तुम्हें ले आता हूँ।"
अब उसे उसका अध्ययन करने की बारी थी। उसके दुबले-पतले चेहरे पर कोई भाव नहीं था। वह अपने घुटनों पर टिकी अपनी पतली, हड्डियों वाली हथेलियों को घूर रहा था। उसे एक पल के लिए झिझक हुई। शायद वह एक कामुक विक्षिप्त था। उसने कुछ पल सोचा, फिर मन ही मन उसने कंधे उचका दिए। कामुक विक्षिप्त का विरोध करना ही खतरनाक होता है। उसे पैराडाइज़ सिटी छोड़ना ही होगा।
जैक्सनविले घूमने के लिए किसी भी अन्य जगह जितना ही अच्छा था। “मेरे पास कुछ भी नहीं है,” उसने कहा। “न पैसा... न कपड़े... न कुछ भी नहीं।”

“तुम्हारे पास कुछ खास है... जो हर लड़की के पास होता है।” वह खड़ा हो गया। “चलो चलते हैं।”
वे चुपचाप बंदरगाह की दीवार के किनारे-किनारे चलते हुए कार पार्क तक गए। वह उसे एक जर्जर टी.आर.4 के पास ले गया।
जैसे ही वे कार में बैठे, उसने उसकी ओर देखे बिना कहा, "मैं तुम्हारे साथ यौन संबंध बनाना चाहता हूँ... तुम बनाओगी ना?"
उसे पता था कि ऐसा होने वाला है और उसने उस पल के बारे में सोचा जब यह घिनौना सनकी उसे ले जाएगा और उसका शरीर सिहर उठा। "क्या तुम्हारे पास पैसे हैं?" उसने पूछा।
उसने एक पल के लिए उसकी तरफ देखा, फिर नज़रें हटा लीं।
“इसका इससे क्या लेना-देना है?” उसने भावहीन होकर पूछा।
"आपको पता चल जाएगा।"
फिर उसने कार की विंडशील्ड में अपना प्रतिबिंब देखा और उसका चेहरा बिगड़ गया।
हे भगवान! वह कितनी बुरी हालत में दिख रही थी... उसके बाल!
उसने अपना कंघा निकालने के लिए बैग खोला और वह एकदम चौंक गई, उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। बैग के अंदर एक भूरे रंग का लिफाफा था... वही लिफाफा जो उसने हवाई अड्डे से लिया था। दुर्घटना इतनी जल्दी हुई थी कि उसे बाकी लिफाफों के साथ उसे कार के ग्लव कंपार्टमेंट में रखने का समय ही नहीं मिला था और वह उसे पूरी तरह भूल गई थी।
उसने झटपट बैग बंद कर दिया।
पांच सौ डॉलर!
उसके बगल में बैठा सनकी आदमी कार स्टार्ट करने की कोशिश कर रहा था, स्टार्टर बटन दबा रहा था और खुद से कुछ बुदबुदा रहा था।

[illegible]!

[illegible]

[illegible]

[illegible]